

1.    μαι πρὸς τοὺς ἐμοὶ πολεμεῖν  
      πειρωμένους ἐνέδρας ποιῶν ἐκ τῶν ὀπίσω,  
      καὶ ῥάσσω τοὺς δυναστείᾳ πεποιθότας·  
      τὰ δὲ περὶ τοὺς μηροὺς καὶ τὰ σκέλη ἕως ποδῶν προσέχεις
5.    συγκείμενα; παγίδων εἰσὶ καὶ βρόχων μεμεστωμένα·  
      ἐξ ὧν ἐπιρραίνων τάρασ-  
      σω τὰς ὁδοὺς τῶν εὐθέων, ἐμποδίζων τρέχειν τὸν τῆς εὐσε-  
      βείας δρόμον καὶ ἐν τῇ ἐμῇ ὁ-  
      δῷ βαδίζειν παρασκευάζω. ἐν μέσῳ γὰρ καθήμενος τῶν ὁ-
10. δῶν τῆς ζωῆς καὶ τοῦ θανάτου, σκελί-  
      ζω τοὺς ἐν τῇ ζωῇ περιπατοῦντας, συγκλείων  
      αὐτοὺς εἰς τὴν ὁδὸν τοῦ θανάτου· εἰς δὲ τὴν ἐ-  
      μὴν ἀροτρίασιν, ἀκάνθας καὶ τριβόλους κατασπείρω·  
      ἐν ᾗ σπειρόμενοι ἀρνοῦνται
15. τὴν ὁδὸν τῆς ἀληθείας· σὺ δὲ παντελῶς  
      οὐκ ἠβουλήθης ἀκοῦσαί μου καὶ ἅπαξ  
      ἵνα ἔχω μικρὰν παραμυθίαν·  
      ἔχεις γὰρ καλὸν δεσπότην μετὰ τῶν συνδού-  
      λων σου ὁμιλοῦντα πράως καὶ τη-
20. ροῦντά σε ὡς ἴδιον τέκνον· ἀκούσας δὲ ταῦτα  
      ὁ δοκιμώτατος ἀθλητὴς τοῦ Χριστοῦ, ἐσφράγι-  
      σεν ἑαυτὸν εἰπών· εὐλογητὸς ὁ θεὸς ὁ παραδούς σε  
      εἰς αἰσχύνην τοῖς ἐλπίζουσιν εἰς αὐτόν· καὶ ἐμέ

1. съхранить до конѣца ѿ прѣлести твоее.
2. ꙗко да побѣдивъ те, приимуѣ натриженіе-
3. ніе ѿ своего вѣкъ. бѣгаи оуже ѿ лоу-
4. кавыи, хощу ѿгнати оу те. не прикаса-
5. и се малыимъ, тѣснымъ и жестокымъ
6. пѣтемъ ходещимъ спсѣніа. доули се въ
7. своихъ си. бѣжи ѿ соущіи въ поустыни. глѣю-
8. щоу же стѣмоу си, абие ѿнѣ невидимъ бы
9. дымъ ꙗко ѿ ѿгнѣ показавъ. положи-
10. в же колѣна стѣи, помози се глѣе. слава
11. тебѣ хѣ, прибѣжище ѿбоуреваемымъ.
12. и спсѣніе к тебѣ прибѣгающимъ .
13. Молю оу се иногда абва Макарию въ ке-
14. лии свои. прииде кемоу глѣ глѣе. Ма-
15. каріе, ꙗже не доспѣлъ ꙗси до мѣры же-
16. нь соущіихъ ето въ коемъ градѣ. вста-
17. вѣ же заоутра старѣць. и възъмъ ваинѣ-
18. ныи жьзль, наче шьствие творити въ
19. грѣ. постигъ же вѣнь и познавъ мѣсто
20. тькноу въ дѣври. изышѣши же кѣдина,
21. (при)не него въ домъ. и сѣдѣшоу немѣ мало,
22. (пріи)де и дроугда. ѿнѣ же призва ихъ. о-
23. (не же п)ришѣши, сѣдоше при немъ. и глѣ

109V

262

1. φυλάξει τελείως ἀπὸ τῆς σῆς ἀπάτης·  
ὅπως νικήσας σε λάβω τὸ βραβεῖ-  
ον παρὰ τοῦ ἐμοῦ δεσπότου· φεῦγε τοίνυν  
μακρὰν ὦ βελίαρ Χριστοῦ σε καταργούντος· μὴ ἅπ-
5. του τῶν ὀλίγων τῇ στενῇ ὁδευόντων  
καὶ τραχεῖα ὁδῷ τῆς σωτηρίας· ἀρκοῦ  
τοῖς σοῖς, καὶ φεῦγε τῶν εἰς ἐρημίαν· λέγον-  
τος δὲ τοῦ ἀγίου ταῦτα, εὐθὺς ἐκεῖνος ἀφανὴς ἐγένετο,  
καπνὸν ὥσπερ πυρὸς ἐπιδείξας· θεὶς
10. δὲ τὰ γόνατα ὁ ἅγιος, ἠΰξατο λέγων· δόξα  
σοι Χριστὲ ἡ καταφυγὴ τῶν χειμαζομένων·  
ἡ σωτηρία τῶν εἰς σὲ καταφευγόντων.  
Εὐχομένου ποτὲ τοῦ ἀββᾶ Μακαρίου ἐν τῷ κελ-  
λίῳ αὐτοῦ, ἦλθεν αὐτῷ φωνὴ λέγουσα· Μα-
15. κάριε, οὐπω ἔφθασας εἰς τὰ μέτρα τῶν γυ-  
ναικῶν τῶνδε τῆς πόλεως· ἀνα-  
στὰς δὲ πρῶτ' ὁ γέρων καὶ λαβὼν τὴν βαΐ-  
νην ῥάβδον, ἤρξατο τὴν ὁδοιπορίαν ποιεῖσθαι ἐπὶ  
τὴν πόλιν· φθάσας οὖν ἐν αὐτῇ καὶ γνοὺς τὸν τόπον
20. ἔκρουσε πρὸς τὴν θύραν· ἐξελθοῦσα δὲ ἡ μία,  
ἐδέξατο αὐτὸν εἰς τὸν οἶκον· καθεσθέντος δὲ αὐτοῦ μικρόν,  
ἦλθε καὶ ἡ ἄλλη. καὶ ἐκάλεσεν αὐτάς· αἱ  
δὲ ἐλθοῦσαι, ἐκάθισαν σὺν αὐτῷ· καὶ λέγει

16. Pa om. τῶνδε

1. имь старѣцъ. вѣ ради шѣствиѣ и толикъ
2. троудъ подыехъ, ѿ поустыниѣ пришьдъ.
3. повѣдите ми оуже дѣло ваше. оны же рѣ-
4. ше ѿмоу. вѣроуи ѿче, тако нѣсмы безъ
5. ложиѣ моужьскѣ, когаѣо наю, до днѣшнѣ-
6. го днѣ, и кое дѣло ищѣши ѿ нѣ; могаше
7. же се старѣцъ, гавити ѿмоу дѣло свое. то-
8. гда рѣше ѿмоу. мы оубѣ, разнѣ нѣсѣ по
9. мирѣскомоу сѣродию. сѣлоучи же се намъ
10. припреши се двѣма братама по плѣти.
11. и се еѣ лѣ, еже въ домоу семъ прѣбываѣ.
12. и не вѣмы аще когда крамолоу сѣтвори-
13. хомъ. или скѣврѣнно слово глѣдохомъ. при-
14. иде же намъ въ помышлѣниѣ, остави-
15. ти моуже и вѣнѣти въ дѣвичьскыи чинѣ.
16. и много молими бѣвѣше нами моужие
17. наши ѿставити нѣ, и не вѣсхотѣше. по-
18. грѣшивѣше же изволенѣе се, положиховѣ
19. завѣщаниѣ меѣоу собѣю и бѣмъ, тако до
20. смѣрти наше не изнѣсти слово мирѣс(ко)
21. оусты нашими. Слышавѣ же двѣ Мѣ(карѣ-)
22. ѣ рѣ. въ истинѣ. нѣ дѣвица или м(оужата)
23. или инокъ или бѣльцъ. нѣ бѣ, ( изволенѣе)

1. αὐτῆς ὁ γέρων· δι' ὑμᾶς τὴν πορείαν καὶ τὸν τοσοῦτον  
κάματον ὑπέμεινα ἐκ τῆς ἐρήμου παραγενόμενος·  
εἴπατε οὖν μοι τὴν ἐργασίαν ὑμῶν· αἱ δὲ λέ-  
γουσιν αὐτῷ· πίστευσον πάτερ οὐκ ἔσμεν ἐκτὸς
5. τῆς κοίτης τοῦ ἀνδρὸς ἐκάστη ἡμῶν ἕως τῇ ἡμέρᾳ  
ταύτῃ· καὶ ποίαν ἐργασίαν ζητεῖς παρ' ἡμῶν; παρεκάλει  
οὖν ὁ γέρων φανερώσαι αὐτῷ τὴν πράξιν αὐτῶν· τό-  
τε λέγουσιν αὐτῷ· ἡμεῖς κατὰ τὸν κόσμον ξέναι  
ἔσμεν ἀλλήλων· ἔτυχε δὲ ἡμᾶς
10. ζευχθῆναι δύο ἀδελφοῖς σαρκικοῖς·  
καὶ ἰδοὺ δεκαπέντε ἔτη σήμερον ἐν τῇ οἰκίᾳ ταύτῃ οἰκοῦμεν·  
οὐκ οἶδαμεν εἰ ποτὲ μάχην ἐποιήσα-  
μεν ἢ αἰσχρὸν λόγον ἐλάλησαμεν· ἦλ-  
θε δὲ εἰς τὸν λογισμὸν ἡμῶν, τοὺς μὲν ἄνδρας καταλι-
15. πεῖν, εἰσελθεῖν δὲ εἰς τὸ τῶν παρθένων τάγμα·  
καὶ πολλὰ παρακληθέντες παρ' ἡμῶν οἱ ἄνδρες  
ἀπολύσαι ἡμᾶς οὐκ ἐπέισθησαν· ἀποτυ-  
χοῦσαι οὖν τοῦ σκοποῦ τούτου, ἐθέμεθα  
διαθήκην μεταξὺ ἡμῶν καὶ τοῦ θεοῦ· ὥστε μέχρι
20. θανάτου διὰ στόματος ἡμῶν μὴ ἐξενεγκεῖν λόγον κοσμικόν·  
ἀκούσας δὲ ὁ ἀββᾶς Μακάριος  
εἶπεν· ἐν ἀληθείᾳ οὐκ ἔστι παρθένος ἢ ὑπανδρος  
ἢ μοναχὸς ἢ κοσμικὸς· ἀλλ' ὁ θεὸς προαίρε-

1. Pa αὐταῖς M αὐτοῖς

1. сѣца ишеѣть, и дѣхъ сѣи вѣсѣмъ подаѣтъ .
2. О авва Моисею еѣиѣтъ .
3. Моиси нѣкто сице нарицаемъ еѣиѣтъ
4. родомъ чрьнь. рабъ бѣше гражданина нѣ-
5. коего. негоже многаго ради злонравна
6. и разбоиничьскыи вины, ѿгна его
7. вѣла негѣ тако чѣкоубиинцоу. повѣда-
8. ше же нѣцѣи. тако вождь бѣше разбои-
9. ничьскоу плъкоу велию. въ разбоини-
10. чьствѣ же него, и се сказаетъ се. тако па-
11. стырю нѣкоемоу злобоу въ памети
12. оудръжа. повредившаго и съ псы сво-
13. ими, идоушоу немоу на вещь нѣкъю.
14. оувѣдѣвъ же тако прѣмо Нила ѿ, и вьсхо-
15. тѣ него оубити. ѡдеждоу свою на гла-
16. воу привезавъ. и оусты ножь оухопивъ,
17. плаваніе Ниль прѣиде. сего же прѣже
18. сьмотривъ пастырь, бѣжавъ скры се.
19. погрѣшивъ же хотѣниіе свое, ѡвны дѣ
20. избранны закладъ. и пленницею по-
21. (врь)зъ, Ниль пакы прѣиде. и ѡвны о-
22. (дравъ). и добръишага месъ извѣдъ. и ѡ-
23. (вчини ) продавъ. и сѣитъ вина испивъ.

110V

263

1. σιν ζητεῖ· καὶ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον πᾶσιν παρέχει.  
Περὶ τοῦ ἁββᾶ Μωυσέως  
Μωϋσῆς τις οὕτω καλούμενος, αἰθίοψ  
τῷ γένει μέλας· οἰκέτης ὑπῆρχε πολιτευομένου τι-
5. νός· ὃν διὰ πολλὴν δυστροπίαν  
καὶ ληστρικὴν αἰτίαν, ἔρριψεν  
ὁ ἴδιος δεσπότης ὡς ἀνδροφόνον· διηγούν-  
το δέ τινες· ὅτι ἀφηγούμενος ἦν ληστη-  
ρίου μεγάλου· ἐν δὲ τῇ λησταρ-
10. χίᾳ αὐτοῦ καὶ τοῦτο ἐμφέρεται· ὅτι ποι-  
μένι τιλὶ ἐμνησικάκησε  
παρεμποδίσαντι αὐτῷ ἀπιόντι εἰς πρᾶγμα,  
μετὰ τῶν κυνῶν αὐτοῦ·  
μαθὼν δὲ ὅτι πέραν τοῦ Νείλου ἐστίν, καὶ βουλη-
15. θεὶς αὐτὸν ἀποκτείνει, τῷ στόματι δακῶν  
τὴν μάχαιραν, καὶ τὸν ἐπενδύτην τῇ κεφαλῇ ἐπιθείς.  
κολύμβῳ τὸν Νεῖλον ἐπέρασεν· τούτου δὲ προ-  
αισθόμενος ὁ ποιμήν, φυγὼν ἐκρύπτετο·  
ἀποτυχὼν δὲ τοῦ ἐγχειρήματος, κριοὺς τέσσαρας
20. ἐπιλέκτους σφάξας καὶ δήσας σει-  
ράν, τὸν Νεῖλον αὐθις διεπέρασεν· καὶ τοὺς κριοὺς ἐκδεί-  
ρας καὶ τὰ κάλκλιστα τῶν κρεῶν φαγὼν καὶ τὰ κῶ-  
δια πωλήσας, σαΐτην πιὼν

12. Non chiara la motivazione del gen. slavo -βωιαγο in corrispondenza del dat. greco.

1. неже соу̑ въ нѣмь малы мѣры иѣ. пыпри-
2. ша же ѿ ходивъ, постиже къ дружинѣ сѣи ·
3. Сѣи оубо разбоиникъ. некогда по мно-
4. гоу времени оумилив' се, прѣдаде себе
5. въ монастырь. и тако прииде на покаѣ-
6. ние. тако и другъ свой ихже въ рѣбоини-
7. чствѣ имѣше, въ разоумѣнне хво при-
8. вести. гл҃ахоу же. тако иногда сѣдещѣ
9. нѣмоу въ келии, нападоше нѣго разбѣи-
10. ници д. не вѣдещимъ тако Мѡисѣ
11. иѣ тѣи. бѣженъи же поврѣзь всѣхъ. и та-
12. коже врѣтище плѣвь на плещѣ своѣ въ-
13. зъмь, въ цр҃ковь принесе гл҃ѣ братїи. по-
14. нѣже не побѣдѣт' ми ѡбидити никогоже.
15. сѣх' же ѡбрѣтъ пришѣшихъ на ме, что пс-
16. велѣдете ѡ сѣхъ. разбѣиници же оубѣ-
17. дѣв'ше тако тѣи иѣ Мѡисѣ прѣвѣзглаше-
18. ныи въ разбѣиницѣхъ, и непѣвижимъ
19. въ силѣ, исповѣдаше се бѣу прославивш(е)
20. хѣ о нѣмь. и покаѣше се видѣнне(мь)
21. сего покаѣнїа. и быше иноци ис(коусни.)
22. Сѣмоу стѣмоу, налегаше блѣнїи б(ѣсове)
23. на прѣвыи ѡбычїи блѣнїи с(его вѣскоу~)

111R

264

265



1. ὥς ἰταλικῶν δεκαοκτώ· πεντή-  
κοντα στάδια περιπατήσας ἀπῆλθε πρὸς τοὺς ἐταίρους αὐτοῦ.  
Ὁ τοιοῦτος δὲ λῆσταρχος, ὁψέ ποτε  
τοῦ καιροῦ κατανυγείς, ἐπιδέδωκεν ἑαυτὸν
5. μοναστηρίῳ· καὶ οὕτως προσῆλθε τῇ μετανοί-  
α, ὥς καὶ τοὺς συμπράκτορας αὐτῷ ἐν τοῖς ληστρι-  
κοῖς, εἰς ἐπίγνωσιν ἀγαγεῖν τοῦ Χρι-  
στοῦ· ἐν οἷς λέγεται ὅτι ποτὲ τούτῳ  
ἐπέρριψαν τέσσαρες λησταὶ καθεζομένῳ ἐν τῷ κελλίῳ,
10. ἀγνοήσαντες ὅτι ὁ Μωσῆς  
ἐστὶν οὗτος· ὁ δὲ μακάριος δῆσας πάντας καὶ κα-  
θάπερ σάκκον ἀχύρων τοῖς ἑαυτοῦ ὥμοις ἐπι-  
θείς, εἰς τὴν ἐκκλησίαν ἤγαγεν, εἰπὼν τοῖς ἀδελφοῖς· ἐ-  
πειδὴ οὐκ ἔξεστί μοι ἀδικεῖν οὐδένα,
15. τούτους δὲ εὗρον ἐπελθόντας μοι, τί κε-  
λεύετε περὶ τούτων; οἱ δὲ λησταὶ μαθόν-  
τες ὅτι οὗτός ἐστιν Μωϋσῆς ὁ περιβόη-  
τος ἐν λησταρχίᾳ καὶ ἀκαταγώνιστος  
ἐν δυνάμει, ἐξωμολογήσαντο τῷ θεῷ δοξάσαντες
20. ἐπ' αὐτῷ τὸν Χριστόν· καὶ ἀπετάξαντο τῷ ὑποδείγματι  
τῆς τούτου μετανοίας καὶ γεγόνاسι μοναχοὶ δοκιμώτατοι.  
Τούτῳ τῷ ἀγίῳ ἐπέθεντο οἱ τῆς πορνείας δαίμονες  
εἰς τὴν ἀρχαίαν συνήθειαν τῆς ἀκολασίας. τοῦτον ἐλαύνον-

1. Sulle misure cf. HL: 341-342 (ad 19,20).

1. ще. ꙗкоже самъ повѣдаше намъ. гл̑а-
2. ше бѡ. ꙗко толикоу бѣдоу приѣхъ. ꙗ-
3. коже въ малѣ ѿ изволеніа испадноу-
4. ти. пришѣ же къ авва Исидороу въ скитъ.
5. възвѣсти ѿмоу ѡ пльтолюбной брани.
6. къ ѿмоу же ѡвѣща стѣи. не оубѡи се
7. брате. начелѡ оубѡ ѿѣ, и сего ради зѣло
8. нападаеть на те, ѡбычаи прѣвыи ищѣ-
9. ще. ꙗкоже пѣсь въ сокач'коу навькъ, не
10. ѡходитъ. аще ли же кто затворитъ ке-
11. лию свою и не дѣѣ ѿмоу ничтоже, гладо-
12. мь истагавъ не обрѣтае ничто, к то-
13. моу не приходитъ. тако и ты. аще
14. прѣбоудеши въ пощеніи своемъ. въ-
15. зрѣжаніемъ оумрътивъ оудѣ свойѣ
16. еже на земли, оубити хоуеши въхѣ
17. чрѣволакомныи, раждающіи блѣѣное
18. распаление. и оунывъ бѣсь блѣѣныи
19. не имѣе брашна на распаление семѣ,
20. (т)ако ѡтидетъ ѿ тебе. вѣстав же ра-
21. (бѣ б)жии Моисеи ѿ часа того, затвори
22. (себе в)ъ келіи. и трыпѣніемъ зѣлныиѣ
23. (постѣ)ше ѿ в'сего. ничтоже не изѣдае,

1. ΤΕΣ· ὡς αὐτὸς ἡμῖν διηγήσατο· ἔλε-  
γε γὰρ ὅτι ἐπὶ τοσοῦτον ἐπειράσθη. ὡς  
μικροῦ δεῖν τῆς προθέσεως αὐτὸν ἐκπε-  
σεῖν· παραγενόμενος δὲ πρὸς τὸν ἀββάν Ἰσίδωρον τὸν ὄντα ἐν τῇ σκῆττει,
5. ἀνήγγειλεν αὐτῷ τὰ περὶ τοῦ φιλοσάρχου πολέμου.  
πρὸς ὃν ἀπεκρίθη ὁ ἅγιος· μηδὲν θρονηθῆς,  
ἀδελφέ· ἀρχαὶ γὰρ εἰσιν, καὶ διὰ τοῦτο σφοδρότερόν  
σοι ἐπιτίθενται, τὴν προτέραν ζητοῦντες συνήθειαν·  
ὥσπερ γὰρ κύων ἐν μακέλλῳ ἐθίσας, τῆς συνηθείας
10. οὐκ ἀναχωρεῖ, ἐὰν δέ τις κλείσῃ τὸ κελ-  
λίον αὐτοῦ καὶ μηδὲν αὐτῷ ἐπιδῷ, λιμαγ-  
χοιηθεῖς, οὐκέτι ἐγγίζει ἐκεῖ μηδὲν εὐρίσκων,  
οὕτως καὶ σύ· ἐὰν  
ἐπιμείνης τῇ ἀσκήσει σου τῆς ἐγ-
15. κρατείας νεκρώσας σου τὰ μέλη  
τὰ ἐπὶ τῆς γῆς, ἀπέκλειςας τὴν εἴσοδον  
τῆς γαστριμαργίας τῆς τικτούσης τὴν ἀκολα-  
σίαν· καὶ ἀκηδιάσας ὁ δαίμων τῆς ἀκολασίας  
μὴ ἔχων τὰ βρώματα τὰ τοῦτον ἐξάπτοντα,
20. οὕτως σου ἀποστήσεται· ἀναστὰς οὖν ὁ τοῦ  
Χριστοῦ δοῦλος Μωϋσῆς ἀπὸ τῆς ὥρας ἐκείνης, ἀπέκλεισεν  
ἑαυτὸν ἐν τῷ κελλίῳ. καὶ ὑπομονῇ σφοδροτάτῃ  
ἡσκεῖτο ἐν πᾶσιν· οὐδὲν ὅλως ἐσθίων,

11. In questo caso l'interpretazione slava del gen. αὐτοῦ come riflessivo appare particolarmente arbitraria.

14-15. Il traduttore slavo ha trattato τῆς ἐγκρατείας, a quanto pare dipendente da τῇ ἀσκήσει, come se fosse retto dal verbo, traducendolo con lo strumentale *въздержаниемъ*.

1. кромѣ хлѣба сѣхѣ литроу ѿдѣлюу. много
2. роуководѣниѣ дѣлаѣ. и ѿ мѣтѣ творѣ въ
3. дѣни. и истаѣвъ тѣло свое, прѣбѣи ѿше
4. к томоу раѣизаѣмѣ, и различнымъ сѣни-
5. ѣмѣ мѣчтѣе се · Идѣ же пакы къ авва И-
6. сидороу и рѣ ѿмоу. авва, не моготу сѣсти
7. келіи свои. и поѣмѣ ѿго старѣцѣ, въ-
8. звѣдѣ и на зданіи. и глѣ ѿмоу. възри на
9. западѣ. и възрѣвъ, видѣ множество бѣ-
10. совѣ. и бѣхоу сѣмоушени и мѣвѣше на
11. бранѣ. глѣ ѿмоу пакы. възри на вѣсто.
12. и възрѣвъ, видѣ множества аггѣлѣ бесчи-
13. сѣна прѣславнѣхѣ. и рѣ авва Исидорѣ.
14. си оубѣ соутѣ посилаѣми сѣымѣ на по-
15. мощѣ. западѣи же, бѣрѣтѣ ихѣ. мно-
16. жѣишии же соутѣ борѣцѣи ѿ нѣ. и тако
17. блѣгодаривѣ бѣ авва Мѣиси, приѣ дѣ-
18. зновѣниѣ и възврати се въ келію свою ·
19. Пакы же зѣлѣнѣше распѣлѣѣмѣ брани(ю)
20. идѣ къ иномоу нѣкоѣмоу старцоу сѣ(моу)
21. и искоуспѣ сѣло. и глѣ ѿмоу. что (сѣтво-)
22. роу авва, ѿко помрачѣютѣ оумѣ(ѣ мои сѣ-)
23. ниѣ. оуслаѣжѣюши се дѣи сѣ ни(ми по прѣ-)

112R

266

267

1. πλὴν ἄρτου ξηροῦ λίτραν· πλείστον  
ἐργαζόμενος ἔργον, καὶ πεντήκοντα εὐχὰς ἐκτελῶν  
τὴν ἡμέραν· καὶ κατατήξας τὸ σῶμα, ἔμεινεν ἔτι  
πυρούμενος καὶ ἀδιαφόρως
5. ἐνυπνιαζόμενος. Ἀπῆλθεν οὖν πάλιν πρὸς τὸν ἀββᾶν Ἰ-  
σίδωρον καὶ λέγει αὐτῷ· ἀββᾶ οὐκ ἰσχύω καθίσαι  
εἰς τὸ κελλίον. καὶ λαβὼν αὐτὸν ὁ γέρων, ἀ-  
νήγαγεν εἰς τὸ δῶμα· καὶ λέγει αὐτῷ· πρόσχες εἰς  
δυσμᾶς. καὶ προσχών, εἶδε πλῆθος δαι-
10. μόνων καὶ ἦσαν τεταραγμένοι καὶ θορυβοῦντες τοῦ  
πολεμεῖν· λέγει αὐτῷ πάλιν· βλέψον καὶ πρὸς ἀνατολάς·  
καὶ βλέψας, εἶδε πλήθη ἀγγέλων ἀναρίθ-  
μητα δεδοξασμένα· καὶ εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἰσίδωρος·  
ἰδοὺ οὗτοί εἰσιν οἱ ἀποστελλόμενοι τοῖς ἁγίοις πρὸς βο-
15. ἡθειαν· οἱ δὲ εἰς δυσμᾶς εἰσιν, οἱ πολεμοῦντες αὐτούς· πλεί-  
ους οὖν εἰσιν οἱ πολεμοῦντες ὑπὲρ ἡμῶν· καὶ οὕτως  
εὐχαριστήσας τῷ θεῷ ὁ ἀββᾶς Μωϋσῆς, ἔλαβε θάρ-  
σος, καὶ ὑπέστρεψεν εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ.  
Πάλιν οὖν σφοδρότερον ἐξαπτόμενος τῷ πολέμῳ,
20. παρέβαλεν ἄλλω τινὶ γέροντι ἁγίῳ  
πάνυ δοκίμῳ καὶ λέγει αὐτῷ· τί ποιή-  
σω ἀββᾶ ὅτι σκοτίζουσί μου τὸν λογισμὸν τὰ ἐ-  
νύπνια, τῆς ψυχῆς κατὰ τὴν ἀρχαίαν συνήθειαν

1. вѡмѡ ѡбычаю. гл̃а нѣмоу ѡнѣ. понеже
2. оумь свои не ѡнѣль неси ѡ сихъ мьчтани-
3. и, сего ради мръское се желание поѣмле-
4. ши. сътвори оубѡ еже гл̃ю ти. даждь
5. себе на б'дѣнии по малоу. и моли се трѣ-
6. звѣно, и избавиши се ѡ нихъ скоро.
7. слышавъ же крѣпкыи виноу тако ѡ хы-
8. трьца искоусна, иде въ келию. и заѡвѣ-
9. ша не оусноути в'соу ношь. не прѣкло-
10. нити колѣнѣ ни на мл̃твѡу, тако оубѣ-
11. жати томленіе сна. прѣбывъ же въ
12. келии за ѿ лѣ на в'сакоу ношь посрѣ-
13. дѣ келие стоѣ, и непрѣстанно бѡу мо-
14. ле се. и вѣжи не прѣкланѣѣ. блѡѣномъ
15. въжделѣнію хѡте ѡдолѣти, не възмѣ-
16. же. потомъ же дроугы чинѣ жестока
17. житиѣ приложи. исходе оубѡ въ но-
18. шехъ, ходѣше въ келие стар'цьѣ не мо-
19. гоуѣиихъ водоу потребноу приноси-
20. (ти). и възимѣѣ водныѣ съсоуды ѡ-
21. (нѣм)ъ не вѣдѣшимъ, напльнѣше во-
22. (дою. )и издалече оубѡ имѣють водоу
23. (въ мѣст)ѣхъ ѡнѣхъ. ови ѡбѡ, ѣ пѣ-

1. συνηδομένης αὐτοῖς; λέγει αὐτῷ ἐκεῖνος ὅτι ἐπειδὴ  
τὸν νοῦν σου οὐκ ἀπέστησας τῶν περὶ ταῦτα φαντασι-  
ῶν, τούτου χάριν τὴν μυσαρὰν ὑφίστασαι ἐπιθυμί-  
αν· ποίησον τοίνυν ὃ λέγω σοι· δὸς
5. <σεαυτὸν εἰς ἀγρυπνίαν κατὰ μικρόν, καὶ προσεύχου νη-  
φόντως καὶ ἐλευθεροῦσαι ἀπ' αὐτῶν ταχέως·  
ἀκούσας δὲ ὁ γεῖναῖος τῆς ὑποθέσεως, ὡς παρὰ τεχ-  
νίτου τῇ πείρᾳ, ἀπελθὼν ἐν τῇ κέλλῃ, διω-  
ρίσατο μὴ κοιμηθῆναι διὰ πάσης τῆς νυκτός· μὴ κλι-
10. ναι γόνυ μηδὲ ἐν προσευχῇ ἐπὶ τὸ φυ-  
γεῖν τὴν τυραννίδα τοῦ ὕπνου· μείνας οὖν ἐν  
τῷ κελλίῳ ἐπὶ ἔτη ἕξ, τὰς νύκτας πάσας μέ-  
σον ἱστάμενος τῆς κέλλης καὶ ἀδιαλείπτως τῷ θεῷ προ-  
σευχόμενος. καὶ μὴ ἐπικαμμῶν τοὺς ὀφθαλμούς, τῆς ἀκολάστου
15. ἐπιθυμίας περιγενέσθαι οὐκ ἠδυ-  
νήθη· μετὰ ταῦτα οὖν πάντα, ἄλλην ἑαυτῷ πολιτείαν  
σκληραγωγίας ὑπέθετο· ἐξερχόμενος γὰρ τὰς νύκ-  
τας, ἀπῆει εἰς τὰς κέλλας τῶν γερόντων τῶν μὴ δυ-  
ναμένων τὴν χρεῖαν τοῦ ὕδατος κομί-
20. ζειν· καὶ λαμβάνων τὰς ἰδρίας αὐ-  
τῶν ἀγνοούντων, ἐπλήρου ὕδα-  
τος· ἀπὸ μήκους γὰρ ἔχουσιν ἐν ἐκείνοις  
τοῖς τόποις τὸ ὕδωρ· οἱ μὲν ἀπὸ δύο·

5. M HL δὸς ἑαυτὸν Pa δὸς σεαυτὸν (“classico”); cf. 93v, 11.

1. прици. ови же  $\bar{e}$ . въ единому же ношѣ
2. негда се творѣше. виде бѣсь трыпѣние
3. страдал'ца и к томоу не могоущоу трѣ-
4. пѣти. прѣклонившоу се ѣмоу въ кладѣ-
5. ньць напльнити водоносъ нѣкоего ста-
6. рца, оудари него по ледвиѣ палицею нѣ-
7. кою. и остави него на мѣстѣ лежати
8. мрътва. ни до мала вѣдѣшоу. ни неже
9. пострада, ни еже  $\bar{w}$  кого се прине. въ оу-
10. трѣи же днь пришѣшимъ нѣкымъ и-
11. нокымъ възети водоу, обрѣтоше него
12. елѣ жива. и шѣше повѣдаше великомѣ
13. Исидороу. и шѣ  $\bar{w}$ нь съ нѣкыми, прине-
14. се него въ цркъвь. и тако болѣ, тако едва
15. по единомуу лѣтоу оукрѣпити се немѣ.
16. тогда глѣ немоу великыи Исидорь. бра-
17. те Мѣиси. прѣстани оуже бѣсомъ про-
18. тивити се. и не тако на нѣи приходи. мѣ-
19. ры оубѣ  $\bar{w}$  соу храбрости неже на нихъ въ п(о-)
20. щени. непобѣдимыи же воинѣ хѣв( Мѣ-)
21. иси глѣ немоу. не прѣстати имам(ѣ бо-)
22. рити се с' ними, дондеже прѣста(нетъ  $\bar{w}$ )
23. мене мьчтание сьниѣ сквр(ьн'наго.)



1. οἱ δὲ ἀπὸ πέντε σημείων· μιᾶς οὖν τῶν νυκτῶν  
ἐν ᾧ τοῦτο ἐποίει· ἐπιτηρήσας ὁ δαίμων, καὶ μηκέτι φέρων  
τὴν καρτερίαν τοῦ ἀθλητοῦ,  
ἐγκύψαντι αὐτῷ εἰς τὸ φρέ-
5. αρ ἐπὶ τὸ τὴν ὑδρίαν πληρῶσαί τινος μο-  
ναχοῦ, δέδωκεν αὐτῷ κατὰ τῶν ψυῶν ῥοπάλω τι-  
νί, καὶ ἀφῆκεν αὐτὸν ἐν τῷ τόπῳ κεῖσθαι  
νεκρόν· μηδὲν αἰσθόμενος, μήτε ὃ  
πέποιθεν, μήτε παρὰ τίνος τοῦτο ὑπέστη· τῇ οὖν ἐπι-
10. ούση ἡμέρᾳ ἐλθόντων τινῶν μονα-  
χῶν ἀντλήσαι ὕδωρ, εὔρον αὐτὸν κεί-  
μενον καὶ ψυχορραγοῦντα· καὶ ἀπελθόντες ἀνήγγειλαν τῷ μεγάλῳ  
Ἰσιδώρῳ· καὶ ἀπελθὼν ἐκεῖνος μετὰ τινων, ἤγα-  
γεν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ· οὕτως δὲ ἐνόησεν, ὥς μόλις
15. ἐπὶ ἐνιαυτὸν γενέσθαι ἐν ἰσχύει·  
τότε λέγει αὐτῷ ὁ μέγας Ἰσίδωρος· ἀδελ-  
φὲ Μωσῇ, παῦσαι λοιπὸν τοῖς δαίμοσι φιλο-  
νεικῶν καὶ μὴ αὐτοῖς οὕτως ἐπέμβαινε· μέ-  
τρα γάρ εἰσι καὶ τῆς ἀνδρείας τῆς πρὸς αὐτοὺς ἐν τῇ ἀ-
20. σκήσει· ὁ δὲ ἀδάμας τοῦ Χριστοῦ Μω-  
ϋσῆς, λέγει πρὸς αὐτόν· οὐ μὴ παύσωμαι τοῦ μά-  
χεσθαι μετ' αὐτῶν ἕως ἄν παύσηταί  
μου ἡ φαντασία τῶν ἐνυπνίων·

17. M Pa φιλονικῶν HL νεικῶν; entrambe le forme, facilmente inter-  
cambiabili in età itacistica, sono compatibili con lo sl. *противити се* (non  
compaiono tuttavia tra gli equivalenti greci di questo in SJS, III: 385).

20. Lo slavo banalizza (o, meno probabilmente, etimologizza) il metaforico ἀδάμας  
del greco (manca il riscontro di HL che ha semplicemente ὁ δὲ λέγει αὐτῷ·

1. тогда рѣ ѿмоу сѣи. въ имѣ гдѣ нашего
2. ісѹ хдѣ, ѿ ннѣ прѣсташе ѿ тебе непѣна-
3. на снниѣ. проче же, дрѣзновлениѣмъ
4. пристѣпи и причести се бѣтвѣнымъ
5. таинамъ. понеже оубѣ да не похва-
6. лиши се, тако своимъ пощеніѣмъ на-
7. деѣ стѣрти сеи, и прѣвѣзетіѣмъ съве-
8. деѣ боудеши. сего ради попоушено бѣ
9. на те ѿдолѣніѣ. си слышавъ, иде въ
10. келию свою. вниманіѣ мѣлчаніѣмъ
11. и ѿмѣрнымъ пощеніѣмъ. по днѣхъ же
12. нѣкыѣмъ извѣщаваше. тако ѿ оногѣ ча-
13. са вънѣже мѣтѣмъ сѣтвори ѿ мнѣ сѣи
14. рабѣ хвѣ, к томоу сицевое что не сѣлоучи
15. ми се. спѣби же се сѣи дарѣмъ. тако прѣ-
16. зирати бѣсовы, такоже мы въ зимѣ
17. мѣхы прѣзираемъ. тѣмъ же и всеми,
18. въ великихъ исправленіи ѿчѣскы-
19. хъ причтенъ бысть
20. (Бра)тъ въпроси двѣ Моисѣа глѣ. въ
21. (всѣ)хъ троудѣхъ еже творить члѣкъ, что
22. (іѣ пом)дѣиѣи ѿмоу. старѣцъ же рѣ ѿмѣ.
23. (бѣ іѣ пом)дѣиѣи. пишетъ бѣ се. бѣ на-

113V

268

1. τότε λέγει αὐτῷ ὁ ἅγιος, ἐν τῷ ὀνόματι τοῦ κυρίου ἡμῶν  
Ἰησοῦ Χριστοῦ ἀπὸ τοῦ νῦν πέπαυταί σου τὰ ἀπρε-  
πῇ ἐνύπνια· λοιπὸν μετὰ παρρησίας  
πρόσελθε καὶ κοινωνήσον τοῖς θείοις
5. μυστηρίοις· ἵνα γὰρ μὴ καυχῇ-  
σῃ ὡς τῇ σῇ ἀσκήσει περιεγέ-  
νου τούτου τοῦ πάθους, καὶ ὑπὸ ἐπάρσεως κα-  
τενεχθῆς, διὰ τοῦτο καταδυναστευθῆναι παρε-  
χωρήθης· ταῦτα ἀκούσας ἀπῆλθεν εἰς
10. τὸ κελλίον αὐτοῦ· προσέχων τῇ ἡσυχίᾳ  
καὶ τῇ συμμέτρῳ ἀσκήσει· μεθ' ἡμέρας δὲ  
διεβεβαιώσατο, ὅτι ἀπ' ἐκείνης τῆς ὥ-  
ρας ἧς ἐπηύξατό μοι  
ὁ δοῦλος τοῦ Χριστοῦ, οὐκέτι τοιοῦτόν τί μοι συμβέ-
15. βηκε· κατηξιώθη δὲ οὗτος χάρισματος τοῦ κατα-  
φρονεῖν τῶν δαιμόνων ὡς ἡμεῖς τῶν μυιῶν  
ἐν χειμῶνι· διὸ καὶ παρὰ πάντων  
ἐν τοῖς μεγάλοις τῶν πατέρων  
κατορθώμασι συνηρίθμηται.
20. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Μωϋσῆν λέγων· ἐν  
παντὶ μόχθῳ τοῦ ἀνθρώπου, τί  
ἐστι τὸ βοηθοῦν αὐτῷ; ὁ δὲ γέρων εἶπεν αὐτῷ·  
ὁ θεὸς ἐστὶν ὁ βοηθῶν· γέγραπται γάρ· ὁ θεὸς ἡ-

22. Lo slavo anticipa, in luogo del ntr. del greco cui dovrebbe corrispondere  
πομαγδιουμειε, il masch. della r. 23.

1. мь прибѣжище и сила. помощ'никъ въ
2. скръбехъ ѡбрѣт'шій насъ съло. и рѣ брѣ.
3. пощениа и бдѣнїа ѣже творить члѣкъ,
4. что бывають. и рѣ ѿмоу стар'ць. ѿна
5. твореть тѣло смѣрити се. пишет' бѡ се.
6. виждь смѣрение мое и троудъ мой, и ѡ-
7. стави в'се грѣхы мои. аще оубѡ дшѣ сътвори
8. плоды сїе, милѣеть ю бѣ сихъ ради .
9. Выпроси паки брѣ. се оуже члѣкъ бїеть ра-
10. ба своего грѣха ради еже сътвори. что
11. глїеть рабъ. и рѣ стар'ць. аще ѿ рабъ добрь,
12. глїеть помилоуи ме ѣко съгрѣшїѣ. глѣ
13. ѿмоу брѣ. ино что, не глїеть ли. рѣ стар'ць.
14. ни. ѡмелиже оукоризнѣ на се възложит'
15. самъ, и рѣтъ ѣко съгрѣшихъ. абїе ми-
16. лосрьдит' се о немъ господиѣ ѿго .
17. Рѣ авва Мѡиси. не можетъ кто вѣнїти
18. въ воинство хѡ, аще не боудеть вѣсь
19. ѣко ѡгнь, и прѣзритъ чѣсть и покои
20. и хотѣнїа плѣт'скаѣ ѡсѣчетъ. и съ(хра-)
21. нитъ в'се заповѣди бжїе .
22. Брѣ выпроси авва Мѡисѣа глїе. ч(то ство-)
23. ритъ члѣкъ въ в'сакои напасти ( находеши)

269

270

271

1. μῶν καταφυγὴ καὶ δύναμις, βοηθὸς ἐν  
θλίψεσι ταῖς εὐρούσαις ἡμᾶς σφόδρα· καὶ εἶπεν ὁ ἀδελφός·  
αἱ νηστεῖαι καὶ ἀγρυπνίαι ἃς ποιεῖ ἄνθρωπος,  
τί γίνονται; καὶ εἶπεν αὐτῷ ὁ γέρων· αὐτὰ
5. ποιοῦσι τὸ σῶμα ταπεινωθῆναι· γέγραπται γάρ·  
ἴδε τὴν ταπείνωσίν μου καὶ τὸν κόπον μου, καὶ ἄ-  
φες πάσας τὰς ἁμαρτίας μου· ἐὰν ἡ ψυχὴ ποιήσῃ  
τοὺς καρποὺς τούτους, σπλαγχνίζεται ὁ θεὸς ἐπ' αὐτὴν δι' αὐτῶν·  
Ἠρώτησε πάλιν ὁ ἀδελφός· ἰδοὺ ἄνθρωπος δέρει τὸν δοῦ-
10. λον αὐτοῦ, δι' ἁμαρτίαν ἣν ἔπραξεν· τί  
ἐρεῖ ὁ δοῦλος; λέγει ὁ γέρων· ἐὰν ἐστί δοῦλος καλός,  
ἐρεῖ· ἐλέησόν με ὅτι ἡμάρτηκα· λέγει  
αὐτῷ ὁ ἀδελφός· οὐδὲν ἄλλο λέγει; λέγει ὁ γέρων·  
οὐχί, ἀφ' οὗ γὰρ τὴν μέμψιν ἐπιτίθησιν ἐφ' ἑαυτῷ
15. καὶ εἶπει ὅτι ἡμάρτηκα, εὐθέως σπλαγ-  
χνίζεται ἐπ' αὐτὸν ὁ κύριος αὐτοῦ·  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Μωϋσῆς· οὐ δύναταί τις εἰσελθεῖν  
εἰς τὴν στρατείαν τοῦ Χριστοῦ, ἐὰν μὴ γένηται ὡς πῦρ  
ὅλος· καὶ καταφρονήσῃ τῆς τιμῆς καὶ ἀναπαύσεως·
20. καὶ τὰ θελήματα τῆς σαρκὸς ἐκκόψῃ· καὶ φυλά-  
ξῃ πάσας τὰς ἐντολὰς τοῦ θεοῦ.  
'Αδελφός ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Μωϋσῆν λέγων· τί ποιή-  
σει ἄνθρωπος ἐν παντὶ πειρασμῷ ἐπερχομένῳ

3. Pa ὁ ἄνθρωπος.

15. Lasciamo inalterata la grafia εἶπει di M che rispetta il parallelismo sintattico con l'indic. della r. prec. Se invece, dato che un vb. εἶπω per quanto plausibile nel gr. tardo non è dato dai lessici, si preferisce pensare ad εἶπη cong. aor., si potrà optare per la grafia con τη (v. Pa G).

19. Pa καὶ τῆς ἀναπαύσεως

1. на нь. или о в'сакымъ помышлени вра~
2. жии. гл̃а немочу стар'ць. плакати дльж~
3. нь ѿ прѣ бжтвѣною блгостынею, га~
4. ко да поможетъ немочу. и почиеть въ~
5. скорѣ аще съ разѹмомъ молит' се. пи~
6. шет' бѡ се. тако не оубою се что сътвори~
7. ть мнѣ члѣкъ · Рѣ пакы. елици побѣ~
8. жени быхомъ пльтьскою стрѣтию, не
9. облѣним' се кающе се и плачюще себе,
10. прѣже не постигнуть нѣ плачь соуѣи.
11. егда же плачемъ, не възвысимъ гл̃а въ~
12. здыханїа. и да не вѣсть шоуица что
13. творить десница. шоуица оубѡ есть,
14. тыщеславие · Иногда събороу бы~
15. вшоу въ скитѣ и хоще ѡи искѹси~
16. ти двва Мѡисеа. оуничижише него гл̃ю~
17. ше. что еѡиѡпъ сѡи приходитъ посрѣ~
18. дѣ нѣ; ѡн' же слышавъ, оумьсноу. е~
19. гда же разыти се имъ, рѣше немочу. двва
20. (не) смоути ли се. и рѣ имъ. смоутих' се
21. (нь н)е гл̃ахъ · Гл̃ахоу ѡ немъ. такоже
22. (хотѣ)ше вѣнити въ камень, оутроуди
23. (се шьств)оуе. и гл̃аше въ себѣ, како мо~

114V

272

273

274

1. αὐτῷ, ἢ ἐν παντὶ λογισμῷ τοῦ ἐχ-  
θροῦ; λέγει ὁ γέρων· κλαίειν ὀφεί-  
λει ἐνώπιον τῆς ἀγαθότητος τοῦ θεοῦ· ἵ-  
να βοηθήσῃ αὐτῷ· καὶ ἀναπαύεται ἐν·
5. τάχιον ἐὰν παρακαλῇ ἐν γνώσει· γέ-  
γραπται γάρ, ὅτι οὐ φοβηθήσομαι τί ποιή-  
σει μοι ἄνθρωπος. Εἶπε πάλιν· ὅσοι ἡττή-  
θημεν σωματικῶ πάθει, μὴ  
ἀμελήσωμεν μετανοοῦντες καὶ πειθοῦντες ἑαυτούς,
10. πρὶν καταλάβῃ ἡμᾶς τὸ πένθος τῆς κρίσεως·  
ὅταν δὲ κλαίωμεν, μὴ ὑψώσωμεν τὴν φωνὴν τοῦ στε-  
ναγμοῦ, καὶ μὴ γινωσκέτω ἡ ἀριστερά, τί  
ποιεῖ ἡ δεξιὰ· ἡ δὲ ἀριστερά ἐστίν,  
ἡ κενοδοξία. "Ἄλλοτε συνεδρίου γε-
15. νομένου ἐν τῇ σκῇτει, θέλοντες αὐτὸν οἱ πατέρες δοκι-  
μάσαι, ἐξουδένωσαν αὐτὸν λέγον-  
τες· τί καὶ ὁ αἰθίοψ ἔρχεται εἰς τὴν μέ-  
σιν ἡμῶν; ὁ δὲ ἀκούσας, ἐσιώπησεν· με-  
τὰ δὲ τὸ ἀπολυθῆναι αὐτούς, λέγουσιν αὐτῷ· ἀββᾶ·
20. οὐδὲν ἄρα ἐταράχθης; λέγει αὐτοῖς· ἐταράχθην,  
ἀλλ' οὐκ ἐλάλησα. "Ἐλεγον περὶ αὐτοῦ· ὅτι ὥς  
ἔμελλεν εἰσελθεῖν εἰς τὴν πέτραν, ἐκοπίασεν  
ὁδεύων, καὶ ἔλεγεν ἐν ἑαυτῷ· πῶς δύ-

4. Pa τάχιον G ταχέως

17. Pa om. καὶ

1. гоу водоу свою възнести ѿе. и прииде немѹ
2. гла гл҃е. вѣниди, и ничтоже не печалоуи.
3. вышѣшѹ же немѹ тамо, приидоше нѣции
4. ѿ старѣцѣ к' немѹ. и не имѣше кромѣ не-
5. диного крѣчага воды. и творещѹ немѹ
6. мало леще, сконѣча се. старѣцѣ же скръбѣ-
7. ше. вѣходѣ же и исходѣ могаше се бѹ. и
8. се облакъ дѣжа прииде на тѣи камень,
9. и напълни в'се съсоуды свое. глаше потѹ
10. старцоу. рѣци намѣ, что исходѣше и вѣхо-
11. дѣше. и гла имѣ старѣцѣ. соудѣ творѣхѣ
12. съ бг҃м. ꙗко приведе ме ѿе, и се водоу не и-
13. мамѣ да пинѹтъ раби твои. и сего ради
14. вѣходѣхѣ и исходѣхѣ моле се бѹ, донде-
15. же посла намѣ водоу · О двѣ Матѣи ·
16. глаше двѣ Матѣи. ꙗко егда бѣхѣ юнѣ,
17. глахѣ въ себѣ васнѣ ꙗко нѣчто дѣлаю
18. добро. нѣга же ꙗко състарѣх' се, вижѹ
19. ꙗко нѣ въ мнѣ ни ꙗдино дѣло добро ·
20. Брѣ выпроси двѣ Матѣи гл҃е. что сът(во-)
21. роу аще приидетѣ къ мнѣ братѣ и б(ѹдетѣ)
22. по или заутра, ꙗко скръблю. (и рѣ ста-)
23. рѣцѣ. аще скръбиши и ꙗси съ бр(атомѣ)

115R

275

276



1. ναμαι τὸ ὕδωρ μου ἀναγαγεῖν ὦδε; καὶ ἦλθεν αὐτῷ  
φωνὴ λέγουσα· εἴσελθε καὶ μηδὲν φροντίσης·  
εἰσῆλθεν οὖν καὶ παρέβαλον αὐτῷ τινες  
τῶν γερόντων, καὶ οὐκ εἶχεν εἰ μὴ
5. ἓν λαγύριον ὕδατος· καὶ ποιούντος αὐτοῦ  
μικρὸν φακόν, ἀνηλώθη. ὁ δὲ γέρων ἐθλίβε-  
το· εἰσερχόμενος οὖν καὶ ἐξερχόμενος, ἤρχετο τῷ θεῷ, καὶ  
ἰδοὺ νεφέλη βροχῆς ἦλθε κατ' αὐτῆς τῆς πέτρας·  
καὶ ἐγένισεν ὅλα τὰ ἀγγεῖα αὐτοῦ· λέγουσιν μετὰ ταῦτα
10. τῷ γέροντι· εἶπε ἡμῖν, τί εἰσῆρχου καὶ ἐξέρ-  
χου; καὶ λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων· δίκην ἐποιούμην  
μετὰ τοῦ θεοῦ· ὅτι ἠνεγκάς με ὦδε καὶ ἰδοὺ ὕδωρ οὐκ ἔ-  
χω ἵνα πίωσιν οἱ δοῦλοί σου· καὶ διὰ τοῦτο  
εἰσηρχόμην καὶ ἐξηρχόμην παρακαλῶν τὸν θεόν, ἕως
15. οὗ ἔπεμψεν ἡμῖν ὕδωρ. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Ματῶη  
Ἔλεγε πάλιν· ὅτι ὅτε ἤμην νεώτερος,  
ἔλεγον ἐν ἑαυτῷ· ὅτι τάχα τί ποτε ἐργάζομαι  
ἀγαθόν· νῦν δὲ ὥς ἐγήρασα, βλέπω ὅτι οὐκ ἔχω ἐν ἔργον καλὸν  
ἐν ἑμαυτῷ. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ματῶην λέγων· τί ποι-
20. ἦσω ἐὰν παραβάλῃ μοι ἀδελφὸς καὶ ἔστιν  
νηστεία ἢ πρῶτ' ὅτι θλίβομαι· λέγει ὁ γέ-  
ρων· ἐὰν θλίβῃ καὶ φάγῃς μετὰ τοῦ ἀδελφοῦ,

8. Nella lez. κατ' αὐτῆς concordano M Pa G. Lo slavo invece presuppone  
κατὰ ταύτης.

1. ДОБРѢ ТВОРИШИ. АЩЕ ЛИ ЖЕ НЕ ИМАШИ К-
2. ГО И ТАСИ, СЕ ТВОѦ ВОЛѦ ЕСТЬ ·
3. РѢ АВВА ІАКОВЪ. ІАКО ИДѢ КЪ АВВА МАТѦЮ
4. И ВЪЗВРАТИВЪШОУ МИ СЕ, РѢХЪ ЕМОУ. ІАКО
5. ХОЩОУ ИТИ ВЪ КЕЛИЕ. И РЕЧЕ МИ. ЦѢЛОУИ
6. ІАКО Ѡ МЕНЕ АВВА ІѦННА. ПРИШѢ ЖЕ АЗЪ КЪ
7. АВВА ІѦННОУ ГЛѦХЪ ЕМОУ, ЦѢЛОВАЕТЪ ТЕ
8. АВВА МАТѦИ. И РѢ СТАРЪЦЪ. СЕ АВВА МАТѦИ,
9. ИСТИНЪ ИСРѦТЪНИНЪ ВЪ НИМЪ ЖЕ ЛЪСТИ
10. НѢ ВЪЗВРАТИВЪШОУ ЖЕ МИ СЕ ПО ВРѢМЕНИ,
11. ИДОХЪ КЪ ЕМОУ И РѢХЪ ЕМОУ ЦѢЛОВАНИЕ
12. ІѦННОВО. И РЕЧЕ СТАРЪЦЪ. НѢСМЪ ДОСТОИ-
13. НЪ СЛОВОУ СТАРЪЧЕВОУ. ѠБАЧЕ ЖЕ СЕ ВЪЖДЪ.
14. ІАКО ЕГДА ОУСЛЫШИШИ ЧЛѦКА БЛИЖНѦГО
15. СВОЕГО СЛАВѦЩА ПАЧЕ СЕБЕ, ВЪ МѢРЫ ВЕЛИ-
16. КЫ ПОСТИГЛЪ ІЕ. СЕ ОУБѢ ІЕ СЪВРЪШЕНИЕ,
17. ЕЖЕ БЛИЖНѦГО СЛАВИТИ ПАЧЕ СЕБЕ ·
18. БРАТЬ ВЪПРОСИ АВВА МАТѦИ ГЛѦ. ЧТО
19. СЪТВОРОУ ІАКО ІЕЗЫКЪ МОИ СКРЪБИТЪ МЕ.
20. И ЕГДА ПРИХОЖДОУ ПОСРѢДѢ ЧЛѦКЪ, НЕ
21. (МО)ГОУ ОУДРЪЖАТИ И. И ѠВѢЩАВЪ СТА-
22. (РЦЪ РѢ) АЩЕ НЕ МОЖЕШИ ОУДРЪЖАТИ И,
23. (БѢГДИ ВЪ) ОУІЕДИНЕНИЕ. НЕМОЩЪ УБѢ ІЕ.

115V

277

278

1. καλῶς ποιεῖς· ἐὰν δὲ μὴ προσδοκᾷς τι-  
νας καὶ φάγῃς, τοῦτο τὸ [ἐ]σὸν θέλημά ἐστιν.  
Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Ἰακώβ· ὅτι παρέβαλον τῷ ἄββᾶ Ματῶνι·  
καὶ ἀνακάμψαντός μου εἶπον αὐτῷ· ὅτι
5. θέλω παραβαλεῖν ἐς τὰ κελλία· καὶ εἶπέν μοι· ἄσπασαι  
ὥς ἐξ ἐμοῦ τὸν ἄββᾶν Ἰωάννην· ἐλθὼν δὲ ἐγὼ πρὸς  
τὸν ἄββᾶν Ἰωάννην, λέγω αὐτῷ· ἀσπάζεται σε  
ὁ ἄββᾶς Ματῶνης· καὶ λέγει ὁ γέρων· ἰδοὺ ὁ ἄββᾶς Ματῶνης  
ἀληθῶς ἀνὴρ ἰσραηλῆτις ἐν ᾧ δόλος
10. οὐκ ἔστιν· στραφεῖς δὲ μετὰ χρόνον  
παρέβαλον αὐτῷ καὶ εἶπον αὐτῷ τὸν ἀσπασμὸν  
τοῦ ἄββᾶ Ἰωάννου· καὶ λέγει ὁ γέρων· οὐκ εἰμὶ ἄξι-  
ος τοῦ λόγου τοῦ γέροντος· πλὴν τοῦτο γίνωσκε,  
ὅτι ὅταν ἀκούσῃς ἀνθρώπων τὸν πλησίον
15. δοξάζοντα ὑπὲρ ἑαυτόν, εἰς μέτρα μεγά-  
λα ἔφθασεν· αὕτη γάρ ἐστιν ἡ τελειότης,  
ὥστε τὸν πλησίον δοξάζειν ὑπὲρ ἑαυτοῦ.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησεν τὸν ἄββᾶν Ματῶνι λέγων· τί  
ποιήσω ὅτι ἡ γλῶσσά μου θλίβει με;
20. καὶ ὅταν ἔρχωμαι ἐν μέσῳ τῶν ἀνθρώπων, οὐ  
δύναμαι κατασχεῖν αὐτῆς· καὶ ἀποκριθεὶς ὁ γέ-  
ρων εἶπεν· εἰ οὐ δύνασαι κατασχεῖν αὐτῆς,  
φευγε καταμόνας· ἀσθένεια γάρ ἐστιν·

2. Correggiamo secondo G la lezione di M Pa ἐσὸν, priva di senso.

17. Almeno secondo la norma sintattica classica appare  
preferibile ὑπὲρ ἑαυτόν Pa G.

1. съдени же съ братиѣю, не побѣдетъ быти
2. четверооуглень. нъ ѡблъ, да же къ в'сѣм'
3. валѣет' се. И азъ оубѡ, не по добродѣтѣ-
4. ли съжѡу єдинъ, нъ немощи ради. силь-
5. ни оубѡ соутъ вѣходѣиіи посрѣдѣ члѣкъ.
6. и приемлюще и трѣпеще скръби ·
7. О авва Маркѡ. ѡченик(ѡ) авва Силоуана ·
8. Гл҃ахоу ѡ авва Маркоу. ꙗко иногда хѡ- 279
9. деце въ скитѣ съ старцы авва Силоуанъ.
10. и хоте имъ показати послоушание оуче-
11. ника своего, и чесо ради любить єго.
12. видѣ мала дивна вепрѣ. и гл҃а оучени-
13. коу своему авва Маркоу. видиши ли
14. малаго ѡного бывола чедо. гл҃а ємоу,
15. єи ѡчѣ. и рози єго вѣспрѣ соутъ. гл҃а.
16. єи ѡчѣ. и оудивише се старци вѣрѣ братовѣ ·
17. Иногда слоучи се ємоу изыти ѡ скита. 280
18. и възыти на гороу Синаю и прѣбыти
19. тамо. и посла мѣи Маркова закли-
20. наючи єгѡ съ слѣзами. ꙗко да при(и-)
21. деть снѣ єе и видить єго. стар'(ць же)
22. ѡпоустѣ єго. и не хоте прѣсл(оушати)
23. старца, възє милотию ити( и пришѣ)

1. ὁ δὲ καθήμενος μετὰ ἀδελφῶν, οὐκ ὀφείλει εἶναι  
τετράγωνος, ἀλλὰ στρογγύλος, ἵνα πρὸς πάντας  
κυλίνεται· καὶ ἐγὼ δὲ οὐ κατὰ ἀρετὴν  
κάθημαι μόνος, ἀλλὰ κατὰ ἀσθένειαν· δυνα-
5. τοὶ γάρ εἰσιν οἱ εἰσερχόμενοι μέσον τῶν ἀνθρώπων,  
καὶ ὑπομένοντες «καὶ βαστώντες» τὰς θλίψεις.  
Περὶ Μάρκου μοναχοῦ  
Ἦλεγον πάλιν ὅτι ποτὲ πε-  
ριπατῶν ἐν τῇ ἐρήμῳ μετὰ τῶν γερόντων ὁ ἀββᾶς Σιλουανός,
10. καὶ θέλων αὐτοῖς τὴν ὑπακοὴν τοῦ μαθη-  
τοῦ αὐτοῦ ὑποδείξαι, καὶ δι' ὃ αὐτὸν ἀγαπᾷ,  
θεωρήσας μικρὸν σύαγρον, λέγει αὐ-  
τῷ· θεωρεῖς  
τὸ μικρὸν βουβάλιον ἐκεῖνο τέκνον; λέγει αὐτῷ·
15. ναὶ πάτερ· καὶ τὰ κέρατα αὐτοῦ πῶς πιθανά εἰσιν; λέγει·  
ναὶ πάτερ· καὶ ἐθαύμασαν οἱ γέροντες τὸ πειθήμιον τοῦ ἀδελφοῦ.  
Ἄλλοτε συνέβη αὐτὸν ἐξελθεῖν ἀπὸ σκήτεως  
καὶ ἀνελθεῖν ἐν τῷ ὄρει τῷ Σινᾷ καὶ μέναι  
ἐκεῖ· καὶ ἔπεμψεν ἡ μήτηρ τοῦ Μάρκου ὀρκί-
20. ζουσα αὐτὸν μετὰ δακρύων ἵνα ἔλ-  
θῃ ὁ υἱὸς αὐτῆς καὶ ἴδῃ αὐτόν· ὁ δὲ γέρων ἀπέ-  
λυσεν αὐτόν· καὶ μὴ θέλων παρακοῦσαι  
τοῦ γέροντος, ἐπῆρεν τὴν μηλωτὴν ἀπελθεῖν· καὶ ἐλθὼν

6. Integrato secondo Pa.

7. Pa ha l'intestazione erronea Περὶ τοῦ ἀββᾶ Σιλουανοῦ.

9. Pa G ἐν τῇ σκήτει

- |     |                                                                   |      |
|-----|-------------------------------------------------------------------|------|
| 1.  | цѣловати старца, начеть плакати и                                 | 116V |
| 2.  | паде долоу. и к томоу не иде ·                                    |      |
| 3.  | Егда же хотѣше изыти стар'ць въ Сирию,                            | 281  |
| 4.  | рѣ <sup>ѣ</sup> немому авва Марко. ѡчѣ, не хошоу изы-             |      |
| 5.  | ти ѡсоудоу. ниже тебе оставляю изы-                               |      |
| 6.  | ти. нѣ прѣбуди зде три днѣ. и въ тре-                             |      |
| 7.  | тѣи днѣ, прѣстави се ·                                            |      |
| 8.  | Ѡ авва Марцѣ Египтѣнинѣ ·                                         |      |
| 9.  | Гл҃ахоу ѡ авва Марцѣ египтѣнинѣ. ꙗ-                               | 282  |
| 10. | ко прѣбѣ <sup>ѣ</sup> ѿ лѣ <sup>ѣ</sup> , не исходе ис келие свѣ- |      |
| 11. | ѣ. имѣше же ѡбычаи презвитерѣа                                    |      |
| 12. | приходити и творити немому приче-                                 |      |
| 13. | щение. враг' же видѣвъ добродѣтѣ-                                 |      |
| 14. | льное мочжа трыпѣние. оухытри се,                                 |      |
| 15. | ꙗко ѡсоуждениемъ искоусити его.                                   |      |
| 16. | и сътвори нѣкого доухомъ нечистѣ <sup>ѣ</sup>                     |      |
| 17. | двизаема. ити къ старцоу неп'шева-                                |      |
| 18. | ниемъ млтвы ради. бѣсноующѣи                                      |      |
| 19. | же, прѣже всакого гл҃а възгласи ста-                              |      |
| 20. | (р)цоу. ꙗко презвитеръ твои, имать                                |      |
| 21. | (оухан)иѣ грѣха. не остави к томоу                                |      |
| 22. | (его пр)иити к тебѣ. бг҃одѣхновенны                               |      |
| 23. | (же моч)жѣ рѣ <sup>ѣ</sup> къ немому. чедо. в'си не-              |      |

1. ἀσπάσασθαι τὸν γέροντα, ἔβαλεν κλαίειν καὶ  
ἔπεσεν χαμαὶ καὶ οὐκ ἐξῆλθεν.  
Ὅτε οὖν ἤθελεν ἐξελθεῖν ὁ γέρων εἰς Συρίαν  
εἶπεν αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Μάρκος· πάτερ· οὐ θέλω ἐξελ-  
5. θεῖν ἔνθεν· ἀλλ' οὐδὲ σὲ ἀφῶ ἐξελ-  
θεῖν· ἀλλὰ παράμεινον ὧδε τρεῖς ἡμέρας· καὶ τῇ τρί-  
τῃ ἡμέρᾳ ἀπέθανεν.

Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Μάρκου τοῦ αἰγυπτίου· ὃ-

10. τι ἔμεινε τριάκοντα ἔτη μὴ ἐξερχόμενος ἐκ τοῦ κελλίου αὐ-  
τοῦ· εἶχε δὲ ἔθος ὁ πρεσβύτερος  
ἔρχεσθαι καὶ ποιεῖν αὐτῷ προσ-  
φοράν· ὁ δὲ διάβολος θεωρήσας τὴν τοῦ ἀνδρὸς ἐνά-  
ρετον ὑπομονήν, ἐπανουργεύσατο  
15. ἐν κατακρίσει πειρᾶσαι αὐτόν·  
καὶ παρεσκεύασέ τινα πνευματιῶν  
τα ἀπελθεῖν πρὸς τὸν γέροντα προφά-  
σει εὐχῆς· ὁ δὲ πνευματιῶν,  
πρὸ παντὸς λόγου, ἐφώνησε τῷ γέ-  
20. ροντι, ὅτι ὁ πρεσβύτερός σου ἔχει  
ὁσμὴν ἀμαρτίας· μηκέτι αὐτὸν  
ἐάσεις ἐλθεῖν πρὸς σέ· ὁ δὲ θεόπνευστος  
ἀνὴρ εἶπε πρὸς αὐτόν· τέκνον· πάντες τὴν ἀ-

1. чистотѣ вѣнь изганають. ты же при-
2. несе ю къ мнѣ нѣ пишеть се. не соуди-
3. те и не осуждени будете. ѿбаче а-
4. ще и грѣшьныѣ ѿ бѣ вѣсть. ты же изы-
5. ди ѿ създаниа бжиа. и абие словомъ,
6. избеже ѿ члѣка, и ѿпусти его зрава.
7. такоже прииде презвитерь по ѿбыча-
8. ю, прие него старѣць радостно. бѣ же
9. бл҃гии видѣвъ незлобне старца, по-
10. каза емуоу знамение. хощѣ бѣ
11. презвитероу стати прѣдъ стѣю тра-
12. пезою, такоже старѣць повѣдаше. тако
13. видѣ аг҃ла бжиа събѣша. и положи
14. роукоу свою на врѣхъ презвитера, и бы
15. презвитерь тако стѣпъ ѿгнѣнь. мнѣ
16. же рече оудивльшоу се ѿ видѣни, слышѣ
17. гл҃а гл҃шь къ мнѣ чл҃вчѣ, что дивиши се
18. о вещи сей; аще оубѣ цр҃ь земльныи не
19. оставити имать властель свой скврѣ-
20. нѣнѣхъ стати прѣ нимъ, аще не славою ве-
21. ликою, колми паче бжиа сила не о(чис-)
22. титъ ли стоещій прѣ славою его (и слоу-)
23. жешихъ неизрѣннымъ таина(мъ. крѣ-)



1. καθαροίαν ἔξω βάλλουσι, σὺ δὲ ἦνεγ-  
κας αὐτήν πρὸς με· ἀλλὰ γέγραπται· μὴ κρί-  
νετε καὶ οὐ μὴ κριθήτε· ὅμως εἰ  
ἁμαρτωλὸς ἐστίν, ὁ κύριος οἶδεν· σὺ δὲ ἔξελ-
5. θε ἀπὸ τοῦ πλάσματος τοῦ θεοῦ· καὶ ἐπὶ τῷ λόγῳ,  
ἐφυγαδεύθη ὁ δαίμων ἀπὸ τοῦ ἀνθρώπου, καὶ ἀπέλυσεν αὐτὸν ὑγιή-  
ως δὲ ἦλθεν ὁ πρεσβύτερος κατὰ τὸ εἶω-  
θός, ὑπεδέξατο αὐτὸν ὁ γέρων μετὰ χαρᾶς· ὁ δὲ ἀγαθὸς  
θεός, εἰδὼς τὴν ἀκακίαν τοῦ γέροντος, ἔ-
10. δειξεν αὐτῷ σημεῖον· μέλλοντος γὰρ  
τοῦ πρεσβυτέρου στήναι ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τρα-  
πέζης, καθὼς ὁ γέρων διηγήσατο, ὅτι  
εἶδεν ἄγγελον κυρίου κατελθόντα, καὶ ἔθηκε  
τὴν χεῖρα αὐτοῦ εἰς τὴν κορυφὴν τοῦ κληρικοῦ, καὶ ἐγένετο
15. ὁ κληρικὸς ὡς στῦλος πυρός· ἐμοῦ  
δέ φησι θαυμάσαντος ἐπὶ τῇ ὁράσει, ἤκουσα  
φωνῆς λεγούσης πρὸς με· ἄνθρωπε τί θαυμάζεις  
ἐπὶ τῷ πράγματι τούτῳ; εἰ γὰρ βασιλεὺς ἐπίγειος οὐ  
μὴ ἐάσῃ τοὺς μεγιστᾶνας αὐτοῦ ῥυπα-
20. ροὺς στήναι ἔμπροσθεν αὐτοῦ, ἐὰν μὴ μετὰ δόξης πολ-  
λῆς, πόσῳ μᾶλλον ἢ θεία δύναμις οὐ καθα-  
ρίσει τοὺς λειτουργοὺς τῶν ἀρρήτων μυστηρίων στήκοντας  
ἔμπροσθεν τῆς δόξης αὐτοῦ; ὁ δὲ γεν-

4. Pa ὁ θεὸς οἶδεν

1. п'кыи же страдалыць <sup>х</sup>въ Марко, спѣби
2. се дароу семоу, тако не ѡсоуди презви-
3. тера · О авва Мѡтїи ·
4. Повѣда ѡ авва Мѡтїи оученикъ негѡ
5. Исаакъ. оба оубѡ быста еп'ска. тако
6. прѣже създа стар'ць монастырь въ Ард-
7. клїи. и такоже ѡтиде ѡтоудоу, иде въ
8. другоє мѣсто и създа тамо другы мо-
9. настирь. и дѣянїемъ вражїемъ, о-
10. брѣте се братъ нѣкто вражѡуе и скръб(е)
11. негѡ. и вставъ стар'ць, иде въ грѣ свои
12. и сътвори себѣ монастырь, и затвори се-
13. бе. и по врѣмени, приидоше старци м(ѣ-)
14. ста оногѡ ѡ негѡже изыде. привел'ш(е)
15. и брата, негѡже имѣше скръбъ. и идош(е)
16. молити негѡ да ѡведоуть негѡ въ мона-
17. стирь негѡ. и такоже приближише се (и-)
18. деже бѣше авва Сѡриѣ, ѡставише м(и-)
19. лотаре свое, и брата съ нимъ же бѣше скр(ѣ-)
20. бѣ. и такоже тлькноуше, положи ста-
21. (рць) лѣствич'коу. и прѣникноувъ по-
22. (зна ихъ) и рѣ. гдѣ соуть милотари ваш(и;)
23. (ѡни же рѣ)ше. зде соуть оу авва Сѡриѣ

117V

1. ναῖος ἀθλητῆς τοῦ Χριστοῦ Μάρκος κατηξιώ-  
θη τοῦ χαρίσματος τούτου, ὅτι οὐ κατέκρινε τὸν κλη-  
ρικόν. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Μωτίου  
Διηγήσατο περὶ τοῦ ἀββᾶ Μωτίου ὁ μαθητὴς αὐτοῦ
5. Ἰσαάκ· ἀμφότεροι δὲ ἐγένοντο ἐπίσκοποι· ὅτι  
πρῶτον ὠκοδόμησεν ὁ γέρων μοναστήριον εἰς τὸ Ἡρά-  
κλειον· καὶ ὡς ἀνεχώρησεν ἐκεῖθεν, ἀπῆλθεν εἰς  
ἕτερον τόπον, καὶ ὠκοδόμησεν ἐκεῖ πάλιν·  
καὶ κατ' ἐνέργειαν τοῦ διαβόλου, εὐ-
10. ρέθη ἀδελφός τις, ἐχθραίνων καὶ θλίβων  
αὐτόν· καὶ ἀναστὰς ὁ γέρων ἀνεχώρησεν εἰς τὴν ἰδίαν κώμην,  
καὶ ἐποίησεν ἐαυτῷ μοναστήριον, καὶ ἐνέκλεισεν ἐαυ-  
τόν· καὶ μετὰ χρόνον, ἦλθον οἱ γέροντες τοῦ τό-  
που ὅθεν ἐξῆλθεν· λαβόντες
15. καὶ τὸν ἀδελφὸν ὅπου εἶχε πρὸς αὐτὸν τὴν λύπην· καὶ ἀπῆλθον  
παρακαλέσαι αὐτὸν ἵνα ἐνέγκωσιν αὐτὸν εἰς τὴν μο-  
νὴν αὐτοῦ· ὡς δὲ ἤγγισαν ὅ-  
που ἦν ὁ ἀββᾶς Σώρης, ἀφῆκαν τὰ μη-  
λωτάρια αὐτῶν καὶ τὸν ἀδελφὸν μεθ' οὗ ἡ λύ-
20. πη· καὶ ὡς ἔκρουσαν, βάλλει ὁ γέ-  
ρων τὸ κλιμάκιον καὶ παρακύπτει καὶ γνω-  
ρίζει αὐτοὺς καὶ λέγει· ποῦ τὰ μελωτάρια ὑμῶν;  
οἱ δὲ εἶπον· ἰδοὺ ὧδε

1. съ братомъ ѡнѣсицю. ꙗкоже слыша ста-
2. рѣць име оскръбѣвшаго и, ѿ радости въ-
3. зъмь секыроу расѣче врата, и изыде те-
4. коуше идеже бѣ братъ. и сътвори немюу
5. метание прѣже ты, и цѣлова ѡгъ.
6. и приведе ѡго въ келию свою. и за ꙗ дни
7. весели се съ нимъ. потомъ же еѣкъ бѣ.
8. бѣше бѣ чюдотворѣць. и оученика ѡго
9. авва Исѡака, сътвори еѣкъа блженныи
10. Кириль · О авва Мегеѡиоу ·
11. Глѡхоу ѡ авва Мегеѡиоу, ꙗко бѣше смѣ-
12. ренъ зѣло. оученикъ бѣвъ ѿ египтѣнь,
13. и бесѣдовавъ многымъ старцемъ. и а-
14. вва Сисѡю. и авва Пиминоу. прѣбыва-
15. ше же въ Синаи. и слючи се нѣкомуу ѿ
16. стѣхъ ити къ немюу ꙗкоже самъ повѣ-
17. дадше. и глѡше немюу. како живеша бра-
18. те въ поустыни сѣи. ѡнъ же рѣ немюу. по-
19. цюу се по два дни, и единый хлѣбъ изѣдаю.
20. и глѡ ми. аще хощеша послоушати ме, ꙗ-
21. жь на всѣхъ днѣхъ похъ хлѣба. и сътво(ривъ)
22. тако, ѡбрѣте покои ·
23. Выпросише авва Мегеѡиа глѡщ(е. аще ѡста-)

118R

284

285

1. μετὰ τοῦδε τοῦ ἀδελφοῦ· ὡς δὲ ἤκουσε τὸ ὄνομα τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ λυπήσαντος αὐτὸν ὁ γέρων, ἀπὸ χαρᾶς, ἔλαβε πέλεκυν καὶ κατέστρεψε τὴν θύραν καὶ ἐξῆλθε τρέχων ὅπου ἦν ὁ ἀδελφός. καὶ ἔβαλεν αὐτῷ
5. μετάνοιαν πρῶτος καὶ ἡσπάσατο αὐτόν· καὶ εἰσήνεγκεν αὐτὸν εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ· καὶ ἐπὶ τρεῖς ἡμέρας εὐφρανεν αὐτὸν καὶ αὐτὸς μετ' αὐτοῦ· καὶ μετὰ  
7a. ταῦτα ἐπίσκοπος γέγονε· ἦν γὰρ σημειοφόρος· καὶ τὸν μαθητὴν αὐτοῦ ἐποίησεν ἐπίσκοπον ὁ μακάριος Κύριλλος, τὸν ἀββᾶν
10. Ἰσαάκ. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Μεγεθίου  
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Μεγεθίου, ὅτι ἦν ταπεινὸς σφόδρα· μαθητευθεὶς παρ' αἰγυπτίοις καὶ συντυχῶν πολλοῖς γέρουσι, καὶ τῷ ἀββᾶ Σισόῃ, καὶ τῷ ἀββᾶ Ποιμένι· ἔμενεν δὲ εἰς τὸ Σινᾶ· καὶ συνέβη τινὰ τῶν ἀγίων παραβαλεῖν αὐτῷ ὡς αὐτὸς διηγῆσατο· καὶ ἔλεγεν αὐτῷ πῶς διάγεις ἀδελφε· ἐν τῇ ἐρήμῳ ταύτῃ; ὁ δὲ εἶπεν· νηστεύω δύο <δύο> καὶ ἓνα ἄρτον ἐσθίω· καὶ λέγει μοι· εἰ θέλεις ἀκοῦσαί μου, φάγε καθ' ἡμέραν τὸ ἥμισυ τοῦ ἄρτου· καὶ ποιήσας οὕτως, εὖρεν ἀνάπαυσιν.  
Ἐρώτησάν τινες τὸν ἀββᾶν Μεγέθιον λέγοντες· ἐὰν περισ-

2. Pa om. τοῦ ἀδελφοῦ.

19. M Pa δύο. Integrazione secondo G e il testo slavo. Il costruito è comunque certamente greco; sulla sua storia cf. WNT: coll. 420-21.

1. нѣтъ варениѣ, хоцѣши ли да изѣдѣтъ ѿ
2. братиѣ въ дру҃гѣи днь. гл҃а имъ стар҃ць.
3. аще искажит҃ се, нѣ́ добро поноудити бра-
4. тию изѣсти ѿ, и разболѣт҃ се. нѣ да повр҃-
5. жено боудѣтъ. аще ли добро ѿ́ и сластолю-
6. бига ради повр҃жено боудѣтъ и дру҃гое
7. сварит҃ се, се зѣло нѣсть .
8. Рѣ́ пакы. въ начелѣ ѿгда събирахом҃ се дрѣ- 286
9. гь съ дру҃гими и гл҃ахомъ о пол҃си, по-
10. двизающе дру҃гъ дру҃га, творѣхом се
11. плькове плькове, и въсхождахомъ на не-
12. беса. нѣ́а же събираем҃ се. и ѿдинъ дрѣ-
13. гаго ѿклеветаше, долоу съходимъ .
14. О авва Мѣ́. Рѣ́ авва Миѡ келискы. га- 287
15. ко истинное послоушание, въ ѿпослѣ-
16. шание обрѣтает҃ се. иже послоуша́е
17. бѣ, бѣ послоушает҃ ѿго. О авва Маркѣ(лѣ.)
18. Повѣда намъ авва Феѡна, ѡ авва Ма- 288
19. ркелѣ. ꙗко прѣбываше въ безмль-
20. вѣи при градѣ великѣмъ, въ странахъ
21. (лив)ан҃скихъ въ пещерѣ нѣкоѣи, подъ
22. (поднож)иенъ горы. бѣше же авва Ма-
23. (ркелѣ зѣ)ло кроткъ. и мѣтивъ. и блд-

1. σεύση ἔψημα, θέλεις ἵνα φάγωσιν  
οἱ ἀδελφοὶ τὴν ἄλλην ἡμέραν; λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων·  
ἐὰν ἐρημοῦται οὐκ ἔστιν καλὸν ἵνα ἀναγκασθῶσιν οἱ ἀδελ-  
φοὶ φαγεῖν αὐτὸ καὶ ἀσθενήσωσιν, ἀλλὰ ρίφή-
5. τω· ἐὰν δὲ καλὸν ἐστὶν καὶ διὰ  
στρήνος ρίφῃ καὶ ἄλλο  
ἐψηθῇ, τοῦτο κακὸν ἐστὶν.  
Εἶπε πάλιν· ἐν ἀρχῇ ὅτε συνηγόμεθα πρὸς  
ἀλλήλους καὶ ἐλαλοῦμεν περὶ ὠφελείας συγκρο-
10. τοῦντες ἀλλήλους, ἐγινόμεθα  
χοροὶ χοροί, καὶ ἀνηρχόμεθα εἰς τοὺς οὐ-  
ρανούς· νῦν δὲ συναγόμεθα, καὶ εἰς τὸν ἔ-  
να εἰς καταλαλιὰν ἐρχόμενοι. καταγόμεθα κάτω.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Μιῶς ὁ τοῦ κελλίου· ὅ-
15. τι ἢ βεβαία ὑπακοή, ἀνθυπα-  
κοή ἐστὶν· εἴ τις ὑπακούει  
τῷ θεῷ, ὁ θεὸς ὑπακούει αὐτοῦ. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Μαρκέλλου  
Διηγῆσατο ἡμῖν ὁ ἀββᾶς Θεωνᾶς περὶ τοῦ ἀββᾶ Μαρ-  
κέλλου· ὅτι ἦν ἡσυχά-
20. ζων πλησίον κώμης μεγάλης ἐν τοῖς μέρεσι  
τοῦ Λιβάνου ἐν σπηλαίῳ τινὶ ὑπὸ  
τὴν πόδωσιν τοῦ ὄρους· ἦν δὲ ὁ ἀββᾶς Μάρ-  
κελλος, πάνυ πραῦς καὶ ἐπιεικής· καὶ εὐλα-

3. G ἡρήμωται è probabilmente preferibile. Dal nostro punto di vista però  
va anche rilevato che è più lontano dal testo slavo.

17. G αὐτόν

1.    ГОГОВѢИИЬ. И ЧИСТЬ. И ЦѢЛОМОУѢРЬ. МНО-
2.    ГѢ ЖЕ ВѢРОУ И ЛЮБОВЬ ИМѢХѢ ЛЮДИЕ ГРАДА
3.    ТОГО К НѢМОУ. ТАКОЖЕ МНОГЫИМЬ ПРИХО-
4.    ДИТИ К' НѢМОУ, И ОУЧЕНИЕ ПРИЕМАТИ Ѡ НѢГѢ.
5.    СЪТВОРИ ЖЕ ВЪ МѢСТѢ ТОМЪ, АѢ Ѣ. МНО-
6.    ГЫ НАПАСТИ ПѢИЕВЪ СТАР'ЦЬ Ѡ БѢСОВЪ. ТАКО-
7.    ЖЕ МИ САМЪ ПОВѢДА. ХОТЕШЕ ИЗГНАТИ И
8.    Ѡ ПЕЩЕРЫ И ПОВРѢДИТИ И Ѡ МЛЪЧНИКА,
9.    НЪ НЕ ВЪЗМОГОШЕ. ТЫ ЖЕ В'САКОУ НАПАСТЬ
10.   Ѡ БѢСОВЪ ПРИХОДЕЩОУ НА НЪ, ОУДОБЪ ТРЪ-
11.   ПѢШЕ. ПОСЛѢД' ЖЕ ПРѢВЪБРАЗИВ СЕ БѢСЪ ВЪ
12.   ПѢИЕ СТАРЦА, И НАЧЕТЬ СРѢТАТИ ЖЕНЫ ГРА-
13.   ДА ТОГО ВЪ ОУТРО И ВѢРЬ. БЕСѢДОУЕ
14.   ИМЬ ГЛЫ НЕПѢНЫ. И ИЩЕ СЪВЪКОУПИТИ
15.   СЕ ИМЬ. И ѠВѢРАЕ ИХЪ, ТАКО НѢ ГРѢХЪ ИЖЕ
16.   ВЪ ТАИ БЛОУДИТИ. СИ ОУБѢ ТВОРѢШЕ БѢСЪ,
17.   НЕ ЕДИНОЮ ИЛИ ВТОРИЦЮ. НЪ МНОЖИЦЕ-
18.   Ю ТВОРЕ СЕ ИДЕЖЕ ВИДѢШЕ ЖЕНОУ ЕДНОУ И-
19.   ДОУЩОУ, ПРѢВЪБРАЖАЕ СЕ БѢСЪ, ГЛѢШЕ С НЕЮ.
20.   ЖЕНЫ ЖЕ ХОДЕШИ, ВЪЗВѢЩАВАХОУ СИГА М(ОУ-)
21.   ЖЕМЬ СВОИМЬ. И СЛЫШАНО БЫСТЬ С(ЛОВО ВЪ)
22.   ВСЕМЬ ГРАДѢ. И СЪБРАШЕ СЕ МОУЖ(И ВЪ ЦРѢКО-)
23.   ВЪ. И ПОСЛАВШЕ СЪБРАШЕ ЖЕНЫ И ( ВЪПРАША-)



1. βῆς· καὶ ἀγνὸς καὶ σώφρων· πολ-  
λὴν δὲ πίστιν καὶ πόθον ἔσχον οἱ ἄνδρες τῆς κώ-  
μης εἰς αὐτόν· ὥστε καὶ πολλοὺς προσ-  
τρέχειν εἰς αὐτόν καὶ διδάσκεσθαι ὑπ' αὐτοῦ·
5. ποιήσας δὲ ἐν τῷ τοιούτῳ τόπῳ ἔτη ἐξήκοντα· πολ-  
λοὺς πειρασμοὺς ὑπέστη ἐκείσε ὁ γέρων ὑπὸ τῶν δαιμόνων κα-  
θώς μοι τεθάρρηκεν· θέλοντες αὐτόν ἐξεῶσαι  
τοῦ σπηλαίου καὶ ἐμποδίσαι τῆς ἡσυχίας,  
ἀλλ' οὐκ ἴσχυσαν· αὐτὸς γὰρ πάντα πειρασμὸν
10. ὑπὸ τῶν δαιμόνων αὐτῷ ἐπεισερχόμενον, ῥᾶον ὑπή-  
νεγκε· ἔσχατον δὲ μετασχηματισθεὶς ὁ δαίμων δῆθεν εἰς  
τὸν γέροντα, ἥρξατο ἀπατᾶν τὰς γυναῖκας τῶν εἰς τὴν  
κώμην οἰκούντων· πρωτὶ καὶ ἐσπέρας ζητῶν συγγενέσθαι  
αὐταῖς· καὶ ὁμιλῶν αὐταῖς ὁμιλίας ἀπρεπεῖς·
15. πείθων αὐτὰς ὅτι οὐκ ἔστιν ἁμαρτία τὸ  
λάθρα πορνεῦειν· ταῦτα οὖν ὁ δαίμων  
οὐχ ἅπαξ οὐδὲ δῖς, ἀλλὰ καὶ πλειστά-  
κις ποιῶν, ὅπου ἑώρα γυναῖκα βαδίζουσαν κα-  
ταμόνας· μετασχηματιζόμενος ὁ δαίμων ὠμίλει αὐτῇ,
20. αἱ δὲ γυναῖκες ἀπελθοῦσαι τοῖς ἰδίῳις  
ἀνδράσιν ἀνήγγελλον ταῦτα· καὶ διεφημίσθη ὁ λόγος ἐν  
τῇ πόλει· καὶ συνηθροίσθησαν οἱ ἄνδρες ἐν τῷ κυρια-  
κῷ· καὶ προσκαλεσάμενος ὁ περιοδευτὴς τὰς γυναῖκας, ἡρώτα

1. хѸ оувѣдѣти хотѣше истинѡу аще та-
2. ко ѿ̑. жены же вѣще к̑ тѣ̑, извѣща-
3. вахоу глѡше. не ѿдиноу или вторице-
4. ю, нѣ множицею поноуди нѣ̑ съвѣкоу-
5. пити се с нами. си слышавше съборѣ
6. цр̑квныи. не разоумѣвше ꙗко хытро-
7. стѣ бѣсѡвска ѿстѣ, послаше юноше,
8. злѣ ѡтоудѡу старца ѡгнати. шѣше
9. юнѣи, бидѡхоу старца палицами. и хва-
10. тающе и стрѣгоше власы брѣды ѿго.
11. и влачюще изриноуше ис пещеры. и би-
12. вше ѿго зѣлѡ, оставише и посрѣдѣ
13. поутѣ елѣ живѣ. мимоходѣше же нѣ-
14. ции ѡ Вирита, обрѣтоше старца поврѣ-
15. женѣ. и крѣвь из ранѣ ꙗко рѣками те-
16. коущи. они же выпрашахоу оувѣдѣти
17. слоучивша се ѿмоу. старѣцъ же мола-
18. ше ихъ, ꙗко да възьмше ѡнесоуть и въ пе-
19. щерѡу. ѡни же възвѣгше и, ѡнесоше
20. въ пещерѡу идеже бѣ прѣже. моужи же
21. (гра)да оувѣдѣвше ꙗко въ пещерѣ ѿстѣ,
22. (приход)ѣше досаждѡхѡу и оуничижадѡхѡу
23. (ѿго. ѡ)нѣ же трѣпѣше всѣ, бл҃годарѣ гд̑.

1. μαθεῖν τὸ ἀληθές, εἰ ἄρα οὐ-  
τως ἔχει. αἱ δὲ γυναῖκες πλείους τῶν εἴκοσι, διεβεβαι-  
οῦντο λέγουσαι· οὐχ ἅπαξ οὐδὲ δῖς,  
ἀλλὰ πολλάκις ἐβιάσατο ἡμᾶς συγγενέ-  
5. σθαι ἡμῖν· ταῦτα ἀκούσας ὁ περιοδευτὴς σὺν  
τῷ κλήρῳ, μὴ νοήσας πανουρ-  
γίαν εἶναι τοῦ δαίμονος, ἀπέστειλαν νεανίσκους  
πρὸς τὸ κακῶς ἐκδιῶξαι τὸν γέροντα· ἀπελθόντες  
δὲ οἱ νεανίσκοι, ἔπαιον τὸν γέροντα ῥοπάλοις, καὶ τί-  
10. λαντες ἀνέσπασαν τὰς τρίχας τοῦ πώγωνος αὐτοῦ·  
καὶ σύραντες ἐξέβαλον αὐτὸν τοῦ σπηλαίου· καὶ τύ-  
ψαντες αὐτὸν σφοδρῶς, κατέλιπον αὐτὸν μέσον  
τῆς ὁδοῦ ἡμιθανή· παρερχόμενοι δέ τι-  
νες τῶν ἀπὸ τῆς Βηρυτοῦ, εὔρον αὐτὸν ἐρριμ-  
15. μένον· καὶ τὸ αἷμα ἐκ τῶν πληγῶν ποταμηδὸν περικρ-  
ρέον· οἱ δὲ ἡρώτων αὐτὸν μαθεῖν  
τὰ συμβάντα αὐτῷ· ὁ δὲ γέρων παρεκά-  
λεσεν αὐτοὺς ὅπως βαστάσαντες αὐτόν, ἀπενέγκωσιν ἐν τῷ σπη-  
λαίῳ· οἱ δὲ ἄνδρες βαστάσαντες αὐτόν, ἀνήνεγκαν  
20. ἐν τῷ σπηλαίῳ ἔνθα ἦν τὸ πρότερον· οἱ δὲ τῆς κώμης  
ἄνδρες μαθόντες ἐν τῷ σπηλαίῳ αὐτὸν ὑπάρχειν,  
ἐρχόμενοι ὕβριζον καὶ ἐλοιδώρουν  
αὐτόν· αὐτὸς δὲ ὑπέμενεν πάντα, εὐχαριστῶν τῷ θεῷ·
14. Pa εὔρον τὸν γέροντα ἐρριμμένον

1. сътворивъ въ пещерѣ, мѣцъ ии. ѿ в'сѣхъ
2. досажениа и роуганиа прием'ае. и мо-
3. ле се боу ѿ нихъ тако да спсени боудоуть
4. дше ихъ. ѿкры же се некому въ градѣ,
5. о мычтанни бѣсов'скимъ еже на старца,
6. начеше же бѣснвати се юнѣи и пѣны тѣ-
7. шити. такоже и жены с ними. и изышѣ-
8. ше граждане съ женами и дѣт'цами, идо-
9. ше блвити се ѿ старца. азъ же рече бѣжав'
10. ѿ нихъ, приидѣ и вселихъ се въ горѣ Нитри-
11. искои. и глѣше ми стар'ць авва Феѡна.
12. аще хошеши безмълвно прѣити дни жи-
13. вота своего. и не ѡбрѣсти бѣсовъ не-
14. п'шевание на те. не прѣбоуди близоу гра-
15. да или вьси, и почиши . О авва Маркелинъ .
16. Глѣхоу нѣцѣи ѿ ѿцѣ, ѿ авва Маркелинъ
17. фиваидскимъ. тако хощоу изходити
18. въ нѣлю на съборъ, оуготоваше себе. и нѣ-
19. кое слово ѿ писаниа честь изоучаваше до-
20. надеже въ цркъвь приидеть. и тако нем(ѣ по-)
21. оучающоу се, оуст'ны него не движ(ахъ се,)
22. тако не слышаноу быти. и негда (въ събо-)
23. рѣ стояше, прѣси него слъзам(и поливахоу се.)

1. ποιήσας οὖν ἐν τῷ σπηλαίῳ μῆνας δεκαοκτὼ ὑπὸ πάντων  
χλευαζόμενος καὶ ὑβριζόμενος καὶ εὐ-  
χόμενος ὑπὲρ αὐτῶν τῷ θεῷ ὅπως σωθῶσιν  
αἱ ψυχαὶ (αὐ) αὐτῶν, ἀπεκαλύφθη τῷ περιοδευτῇ
5. τὰ τῆς φαντασίας·  
ἤρξα<sup>ν</sup>το δὲ καὶ οἱ νεανίσκοι καὶ αἱ γυναῖκες δαιμονῶν καὶ  
ἀφρίζειν· καὶ ἐξελθόν-  
τες οἱ τῆς κώμης σὺν γυναιξὶ καὶ παιδίοις, ἀπῆλ-  
θον εὐλογηθῆναι ὑπ' αὐτοῦ· ἐγὼ δέ φησι ἀποδράσας
10. ἀπ' αὐτῶν, ἐλθὼν κατώκησα ἐν τῷ ὄρει τῆς Νιτρί-  
ας· καὶ ἔλεγέ μοι ὁ γέρων· ἄββᾶ Θεωνᾶ,  
εἰ βούλη ἀνενόχλητος παρελθεῖν πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζω-  
ῆς σου, καὶ μὴ εὐρεῖν τοὺς δαίμονας πρό-  
φασιν κατὰ σοῦ, μὴ οἰκήσης πλησίον πό-
15. λεως ἢ κώμης, καὶ ἀναπαύη.  
Ἐλεγόν τινες τῶν πατέρων περὶ τοῦ ἄββᾶ Μαρκελλίνου  
τοῦ τῆς Θηβαίδος· ὅτι μέλλων ἐξέρχεσθαι  
τῇ κυριακῇ εἰς τὴν σύναξιν, εὐτρέπιζεν ἑαυτόν, καὶ μέ-  
ρος τι τῶν γραφῶν ἀπεστήθιζεν ἔ-
20. ως ἔλθῃ εἰς τὴν ἐκκλησίαν· καὶ οὕτως αὐτοῦ με-  
λετώντος, τὰ χεῖλη αὐτοῦ οὐκ ἐκινούντο  
ἵνα μή τις αὐτοῦ ἀκούσῃ. καὶ ὅτε ἔστηκεν εἰς τὴν σύνα-  
ξιν, τὸ στήθος αὐτοῦ ἐβρέχετο ἀπὸ τῶν δακρύων·

4. È possibile che il vocabolo περιοδευτής (cf. PGL, II: 1068 “priest entrusted with visiting and supervising of country districts”) sia risultato poco comprensibile e che il traduttore abbia eluso la difficoltà.

12. Pa om. πάσας.

16. La grafia più corretta, con la doppia, è in Pa.

18. Pa πρὸς τὴν σύναξιν.

1. глѣаше бѡ. ꙗко бывающе слоужбѣ, зрѣ
2. црѣквѣ ꙗко ѡгнь. и ꙗгда ѡпоушаеть
3. црѣквѣ, пакы ѡходѣѡ ѡгнь · О авва Мирогенъ ·
4. Старць нѣкто бѣше въ лаврѣ именемъ 290
5. Мирогенъ. и въ толико жестоко житие
6. прииде, ꙗко надочти се немочу воднымъ
7. недоугомъ. глѣаше често приходещимъ
8. къ немочу братїи оутѣшенїа ради. мо-
9. лите се ѡцї, да не ѡбънедоужаеть вьнѣ-
10. трїи члѣкъ. азъ оубѡ молю се бѡу, на
11. много врѣме недоугоу семѣ прѣбыти ·
12. О семъ авва Мирогенъ слышавъ архиепи- 291
13. скопъ іерлѣмьскыи Евстахїе, вьсхо-
14. тѣ немочу послати потребы. ѡнъ же ни-
15. колиже не прие что ѡ него. вьзвѣсти
16. же томоу архїеѣпоу сице. моли се ѡ
17. мнѣ ѡче. даже избавлю се ѡ вѣчныи
18. мочкы, и обрещоу дръзновенїе на стра-
19. шнѣмъ соудїици ·
20. (Зн)аменїе нашъ. ѡ авва Нистерѡнъ ·
21. (Рѣ а)вва Нистерѡнъ. ꙗко дльжнъ ѣе и- 292
22. (нокъ н)а в'сакъ вечеръ и оутро, слово тѣ-
23. (рити. ч)то ѡ нихъже хощеть бѣ сътво-

120V

1. ἔλεγε γάρ· ὅτι τῆς συνάξεως ἐπιτελουμένης, θεωρῶ  
τὴν ἐκκλησίαν ὡς πῦρ· καὶ ὅταν ἀπέλινεν  
ἡ ἐκκλησία, πάλιν ἀνεχώρει τὸ πῦρ. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Μυρογένους  
Γέρων τις ἦν ἐν τῇ λαύρᾳ ὀνόματι
5. Μυρογένης· καὶ εἰς τοσοῦτον ἤλασε σκληραγωγίας,  
ὥστε αὐτὸν ὑδρωπικὸν γενέσθαι·  
ἔλεγε δὲ συν(αυτο)εχῶς τοῖς παραβάλλουσιν  
αὐτῷ ἀδελφοῖς πρὸς θεραπείαν· εὖ-  
ξασθε πατέρες, ἵνα μὴ ὑδρωπικὸς γένηται. ὁ ἔ-  
σω ἄνθρωπος· ἐγὼ γὰρ εὐχομαι τῷ θεῷ ἐπὶ  
πολὺ τῇ τοιαύτῃ νόσῳ ἐπιμεῖναι.  
Περὶ τούτου τοῦ ἀββᾶ Μυρογένους ἀκούσας ὁ ἀρχιεπί-  
σκοπος Ἱεροσολύμων Εὐστόχιος, ἠθέ-  
λησε πέμψαι αὐτοῦ τὰς χρείας· ὁ δὲ οὐ-
15. δέποτε ἐδέξατο παρ' αὐτοῦ τί ποτε· ἐδήλωσε  
δὲ αὐτῷ τῷ ἀρχιεπισκόπῳ οὕτως· εὖξαι ὑπὲρ  
ἐμοῦ πάτερ, ἵνα ῥυσθῶ τῆς αἰωνίου  
κολάσεως· καὶ εὖρω παρρησίαν ἐνώπιον τοῦ φοβε-  
ροῦ ἐκείνου κριτηρίου.
20. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Νιστερῶου  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Νισθερώος, ὅτι ὀφείλει ὁ μο-  
ναχὸς καθ' ἐσπέραν καὶ πρωὶ λόγον ποι-  
εῖν· τί ὧν θέλει ὁ θεὸς ἐποιή-

11. Il costrutto πρὸς + dat. si presenta nettamente come un calco sintattico sul gr.

1. рити намъ, сътворихомъ. и тако исте-
2. зающе в'сегда житие свое, оубѣжимъ лѣ-
3. кав'ствия нечистый бѣсь. тако оубѣ
4. жить авва Арсений · Рѣ паки. потъ-
5. шавши се на в'сакъ днь прѣстати бѣу бе-
6. зъ грѣха. сице моли се бѣу, яко зре зрещѣ.
7. и бѣ въ истинѣ зреть. не полагаи самъ
8. себѣ законъ. не соуди же комѣ. иноу,
9. тоужде ѿ клети се и заклипати. льгати.
10. клети. досажати. смирати се. а еже па-
11. че догана почитаемѣ и хвалимомѣ, ли-
12. шаетъ се · Гл҃ахѣ ѡ авва Нистерѣ.
13. яко прѣбываше въ Раиѣ. и възимаше
14. на в'сакѣ лѣто ѿ нѣле. и съшиваше на
15. всакоу нѣлю по шесть спириды ·
16. Брѣ видѣ авва Нистерѣна носещѣ двѣ ри-
17. зѣ и рѣ немѣ. аще нишъ приидеть и про-
18. ситъ ти ризѣ, кою даси немѣ. и ѡвѣща-
19. въ рѣ, добрышѣ. и гл҃а немѣ братъ.
20. аще и дроуги проситъ ти, что даси (немѣ.)
21. и рѣ немѣ старѣць. полъ дроуги(е. ризы.)
22. и гл҃а братъ. аще и дроуги вьс(просить,)
23. что даеши немѣ. ѡнъ же рѣ. (разрѣжѣ)

121R

293

294

295



1. σαμεν; καὶ οὕτως τρακεύ-  
οντες ἐαυτῶν τὴν πᾶσαν ζωὴν, ἐκφύγωμεν τοὺς δό-  
λους τῶν ἀκαθάρτων δαιμόνων· οὕτως γὰρ  
ἔζησεν ὁ ἀββᾶς Ἀρσένιος. Εἶπε πάλιν· σπού-  
5. δαζε ἐκάστην ἡμέραν παριστάναι τῷ θεῷ χω-  
ρίς ἁμαρτίας· οὕτως προσεύχου τῷ θεῷ ὡς «παρῶν» παρόντι·  
καὶ γὰρ ἀληθῶς πάρεστιν· μὴ νομοθέτει  
ἐαυτῷ, κρίνε δὲ μηδένα· μοναχῷ  
ἀλλότριον ὑπάρχει τὸ ὁμνῆειν, ἐπιορκεῖν, ψεύδεσθαι,  
10. καταρᾶσθαι, ὑβρίζειν, γελᾶν· ὁ δὲ πλέ-  
ον τῆς ἀξίας τιμώμενος ἢ ἐπαινούμενος, ζη-  
μιούται. Ἐλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Νισθερώου,  
ὅτι ἔμενεν εἰς Ῥαῖθοῦ καὶ ἐλάμβανεν  
κατ' ἐνιαυτὸν τρεῖς ἑβδομάδας, καὶ ἔρρυπτεν  
15. ἔξ σπυρίδας καθ' ἑβδομάδα.  
Ἀδελφὸς εἶδε τὸν ἀββᾶν Νισθερώον φοροῦντα δύο κο-  
λόβια, καὶ εἶπεν αὐτῷ· ἐὰν πτωχὸς ἔλθῃ καὶ αἰ-  
τήσῃ σε ἱμάτιον, ποῖον δίδως αὐτῷ; καὶ ἀποκρι-  
θεὶς εἶπεν· τὸ κάλλιον· καὶ λέγει ὁ ἀδελφός·  
20. καὶ ἐὰν ἄλλος αἰτήσῃ σε τί παρέχεις αὐτῷ;  
καὶ λέγει ὁ γέρων· τὸ ἥμισυ τοῦ ἄλλου·  
λέγει ὁ ἀδελφός· καὶ ἐὰν ἄλλος αἰτήσῃ σε  
τί δίδως αὐτῷ; ὁ δὲ ἔφη· κόπτω

1. Il testo greco continua dopo ἐποιήσαμεν con καὶ τί ὧν θέλει οὐκ  
ἐποιήσαμεν cui non corrisponde lo sl. di HB и что ѿ nichже не хошеть, сътворишымъ.
5. Pa καθ' ἐκάστην ἡμέραν
6. Integrazione secondo Pa G.

1. прочеи, и дамъ ѿмоу поль него, прочиимъ
2. же азъ прѣпоишоу се. и пакы рѣ ѿмоу.
3. аще ли же и се кто проситъ тебѣ, что сътѣ-
4. риши. дамъ ѿмоу и то. и шѣ съдоу на ѿ-
5. диномъ мѣстѣ. дондеже бѣ послеть и
6. покрѣетъ ме. не прошоу бѣ ѿ иного нѣ-
7. кого · Въпроси авва Іосифъ авва Ни-
8. стерона. что сътвориоу языкоу моему
9. како не могоу дръжати и. и гл҃а ѿмоу ста-
10. рѣцѣ. аще оубѣ гл҃еши, имаши ли поко-
11. и. гл҃а. ни. гл҃а старѣцѣ. аще не имаши
12. покои, почто бесѣдоуеши. паче мълчи.
13. и аще слоучитъ се бесѣда, много послѣ-
14. шди нежели гл҃и · О авва Никонъ ·
15. Братъ въпроси нѣкого ѿ ѿцѣ. како
16. діаволь приноситъ напасти на сѣбѣ.
17. и рѣ ѿмоу старѣцѣ. како бѣше нѣкто ѿ
18. ѿцѣ именемъ Никонъ. прѣбывае въ
19. горѣ Синаиской. и се нѣкто шѣ въ дѣ-
20. (фа)ранита нѣкоего. и вѣреть дѣщеръ
21. (ѿго ѿ)диноу, паде съ нею. и гл҃а ѿи. рѣци
22. (како ав)ва Никонъ сътвори ми се. егда-
23. (же при)де ѿцѣ ѿи и оубѣдѣ се. възъмъ

121V

296

297

1. τὸ λοιπὸν καὶ δίδωμι αὐτῷ τὸ ἥμισυ, καὶ τὸ λοιπὸν  
ζώννυμαι· καὶ πάλιν λέγει·  
εἰ δὲ καὶ τοῦτο ζητήσῃ τις παρὰ σοῦ, τί ποι-  
εῖς; λέγει ὁ γέρων· παρέχω αὐτῷ τὸ λοιπόν, καὶ πορευθεὶς κατέ-  
5. ζομαι εἰς ἓνα τόπον ἕως οὗ ὁ θεὸς πέμψῃ καὶ  
σκεπάσῃ με· οὐ ζητῶ γὰρ παρ' ἄλλου τινός·.  
Ἡρώτησεν ὁ ἄββᾶς Ἰωσήφ τὸν ἄββᾶν Νι-  
σθερώων· τί ποιήσω τῇ γλώσσει μου  
ὅτι οὐ δύναμαι κρατῆσαι αὐτήν· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέ-  
10. ρων· ἔὰν οὖν λαλήσῃς ἔχεις ἀνάπαι-  
σιν; λέγει· οὐχί· λέγει ὁ γέρων· εἰ οὐκ ἔχεις  
ἀνάπαισιν, διὰ τί λαλεῖς; μᾶλλον σιώπα·  
καὶ ἔὰν συμβῇ ὁμιλία, πολλὰ ἄκου-  
ε μᾶλλον, ἢ λάλει.
15. Ἀδελφὸς ἠρώτησέ τινα τῶν πατέρων πῶς  
ὁ διάβολος φέρει τοὺς πειρασμοὺς ἐπάνω τῶν ἀγίων·  
καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ὅτι ἦν τις τῶν  
πατέρων ὀνόματι Νίκων, οἰκῶν εἰς  
τὸ ὄρος τὸ Σινᾶ· καὶ ἰδοὺ τις ἀπελθὼν εἰς σκηνὴν  
20. φαρανίτου τινός· καὶ εὐρὼν τὴν θυγατέρα  
αὐτοῦ μόνην, ἔπεσε μετ' αὐτῆς καὶ λέγει αὐτῇ· εἰπέ  
ὅτι ὁ ἄββᾶς Νίκων ἐποίησέ μοι τοῦτο· ἡνίκα  
δὲ ἦλθεν ὁ πατὴρ αὐτῆς καὶ ἔμαθεν, λαβὼν

6. Integrazione sec. Pa G.

9. G αὐτῆς (entrambi sintatticamente possibili già in età classica).

1. мѣчь, иде на стар'ца. и тѣкнѣв'шѣ немѣ,
2. изыде стар'ць. и простѣршоу немѣ роуцѣ
3. ѣбити ѣго, исыше роука ѣго. и шѣ фара-
4. нить ѡнь, повѣда презвитеромъ. и по-
5. слаше за ѣго, и прииде стар'ць. и наложи-
6. вше немѣ раны многы, хотѣхоу ѡгна-
7. ти и. и моли се гл҃ѣ. оставите ме бѣ ради
8. зде да покаю се. и ѡлоучивше ѣго ꙗко лѣ-
9. та, даше заповѣдь да никтоже к немѣ
10. идеть. и сътвори ꙗко лѣта, приходе на в'са-
11. коу нѣлю и кае се въ цркви. и молѣше се всѣмъ
12. гл҃ѣ, помолите се о мнѣ послѣд' же възвѣ-
13. снѣ сътворивши грѣхъ и възложивъ на ѡшь-
14. лника. и исповѣда прѣ црквию. ꙗко азъ
15. сътворихъ грѣхъ съ, и рѣхъ облыгати раба
16. бж҃иѣ. и шѣше весь народъ, поканаше се
17. старцоу гл҃ше. прости нѣ авва. и рѣ имъ.
18. еже простити, прощено ѣе вамъ. а еже прѣ-
19. быти, к томоу не прѣбоудѣ зде с вами
20. понеже никто ѡ вѣ обрѣте се имѣне ра(з-)
21. соужение омиловати ме. и тако ( ѡи-)
22. де ѡтоудѣ. и рѣ стар'ць. видиш(и ли како)
23. дѣаволь приносить напасты н(а стѣхъ .)

1. τὸ ξίφος ἀπῆλθεν ἐπάνω τοῦ γέροντος· καὶ κρούσαντος αὐτοῦ, ἐξῆλθεν ὁ γέρων· καὶ ἐκτείναντος αὐτοῦ τὸ ξίφος τοῦ φονεῦσαι αὐτόν, ἀπεξηράνθη ἡ χεὶρ αὐτοῦ· καὶ ἀπελθὼν ὁ φαρανίτης, εἶπεν τοῖς πρεσβυτέροις· καὶ ἔ-
5. πεμψαν ἐπ' αὐτόν. καὶ ἦλθεν ὁ γέρων· καὶ ἐπιθέν-  
τες αὐτῷ πολλὰς πληγὰς, ἤθελον διώ-  
ξαι. καὶ παρεκάλεσε λέγων· ἄφετέ με ὧδε  
διὰ τὸν θεόν, ἵνα μετανοήσω· καὶ χωρίσαντες αὐτόν τρία ἔ-  
τη, ἔδωκαν ἐντολὴν ἵνα μηδεὶς αὐτῷ
10. παραβάλλῃ· καὶ ἐποίησε τρία ἔτη ἐρχόμενος κατὰ  
κυριακὴν καὶ μετανοῶν εἰς τὴν ἐκκλησίαν· καὶ παρεκάλει πάντας  
λέγων, εὐξασθε ὑπὲρ ἐμοῦ· ὕστερον δὲ ἐδαι-  
μονίσθη ὁ ποιήσας τὴν ἀμαρτίαν καὶ βαλὼν τὸν πειρασμὸν ἐπάνω  
τοῦ ἀναχωρητοῦ· καὶ ὡμολόγησεν εἰς τὴν ἐκκλησίαν ὅτι ἐγὼ
15. ἐποίησα τὴν ἀμαρτίαν. καὶ εἶπον συκοφαντῆσαι τὸν δοῦλον  
τοῦ θεοῦ· καὶ ἀπελθὼν πᾶς ὁ λαός, μετενόησαν  
τῷ γέροντι λέγοντες· συγχώρησον ἡμῖν ἀββᾶ· καὶ λέγει αὐτοῖς·  
τὸ μὲν συγχωρῆσαι, συγκεχώρηται ὑμῖν· τὸ δὲ μεί-  
ναι, οὐκέτι μένω ὧδε μεθ' ὑμῶν,
20. ὅτι οὐδὲ εἰς ἕξ ὑμῶν εὐρέθη ἔχων διά-  
κρισιν συμπαθῆσαι μετ' ἐμοῦ· καὶ οὕτως ἀνε-  
χώρησεν ἐκεῖθεν· καὶ εἶπεν ὁ γέρων· θεωρεῖς πῶς  
ὁ διάβολος φέρει τοὺς πειρασμοὺς ἐπάνω τῶν ἀγίων.

10. Pa G παραβάλη

1. Повѣда нѣкто ѿ авва Петръ, оученикъ
2. авва Силоуана. тако егда съдѣше въ ке-
3. лии своени въ горѣ Синаи. въ мѣроу тво-
4. рѣше потрѣбоу тѣла своего. и егдаже
5. бѣ епѣ въ Фдранѣ, много сътѣснѣ-
6. вше себе жестокомъ житиѣмъ. и гл҃а
7. немоу оученикъ него. авва, егда бѣхо-
8. мъ въ поустыни, не постѣше тако.
9. гл҃а немоу старѣ. тамо, поустыниа
10. бѣше. и безмалвиѣ. и нищета, и хо-
11. тѣхъ тѣло оукрѣплати да не разбо-
12. литъ се и възыщеть таже не имѣхъ. ни-
13. нѣ же миръ иѣ, и потрѣбы обрѣтаютъ се.
14. и аще разболю се, помагаютъ ми мнози.
15. дroupое же, да не погоублю инока .
16. О авва Никитѣ. Гл҃аше авва Ники-
17. та о нѣкою двѣю братоу. тако събра-
18. ше се жити въкоупѣ. помысли же не-
19. динь въ себѣ. тако еже хощеть брѣ
20. мои, се да твороу. такоже и дroupыи
21. (пом)ысли. и жише лѣта многа съ лю-
22. (бовию) мною. видѣвъ же врагъ, иде
23. (разѣли)ти ихъ. и ставъ прѣ враты, та-

298 122V

299

Marg. sup. О авва Петръ

1. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Νετρᾶ Διηγῆσατό τις περὶ τοῦ ἀββᾶ Νετρᾶ,  
τοῦ μαθητοῦ τοῦ ἀββᾶ Σιλουανοῦ· ὅτι ὅτε ἐκάθητο εἰς τὸ κελ-  
λίον αὐτοῦ ἐν τῷ ὄρει τῷ Σινᾶ, συμμέτρως ἐδιοί-  
κει ἑαυτὸν πρὸς τὴν χρεῖαν τοῦ σώματος· ὅτε δὲ
5. ἐγένετο ἐπίσκοπος εἰς Φαράν, πολλὰ ἔσφιγ-  
γεν ἑαυτὸν εἰς σκληραγωγίαν· καὶ λέγει  
αὐτῷ ὁ μαθητὴς αὐτοῦ· ἀββᾶ, ὅτε ἤμε-  
θα εἰς τὴν ἔρημον, οὐκ ἦσκεις οὕτως·  
λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ἐκεῖ ἔρημος
10. ἦν καὶ ἡσυχία καὶ πτωχεία· καὶ ἤθε-  
λον κυβερνήσαι τὸ σῶμα ἵνα μὴ ἀσθε-  
νίσῃ καὶ ζητήσῃ ἃ οὐκ εἶχον· νῦν  
δὲ κόσμος ἐστὶν καὶ ἀφορμαὶ εἰσι·  
καὶ ἐὰν ἀσθενήσω ἐστὶν ὁ ἀντιλαμβανόμενός μου,
15. καὶ ἵνα μὴ ἀπολέσω τὸν μοναχόν·  
Περὶ τοῦ ἀββᾶ Νικήτα Ἔλεγεν ὁ ἀββᾶς Νική-  
τας περὶ τινων ἀδελφῶν δύο· ὅτι συνήλ-  
θον θέλοντες οἰκῆσαι ὁμοῦ· ἐλογίσατο δὲ ὁ  
εἷς ἐν ἑαυτῷ ὅτι εἴ τι θέλει ὁ ἀδελφός
20. μου, ἐκεῖνο ποιῶ· ὁμοίως δέ. καὶ ὁ ἄλλος  
ἐλογίσατο· καὶ ἔζησαν ἔτη πολλὰ μετὰ πολ-  
λῆς ἀγάπης· ἰδὼν δὲ ὁ ἐχθρός, ἀπῆλθε  
χωρίσαι αὐτούς· καὶ σταθεὶς εἰς τὸ πρόθυρον, ἐφαί-

1. вѣдѣше се ѿдиномоу ꙗко голоубица.
2. дру҃гомоу же ꙗко врана. г҃ла ѿдинь.
3. видиши ли голоубицоу сию. г҃ла дру҃гын,
4. врана ѿ. и на чѣ прѣкословити дру҃гь
5. дру҃гоу г҃лше. и вѣставше, сѣтворише
6. крамолоу до крѣви, въ коньчнѣю ра~
7. дость врагоу. и разѣлише се. по трехъ
8. же днѣхъ сѣшѣша се сѣтвориста дру҃гь
9. дру҃гоу метание. повѣдающе еже
10. кѣжо ихъ зрѣше ꙗвлѣшѣю се птицѣ.
11. и оуѣдѣвше брань бѣсѣв'скоу, прѣ-
12. быше до конца не раздѣл'ша се .
13. знамение ѿ. еже ѿ сѣло. О двѣа ѿѿи .
14. Братъ вѣпроси двѣа ѿѿа г҃лше. аше обрѣ-
15. шѣ се нѣкогда изѣсти ꙗ хлѣбъ, е-
16. да много ѿ. и рѣ ѿмоу. на гоумно ли
17. си пришьль брате. и рѣ ѿмоу пакы. а-
18. ше испию ꙗ чаши вина, еда много ѿ.
19. и рѣ ѿмоу. аше нѣ бѣса, нѣ много. аше
20. ли ѿ, много ѿ. и бѣ вино, тоу҃же ѿс(тъ)
21. инокымъ хотещимъ жити по (бѣтъ .)
22. Рѣ двѣа ѿан'ѿи. ꙗко разбѣиникъ (ъ на крѣ~)
23. стѣ, единѣмъ словомъ сѣсе с(е. и Юда же)

123R

300

301

13. Superfluo rilevare l'inesattezza a proposito del nome della lettera slava (forse però le parole in questione sono, per quanto malamente, cancellate).

Marg. inf. О двѣа ѿанѿи .



1. νετο τῷ ἐνὶ ὧς περιστερὰ,  
καὶ τῷ ἐτέρῳ ὧς κορώνη· λέγει ὁ εἷς·  
βλέπεις τὸ περιστέρην τοῦτο; λέγει ὁ ἄλλος·  
κορώνη ἐστίν· καὶ ἤρξαντο φιλονικεῖν ἄλλος
5. ἄλλ(ω) λέγων· καὶ ἀναστάντες συνέβαλον  
μάχην μέχρις αἵματος εἰς τελείαν χα-  
ράν τοῦ ἐχθροῦ· καὶ ἐχωρίσθησαν· μετὰ δὲ τρεῖς  
ἡμέρας ἀνένηψαν· καὶ εἰς ἑαυτοὺς ἐλθόντες· καὶ ποιήσαντες  
ἑαυτοῖς μετάνοιαν, ὠμολόγουν ὃ
10. ἕκαστος ἔβλεπεν τὸ ὁραθὲν πετεινόν·  
καὶ γνόντες τὸν πόλεμον τοῦ ἐχθροῦ, ἔμει-  
ναν μέχρι τέλους μὴ χωρισθέντες.  
\* Στοιχεῖον ξ Περὶ τοῦ ἀββᾶ Ἐοῖου  
Ἄδελφός ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ἐοῖον λέγων· ἐὰν εὕρε-
15. θῶ πώποτε καὶ φάγω τρία ψωμία, μὴ  
πολύ ἐστιν; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· εἰς τὴν ἄλωνα  
ἦλθες ἀδελφέ; καὶ εἶπε πάλιν· ἐ-  
ὰν πῖω τρία ποτήρια οἴνου, μὴ πολύ ἐστιν; λέγει αὐτῷ· ἐ-  
ὰν οὐκ ἔστιν δαίμων, οὐκ ἔστι πολύ· ἐὰν
20. δὲ ἔνι, πολύ ἐστι· ὁ γὰρ οἶνος ἀλλότριός ἐστι  
τῶν μοναχῶν τῶν θελόντων ζῆν κατὰ θεόν.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ξανθίας· ὁ ληστής ἐν τῷ σταν-  
ρῷ ἦν· καὶ ἀπὸ λόγου ἐνὸς ἐδικαιώθη· καὶ ὁ Ἰούδας

3. La forma classica *τον* è solo in G.

5. La lezione *ἄλλω* evidentemente alla base dello slavo è in G (ma con la variante *ἄλλο* segnalata in nota). M Pa *ἄλλο*.

1. съ дѣлы съчетанъ бѣше. и въ єдиноу нош(ь)
2. погоуби в'се троуды. и с'ниде съ нѣсъ въ ад(ь.)
3. тем'же никтоже добро дѣлає да хвали-
4. т' се. в'си оубѣ надѣющіи се на се, падош(е ·)
5. Рѣ пакы. ꙗко пѣсь, боли мене ѿ. понеже 302
6. и любовь имать, и на соудъ не приидѣ ·
7. Знаменіе онъ · О авва Урсисію ·
8. Авва Урсисіе келіискы, бѣримъ бѣ 303
9. бѣсѣмъ блѣнѣмъ · и рѣ ємоу помы-
10. слъ. иди и възми женоу. и вѣставъ съ-
11. твори калъ и сзда женоу. и гл̄а себѣ се
12. жена твоя. потреба оуже ѿ дѣлати мно-
13. го да питаши ю. и дѣлаше троужає се
14. много. и пакы сѣтворивъ калъ, сзда
15. себѣ дѣщеръ. и гл̄а помыслоу, ꙗко ро-
16. ди жена твоя. потребу имаша множа-
17. є дѣлати. да възможеша питати и че-
18. до свое и ѡдѣати. и тако творе, исочуши
19. себе троудомъ. и гл̄а помыслоу. не мо-
20. гоу к томоу трѣпети троудъ. и рѣ. аще
21. (не) можеша, ни женоу възыши. и видѣвъ
22. (бѣ тр)оудъ єго, възє ѿ него бранъ и почи ·
23. (Знамен)іе покои. О авва Пиминъ.

123V

1. μετὰ τῶν ἀποστόλων συνηριθμημένος ἦν· καὶ ἐν νυκτὶ μιᾷ,  
ἀπώλεσε πάντα τὸν κάματον· καὶ κατέβη ἐξ οὐρανῶν εἰς ἄδην·  
διὸ μηδεὶς εὐπραγῶν καυχά-  
σθω· πάντες γὰρ οἱ πεποιθότες ἐφ' ἑαυτοῖς, ἔπесον.
5. Εἶπε πάλιν· ὁ κύων κρείσσων μου ἐστίν· διότι  
καὶ ἀγάπην ἔχει καὶ εἰς κρίσιν οὐκ ἔρχεται.  
Στοιχεῖον ο  
Ὁ ἀββᾶς Ὁρσίσιος ὁ τῶν κελλίων ἐπολεμήθη  
εἰς πορνείαν. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ λογι-
10. σμός· ὕπαγε λάβε γυναῖκα· καὶ ἀναστὰς ἐ-  
ποίησε πηλόν, καὶ ἔπλασε γυναῖκα· καὶ λέγει ἐν ἑαυτῷ· ἰδοὺ  
ἡ γυνή σου· χρεῖα οὖν ἐργάσασθαι πολ-  
λά, ἵνα τρέφῃς αὐτήν· καὶ εἰργάζετο κοπιῶν  
πολλά· καὶ πάλιν ποιήσας πηλόν, ἔπλασεν
15. ἑαυτῷ θυγατέρα· καὶ λέγει τῷ λογισμῷ· ἔτε-  
κεν ἡ γυνή σου· χρεῖαν ἔχεις περισσό-  
τερον ἐργάσασθαι, ἵνα δυνηθῇς θρέψαι τὸ τέκ-  
νον σου καὶ σκεπάσαι· καὶ οὕτως ποιῶν, ἔτηξεν ἑαυτὸν  
ἀπὸ τοῦ κόπου· καὶ λέγει τῷ λογισμῷ· οὐκέτι ἰ-
20. σχύω ὑποφέρειν τὸν κόπον· καὶ εἶπεν· εἰ  
οὐκ ἰσχύεις, μηδὲ γυναῖκα ζητήσης· καὶ ἰδὼν  
ὁ θεὸς τὸν κόπον αὐτοῦ, ἦρεν ἀπ' αὐτοῦ τὸν πόλεμον καὶ ἀνεπάη.  
Στοιχεῖον π. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Ποιμένος

1. Иногда оудръжа кнезь мѣста некого ѿ сьро-
2. дникъ авва Пимина. и приидоше мо-
3. леще старца, ити и измолити неговъ. ѿнъ
4. же рече имъ. оставите ме ꙗко дни, и тогда
5. приидоу. и помоли се боу гл҃е. ꙗко не пода-
6. жь ми даръ си, понеже не оставити ме и-
7. мають прѣбыти въ мѣстѣ семь. и по-
8. томъ прииде моле се кнезю. ѿнъ же к' не-
9. моу рече. за разбѣивника ли молиши се авва;
10. стар'ць же възрадова се ꙗко не даде немѹ
11. ꙗко даръ сїи . Иногда пакы въсхотѣ
12. кнезь видѣти авва Пимина. стар'ць же не
13. прие него. неп'шеваниемъ же ꙗко злодѣа,
14. оудръжа сѣа сестры него и въсади въ тьмни-
15. цюу гл҃е. аще приидеть стар'ць и помоли-
16. т' се ѿ немъ, ѿставляю него. и прииде
17. сестра его плачюши къ вратомъ. ѿнъ же
18. не ѿвѣща ни ни мала. она же понаша-
19. аще немюу гл҃ши. мѣдносрьде, помилѹ-
20. и ме ꙗко единочеда ми ѿ. ѿнъ же посла(въ)
21. рече ни. Пиминъ чеда не родиль. и так(о ѿ-)
22. тиде. слышавъ же кнезь посла гл҃е(. понѣ)
23. словомъ повели да оставлю не(го. ста-)

304 124R

305

1. Ἐκράτησέ ποτε ὁ ἄρχων τῆς χώρας τινὰ τῶν  
τοῦ ἀββᾶ Ποιμένος, καὶ ἦλθον πα-  
ρακαλοῦντες τὸν γέροντα, ἀπελθεῖν καὶ ἐκβαλεῖν αὐτόν· ὁ  
δὲ εἶπεν· ἑάσατέ με τρεῖς ἡμέρας, καὶ οὕτως
5. ἔρχομαι. καὶ ἤϋξατο πρὸς κύριον λέγων· κύριε, μὴ δός  
μοι τὴν χάριν ταύτην, ἐπεὶ οὐκ ἀφίουσί με  
καθίσαι ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ· καὶ με-  
τὰ ταῦτα ἦλθεν παρακαλῶν τὸν ἄρχοντα· ὁ δὲ πρὸς αὐ-  
τὸν ἔφη· περὶ ληστοῦ παρακαλεῖς ἀββᾶ;
10. ὁ δὲ γέρων ἐχάρη ὅτι οὐκ ἐδέξατο τὴν χάριν  
παρὰ τοῦ θεοῦ. Ἄλλοτε ἠθέλησεν  
ὁ ἄρχων ἰδεῖν τὸν ἀββᾶν Ποιμένα, καὶ ὁ γέρων οὐ  
κατεδέχετο· προφάσει δὲ ὡς κακοῦργον  
κατέσχε τὸν υἱὸν τῆς ἀδελφῆς αὐτοῦ, καὶ ἔβαλεν εἰς φυλα-
15. κὴν λέγων· ἐὰν ἔλθῃ ὁ γέρων καὶ παρα-  
καλέσῃ ὑπὲρ αὐτοῦ, ἀπολύω αὐτόν· καὶ ἦλθεν  
ἡ ἀδελφὴ αὐτοῦ κλαίουσα πρὸς τὴν θύραν, ὁ δὲ  
οὐκ ἔδωκεν αὐτῇ ὅλως ἀπόκρισιν· ἡ δὲ ἐλοιδῶρει  
αὐτὸν λέγουσα· χαλκόσπλαγχνε ἐλέη-
20. σὸν με ὅτι μονογενὴς μοί ἐστιν· ὁ δὲ πέμψας  
εἶπεν αὐτῇ· Ποιμὴν τέκνα οὐκ ἐγέννησεν καὶ οὕτως ἀ-  
νεχώρησεν· ἀκούσας δὲ ὁ ἄρχων, ἔπεμψε λέγων· κἂν  
λόγῳ κελεύσῃ, ἀπολύσω αὐτόν· ὁ δὲ γέ-

17. M Pa πρὸς τὴν θύρα (sic!) G πρὸς τῇ θύρᾳ

1. рыць же, ѿвѣзвѣсти ѿмоу гл҃іе. истез(а~)
2. и ѿго по законѣхъ. и аще ѿ̑ достоинъ съ-
3. мрѣти, да оумреть. аще ли нѣсть, га-
4. ко хоцѣши, сѣтвори ·
5. Рѣ̑ авва Пиминъ. лоукавѣствіе чл҃комъ 306
6. сѣзди ихъ ѿ̑ скръвено. сего ради трѣбуемъ
7. срѣдечное трѣзвение ·
8. Сѣдѣшѹ иногда авва Исдакоу ѹ авва Пи- 307
9. мина. слышамъ бѣ̑ гл҃а петла. и гл҃а е-
10. моу авва Исдакъ. соут ли та зде авва.
11. ѿнѣ же рѣ̑ ѿмоу. Исдаче, что поудиши ме
12. гл҃ати; ты и побѣнїи тебѣ слышетъ сѣ̑.
13. трѣзвѣщомоу же се, не печаль ѿ̑ ѿ сѣхъ ·
14. Братъ выпроси авва Пимина гл҃іе, рѣ̑ци ми 308
15. слово. и рѣ̑ ѿмоу. егда конобѣ ѿ̑ издо-
16. ла горить, не смѣть моуха коснѹти
17. се ѿмоу, или ино что ѿ̑ прѣсмыкающ(и~)
18. хѣ̑ се. егда же изѣстоудитъ се, тогда насѣд(а~)
19. ютъ на нь. тако и инокъ. донѣдеже пр(и~)
20. лежить дѣховнымъ дѣломъ, не обрѣ-
21. (т)дѣть врагъ низложити ѿ̑ ·
22. (Рѣ̑ ав)ва Пиминъ. тако братъ выпроси а- 309
23. (вва Сї)мона гл҃іе. аще изыдоу ис кели(іе)

124V

1. ρων ἀντεδήλωσεν λέγων· ἐξέτα-  
σον αὐτὸν κατὰ τὸν νόμον σου· καὶ εἰ ἄξιός ἐστι θα-  
νάτου, ἀποθανέτω· εἰ δὲ μή, ὥς  
βούλει ποιήσων.
5. Εἶπε πάλιν· ἡ ποιηρία τῶν ἀνθρώπων,  
ὅπισθεν αὐτῶν ἐστὶν ἐγκεκρυμμένη· διὰ τοῦτο δεόμεθα  
νηφούσης καρδίας.  
Καθημένου ποτὲ τοῦ ἀββᾶ Ἰσαὰκ πρὸς τὸν ἀββᾶν Ποι-  
μένα, ἠκούσθη φωνὴ ἀλέκτορος, καὶ λέγει αὐ-  
τῷ· ἔνι ταῦτα ὧδε ἀββᾶ;
10. ὁ δὲ εἶπεν αὐτῷ· Ἰσαὰκ τί ἀναγκάζεις με  
λαλήσαι; σὺ καὶ οἱ ὅμοιοί σου ἀκούετε ταῦτα·  
τῷ δὲ νήφοντι οὐ μέλλει περὶ τούτων.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· εἰπέ μοι
15. ῥῆμα· καὶ εἶπεν αὐτῷ· ὅτε καίεται ὑποκά-  
τω ὁ λέβης, οὐ δύναται μυῖα ἄψασθαι  
αὐτοῦ ἢ ἄλλο τι τῶν ἔρπε-  
τῶν· ὅταν δὲ ψυχραιθῇ, τότε ἐπικάθη-  
ται αὐτῷ· οὕτως καὶ ὁ μοναχός· ὅσον ἐπιμέ-  
νει ταῖς πνευματικαῖς πράξεσιν, οὐχ εὐρί-  
σκει ὁ ἐχθρὸς κατενεγκεῖν αὐτόν.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμήν, ὅτι ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀβ-  
βᾶν Σίμωνα λέγων· ἐὰν ἐξέλθω ἐκ τοῦ κελλίου

2. Pa κατὰ τοὺς νόμους

13. Pa G μέλει

1. свое и обрѣшѣ брата своего работающа,
2. работаю и азъ съ нимъ. аще обрѣмъ и смѣ-
3. юща се, смѣю се и азъ с нимъ. и аще вънидѣ
4. въ келию свою, не обрѣтаю покоя. и рече
5. моему старцу. како можеша покои имѣти
6. тако творе; гдѣ емоу брѣ. прочее что сътво-
7. роу. и ѿвѣщавъ старцу рече. въноутрь блю-
8. ди стражю, и изъвѣноу блюди стражю ·
9. Рече двѣд Пиминъ. сии гдѣ въпише къ члвкоу **310**
10. до послѣднѣго издыханія, тако днѣ о-
11. братите се · Рече пакы. како три главизъ- **311**
12. ны сие потрѣбны соу. неже боѣти се гдѣ.
13. и молити се. и творити добро ближнемъ ·
14. Рече пакы. ѿврати очи свои не видѣти сѣ- **312**
15. еіе. и бѣ свобожение очесъ, дшюу
16. оубиваетъ · О съвршеніи ·
17. Братъ выпроси двѣд Пимина гдѣ. како по- **313**
18. баетъ члвкоу жити. гдѣ емоу старцу.
19. видимъ Даниїла како не обрѣте се на нь
20. оклеветаніе, тѣчию въ слоужбѣ гдѣ бѣ · (Рече пакы.) **314**
21. нищета и скръбъ и тѣсножитіе. и п(о)
22. си соу дѣла инока. пишетъ бѣ се. ( како д-)
23. ше боудоутъ три мѹжи си. Новѣ. Іовъ. Дд-)



1. μου καὶ εὖρω τὸν ἀδελφόν μου περισπώμενον,  
 καὶ γὰρ περισπῶμαι μετ' αὐτοῦ· καὶ εὖρω αὐτὸν γε-  
 λῶντα, καὶ γὰρ γελῶ μετ' αὐτοῦ· καὶ ἐὰν εἰσέλθω  
 εἰς τὸ κελλίον μου οὐκ ἀφίομαι ἀνάπαυσιν ἔχειν· λέγει αὐ-
5. τῷ ὁ γέρων· οὕτως ποιῶν δύνασαι ἀνάπαυσιν ἔχειν;  
 λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· ἀλλὰ τί ποι-  
 ῆσω; καὶ ἀποκριθεὶς ὁ γέρων εἶπεν· ἔσω τή-  
 ρει φυλακὴν, καὶ ἔξω τήρει φυλακὴν·  
 Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν· αὕτη ἡ φωνὴ βοᾷ πρὸς τὸν ἄνθρωπον
10. ἕως ἐσχάτης ἀναπνοῆς, ὅτι σήμερον ἐ-  
 πιστρέψατε. Εἶπε πάλιν· ὅτι τρία ταῦτα κεφά-  
 λαιά ἐστι χρήσιμα· τὸ φοβεῖσθαι τὸν κύριον·  
 καὶ τὸ εὐξασθαι· καὶ τὸ ποιῆσαι ἀγαθὸν τῷ πλησίον.  
 Εἶπε πάλιν· ἀπόστρεψον τοὺς ὀφθαλμούς σου τοῦ μὴ ἰδεῖν μα-
15. ταιότητα· ἡ γὰρ ἐλευθερία τῶν ὀφθαλμῶν, ψυχὴν  
 ἀναιρεῖ. Περὶ τελειότητος  
 Ὁ ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· πῶς ὁ-  
 φείλει ἄνθρωπος πολιτεύεσθαι; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων·  
 ὁρῶμεν τὸν Δαυὶδ ὅτι οὐχ εὐρέθη κατ' αὐτοῦ
20. κατηγορία, εἰ μὴ ἐν ταῖς λειτουργίαις κυρίου τοῦ θεοῦ  
 αὐτοῦ. Εἶπε πάλιν·  
 ἡ πενία καὶ ἡ θλίψις καὶ ἡ στενοχωρία καὶ ἡ νηστεία,  
 ταῦτά εἰσι τὰ ἔργα τοῦ μοναχοῦ· γέγραπται γάρ· ὅτι ἐ-  
 ἂν ὧσιν οἱ τρεῖς ἄνδρες οὗτοι· Νῶε· Ἰώβ· καὶ Δα-

12. Pa εἰσι (senza il cd. schema attico) viene a trovarsi più vicino allo slavo.

1. нѣиль. живоу азъ глѣеть гѣ · Нѣе, ѡбра-
2. зъ ѣе нестежанию. Іѡв' же, троудоу. Да-
3. нѣиль, рассуѣженію. аще оубѡ боудоу
4. си дѣла три въ члѣвцѣ, гѣ живетъ въ нѣм(ь ·)
5. Рѣ паки. ꙗко ꙗгда хошетъ члѣкъ сѣздати **315**
6. домъ, многы потрѣбы събираетъ. ꙗко
7. да възможеть съставити домъ. тако
8. и мы, възмѣмъ по малоу ѡ вѣсѣ добро-
9. дѣтѣлєи · Рѣ паки. ꙗко Дѣдъ писа Іѡ- **316**
10. двоу. ꙗко дръжи брань, и побѣдиши грѣ
11. и расыплєши ꙗго · Тѣѣ рече. ꙗко глѣ- **317**
12. ше Іѡавъ людемъ. моужаите се и боу-
13. дѣте въ снѡвъ силы, и борим' се о людѣ
14. бжїихъ. мы оубѡ немы ·
15. Рѣ паки. прѣвое, бѣжи єдиноу. второе, **318**
16. бѣжи. третїе, боуди мѣчь ·
17. Рѣ паки. къ члѣкоу ꙗмоужє срѣце твое не **319**
18. извѣщаваѣтъ се, не извѣри ꙗмоу съвѣ-
19. сть свою · Братоу походящоу продати **320**
20. (р)оукодѣліє свое, выпроси авѡ Пимина
21. (гл)ѣ. что хошеши да сѣтвориу, глѣ ꙗмоу
22. (старц)ѣ. сѣтвори гостѣ ноудѣщаго себе
23. (и покоє)мъ продаѣши съсоудъ своихъ ·

1. νιήλ. ζῶ ἐγὼ λέγει κύριος· ὁ Νῶε πρόσω-  
πόν ἐστι τῆς ἀκτημοσύνης· Ἰὼβ δέ, τοῦ πόνου· καὶ Δα-  
νιήλ τῆς διακρίσεως· ἐὰν οὖν ὦσιν  
αἱ τρεῖς αὗται πράξεις ἐν τῷ ἀνθρώπῳ, ὁ κύριος οἰκεῖ ἐν αὐτῷ.
5. Εἶπε πάλιν· ὅτι ὅταν μέλλῃ ἄνθρωπος οἰκοδομῆσαι  
οἶκον, πολλὰς χρείας συνάγει ὅπως  
δυνηθῇ στήσαι τὸν οἶκον· οὕτως  
καὶ ἡμεῖς λάβωμεν πρὸς μικρὸν ἀπὸ πασῶν τῶν ἀρε-  
τῶν. Εἶπε πάλιν· ὅτι ὁ Δαυὶδ ἔγραψε τῷ Ἰω-  
νάβ· ὅτι κάτεχε τοῦ πολέμου, καὶ καταδυναστεύσεις τῆς πόλεως  
καὶ καταστρέψεις αὐτήν. Ὁ αὐτὸς εἶπεν· ὅτι ἔλε-  
γεν ὁ Ἰωάβ τῷ λαῷ, ἀνδρίζεσθαι καὶ γί-  
νεσθαι εἰς υἱοὺς δυνάμεως· καὶ πολεμήσωμεν ὑπὲρ τοῦ λαοῦ  
τοῦ θεοῦ· ἡμεῖς οὖν ἐσμεν.
15. Εἶπε πάλιν· τὸ πρῶτον φύγε ἅπαξ· τὸ δεύτερον  
φύγε· τὸ τρίτον, γεινοῦ ρομφαία.  
Εἶπε πάλιν· ἄνθρωπον εἰς ὃν ἡ καρδιά σου οὐ  
πληροφορεῖται, μὴ πιστεύσης αὐτῷ τὴν συνεί-  
δησίν σου. Ἀδελφὸς ὑπάγων εἰς τὴν ἀγορὰν
20. ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα,  
τί θέλεις ποιησω; λέγει αὐτῷ  
ὁ γέρων· γεινοῦ φίλος τοῦ ἑαυτὸν βιαζομένου·  
καὶ μετὰ ἀναπαύσεως, πωλεῖς τὰ σκεύη σου.

1. Въпроси авва Митимие авва Пимина
2. гл҃іе. аще кто иматъ къ мнѣ скръбь и по-
3. каю се ѿмоу и не извѣритъ се, что сътворѣ.
4. гл҃а ѿмоу старѣць. възми съ собою дру҃гаа
5. два брата и покаи се ѿмоу. и аще не оувѣ-
6. ритъ се, възми ѿ. аще же и сими не оувѣ-
7. ритъ се, възми презвитеры. и аще ни сице
8. не ѡвѣритъ се, безъ мльвы прочее моли се
9. боу, да ѡнъ извѣститъ ѿмоу. и беспеча-
10. ли боудеши. сътвори обаче силоу свою,
11. не сътворити зло никомуже до мала.
12. и чисто съблюди ср҃це свое ѡ в'сакогѡ
13. чл҃ка · Брѣ въпроси авва Пимина гл҃е.
14. что съворю грѣхомъ моимъ. гл҃а емѣ
15. старѣць. хотеи избавити се грѣ, плачѣ
16. избавляетъ се ѡ нихъ. и хотеи нестежа-
17. ти ихъ, плачемъ нестежаваетъ ихъ. пла-
18. каниа оубѡ ѿ поуть негоже прѣдаде на
19. писание и ѡци гл҃ше, плачите. дру҃гы
20. оубѡ поуть нѣсть кромѣ плача ·
21. Братъ въпроси авва Пимина гл҃іе. (что съ-)
22. творю о сьмоущеніи сѣ иже смо(ушаю-)
23. т' ме. гл҃а ѿмоу старѣць. плач(имъ прѣ)

**321 126R**

**322**

**323**

1. Ἡρώτησεν ὁ ἀββᾶς Βιτίμιος τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· ἐάν τις ἔχῃ πρὸς ἐμὲ λύπην καὶ με-  
τανοήσω αὐτῷ καὶ μὴ πεισθῇ, τί ποιήσω;  
λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· λάβε μετὰ σεαυτοῦ ἄλλους
5. δύο ἀδελφοὺς καὶ μετανόησον αὐτῷ. καὶ ἐάν μὴ πει-  
σθῇ, λάβε ἄλλους πέντε· ἐάν δὲ καὶ τούτοις μὴ πει-  
σθῇ, λάβε πρεσβυτέρους· ἐάν δὲ καὶ τούτοις  
μὴ πεισθῇ, ἀταράχως λοιπὸν εὗξαι  
τῷ θεῷ ἵνα αὐτὸς πληροφορήσῃ αὐτόν, καὶ ἄμε-
10. ριμνήσεις· ποιήσον δὲ τὴν δύναμίν σου  
μὴ κακοποιῆσαί τινα τὸ σύνολον·  
καὶ ἀγνὴν τήρησον τὴν καρδίαν σου, ἀπὸ παντὸς  
ἀνθρώπου. ΠΕΡΙ ΚΑΤΑΝΥΞΕΩΣ Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων·  
τί ποιήσω ταῖς ἀμαρτίαις μου; λέγει αὐτῷ
15. ὁ γέρων· ὁ θέλων λυτρωθῆναι ἀμαρτίας κλαυθμῷ  
λυτροῦται αὐτάς· καὶ ὁ θέλων κτήσα-  
σθαι ἀρετάς, κλαυθμῷ κτᾶται αὐτάς· τὸ γὰρ κλαί-  
ειν ἐστὶν ἡ ὁδὸς ἣν παρέδωκεν ἡμῖν  
ἡ γραφὴ καὶ οἱ πατέρες λέγοντες· κλαύσατε, ἄλλη
20. γὰρ ὁδὸς οὐκ ἔστιν εἰ μὴ αὕτη.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· τί ποι-  
ήσω ταῖς ταραχαῖς ταύταις ταῖς ταραττοῦ-  
σαις με; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· κλαύσωμεν ἐνώπιον

17. Traduzione difettosa in quanto: a) occorrerebbe la traduzione di ἀρετάς, quindi ΔΟΞΟΔΕΤΕΛΙ o sim., non ИХЪ che sembrerebbe rimandare a ΓΡΕΧΙ; 2) τὸ κλαίειν sembra richiedere ΠΛΑΚΔΗΝΙΕ sing., non -ИИΔ plur. (a meno che non si tratti di gen. sg. retto da ΠΟΥΤЬ).

1. б̑гостинію б̑жіню всачьскы̑ трѣдо̑,
2. дондеже сътворитъ м̑тъ свою с нами ·
3. Р̑е авва Ісаакъ. ꙗко иногда съдѣ̑ при авва **324**
4. Пиминѣ и видѣ̑ его въ истощени бы-
5. в̑ша. и сътворихъ ѹмоу метаніе г̑іе.
6. р̑ци ми гдѣ бы. ѡнъ же поноу̑женъ бывъ,
7. рече ми. мои оумъ бѣше, идеже б̑ца Ма-
8. рина стоеши плакаше при кр̑тѣ сп̑совѣ
9. и азъ оубѡ, тако хотѣхъ всегда плакати ·
10. Г̑лаше авва Іосифъ о авва Пиминѣ. ꙗко **325**
11. р̑е. ꙗко се іе̑ слово писанное въ Ев̑ли. ꙗ-
12. ко имѣи ризоу, да продѣ̑ ю и да кѣпiti
13. ножь. си рѣчь. имѣи покои, да оста-
14. вiti и и поиметъ тѣснь поутъ ·
15. Р̑е пакы. ꙗко Д̑дъ ꙗгда бори се съ львомъ, **326**
16. за грѣтанъ его оухвати. аще оубѡ и мы
17. оудръжимъ грѣтанъ и чрѣво свое, по-
18. бѣдити имамы съ б̑мъ невидимаго
19. льва · Р̑е пакы. три си, не могѣ̑ ѡсѣ- **327**
20. (ши.)ѣстие. одѣѣаніе. и снь. нь ѡ̑
21. (чест)и, могоу ѡсѣсти ихъ ·
22. (Братъ реч)е авва Пиминоу. ꙗко много зе- **328**
23. (ліе нам)ь. г̑ла стар̑ць. не добро ти єсть

1. τῆς ἀγαθότητος τοῦ θεοῦ ἐν παντὶ κόπῳ ἡμῶν,  
ἕως οὗ ποιήσῃ τὸ ἔλεος αὐτοῦ μεθ' ἡμῶν.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἰσαάκ· ὅτι ἐκαθήμην ποτὲ πρὸς τὸν ἀββᾶν  
Ποιμένα· καὶ εἶδον αὐτὸν ἐν ἐκστάσει γε-  
5. νόμεινον· καὶ ἔβαλον αὐτῷ μετάνοιαν λέγων·  
εἰπέ μοι ποῦ ἦς· ὁ δὲ ἀναγκασθεὶς  
εἶπεν· ὁ ἐμὸς λογισμὸς ἦν, ὅπου ἡ θεοτόκος Μα-  
ρία ἔστηκε καὶ ἔκλαιεν ἐπὶ τοῦ σταυροῦ τοῦ σωτῆρος·  
κἀγὼ γὰρ ἤθελον πάντοτε οὕτως κλαίειν. Περὶ ἐγκρατείας  
10. Ἔλεγεν ὁ ἀββᾶς Ἰωσήφ περὶ τοῦ ἀββᾶ Ποιμένος· ὅτι  
εἶπεν· ὅτι οὕτως ἐστὶν ὁ λόγος ὁ γεγραμμένος ἐν τῷ εὐαγγελίῳ· ὅ-  
τι ὁ ἔχων ἱμάτιον πωλησάτω αὐτὸ καὶ ἀγορασάτω  
μάχαιραν· τοῦτ' ἐστίν· ὁ ἔχων ἀνάπαυσιν ἀφή-  
σει αὐτήν καὶ κρατήσῃ τὴν στενὴν ὁδόν.  
15. Εἶπε πάλιν· ὅτι ὁ Δαβὶδ ὅτε συνέβαλε μετὰ τοῦ λέοντος,  
ἐκ τοῦ λαρυγγίου αὐτοῦ κατέσχευεν αὐτόν· ἐὰν καὶ ἡμεῖς  
κατάσχωμεν τοῦ λαρυγγίου καὶ τῆς κοιλίας ἑαυτῶν, νι-  
κῶμεν διὰ τοῦ θεοῦ τὸν ἀόρατον  
λέοντα. Εἶπε πάλιν· τὰ τρία ταῦτα οὐ δύναμαι κό-  
20. ψαι· τὴν βρώσιν· τὸ ἔνδυμα καὶ τὸν ὕπνον· ἀλλ' ἐκ  
μέρους δύναμαι κόψαι αὐτά.  
Ἄδελφός εἶπεν τῷ ἀββᾶ Ποιμένι· ὅτι πολλὰ λά-  
χαινα ἐσθίω· λέγει ὁ γέρων· οὐ συμφέρει σοι·

13-14. Il testo slavo sembra presupporre due congiuntivi aoristi in -ήση (di cui il primo decisam. postclassico). In età itacistica queste forme sono in pratica indistinguibili dai futuri sigmatici in -ήσει (in ogni caso G M Pa hanno tutti due grafie in -ήσει).

1. нь ꙗзѣ хлѣбъ, и мало зелие. и не иди въ
2. ѿчѣство свое потребъ ради ·
3. О вѣстающои на нѣ брани плѣтскои ·
4. Рече авва Пиминь. ꙗкоже мѣчникъ црєвь прѣ- **329**
5. стоитъ немощу в'сегда готовъ, тако пѣбде-
6. ть дши готовъ быти на бѣса блочнаго ·
7. Брѣ въпроси авва Пимина гл҃е. что сътво- **330**
8. роу ꙗко брань имамъ ѿ блочда. и гнѣва.
9. и рече стар'ць. сего ради и Дѣдъ гл҃аше. ꙗко
10. льва оубѣо оубивѣ, медвѣда же оудавлѣ.
11. си рече гнѣвъ ѿганѣхъ. (блочд' же, (въ)зрѣжа-
12. нию оудавлѣ · Въпрошенъ бѣ авва **331**
13. Пиминь о помыслѣ, и рече. ꙗко аще оста-
14. вимъ дѣйствие и вънемлемъ опасно,
15. не обрешемъ въ себѣ скверны ·
16. Рече паки. ꙗко чл҃къ имѣе съ собою отроче **332**
17. прѣбывающе. и дѣет' се въ нию какова-
18. любо стѣтъ вет'хаго чл҃ка. и паки дръ-
19. жить не съ собою. пѣбнь ие сѣи, селоу чрь-
20. в'ми поадаемоу · Брѣ въпроси авв(а Пи-) **333**
21. мина гл҃е. вижюу себе, ꙗко идеже ( аще и-)
22. доу, обрѣтамъ помѣшь. гл҃а не(мощу ста-)
23. р'ць. ꙗко иже роукѣми дръж(еть мѣъ)



1. ἀλλὰ φάγε τὸν ἄρτον σου καὶ μικρὰ λάχανα, καὶ μὴ ἀπέλθῃς εἰς τὰ πατρικά σου ἕνεκεν χρεῶν.  
Περὶ τοῦ ἐπανισταμένου ἡμῖν τῆς σαρκὸς πολέμου  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν· ὥσπερ ὁ σπαθᾶριος τοῦ βασιλέως πα-  
5. ρίσταται αὐτῷ διὰ παντὸς ἕτοιμος, οὕτως δεῖ  
τὴν ψυχὴν ἕτοιμον εἶναι πρὸς τὸν δαίμονα[ν] τῆς πορνείας.  
Ἄδελφός ἡρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· τί ποι-  
ήσω ὅτι πολεμοῦμαι εἰς τὴν πορνείαν καὶ εἰς τὸν θυμόν;  
λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· διὰ τοῦτο ὁ Δαυὶδ ἔλεγεν· ὅτι  
10. τὸν μὲν λέοντα ἐπάτασσον, τὴν δὲ ἄρκτον ἀπέπιγον·  
τοῦτ' ἐστίν· τὸν μὲν θυμὸν ἀπέκοπτον, τὴν δὲ πορνείαν ἐν ἐγ-  
κρατείᾳ ἔθλιβον. Ἡρωτήθη ὁ ἀββᾶς  
Ποιμὴν περὶ λογισμῶν καὶ εἶπεν· ὅτι ἐὰν στή-  
σωμεν τὸ πρακτικὸν καὶ νήψωμεν ἐπιμελῶς,  
15. οὐχ εὐρήσομεν ἐν ἑαυτοῖς μολυσμόν·  
Εἶπε πάλιν· ὅτι ἄνθρωπος ἔχων παιδίον  
συννοικοῦν, καὶ ἐνεργεῖ εἰς αὐτὸν οἶον·  
δήποτε πάθος τοῦ παλαιοῦ ἀνθρώπου, καὶ πάλιν κα-  
τέχει αὐτὸ μεθ' ἑαυτοῦ, ὅμοιός ἐστιν ὁ τοιοῦτος, ἀνθρώπῳ  
20. ἔχοντι ἀγρὸν ὑπὸ σκωλήκων βιβρωσκόμενον. Ἄδελφός ἡρώτησε τὸν  
ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· ὁρῶ ἑμαυτὸν ὅπου δ' ἂν ἀ-  
πέλθω εὐρίσκω ἀντίληψιν· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέ-  
ρων· ὅτι οἱ μετὰ χεῖρας ἔχοντες τὸ ξίφος

10. Grafia erronea ἄρκον sia in M sia in Pa.

19-20. Si noti la diversa formulazione della similitudine.

22. Pa G omettono καὶ.

1. имають бѣ въ симъ врѣмени. аще оуб(о)
2. храбри боудемъ, сътворитъ с нами мѣтъ
3. свою · Выпросише авва Пимина гл҃ше. 334
4. ꙗко что ѿ слово еже гл҃еть, не попѣците
5. се о оутрѣвимъ. и рѣ старѣць. къ чл҃коу сѣ-
6. шоу въ бѣдѣ и малодѣльствоующоу рече-
7. нно бы. да не попечет се гл҃е, колико оу-
8. бѣ врѣме имамъ сътворити въ бѣдѣ с(е-)
9. и. нѣ паче да рѣтъ на вѣсакъ днѣ, тѣчию
10. днѣ · еже никогоже осуждати ·
11. слыша иногд(а п)резвитеръ ѿ ближнѣг(о) 335
12. о нѣкый брати гл҃ша. ꙗко често въ грѣ
13. ходѣ и мыютъ се, и не радеть о себѣ. и
14. пришѣ въ сѣбѣрь, възѣ ѿ нѣ ѿбразъ ино-
15. чьскы. и потомъ порази его сѣвѣсть
16. его, и раская се. и приде къ авва Пим(и-)
17. ноу, и възвѣсти о вещи. и гл҃а ѿмоу ста-
18. рѣць. не имаши ли и ты что ѿ ветхаго
19. чл҃ка, или сѣвѣче се его до конѣца. пре-
20. (з)витеръ же слышавъ старца, щѣ призва
21. (бра)тию и покаѣ се имъ. и облѣче ихъ
22. (въ ѿбра)зъ чръньчскы, и ѿпоустѣ ѿ ·
23. (Рѣ авва Пи)минъ. писано ѿ. ꙗже видѣ-

1. ἔχουσι τὸν θεὸν ἐν τῷ παρόντι καιρῷ· ἐὰν οὖν  
ῥῶμεν ἀνδρεῖοι, ποιεῖ μεθ' ἡμῶν τὸ ἔλεος  
αὐτοῦ. Ἦρωτήθη ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν  
ὅτι εἰς τίνα ἔρχεται ὁ λόγος ὁ γεγραμμένος ὅτι μὴ φροντίσῃτε
5. περὶ τῆς αὔριον; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· πρὸς ἄνθρωπον ὄν-  
τα ἐν πειρασμῷ καὶ ὀλιγωροῦντα ἐρρή-  
θη, ἵνα μὴ φροντίσῃ λέγων· πόσον  
χρόνον ἔχω ἐν τῷ πειρασμῷ τού-  
τῳ; ἀλλὰ μᾶλλον λογίσσεται κα-
10. θ' ἐκάστην τὸ σήμερον.  
Ἦκουσέ ποτε ὁ πρεσβύτερος τοῦ Πηλουσίου  
περὶ τινων ἀδελφῶν ὅτι συνεχῶς εἰς τὴν πόλιν  
εἰσὶν καὶ λούονται καὶ ἀμελοῦσιν ἑαυτῶν· καὶ  
ἐλθὼν εἰς τὴν σύναξιν, ἦρεν ἀπ' αὐτῶν τὸ σχῆμα·
15. καὶ μετὰ τοῦτο, ἔτιψεν αὐτὸν ἡ συνείδησις  
αὐτοῦ καὶ μετεμελήθη· καὶ ἦλθε πρὸς τὸν ἀββᾶν Ποιμέ-  
να καὶ ἀνήγγειλεν αὐτῷ τὸ πρᾶγμα· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέ-  
ρων· οὐχ ἔχεις καὶ σὺ τί ποτε τοῦ παλαιοῦ  
ἀνθρώπου; ἀπεδύσω αὐτόν; ὁ δὲ πρε-
20. σβύτερος ἀκούσας τοῦ γέροντος, ἀπελθὼν ἐκάλεσε  
τοὺς ἀδελφοὺς καὶ μετενόησεν αὐτοῖς· καὶ ἐνέδυσεν αὐτοὺς  
τὸ σχῆμα τοῦ μοναχοῦ καὶ ἀπέλυσεν.  
Εἶπε πάλιν· γέγραπται ἃ εἶδον

1. ше очи твои, си свѣдѣтел'ствоуи. аз' же
2. гл̑ю вамь. тако аще и осезаете роуками
3. вашими, не свѣдѣтел'ствоуите. братъ
4. бѡ пороуганъ бѣ нѣкимъ сицевымъ.
5. и видѣ тако брата своего съ женою грѣ-
6. хоуща. и много боримъ бывъ, шѣ тль-
7. кноу ихъ ногою своею гл̑е. оставите
8. прочее, доколѣ. и се обрѣте се снопие
9. пшенично. сего ради рѣхъ вамь. тако
10. аще и роуками своими осежете, не ѡ-
11. бличите ·    **Въпросише нѣцїи ѿ ѿцѣ**
12. авва Пимина гл̑ше. како сице трѣпѣ-
13. ше авва Нистерѡмъ оученика своего.
14. и рѣ имъ. аще быхъ азъ, и възглавницѣ
15. пѡложилъ бѣ ѡмоу. гл̑а ѡмоу авва А-
16. ноувъ. да что би рекль бѡу. гл̑а ѡмоу
17. авва Пиминъ. рекль бѣ. тако ты рекль
18. кси. прѣже изми брѣвно изъ ока тво-
19. его, и тогда прозриши изети соучьцъ
20. изъ ока брата своего ·    **Въпросише (нѣ-)**
21. **цїи ѿ ѿцѣ авва Пимина гл̑ше. ацї(е оузри-)**
22. **мъ пѣкого брата грѣхоуща, ре(чемъ ли)**
23. **ѡмоу. гл̑а имъ стар'цъ. обд(че мнѣ аще)**

337

338

1. οἱ ὀφθαλμοί σου, ταῦτα διαμαρτυροῦ· ἐγὼ δὲ  
λέγω ὑμῖν· ὅτι ἐὰν καὶ ψηλαφήσητε ταῖς χερσὶν  
ὑμῶν, μὴ μαρτυρήσητε· ἀδελφὸς  
γὰρ ἐχλευάσθη ἐν τινι τοιούτῳ·
5. καὶ εἶδεν ὡς τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ μετὰ γυναικὸς ἀμαρ-  
τάνοντα· καὶ πολλὰ πολεμηθεὶς, ἀπελθὼν ἐνν-  
ξεν αὐτοὺς τῷ ποδὶ αὐτοῦ λέγων· παύσασθε  
λοιπὸν ἕως πότε; καὶ ἰδοὺ εὐρέθησαν θάλλοι  
σίτου· διὰ τοῦτο εἶπον ὑμῖν ὅτι
10. καὶ ἐὰν ψηλαφήσητε ταῖς χερσὶν ὑμῶν, μὴ ἐ-  
λέγχητε. Ἠρώτησάν τινες τῶν πατέρων  
τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγοντες· πῶς οὕτως ἡνεί-  
χετο ὁ ἀββᾶς Νισθερώος τοῦ μαθητοῦ αὐτοῦ;  
καὶ λέγει αὐτοῖς· εἰ ἐγὼ ἤμην, καὶ τὸ κερβικάριον
15. ἐτίθουν πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ· λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Ἄ-  
νούβ· καὶ τί ἔλεγες τῷ θεῷ; λέγει  
ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν· ἔλεγον ὅτι σὺ εἶπας  
πρῶτον ἔκβαλε τὴν δοκὸν ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ σου  
καὶ τότε διαβλέψεις ἐκβαλεῖν τὸ κάρφος
20. ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ τοῦ ἀδελφοῦ σου. Ἠρώτησάν τι-  
νες τῶν πατέρων τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγοντες· ἐὰν ἴδω-  
μέν τινα ἀδελφὸν ἀμαρτάνοντα ἐλέγξομεν  
αὐτόν; λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων· ἐγὼ τέως ἐὰν

1. боудеть потреба мимоити тамо и оу-
2. зрю него грѣхоуща, мимоидоу и не глѣю
3. ѣмоу · Повѣдаше нѣщїи. тако иногда
4. авва Пиминь и братиа его, дѣлахоу ль-
5. нь. и не оставляше ѿ дѣлати. поне-
6. же не имамъ на чемъ коупити. и нѣк(ъи)
7. него любовьнь, повѣда нѣкоему коупцю
8. о вещи сєи. авва же Пиминь, не хотѣ-
9. ше принѣти ни ѿ кого ничесоже, сьмоу-
10. шенїа ради. коупцы же хотѣ сътворити
11. дѣло старцю. непѣшева тако потребоу
12. имати, роукодѣлиѣ ихъ възети. и при-
13. ведъ камиль, възѣ ѣже имѣхоу. и при-
14. шѣ братъ къ авва Пиминоу, възвѣсти ѣ-
15. же сътвори коупцы. и хотѣ него похва-
16. лити, рѣ старцю. въ истиноу авва, та-
17. ко и не трѣбоуѣ възѣтъ ихъ, да с'твори
18. намъ дѣло. слышав же авва Пиминь.
19. тако и не трѣбоущоу ѣмоу, възѣтъ рѣ-
20. кодѣлиѣ ихъ. рече братоу. вѣставъ и-
21. (ско)упи камиль, и принеси ихъ. аще
22. (ли же) не принесеши ихъ, Пиминь съ ва-
23. (ми ѿѣ) не сѣдитъ. не хошоу бѣ члѣка

1. ἔχω χρεῖαν παρελθεῖν διὰ τῶν ἐκεῖ, καὶ ἵ-  
δω αὐτὸν ἀμαρτάνοντα, ὑπερβαίνω καὶ οὐκ ἐλέγχω  
αὐτόν. Διηγήσαντό τινες, ὅτι ποτὲ  
ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν καὶ οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ εἰργάζοντο σκου-
5. λάκιν καὶ οὐ προέχῳρει,  
μὴ ἐχόντων ἀγοράσαι λινάρια· καὶ τις  
αὐτοῦ ἀγαπητός, διηγήσατό τιμι πραγματευτῇ  
τὸ πρᾶγμα. ὁ δὲ ἀββᾶς Ποιμὴν οὐκ ἦθε-  
λεν λαμβάνειν παρὰ τινος τί ποτε διὰ τὴν ὅ-
10. χλησιν· ὁ δὲ πραγματευτῆς, θέλων ποιῆσαι  
ἔργον τῷ γέροντι, προεφασίσσατο χρεῖαν  
ἔχειν τῶν σκουλακίων· καὶ ἐνεγ-  
κῶν τὴν κάμηλον, ἔλαβεν αὐτά· καὶ ἐλ-  
θὼν ὁ ἀδελφὸς πρὸς τὸν ἀββᾶν Ποιμένα, καὶ ἀκούσας
15. ὁ ἐποίησεν ὁ πραγματευτῆς, θέλων ἐπαινέσαι  
αὐτόν, εἶπεν· φύσει ἀββᾶ  
καὶ μὴ χρήζων αὐτὰ ἔλαβεν, ἵνα ποιήσῃ  
ὑμῖν ἔργον· ἀκούσας δὲ ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν,  
ὅτι καὶ μὴ χρήζων αὐτὰ ἔλαβεν,
20. εἶπεν τῷ ἀδελφῷ· ἀναστὰς μί-  
σθωσαι κάμηλον καὶ φέρε αὐτά· ἐὰν  
μὴ φέρῃς αὐτά, Ποιμὴν ὦδε  
οὐ καθέζεται μεθ' ὑμῶν· οὐ γὰρ ζημιῶ ἄνθρωπον

1. да изгоубить коуплю свою, и възметь
2. мѣздоу мою. и вѣставъ брѣ̃ него, иде съ трѣ-
3. домъ велинемъ, и принесе ѿ. такоже ви-
4. дѣ ихъ старѣцъ, възрадова се тако велие скрѣ̃-
5. више обрѣть · Идоше нѣцѣи старци 340
6. къ авва Пиминоу, и рѣше немочу. хоше-
7. ши ли аще видимъ брата дрѣмлюща въ црѣ-
8. кви, да тѣкнемъ него. тако да не дрѣмлѣ̃
9. въ бдѣни. ѿнѣ же рѣ̃ имъ. обаче аще дѣзъ
10. вижѣу брата своего дрѣмлюща, положѣу
11. главоу его на лонѣ моемъ, и покою его ·
12. Рѣ̃ авва Пиминъ. тако трѣбоуѣтъ кинѣ- 341
13. виѣ имѣти дѣла. прѣвое, смѣрение.
14. и дроугое, послоушание. третие, по-
15. двизающе и имѣюще стрѣцало на дѣло
16. кинѣвиѣ · Брѣ̃ въпроси авва Пими- 342
17. на глѣе. въ врѣме скрѣби моеѣ просихъ
18. ѿ нѣкого вещь на потрѣбоу, и даде ми
19. оноу любовь. аще оубѣи мнѣ бѣ послѣтѣ̃
20. дам ли ѿ сего любовь инѣмъ. или пач(е)
21. давшомоу ми ѿ. и рѣ̃ немочу старѣцъ. (такѣ)
22. право прѣ̃ бѣмъ ѿ, даже дѣ̃ се томо(у неговоже)
23. ѿ. глѣ немочу братъ. аще оубѣи н(есочу немочу)



1. ἵνα  
λάβῃ τὸ κέρδος μου· καὶ ἀπῆλθεν ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ  
μετὰ πολλοῦ κόπου καὶ ἤνεγκεν αὐτά· ὡς δὲ εἴ-  
δεν αὐτὰ ὁ γέρων, ἐχάρη ὡς μέγα· καὶ θησαν·
5. ρὸν εὐρών. Παρέβαλόν τινες τῶν γερόντων  
πρὸς τὸν ἀββᾶν Ποιμένα καὶ εἶπον αὐτῷ· θέ-  
λεις ἐὰν ἴδωμεν ἀδελφὸν νυστάζοντα εἰς τὴν σύ-  
ναξιν, νύξωμεν αὐτὸν ἵνα γρηγορήσῃ  
εἰς τὴν ἀγρυπνίαν; ὁ δὲ λέγει αὐτοῖς· ἐγὼ δὲ τέως ἐὰν
10. ἴδω τὸν ἀδελφόν μου νυστάζοντα τίθημι  
τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ ἐπὶ τῶν γονάτων μου, καὶ αἰσπαύω αὐτόν.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν· ὅτι χρήζει τὸ κοινόν·  
βιον ἔχειν τρεῖς πράξεις· μίαν ταπεινήν,  
καὶ μίαν εἰς ὑπακοήν, καὶ μίαν κε-
15. κινήμενην καὶ ἔχουσιν κέντρον, διὰ τὸ ἔργον  
τοῦ κοινοβίου. Ὁ ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμέ-  
να λέγων· ἐν καιρῷ θλίψεώς μου ἐζήτησα  
παρά τινος πρᾶγμα ἐν χρήσει· καὶ ἔδωκέν μοι  
αὐτὸ ἀγάπην· ἐὰν οὖν ὁ θεὸς καμὲ οἰκονομήσῃ,
20. δώσω αὐτὸ ἀγάπην ἄλλοις, ἢ μᾶλλον  
τῷ δεδοκῶτι αὐτό; καὶ εἶπεν αὐτῷ ὁ γέρων· ὅτι  
δίκαιον παρὰ τῷ θεῷ ἐστὶν ἵνα αὐτῷ δοθῇ. αὐτοῦ γάρ  
ἐστίν· λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· ἐὰν οὖν ἀπεινέγκω

1. и не въсхоцѣтъ приѣти. нѣ рѣтъ. иди и
2. ꙗко хоцѣши да ꙗѣ ѿ любови, что сътворѣ.
3. гл҃а ѿмоу старѣцѣ. обаче, того во ѿ. аще
4. ли нѣкто да ти тебѣ не просишоу, се
5. твоѣ ѿ. аще ли же ты просиши что въ за-
6. имѣ. или ѿ инока. или ѿ бѣлца. и не въ-
7. схоцѣтъ пакы възети въспѣтъ, си рассѣ)-
8. ꙗвѣнѣ о семѣ ѿ. ꙗко да въдѣшоу оно-
9. моу, да си ѿ о немѣ любовь .
10. Брѣ въпроси дв҃а Пимина гл҃ѣ. что ѿ по- **343**
11. каѣнѣ грѣха. и рѣ старѣцѣ. еже к то-
12. моу не творити и. сего ради нарекоше
13. се непорочни праведнѣи, понеже оста-
14. више грѣхы, и быше праведни .
15. Рѣ пакы. коѣа потрѣба ѿ ити комоу на- **344**
16. оучити се хитрости, и не наоучити се ѿи .
17. Рѣ пакы. ꙗко вса ꙗже више мѣры, бѣ- **345**
18. совѣска соутъ . Рѣ пакы. гладь и дрѣ- **346**
19. манѣ, не остави на малѣа видѣти .
20. (Т)ѣже въпрошенъ бы. что ѿ еже гл҃ѣтъ **347**
21. (пр)ичестникъ ѿсмы азъ всѣмъ боещи-
22. (м' се т)ебе. и рѣ. ꙗко дхъ стѣи ѿ гл҃ѣи се .
23. (Братъ прїид)е къ дв҃а Пиминоу. и съдѣш(ѣ) **348**

1. καὶ μὴ θελήσῃ λαβεῖν, ἀλλ' εἴπη μοι ὕπαγε  
ὥς θέλεις δὸς αὐτὸ ἀγάπην, τί ποιήσω;  
λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· τέως αὐτοῦ ἐστὶ τὸ πρᾶγμα· ἐὰν  
δὲ τίς σοι παράσχῃ ἀφ' ἑαυτοῦ σου μὴ αἰτήσαντος, τοῦτο
5. σὸν ἐστίν· ἐὰν δὲ σὺ αἰτήσῃς  
ἢ παρὰ μοναχοῦ ἢ παρὰ κοσμικοῦ, καὶ μὴ θε-  
λήσῃ δέξασθαι αὐτό, τοῦτό ἐστι τὸ σύγ-  
κριμα, ἵνα εἰδότος αὐ-  
τοῦ παράσχῃς αὐτὸ ὑπὲρ αὐτοῦ ἀγάπην.
10. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· τί ἐστὶ με-  
τάνοια τῆς ἁμαρτίας· καὶ εἶπεν ὁ γέρων· τὸ μὴ τοῦ  
λοιποῦ ποιεῖν αὐτήν· διὰ τοῦτο ἐκλήθησαν  
ἄμωμοι οἱ δίκαιοι ὅτι κατέλι-  
πον τὰς ἁμαρτίας, καὶ δίκαιοι ἐγένοντο.
15. Ὁ αὐτὸς εἶπεν· τίς χρεῖα ἀπελθεῖν τινα  
εἰς τέχνην, καὶ μὴ μαθεῖν αὐτήν;  
Εἶπε πάλιν· ὅτι τὰ ὑπέρμετρα πάντα, τῶν δαι-  
μόνων εἰσὶν. Εἶπε πάλιν· ἡ πείνα καὶ ὁ νυ-  
σταγμὸς οὐκ ἀφήκεν ἡμᾶς τὰ εὐτελῆ ἰδεῖν.
20. Ὁ αὐτὸς ἠρωτήθη τίς ἐστὶ ὁ λέγων·  
μέτοχος ἐγὼ εἰμι πάντων τῶν φοβου-  
μένων σε· καὶ ἀπεκρίθη, ὅτι τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιόν ἐστι τὸ λέγον.  
Ἀδελφὸς παρέβαλε τῷ ἀββᾷ Ποιμένι· καὶ συγκαθημένων

1. с нимъ нѣкимъ, похвали нѣкого брѣ
2. глѣ. како ненави́дитъ лоука́вствіе.
3. глѣ ѿмоу́ авва Пиминъ. что ѿ ненави́-
4. дѣніе лоука́в'ствоу́. забыв' же се брѣ,
5. и не обрѣте что ѿмоу́ ѡвѣщати. и сѣтво-
6. ри метание старцоу́ глѣ. повѣѣ ми
7. се авва. глѣ ѿмоу́. ненави́дѣніе лоу́-
8. ка́в'ствоу́ ѿ, иже грѣхъ свойъ възненави́-
9. дѣ, и ближняго ѡправда ·
10. Дроу́гы въпроси ѿго ѡ искоушени помы-
11. сломъ. и рече. како вѣшь си, побѣдѣ ѿ мѣ-
12. жоу́ имоу́щоу́ ѡгнь ѡ шѣюу́, и сѣсоу́ во-
13. ды о десноу́ю. аще оу́бо въспланет' се
14. ѡгнемъ, възимае́тъ водоу́ ѡ сѣсоу́да,
15. и оугашаетъ себе. ѡгнь ѿ сѣме вражие.
16. вода же, еже поврыгну́ти себе прѣ бѣмъ ·
17. Брѣ въпроси авва Пимина глѣ. добро ли
18. ѿ глѣти, или мълчати. и глѣ ѿмоу́ стар'-
19. цъ. иже глѣтъ бѣ ради, добрѣ творить
20. и мълчеи бѣ ради, тожде е́сть ·
21. Рѣ пакы. како мы и братиѣ наша, (два)
22. ѡбраза е́смы. и вьнегдаже члѣ(вкъ сѣбѣ)
23. зазираетъ и корить себе, тв(орить бра-)

**130R**

**349**

**350**

**351**

1. τινῶν, ἐπήνεσέ τινα τῶν ἀδελφῶν,  
ὅτι μισοπόνηρός ἐστιν·  
λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Ποιμήν· τί ἐστι μισο-  
πονηρία; ἐξέστη δὲ ὁ ἀδελφός·
5. καὶ οὐχ εὗρεν αὐτῷ ἀποκριθῆναι. καὶ μετενό-  
ησε τῷ γέροντι λέγων· εἰπέ μοι  
αὐτὸ ἀββᾶ· λέγει αὐτῷ· μισοπο-  
νηρία ἐστίν, εἴ τις τὰς ἀμαρτίας αὐτοῦ ἐμί-  
σησε, καὶ τὸν πλησίον ἐδικαίωσεν.
10. Ἄλλος αὐτὸν ἠρώτησε διὰ τὰς τῶν λογισμῶν  
ἐπηρείας· καὶ εἶπεν· ὅτι τοῦτο τὸ πράγμα ἔοικεν ἀν-  
δρὶ ἔχοντι πῦρ ἐξ εὐνύμων, καὶ κρατῆρα ὕ-  
δατος ἐκ δεξιῶν· ἐὰν οὖν ἐξαφθῇ  
τὸ πῦρ, βάλλει ὕδωρ ἐκ τοῦ κρατήρος
15. καὶ σβέννει αὐτό· τὸ πῦρ ἐστίν· ὁ σπόρος τοῦ ἐχθροῦ·  
τὸ δὲ ὕδωρ τὸ ρίψαι ἑαυτὸν ἐνώπιον τοῦ θεοῦ.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· βέλτιόν  
ἐστι τὸ λαλῆσαι ἢ τὸ σιωπῆσαι; λέγει ὁ γέ-  
ρων· καὶ ὁ λαλῶν διὰ τὸν θεὸν καλῶς ποιεῖ,
20. καὶ ὁ σιωπῶν διὰ τὸν θεὸν ὁμοίως.  
Ὁ αὐτὸς εἶπεν· ὅτι ἡμεῖς καὶ οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν, δύο  
εἰκόνες ἐσμέν· καὶ ἦν δ' ἂν ὥραν ὁ ἄνθρωπος προσέχῃ  
ἑαυτῷ καὶ μέμφεται, εὐρίσκεται ἔντιμος

1. та своего чьстна прѣ собою. негда же се~
2. бе добра мнить, творить брата своего
3. зла прѣ собою · Брѣ въпроси двва Пи~ **352**
4. мина глѣ. хошоу въ киновиѣ вьнит(и)
5. и прѣбыти. глѣ немочу старѣць. аще хв~
6. щещи въ киновиѣ вьнити. и не обе~
7. спечалиши се о всакои бесѣдѣ и ѿ вѣсак(ы~)
8. не вещи, не можещи въ кинови прѣбы~
9. ти. понеже ни о чаши единой власти
10. не имаши · Глѣхоу немочу братиѣ ег(о.) **353**
11. ѿтидѣмъ ѿ мѣста сего. съмоушаѿ
12. оубѡ нѣ монастыриѣ мѣста сего, и по~
13. гоублаемъ дшѣ нашихъ. к томоу же
14. и отрочета плачуща, не оставляютъ
15. нѣ мльчати. глѣ имъ двва Пиминь.
16. глѣ ради аггльскыѣ, хошете бѣжати ѿ
17. соуду; Брѣ рече двва Пиминоу. тѣ~ **354**
18. ло мое изнеможе, стѣти же мое не из~
19. немагаютъ. рѣ немочу старѣць. трьно~
20. вно корение соутъ страсти ·
21. (Сло)учи се нѣкыимъ ѿдѣмъ, ити въ **355**
22. (домъ) хольбца нѣкого. с нимиже б(ѣ)
23. (и двва) Пиминь. хотещим же гаси

1. παρ' αὐτῷ ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ· ὅταν δὲ ἑαυ-  
τῷ φαίνεται καλός, εὕρισκει τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ  
κακὸν ἐνώπιον αὐτοῦ. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποι-  
μένα λέγων· θέλω εἰς κοινόβιον εἰσελθεῖν
5. καὶ οἰκῆσαι· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· εἰ θέ-  
λεις εἰς κοινόβιον εἰσελθεῖν, εἰ μὴ ἀμε-  
ριμνήσης ἀπὸ πάσης συντυχίας, καὶ ἀπὸ παντὸς  
πράγματος, οὐ δύνασαι κοινόβιον ἐργά-  
σασθαι· τοῦ γὰρ βαυκαλίου καὶ μόνον οὐκ ἔχεις
10. ἐξουσίαν. Ἔλεγον αὐτῷ οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ·  
ἀπέλθωμεν ἐκ τοῦ τόπου τούτου· ὀχλοῦσι  
γὰρ ἡμῖν τὰ μοναστήρια τοῦ τόπου τούτου· καὶ ἀ-  
πόλλυμεν τὰς ψυχὰς ἡμῶν· ἰδοὺ καὶ  
τὰ παιδία κλαίοντα, οὐκ ἀφίουσιν
15. ἡμᾶς ἡσυχάσαι· λέγει αὐτοῖς ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν·  
διὰ τὰς φωνὰς τῶν ἀγγέλων, θέλετε ἀναχωρῆσαι ἔν-  
θεν; Ἀδελφὸς εἶπε τῷ ἀββᾷ Ποιμένι· τὸ σῶ-  
μά μου ἐξησθένησε, καὶ τὰ πάθη μου οὐκ ἐξα-  
σθενοῦσιν· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ἀκαν-
20. θώδεις ῥουσίδες εἰσὶ τὰ πάθη.  
Συνέβη τινὰς τῶν πατέρων παραβαλεῖν εἰς  
οἰκίαν φιλοχρίστου τινός, ἐν οἷς ἦν  
καὶ ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν· καὶ ἐν τῷ ἐσθίειν αὐτοῦς,

8. G ha pure nel testo κοινόβιον ma riporta la variante τὰ τοῦ κοινοβίου.

20. Il testo slavo presuppone certamente ῥίζαι.

1. прѣложи ѿ меса. ѿдоше же в'си, кромѣ
2. авва Пимина. и дивлахоу се старци
3. видѣше рассоужение его, како не ѿдѣ-
4. ше ѿкоже вѣсташе, рѣше немощи. ты не-
5. си Пиминь, и тако сътвори. ѿвѣща и-
6. мѣ стар'ць гл҃е. простите мѣ ѿци. вы
7. оубо ѿдоште, и никтоже не съблзди се.
8. азъ же аще имѣѣ ѿсти, понеже многа бра-
9. тиа приходѣ къ мнѣ, съблзнити се и-
10. мѣхоу гл҃ше. Пиминь ѿде меса, мы же
11. ли не хошемъ ѿсти; и оудивише се ра-
12. ссоужению его · Крамоли се иногда
13. Паисие съ братомъ своимъ, съдѣшоу и
14. авва Пиминоу тамо, дондеже кровь и-
15. зъ главъ ихъ излиа се. и ничтоже до ма-
16. ла гл҃аше имъ стар'ць. вѣниде же авва А-
17. нѣвъ и видѣвъ тако ѿ, гл҃а авва Пими-
18. нощи. почто ѿстави братию крамоли-
19. ти се ничтоже имъ гл҃авъ. и рѣ немощи.
20. братиа соуть, и пакы оумирити се им(оуть.)
21. гл҃а немощи авва Аноувъ. тоу боудоуш(оу ти)
22. видѣ что сътворише, и гл҃еши ѿко (оуми-)
23. рити се имають; гл҃а немощи ав(ва Пиминь.)

131R

356



1. παρετέθη κρέας· ἔφαγον δὲ πάντες, χωρὶς τοῦ ἁββᾶ Ποιμένος· καὶ ἐθαύμαζον οἱ γέροντες ὅτι οὐκ ἤσθιεν, εἰδότες τὴν διάκρισιν αὐτοῦ· ὡς δὲ ἀνέστησαν, λέγουσιν αὐτῷ· σὺ εἶ
5. Ποιμὴν καὶ οὕτως ἐποίησας; ἀπεκρίθη αὐτοῖς ὁ γέρων· συγχωρήσατέ μοι πατέρες· ὑμεῖς ἐφάγετε καὶ οὐδεὶς ἐσκανδαλίσθη· ἐγὼ δὲ εἰ ἔφαγον, ἐπειδὴ πολλοὶ ἀδελφοὶ ἔρχονται ἔγγιστά μου εἶχον βλαβῆναι
10. λέγοντες· Ποιμὴν ἔφαγε κρέα καὶ ἡμεῖς οὐκ ἐσθίομεν; καὶ ἐθαύμασαν τὴν διάκρισιν αὐτοῦ. Ἐμαχήσατό ποτε Παῖσιος μετὰ τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ, καθημένου τοῦ ἁββᾶ Ποιμένος ἐκείσε, μέχρις οὗ αἷμα
15. ἐκ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ ἐκχυθῆναι· καὶ οὐδὲν τὸ σύνολον ἐλάλησεν αὐτοῖς ὁ γέρων· εἰσῆλθεν οὖν ὁ ἁββᾶς Ἀνούβ καὶ ἰδὼν αὐτούς, λέγει τῷ ἁββᾶ Ποιμένι· διὰ τί ἀφήκας τοὺς ἀδελφοὺς μάχεσθαι μηδὲν λαλήσας αὐτοῖς; λέγει αὐτῷ·
20. ἀδελφοί εἰσι, πάλιν εἰρηνεύουσιν· λέγει ὁ ἁββᾶς Ἀνούβ· οἶδας ὅτι οὕτως ἐποίησαν καὶ λέγεις ὅτι πάλιν εἰρηνεύουσιν; λέγει αὐτῷ ὁ ἁββᾶς Ποιμὴν·

1. положи въ срѣци своемъ, ꙗко не быхъ зде ·
2. Выпроси авва Пимина игоумень монасты- 357
3. ра велика. како могоу стежати стрѣ бжѣ(и)
4. и рече ѿ негоу старѣць. како можемъ стежа-
5. ти стрѣ бжѣи, вьноубрь имѣюще чрѣпы
6. сыровомъ. и скоуделники съ авготар(хы ·)
7. Иде авва Исдакъ къ авва Пиминоу. и ви- 358
8. дѣ ѿ него възливающа мало воды на но-
9. зѣ свои. и рече ѿ негоу. како нѣщѣи оудрь-
10. жаше ожестити тѣлеса своа и гл҃а ѿ-
11. моу старѣць. мы не наоучихомъ се тѣлоу-
12. биице быти · Иде иногда авва Серинъ 359
13. съ оученикомъ своимъ Исдакомъ, къ
14. авва Пиминѣ. и гл҃а ѿ негоу. что сътво-
15. роу авва Исдакоу семоу, зане сладко по-
16. слоушаетъ словеса моа. гл҃а ѿ негоу авва
17. Пиминъ. аще хоуеши ползевати ѿ него
18. дѣломъ покажи ѿ негоу добродѣтель.
19. понеже слово тѣчию съблюдае, тѣшь
20. прѣбывае. аще ли дѣломъ покажеши
21. (ѿ) моу, се прѣбоудеть с нимъ. чл҃къ оубо
22. (оуче) ꙗже не творить, пѣньмъ ѿ источ(ни-)
23. (коу иже) вѣсѣ омывае, себе же не мо-

21. НВ авготарахы

131V

1. θές εἰς τὴν καρδίαν σου ὅτι οὐκ ἤμην ὧδε ἔσω.  
Ἦρώτησεν αὐτὸν ἡγούμενος κοινοβί-  
ου μεγάλου· πῶς κτήσασθαι τὸν φόβον τοῦ θεοῦ;  
λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· πῶς δυνάμεθα κτή-  
σασθαι τὸν φόβον τοῦ θεοῦ, ἔσωθαι ἔχοντες γαστρία  
τυρίων, καὶ κεράμια ταρίχων;  
Παρέβαλεν ὁ ἀββᾶς Ἰσαὰκ τῷ ἀββᾶ Ποιμένι· καὶ ἰ-  
δὼν αὐτὸν βαλόντα μικρὸν ὕδωρ εἰς τοὺς πό-  
δας αὐτοῦ, εἶπεν αὐτῷ· πῶς τινες ἐχρή-
10. σαντο ἀποτομίαν σκληραγωγῆσαι τὸ σῶμα αὐτῶν; καὶ λέγει αὐ-  
τῷ ὁ γέρων· ἡμεῖς οὐκ ἐδιδάχθημεν σωματοκτό-  
νοι, ἀλλὰ παθοκτόνοι. Ἀπῆλθέ ποτε ὁ ἀββᾶς Σερῖνος  
μετὰ τοῦ μαθητοῦ αὐτοῦ Ἰσαὰκ πρὸς  
τὸν ἀββᾶν Ποιμένα· καὶ λέγει αὐτῷ· τί ποι-
15. ἤσω τῷ Ἰσαὰκ τούτῳ ὅτι ἠδέως ἀ-  
κούει μου τοὺς λόγους; λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς  
Ποιμήν· εἰ θέλεις ὠφελῆσαι αὐτόν,  
ἔργῳ δείξον αὐτῷ τὴν ἀρετήν·  
ἐπεὶ τῷ λόγῳ προσέχων, ἀργὸς  
μένει· ἐὰν δὲ ἔργῳ δείξης αὐ-
20. [αὐ]τῷ, τοῦτο παραμένει αὐτῷ· ἄνθρωπος γὰρ  
διδάσκων ἂ μὴ πράττει, ἔοικε πηγῇ,  
ἥτις πάντας ποτίζει καὶ πλύνει, ἑαυτὴν δὲ οὐ δύ-

- |     |                                              |     |      |
|-----|----------------------------------------------|-----|------|
| 1.  | жетъ очистити · Рѣ пакы. аще поко-           | 360 | 132R |
| 2.  | и гонимъ, бѣгаетъ на. аще ли ѿ покоя         |     |      |
| 3.  | бѣгаемъ, гонить на · еже трѣзвыи мѣлити се · |     |      |
| 4.  | Брѣ въпроси авва Пимина гл҃е. добро ли ѿ     | 361 |      |
| 5.  | еже молити се. гл҃а емоу стар҃ць. рѣ а-      |     |      |
| 6.  | вва Антѣмїе. ꙗко гл҃а сѣи исходитъ ѿ         |     |      |
| 7.  | лица гл҃а гл҃е. оутѣшите люди мое гл҃е-      |     |      |
| 8.  | тъ гб̄, оутѣшите · О смѣренѡмѡѣрствѣ ·       |     |      |
| 9.  | Рѣ авва Пиминъ. сего ради въ многа искѣ-     | 362 |      |
| 10. | шенїа выпадаемъ, понеже чинъ нашъ и          |     |      |
| 11. | имена не съхранѣемъ. не видим ли же-         |     |      |
| 12. | ноу хананею показавшоу име свое,             |     |      |
| 13. | ꙗко покои ю сп҃сѣ. и пакы Амїгеа ка-         |     |      |
| 14. | ко рѣ Дѣоу, ꙗко въ мнѣ ѿ грѣхъ. и слыша      |     |      |
| 15. | ю и възлюби ю. Амїгеа, образъ ѿ дши.         |     |      |
| 16. | Дѣъ же бж҃твоу. аще оубѡ дша себе оуко-      |     |      |
| 17. | ритъ прѣ бм̄, любить ю гб̄ ·                 |     |      |
| 18. | Брѣ въпроси авва Пимина. высокаѣ,            | 363 |      |
| 19. | что соу. гл҃а емоу. оправданїе. не ѡ-        |     |      |
| 20. | правдаи оуже себе, и почиваеши ·             |     |      |
| 21. | Рѣ пакы. ꙗко аще себе оумничижиши (ѡ~)       | 364 |      |
| 22. | бреиши покои. и бѡ оукрѣпѣи се(бѣ)           |     |      |
| 23. | трѣпѣть възде · Рѣ пакы. ꙗк(о аще по~)       | 365 |      |

1. ναι καταρίσαι. Εἶπε πάλιν· ἐὰν τὴν ἀνά-  
παισιν διώκωμεν, φεύγει ἡμᾶς· ἐὰν δὲ αὐτὴν  
φεύγωμεν, διώκει ἡμᾶς. Περὶ τοῦ νηφόντως προσεύχε-  
σθαι Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· καλὸν  
5. προσεύχεσθαι; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ὅτι εἶπεν ὁ ἀβ-  
βᾶς Ἀντώνιος· ὅτι ἡ φωνὴ αὕτη ἐκπορεύεται ἐκ  
προσώπου κυρίου λέγουσα· παρακαλεῖτε τὸν λαόν μου λέ-  
γει κύριος, παρακαλεῖτε.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν· ὅτι διὰ τοῦτο ἐν πολλοῖς πει-  
10. ρασμοῖς κείμεθα, ὅτι τὴν τάξιν καὶ τὰ  
ὀνόματα ἡμῶν οὐ φυλάσσομεν· οὐχ ὀρώμεν τὴν γυναῖ-  
κα τὴν χαναναίαν τὴν ὑποδεξαμένην τὸ ὄνομα αὐτῆς,  
ὅτι ἀνέπαυσεν αὐτὴν ὁ σωτὴρ; καὶ πάλιν Ἀμιγαῖαν, ὅτι  
εἶπεν τῷ Δαυίδ, ὅτι ἐν ἐμοὶ ἐστὶν ἡ ἁμαρτία· καὶ ἤκουσεν αὐτῆς  
15. καὶ ἠγάπησεν αὐτήν; Ἀμιγαῖα, πρόσωπον λαμβάνει τῆς ψυχῆς·  
καὶ Δαυὶδ τῆς θεότητος· ἐὰν οὖν ἡ ψυχὴ ἑαυτὴν μέμ-  
ψηται ἐνώπιον κυρίου, ἀγαπᾷ αὐτὴν ὁ κύριος.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα· τὰ ὑψηλὰ  
τί ἐστι; καὶ λέγει αὐτῷ· τὸ δικαίωμα· μὴ οὖν  
20. δικαιοῖς σεαυτόν· καὶ μὴ μέτρει σεαυτὸν καὶ ἀναπαύῃ.  
Εἶπε πάλιν· ὅτι ἐὰν σεαυτὸν εὐτελίσῃς, ἔ-  
ξεις ἀνάπαισιν· ὁ γὰρ ἑαυτὸν μεμφόμενος,  
καρτερεῖ πανταχοῦ. Εἶπε πάλιν· ὅτι ἐὰν φθά-

16. Pa om. ἑαυτήν

1. стигнѣ члкъ въ глѣемое дѣлмь. еже в(ьса
2. чиста чистымь, зреть себе хоудѣша
3. в'сѣе твари. глѣ немочу брѣ. како имам
4. себе оубице хѣдѣша мнѣти. рѣ немочу
5. стар'ць. како аще постигнетъ члкъ въ сло-
6. во се, и видитъ члкъ оубивающа. глѣть
7. како сии грѣ сѣтвори сѣи, азъ же на всакъ
8. днѣ оубиваю . Брѣ рѣ авва Пиминоу
9. како аще испадноу въ мало прѣгрѣшен(иѣ)
10. поадаютъ ме помышлѣнїа моя и обли-
11. чаетъ ме съвѣсть, почто прѣгрѣши. глѣ
12. немочу стар'ць. вѣн'же чѣ испаднѣ члкъ
13. коимьлибѣ прѣгрѣшенїемь, и рѣть
14. сѣгрѣшихъ, абиѣ почиваетъ .
15. Брѣ сѣдѣше вѣнѣ града своего. и за мно-
16. го лѣ не възиде въ грѣ. и глѣше братїи
17. се оубѣи колико лѣ имамь, и не възыдохъ
18. въ градъ. вы же вѣсѣгда вѣсходите. по-
19. вѣдаше же авва Пиминоу о немь. и рѣ
20. стар'ць. азъ аще бѣ, вѣсходил бѣ на в'с(а~)
21. (ко)у ношъ, и об'ходилъ бѣхъ грѣ, како да
22. (не х)валитъ се помышлѣнїе мое како не
23. (вѣсход)ещоу . Рѣ авва Пиминь. члкъ

132V

366

367

368

1. ση ἄνθρωπος εἰς τὸ ῥητὸν τοῦ ἀποστόλου, τὸ πάντα  
καθαρὰ τοῖς καθαροῖς, ὁρᾷ ἐαυτὸν ἐλάττονα  
πάσης κτίσεως· λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· πῶς δύναμαι  
ἐαυτὸν ἐλάττονα τοῦ φονέως ἡγεῖσθαι; λέγει
5. ὁ γέρων· ὅτι ἐὰν φθάσῃ ἄνθρωπος εἰς τὸ ῥη-  
τὸν τοῦτο· καὶ ἴδῃ ἄνθρωπον φονεύοντα, λέγει·  
ὅτι ταύτην τὴν ἁμαρτίαν ἐποίησεν οὗτος, ἐγὼ δὲ καθ' ἡμέ-  
ραν φονεύω. Ἀδελφὸς εἶπεν τῷ ἀββᾷ Ποιμένι·  
ὅτι ἐὰν παραπέσω ἐν οἰκτρῷ παραπτώματι,
10. κατεσθίει με ὁ λογισμὸς μου καὶ κατη-  
γορεῖ μου· διὰ τί παρέπεσες; λέγει  
αὐτῷ ὁ γέρων· ἐν ἣ ὥρᾳ ὑποπίπτει ἄνθρωπος  
σφάλματι, καὶ εἶπη  
ἥμαρτον, πάραυτα πέπαυται.
15. Ἀδελφὸς ἐκάθητο ἔξω τῆς κώμης ἐαυτοῦ· καὶ ἐπὶ πολ-  
λὰ ἔτη οὐκ ἀνέβη εἰς τὴν κώμην. καὶ ἔλεγε τοῖς ἀδελφοῖς·  
ἰδοὺ πόσα ἔτη ἔχω καὶ οὐκ ἀνέβην  
εἰς τὴν κώμην. καὶ ὑμεῖς καθάπαξ ἀναβαίνετε· εἶπον δὲ  
τῷ ἀββᾷ Ποιμένι περὶ αὐτοῦ, καὶ εἶπεν
20. ὁ γέρων· ἐγὼ εἰ ἤμην, ἀνέβαινον κατὰ  
νύκτα καὶ ἐκύκλουν τὴν κώμην ἵνα  
μὴ καυχᾶται ὁ λογισμὸς μου, ὥς μὴ  
ἀναβαίνοντός μου. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμήν· ἄνθρωπος

17. трѣбоуѣтъ смѣреному- **Hilandar 428, 102V, 17**  
 18. дръство и страхъ бжїи в'сеѧ. ꙗкоже дѣхание  
 19. исхоще не по зрѣми него · Рѣ пакы. да не съврши- **369**  
 20. ши волю свою. поужьнѣше же паче ѿ смѣрити се-  
 21. бе братоу своему · Рѣ пакы. братъ прѣбывае **370**  
 22. съ ближнимъ, побѣѣ быти ꙗко источаѣ ка-

1. мѣнь досаждаемъ и не гнѣванъ се, прославляемъ **Нил. 103R**  
2. и не възнашае се · Рѣ пакы. азъ глѣю тако въ мѣсто **371**  
3. въ неже вѣврженъ боудеть сатана тамо и азъ въ-  
4. врженъ боудоу · Слыша абба Пиминъ ѿ нѣкимъ **372**  
5. постѣшимъ се по шесть днѣи, тако имѣше гнѣвъ.  
6. и рѣ. наоучиль (се) ѿ постити се шѣсть днѣи. ѿ гнѣва  
7. же дрѣжати се не наоучиль се ѿ ·  
8. Братъ выпроси абба Пимина глѣе. ѿбрѣтохъ мѣсто **373**  
9. имѣюще в'сакъ покои братїи. хоцѣши ли да все-  
10. лю се тамо. и рѣ стар'ць. идѣже не поврѣдиши бра-  
11. та своего, тамо прѣбоуди · Пакы выпроси него бра- **374**  
12. тѣ глѣе. аще братъ длѣжнъ ми ѿ мало сребр'ницъ,  
13. хоцѣши ли да прошѣ немѣ сѣ. глѣа немѣ стар'ць  
14. проси немѣ идиною. глѣа немѣ братъ, что оубо  
15. створѣ; не могоу ѿдолѣти помыслоу своему.  
16. рѣ немѣ стар'ць. ѿстави помысль свои драги се, тѣ-  
17. чию брата своего не ѿскрѣби · Глѣахоу ѿ абба Пи- **375**  
18. минѣ, тако сѣше въ скитѣ съ двѣма братома  
19. своимъ. и мѣн'ши скрѣбѣше него. и глѣа дроугомѣ  
20. братоу, смѣшайѣ на мали братъ съ. встанни; и  
21. идѣмъ ѿсоу. и изышѣ ѿстависта него. такоже  
22. оуксѣнѣше, изышѣ видѣ ѿ далече оущи. и на-



1. δείται τῆς ταπεινοφρο-  
σύνης καὶ τοῦ φόβου τοῦ θεοῦ διὰ παντός, ὥσπερ τῆς πνοῆς  
τῆς ἐκπορευομένης διὰ τῆς ρίνος αὐτοῦ. Εἶπε πάλιν· μὴ πληρώ-  
σης τὸ θέλημά σου. ἀναγκαῖον δέ μᾶλλον ἐστίν, ταπεινῶσαι ἐαν-  
5. τὸν τῷ ἀδελφῷ σου.  
Εἶπε πάλιν· ἄνθρωπος συνοικῶν  
τῷ πλησίον ὀφείλει εἶναι ὡς στήλη λι-
1. θίνη· ὑβριζόμενος καὶ μὴ ὀργιζόμενος· δοξαζόμενος  
καὶ μὴ ἐπαιρούμενος. Ὁ αὐτὸς εἶπεν· ὅτι ἐγὼ λέγω ὅτι  
εἰς τὸν τόπον ὅπου βάλλεται ὁ σατανᾶς, ἐκεῖ  
βάλλομαι. Ἦκουσεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν περὶ  
5. τίνος ἔλκοντος τὰς ἑξ, ὅτι ὠργίζετο.  
καὶ εἶπεν· ἔμαθεν αἰρεῖν τὰς ἑξ,  
καὶ οὐκ ἔμαθε κρατεῖν τὴν ὀργήν.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ποιμένα λέγων· εὗρον  
τόπον ἔχοντα πᾶσαν ἀνάπαυσιν τῶν ἀδελφῶν· θέλεις  
10. οἰκῆσω ἐκεῖ; καὶ εἶπεν ὁ γέρων· ὅπου οὐ βλάπτεις  
τὸν ἀδελφόν σου ἐκεῖ μέινον. Ἀδελφὸς ἠρώτησεν  
αὐτὸν λέγων· ἐὰν ἀδελφὸς ἔχη μου μικρὰ νομμία  
θέλεις αὐτὸν ἐρωτήσω; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων·  
ἐρώτησον αὐτὸν ἅπαξ· λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· τί οὖν  
15. ποιήσω; οὐ γὰρ περιγίνομαι τοῦ λογισμοῦ μου·  
λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ἄφες τὸν λογισμόν σου λακκῶν.  
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ποι-  
μένος, ὅτι ἐκάθητο εἰς σκῆτιν μετὰ δύο ἀδελφῶν  
αὐτοῦ· καὶ ὁ μικρότερος ἔθλιβεν αὐτόν· καὶ λέγει τῷ ἄλλῳ  
20. ἀδελφῷ· παραλύει ἡμᾶς ὁ μικρὸς οὗτος, ἐγείρου  
ἄγωμεν ἔνθεν· καὶ ἐξελθόντες ἀφήκαν αὐτόν· ὡς οὖν εἶδεν ὅτι  
ἐχρόνισαν εἶδεν αὐτοὺς μακρὰν ἀπέχοντας. καὶ ἦρ-

16-17. Si noti che τὸ χιῖο ... ωσκληβει non ha parallelo nel testo greco.

- Hil. 103V**
1. чѣтъ теши по нѣи въпиѣ. гл̃а двѣд Пиминь. по-
  2. жѣимь брата тако троудитъ се. и такоже прииде
  3. къ нимъ, сътвори метаниѣ къ нимъ гл̃ѣ. камо
  4. идете и ѡставляете ме. гл̃а немощь старць. по-
  5. неже съблагословиши нѣа, сего ради ѡходимь.
  6. гл̃а имь, еи, еи. идѣже аще идете, идощь и азъ
  7. с вами. и видѣвъ старць бѣзлѡбие него, гл̃а бра-
  8. тоу своему. възвратимъ се брате. не хощещь
  9. оубо творити сѣи, нъ врагъ ѣе творити немощь си.
  10. и възвративъше се приидоше на мѣсто свое .
  11. Рѣ двѣд Пиминь. тако еже оучити ближняго, **376**
  12. побѣно ѣе ѡбличению . Рѣ пакы. тако ѡ трети- **377**
  13. аго рода скытскаго, и ѡ двѣд Моисеа, не
  14. приидоше брата ѣе въ оустѣнии .
  15. Рѣ пакы, тако мнѡзи възмогѡше, мали же ра- **378**
  16. здражише . {Ѡ жити добродѣтели двѣд Памѣд}
  17. Рѣ двѣд Пиминь ѡ двѣд Памѣвъ. тако рѣ ѡ немъ двѣд **379**
  18. Андоинѣ. тако ѡ бѡгѡзни бж҃иѣ, сътвори дх̃ъ
  19. бж҃и прѣбывати въ немъ . Рѣ пакы, тако мно- **380**
  20. зи ѡ ѡцѣ нашѣи быше крѣпци на пощениѣ.
  21. на тѣнѣкотоу же единь, единь .

16. Si noti che in HA compare lo stesso titolo (con identica grafia),  
cancellato dal copista esattamente nello stesso modo.

1. ξατο τρέχειν ὀπίσω αὐτῶν κράζων· λέγει ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν·  
μείνωμεν τὸν ἀδελφὸν ὅτι κοπιᾷ· ὡς οὖν ἦλθε  
πρὸς αὐτοὺς ἔβαλε μετάνοιαν λέγων· ποῦ  
ὑπάγετε καὶ ἀφίετέ με μόνον· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ὅτι
5. θλίβεις ἡμᾶς, διὰ τοῦτο ἡμεῖς ἀναχωροῦμεν·  
λέγει αὐτοῖς· ναὶ ναί· ὅπου θέλετε ἄγωμεν  
ὁμοῦ· καὶ ἰδὼν ὁ γέρων τὴν ἀκακίαν αὐτοῦ λέγει τῷ ἀδελ-  
φῷ αὐτοῦ· ἀναστρέψωμεν ἀδελφέ· οὐ γὰρ θέλων  
ταῦτα ποιεῖ, ἀλλ' ὁ διάβολός ἐστιν ὁ ταῦτα ποιῶν αὐτῷ.
10. καὶ ἀναστρέψαντες, ἦλθον εἰς τὸν τόπον αὐτῶν. Περὶ  
σημειοφόρων Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν· ὅτι τὸ διδάξαι τὸν  
πλησίον, ὁμοίον ἐστὶ τῷ ἐλέγξει. Εἶπε πάλιν· ὅτι ἀπὸ τρί-  
της γενεᾶς τῆς σκήτεως καὶ τοῦ ἀββᾶ Μωϋσῆ, οὐκ  
ἦλθον ἔτι οἱ ἀδελφοὶ εἰς προκοπὴν·
15. Εἶπε πάλιν· πολλοὶ ἐγένοντο δυνατοί, ὀλίγοι δὲ παρο-  
ξύναντες. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Παμβῶ. Περὶ πολιτείας ἐναρέτου  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν περὶ τοῦ ἀββᾶ Παμβῶ· ὅτι εἶπε περὶ αὐτοῦ  
ὁ ἀββᾶς Ἀντώνιος, ὅτι ἐκ τοῦ φοβεῖσθαι τὸν θεὸν ἐποίησε τὸ πνεῦμα  
τοῦ θεοῦ οἰκεῖν ἐν αὐτῷ. Εἶπε πάλιν· ὅτι πολ-
20. λοὶ τῶν πατέρων ἡμῶν ἐγένοντο ἀνδρεῖοι εἰς τὴν ἄσκησιν·  
εἰς δὲ τὴν λεπτότητα εἰς εἷς.

1. Рѣ авва Пиминь, ѣко три дѣла видѣхомъ авва **381**
2. Памва. акаание до вѣра на всакъ днѣ. и мльча-
3. ние и роуководѣние · Глѣхочу ѡ авва Памвѣ ѣко **382**
4. три лѣта прѣбѣ моле се бѡу и глѣе, да не просла-
5. виши ме на земли. и тако прослави него бѣ ѣко
6. не могоущоу комѣ възрѣти на лице него ѡ слави
7. юже имѣше · Глѣхочу ѡ авва Пам'вѣ ѣко нико- **383**
8. лиже не ѡслаби се лице него. въ един' же днѣ
9. хоташе бѣсове сътворити него смирѣти се.
10. привезаше къ дрѣвоу перо. и теглѣхочу, мль-
11. воу твореше и выпиюше. алли алли. видѣ-
12. в' же ѿ авва Памво въсмирѣ се. бѣсове же на-
13. чаше ликѣствовати глѣюще, оуа, оуа. Па-
14. м'во смирѣ се Пам'во смирѣ се. ѡн' же ѡвѣ-
15. щавъ имъ рѣ. не смирѣх' се. нѣ посмирѣх' се
16. немоши ваши. ѣко толици соущѣ, по-
17. нести перо не можете · Моли авва Феѡръ **384**
18. ферем'скыи авва Памва, р'ци ми слово. и
19. м'ногою поужено рѣ немочу. Феѡре. иди имѣи
20. млѣтиню свою на всѣ. и бо млѣтинѣ ѡбрѣте
21. дрѣзновение прѣ бгомъ · Рѣ авва Пам'во. **385**
22. аще имаша срѣце трѣзвѣно можеша спѣсти се ·

**Hil. 104R**

1. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν, ὅτι τρεῖς πράξεις εἶδομεν τοῦ ἀββᾶ Παμβώ· ἀσιτίαν ἕως ὅψε καθ' ἑκάστην ἡμέραν, καὶ σιωπὴν καὶ ἐργόχειρον. Ἐλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Παμβώ ὅτι τρία ἔτη ἔμεινεν αἰτούμενος τὸν θεὸν καὶ λέγων· μὴ δοξάσης με ἐπὶ τῆς γῆς· καὶ οὕτως ἐδόξασεν αὐτὸν ὁ θεός, ὥστε μὴ δύνασθαι τινα ἀτενίσαι εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ, ἐκ τῆς δόξης ἧς εἶχεν. Περὶ διακρίσεως Ἐλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Παμβώ, ὅτι οὐδέποτε ἐμειδίασε τὸ πρόσωπον αὐτοῦ· μίας οὖν τῶν ἡμερῶν θέλοντες οἱ δαίμονες ποιῆσαι αὐτὸν γελάσαι,
10. ἔδησαν εἰς ξύλον πτερόν καὶ ἐβάσταζον θόρυβον ποιοῦντες καὶ λέγοντες· ἄλλή ἄλλῃ· εἰδὼς δὲ αὐτοὺς ὁ ἀββᾶς Παμβώ ἐγέλασεν· οἱ δὲ δαίμονες ἤρξαντο χορεύειν λέγοντες· οὐὰ οὐὰ· Παμβώ ἐγέλασεν. ὁ δὲ ἀποκρι-
15. θεὶς εἶπεν αὐτοῖς· οὐκ ἐγέλασα, ἀλλὰ κατεγέλασα τῆς ἀδυναμίας ὑμῶν, ὅτι τοσοῦτοι βασιτάζετε τὸ πτερόν. Ἠρώτησεν ὁ ἀββᾶς Θεόδωρος ὁ τῆς Φέρμης τὸν ἀββᾶν Παμβώ· εἶπέ μοι ῥῆμα· καὶ μετὰ πολλοῦ κόπου εἶπεν αὐτῷ· Θεόδωρε ὕπαγε ἔχε τὸ ἔλεός σου ἐπὶ πάντας· τὸ γὰρ ἔλεος εὔρε παρρησίαν ἐνώπιον τοῦ θεοῦ. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Παμβώ· εἰ ἔχεις καρδίαν, δύνασαι σωθῆναι.

1. зврати се къ старцоу. изъоучил' же бѣ-
2. ше тамо и нѣкыне тропаре. глѧ немоч
3. стар'ць. виждоу те чедо сьмоущена, е-
4. да нѣкага напастъ въ градѣ прилоучи
5. се тебѣ. глѧ братъ старцоу. въ исти-
6. ному двѣа, лѣностию прѣльщаемъ днѣи
7. своихъ въ поустыни сеи. ниже канон-
8. ны, ниже тропаре поемъ. шѣшоу ми
9. оубо въ Александрию, видѣхъ чины црѣко-
10. вныне како поють, и въ мнозѣ скръби е-
11. смъ. почто оубо и мы не поемъ канон-
12. ны и тропаре. глѧ немоч стар'ць. гдѣре
13. намъ чедо. поменже постигоше днѣи въ
14. нихже оставеть иноци крѣпкою пи-
15. шомъ, реченною стѣмъ дхѣомъ, и послѣдѣ-
16. ствуютъ пѣснемъ и гласовомъ. ко-
17. е оумиление; кое слъзы раждют се ѿ тро-
18. парей; кое оумиление приходитъ ино-
19. коу негда въ црѣви или въ келии стоять
20. и възвышаетъ глѧ свои такоже волов(е.)
21. аще оубо прѣ бѣмъ стоимъ, мног(ымъ)
22. оумилениемъ длъжни есмы ст(огати,)
23. а не глоумеще се. и бо не из(ыдоше ино-)

1. ἀνέκαμψεν πρὸς τὸν γέροντα. ἔμαθε δὲ  
καὶ τροπάρια· λέγει οὖν αὐτῷ  
ὁ γέρων· ὁρῶ σε τέκνον τεταραγμένον· μή  
τις πειρασμός σοι συνέβη ἐν τῇ πόλει;
5. λέγει ὁ ἀδελφὸς τῷ γέροντι· φύ-  
σει ἄββᾶ ἐν ἀμελείᾳ δαπανῶμεν τὰς ἡμέρας  
ἡμῶν ἐν τῇ ἐρήμῳ ταύτῃ. καὶ οὔτε κανό-  
νας οὔτε τροπάρια ψάλλομεν· ἀπελθόντος γάρ μου  
ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, εἶδον τὰ τάγματα τῆς ἐκκλη-  
σίας πῶς ψάλλουσι. καὶ ἐν λύπῃ γέ-  
γονα πολλῇ· διὰ τί οὖν καὶ ἡμεῖς οὐ ψάλλομεν κανό-  
νας καὶ τροπάρια; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· οὐαὶ  
ἡμῖν τέκνον, ὅτι ἔφθασαν αἱ ἡμέραι ἐν  
αἷς καταλείψουσιν οἱ μοναχοὶ τὴν στερεὰν τρο-  
φήν τὴν διὰ τοῦ ἁγίου πνεύματος ῥηθεῖσαν. καὶ ἐξακο-  
λουθήσουσιν ἄσμασι καὶ ᾠδαῖς· ποί-  
α γὰρ κατάνυξις, ποῖα δάκρυα τίκτονται ἐκ τῶν τρο-  
παρίων; ποῖα κατάνυξις τῷ μονα-  
χῷ, ὅταν ἐν ἐκκλησίᾳ ἢ ἐν κελλίῳ ἴσταται
20. καὶ ὑψοῖ τὴν φωνὴν αὐτοῦ ὡς οἱ βόες;  
εἰ γὰρ ἐνώπιον τοῦ θεοῦ παριστάμεθα, ἐν πολλῇ  
κατανύξει ὀφείλομεν ἵστασθαι  
καὶ οὐχὶ ἐν μετεωρισμῷ· καὶ γὰρ οὐκ ἐξῆλθον οἱ μονα-

1. ци въ пѣстыню сию, прѣстоати бѣу гла-
2. меще се и пѣти пѣсни. и исчитающе въ-
3. зношенїа гласѣ. и трести роуки. и по-
4. ги прѣлагати. нѣ сице дльжни есмы
5. съ страхомъ многымъ и трепетомъ
6. слъзми же и въздыхан'ми. блгоговѣ-
7. ниемъ оумиленномъ и смѣренѣмъ
8. гласомъ, млтвы бѣу приносити. се
9. оуже глѣю тебѣ чедо. ꙗко прїидоуть
10. дни егда расыповати имоуть хрѣти-
11. не книги стѣхъ еѣлїи. и стѣхъ апль. и бг(о-)
12. гласный прѣркъ. ѡмывающе писанїа
13. и пишюще еллин'ска словеса и тропа-
14. ре. и сего ради ѡцїи наши рѣше иже въ
15. поустыни сеи соуще доброписци, не пи-
16. сати житїа и словеса ѡчѣскаа на ко-
17. жный, нѣ на простыхъ хартиахъ.
18. хошетъ оубѣ гредоуцїи родѣ, потира-
19. ти житїа стѣй ѡцѣь, и писати по во-
20. (л)и своимъ. и рѣ брать. что оубѣ. изм(ѣ-)
21. (ни)ти ли се имоуть н'рави и прѣданїа
22. (хрѣтиа)н'ска. и не боудоуть сѣенници
23. (въ црква)хъ, и си быти хотеть. и рече



1. χοὶ ἐν τῇ ἐρήμῳ ταύτῃ, ἵνα παρίστανται τῷ θεῷ καὶ με-  
τεωρίζονται· καὶ μελωδοῦσιν ᾠσματα, καὶ ῥυθμίζουσιν  
ῥήχους· καὶ σείουσι χεῖρας· καὶ με-  
ταβαίνουνσι πόδας· ἀλλ' οὕτως ὀφείλομεν
5. ἐν φόβῳ πολλῷ· καὶ ἐν τρόμῳ,  
δάκρυσί τε καὶ στεναγμοῖς, μετὰ εὐλα-  
βείας εὐκατανύκτου. καὶ μετριοτάτης  
φωνῆς τὰς προσευχὰς τῷ θεῷ προσφέρειν·  
λέγω γάρ σοι τέκνον, ὅτι ἐλεύσονται
10. ἡμέραι ὅτε φθείρουνσι οἱ χριστιαν-  
νοὶ τὰς βίβλους τῶν ἁγίων εὐαγγελίων καὶ τῶν ἁγίων ἀποστόλων,  
καὶ τῶν θεσπεσίων προφητῶν· λιαίνοντες τὰς γραφὰς  
καὶ γράφοντες τροπάρια καὶ ἐλλήνικοὺς  
λόγους· καὶ διὰ τοῦτο οἱ πατέρες ἡμῶν εἰρήκασιν ἵνα μὴ
15. γράφωσιν οἱ ἐν τῇ ἐρήμῳ ταύτῃ ὄντες καλλιγράφοι  
τοὺς βίους καὶ λόγους τῶν πατέρων ἐν μεμ-  
βράναις ἀλλ' ἐν χάρταις·  
μέλλει γὰρ ἡ ἐρχομένη γενεὰ λιαί-  
νειν τοὺς βίους τῶν ἁγίων πατέρων· καὶ γράφειν κατὰ τὸ θε-  
20. λημα αὐτῆς· καὶ εἶπεν ὁ ἀδελφός· τί οὖν; ἀλλ' ὀχθή-  
σονται τὰ ἔθνη καὶ αἱ παραδώσεις  
τῶν χριστιανῶν, καὶ οὐκ ἔσονται ἱερεῖς  
ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ, ἵνα ταῦτα γένηται; καὶ εἶπεν

1-2. L'affievolirsi della consapevolezza del valore modale del congiuntivo è qui evidente per la prima forma: παρίστανται è un chiaro indicativo retto da ἵνα. In casi simili non è più di particolare utilità emendare la vocale tematica breve.

9. Πα ἰδοὺ γὰρ λέγω σοι τέκνον

1. стар'ць. въ вѣремена та, иссѣхнѣтъ любо-
2. въ ѿ многѣ. и боудѣтъ скръбь немала.
3. ѣзыкамъ исхожденіа. народомъ дви-
4. саніа. црѣмъ неоуставленіе. кнеземъ
5. бесчиніе. сщеникомъ оупитаніе.
6. инокимъ нераденіе. боудѣтъ игоумѣ-
7. ни прѣзирающе спсєніе свое и стада. ѡ-
8. срдни в'си и дрѣзи на трапєзы, и лѣни-
9. ви на мѣтвы. и крамолливи. и гото-
10. ви на клеветаніа. и скорі на ѡсоужѣ-
11. ніе. житіа стар'ць и словеса, ниже по-
12. слоушающе ниже подобеще се имъ. нѣ
13. паче плащюще глѣютъ. ꙗко аще бихѣ
14. были въ дѣни ѡнѣ, пѣвигли се быхомъ
15. и мы ꙗко и ти. еѣпи же вѣременъ
16. онѣхъ, боудѣтъ срамляюще се лица си-
17. лныхъ. соудеще соуды по мѣздахъ.
18. не защищающе оубоги на соудѣ. об(и-)
19. дешѣ вдовице. одєлѣвающе сирымъ(ь.)
20. вѣидет же и въ народъ. безвѣріе. (блѣ-)
21. ди скръбни. ненавидѣніе. вра(же. по-)
22. хыщеніа. тат'бы. и рѣ братъ. (что ѡ-)
23. бѣ сѣтворитъ кто въ вѣм(енѣ сѣ)

1. ὁ γέρων· ἐν τοῖς τοιούτοις καιροῖς ψυγήσεται ἡ ἀγάπη τῶν πολλῶν· καὶ ἔσται θλίψις οὐκ ὀλίγη, ἐθνῶν ἐπιδρομαί, λαῶν κινήσεις, βασιλέων ἀκαταστασία· ἀρχόντων
5. ἀταξία· ἱερέων σπατάλη· μοναζόντων ἀμέλεια· ἔσονται οἱ ἡγούμενοι καταφρονούντες τῆς ἐαυτῶν σωτηρίας καὶ τοῦ ποιμνίου· πρόθυμοι πάντες καὶ σπουδαῖοι εἰς τὰς τραπέζας, καὶ ὀκνηροὶ εἰς τὰς εὐχάς, καὶ μαχιμάριοι, καὶ ἔτοιμοι εἰς τὰς καταλαλιὰς καὶ πρόχειροι τοῦ κρίναι· βίους γερόντων καὶ λόγους, μήτε μιμούμενοι μήτε ἀκούσαντες· ἀλλὰ μᾶλλον ληροῦντες καὶ λέγοντες· ὅτι εἰ ἡμεῖς ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῶν, ἡγωνισάμεθα ἂν
10. καὶ ἡμεῖς κατ' αὐτοῦς· οἱ δὲ ἐπίσκοποι τῶν καιρῶν ἐκείνων, ἔσονται αἰδούμενοι πρόσωπα δυνατῶν· κρίνοντας τὰς κρίσεις ἐν δώροις· μὴ ὑπερασπίζοντες τῶν πτωχῶν ἐν κρίσει· θλίβοντες χήρας, καταπονούντες ὀρφανούς·
20. εἰσελεύσεται δὲ καὶ εἰς τὸν λαὸν ἀπιστία, ἀσωτία, μῖσος, ἔχθρα, ζήλος, πορνεία, διαρπαγαί, κλωπαί· καὶ εἶπεν ὁ ἀδελφός· τί οὖν ποιήσει τις ἐν τοῖς τοιούτοις καιροῖς

12. Pa ἀκούοντες

18. Pa ὑπερασπίζοντες πτωχὸν

1. и лѣтѣхъ. и рѣ стар'ць. чедо. въ вѣрѣме-
2. на та. спсани, да спсаетъ дшюу свою. и
3. велии нарѣт' се въ црѣви нѣнымъ .
4. Бѣше нѣкто брѣ въ скитѣ съ авва Пафнѣ-
5. тиємъ. имѣше же брань ѿ бѣса блѣна-
6. го. и глѣаше. аще възмоу ꙗже нѣ, не
7. имамъ исполнити вѣжелѣние свое.
8. стар'ць же оутѣшаше его глѣ. не дѣ-
9. и чедо, брань ѿ бѣсов'ска. и не вѣни-
10. маше. нѣ шѣ възе жену въ Егип'тѣ.
11. по вѣрѣмени же сълоучи се старцоу вѣ-
12. зыти въ Египетъ, и срѣте его посеща
13. спиридоу съ сколками. стар'ць же не
14. позна его. нѣ ѿнѣ рѣ немюу. азъ не смѣ
15. ѿнѣсица оученикъ твои. и видѣвъ ѿ-
16. го стар'ць въ бесчѣсти ономъ, плака
17. и рѣ немюу. како ѿстави чѣсть оную
18. и прѣиде въ бесчѣстїе се. ѿбаче же
19. възе ли ꙗже нѣ; и въздѣхнувъ рѣ.
20. (вѣр)оуи ѿче. ꙗко единоу възѣ, и стра-
21. (жюу) како да насыщюу ю хлѣбомъ. и
22. (рѣ нем)оу стар'ць. прѣиди пакы съ нам(и.)
23. (и рѣ ѿ ли п)окананїе авва. и рѣ немѣ, (ѿ.)

134V

388

Marg. sup. О авва Пафноутии

1. καὶ χρόνους; καὶ εἶπεν ὁ γέρων· τέκνον, ἐν ταῖς τοιαύταις  
 ἡμέραις, σώζει ὁ σώζων τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν, καὶ  
 μέγας κληθήσεται ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν. Περὶ τοῦ ἀβ-  
 βᾶ Παφνουτίου Ἦν τις ἀδελφὸς ἐν σκῆτι μετὰ τοῦ ἀββᾶ
5. Παφνουτίου, καὶ ἐπολεμεῖτο εἰς πορνείαν  
 καὶ ἔλεγεν· ἐὰν λάβω δέκα γυναῖκας, οὐ  
 πληρῶ τὴν ἐπιθυμίαν μου·  
 ὁ δὲ γέρων παρεκάλει λέγων· μὴ  
 τέκνον· πόλεμός ἐστι τῶν δαιμόνων· καὶ οὐκ ἐπεί-
10. σθη, ἀλλὰ ἀπῆλθεν εἰς Αἴγυπτον καὶ ἔλαβε γυναῖκα·  
 μετὰ δὲ χρόνον, ἐγένετο ἀναβῆναι τὸν γέροντα  
 εἰς Αἴγυπτον· καὶ ἀπήντησεν αὐτῷ βαστάζοντι(ι)  
 σπυρίδιν ὀστράκων· ὁ δὲ γέρων οὐκ  
 ἐγνώρισεν αὐτόν· ἀλλὰ αὐτὸς λέγει αὐτῷ· ἐγώ εἰμι
15. ὁ δεῖνα ὁ μαθητὴς σου· καὶ ἰδὼν αὐ-  
 τὸν ὁ γέρων ἐν τῇ ἀτιμίᾳ ἐκείνῃ, ἔκλαυσε  
 καὶ εἶπεν· πῶς ἀφήκας τὴν τιμὴν ἐκείνην  
 καὶ ἦλθες εἰς τὴν ἀτιμίαν ταύτην; πλήν  
 ἔλαβες τὰς δέκα γυναῖκας; καὶ στενάξας εἶπεν·
20. φύσει μίαν ἔλαβον· καὶ ταλαι-  
 πωρῶ πῶς αὐτὴν χορτάσω ἄρτου. καὶ  
 λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· δεῦρο πάλιν μεθ' ἡμῶν·  
 καὶ εἶπεν· ἔνι μετάνοια ἀββᾶ; λέγει αὐτῷ· ἔνι·

9. Pa om. τῶν.

12. In età classica ἀπαντάω regge il dativo; qui si è verificato il passaggio all'acc. postclass. M, con αὐτῷ βαστάζοντα, conserva traccia del disorientamento di fronte alla reggenza del verbo. Pa αὐτὸν βαστάζοντα e qui eccezzionalm. anche G ἀπαντῆσαι αὐτὸν βαστάζοντα.

21. Pa χορτάσω αὐτὴν ἄρτου

23. Pa καὶ λέγει· ἔνι

1. и остави(въ) вса, иде въслѣдъ его. и вышѣ
2. въ скитъ, ѿ искушенїа бѣ инокъ добръ ·
3. Гл҃аху ѿ авва Пафноутии, ꙗко бѣ мѡ-
4. жѣ б҃голюбѣцъ и постникъ. ꙗкоже и чю-
5. деса дивна творити се имъ. семоу въ
6. врѣме гонѣния, лѣвое око истрѣгоше.
7. зѣла же цр҃ь Кон'стантиъ почиташе
8. моужа сего. и на честѣ въ полатоу при-
9. зываше. и изнетое око цѣливааше гл҃е.
10. да цѣлоую око еже за х҃а моего постра-
11. дало іе. толико оубѡ бл҃гоговѣниѣ цр҃ь
12. Кон'стантиъ имѣше. ꙗдино оубѡ
13. еже Пафноутиемъ ѿ цр҃ковномоу по-
14. бию сътворено повѣмъ. сътворише оу-
15. бѡ съвѣ еже въ Никей еп҃кпи. ꙗко
16. да събрани боудоу сщ҃енници в'си. гл҃ю
17. же еп҃кпи. и презвитери. и дїакони.
18. и оузаконити имъ, к томоу не спати
19. съ женами своими, имыже еше лю(ди-)
20. ни соуще оброчише се. и вѣстав(ъ по-)
21. срѣдѣ събора Пафноутиѣ, вып(ига-)
22. ше не тежкѣ гд҃рьмъ възлага(ите на)
23. сщ҃енныѣ моуже. чьстѣн(ъ оубо бракъ)

135R

389

1. НВ вставивъ вѣ

1. καὶ καταλείψας πᾶν ἠκολούθησεν αὐτῷ· καὶ εἰσελθὼν εἰς σκῆτιν, ἀπὸ τῆς πείρας γέγονε δόκιμος μοναχός. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Παφνουτίου· ὅτι ἐγένετο ἀνὴρ θεοφιλῆς καὶ ἀσκητής, ὡς καὶ ση-
5. μεία θαυμαστὰ γίνεσθαι ὑπ' αὐτοῦ· οὗτος ἐν τῷ καιρῷ τῶν διωγμῶν τὸν ἀριστερὸν ὀφθαλμὸν ἐξεκόπη· σφόδρα δὲ ὁ βασιλεὺς Κωνσταντῖνος ἐτίμα τὸν ἄνδρα· καὶ συνεχῶς εἰς τὰ βασίλεια μετεπέμπετο· καὶ τὸν ἐξωρυγμένον ὀφθαλμὸν κατεφίλει·
10. τοσαύτη ἦν τῷ βασιλεῖ Κωνσταντίνῳ εὐλάβεια. Ἐν δὲ τῶν παρὰ Παφνουτίου πεπραγμένων εἰς λυσιτέλειαν τῆς ἐκκλησίας διηγήσομαι· ἐδόκει
15. τοῖς ἐν Νικαίᾳ ἐπισκόποις συναχθεῖσιν. ὡς τοὺς ἱερεῖς· λέγω δὴ ἐπισκόπους καὶ πρεσβυτέρους καὶ διακόνους· μὴ συγκαθευδῆσαι τοῖς γαμεταῖς ἃς ἔτι λαι-
20. κοὶ ὄντες ἠγάγοντο· καὶ ἀναστὰς ἐν μέσῳ τοῦ συλλόγου Παφνούτιος, ἐβόα λέγων· μὴ βαρὺν ζυγὸν ἐπιθεῖναι τοῖς ἱερωμένοις ἀνδράσι· τίμιον τὸν γαμὸν

1. Pa καὶ καταλιπὼν πάντα G καὶ καταλείψας πάντα
6. Pa om. τῷ
8. Pa κατεπέμπετο
19. Pa αἷς con attrazione del relativo.

1. ѿ глѣ, ꙗкоже пишетъ. да не паче вы-
2. сѡжыимъ заповѣданіемъ, црковъ
3. поврѣдетъ. не оубѡ в'си могоуть тръ-
4. пѣти бестрѣтное възрѣжаніе. вѣснѣ
5. же ни съхранетъ свое цѣломоуство.
6. цѣломоуство же нарицаше, и зако-
7. нныѣ жены събраніе. доволно же ѿ
8. постигшомоу сщеникоу быти, к' то-
9. моу бракъ не причещати се. по прьво-
10. моу прѣданію црковномоу. ниже ѡ
11. снѣ разлоучати се, ꙗже ꙗже соуше лю-
12. динѣ оброччи се. си же глаше, аще и не-
13. искоушенъ бракоу. из дѣтинства оу-
14. бѡ, въ постничествѣ възрасте. и цѣ-
15. ломоурию прилежаше. принесе же въ-
16. си еѣкпи Пафноутиева словеса, и прѣ-
17. даніе се ѡставише. на воли остави-
18. вше хотеіимъ ѡ брака хранити се
19. (с)ѡи оубѡ Пафноутиѣ. по многымъ
20. (по)шени своемъ и по исправлени, мо-
21. (лаш)е се боу ѡкрыти ѿ комоу ѿ пѣбн'(.)
22. (и оусл)ыша гла глѣ ѿмоу. Пафнѣти-
23. (ѿ пѣб'н)ѣ ꙗси свирцоу иже въ ѡнси-

135V

390



1. λέγων εἶναι καθὼς γέγραπται· μὴ τῇ ὑπερ-  
βολῇ τῆς ἀκριβείας, μᾶλλον τὴν ἐκκλησίαν  
βλάψωσιν· οὐ γὰρ πάντες δύνανται φέ-  
ρειν τῆς ἀπαθείας τὴν ἀσκησιν· ἴσως
5. οὐδὲ φυλαχθήσονται τῇ σωφροσύνῃ·  
σωφροσύνην δὲ ἐκάλει καὶ τῆς νομί-  
μου γυναικὸς τὴν συνέλευσιν· ἀρκεῖσθαι δὲ τὸν  
φθάσαντα κληρικὸν γενέσθαι, μηκέτι  
ἐπὶ γάμον ἔρχεσθαι, κατὰ τὴν τῆς ἐκκλησίας
10. ἀρχαίαν παράδοσιν· μήτε μὴν ἀποζεύγυσθαι  
ταύτης, ἣν ἅπαξ κοσμικὸς ὢν  
ἠγάγετο· καὶ ταῦτα ἔλεγεν ἄπειρος  
ὢν γάμου καὶ ἀπλῶς εἰπεῖν γυναικός· ἐκ παιδόθεν γὰρ  
ἐν ἀσκητηρίῳ ἀνετράφη, καὶ τῇ σω-  
φροσύνῃ περιέκειτο· ἐπείσθησαν δὲ πάν-
15. τες οἱ συνεπίσκοποι τοῖς τοῦ Παφνουτίου λόγοις·  
διὸ καὶ τὴν περὶ τούτου ζήτησιν ἔπαυσαν τῇ  
γνώμῃ τῶν βουλομένων ἀπέχεσθαι τὸν γάμον καταλείψαντες.  
... οὗτος μετὰ τὴν πολλὴν
20. ἀσκησιν αὐτοῦ καὶ τὰ κατορθώματα, ἐδέ-  
ετο τοῦ θεοῦ ἀποκαλύψαι αὐτῷ τίτι ἐστὶν ὅμοιος·  
καὶ ἀκούει φωνῆς λεγούσης αὐτῷ· Παφνούτι-  
ε· ὅμοιος εἶ τῷ ἀύλητῇ τῷ ἐν τῇδε τῇ

19. M (che riporta il brano alla fine del dossier Π) e Pa premettono queste righe:

Ἐκ τοῦ Λαυσιακοῦ περὶ τοῦ ἀββᾶ Παφνουτίου. (da qui in poi = HM 14,1)

Ἐθεασάμεθα δὲ καὶ τὸν τόπον τοῦ μεγάλου Παφνουτίου·

ἀνδρὸς ἐναρέτου καὶ διαβοήτου· ὃς οὐ (Pa om. οὐ) πρὸ πολλοῦ

χρόνου ἐτελειώθη ἐν τῇ περιχώρῳ Ἑρακλεως( Pa Ἑρακλέους) τῆς Θηβαίδος·

περὶ οὗ πολλοὶ πολλὰ καὶ θαυμαστὰ διηγήσαντο· οὗτος κτλ. Il brano, con pochissime varianti

e senza le parole iniziali Ἐκ ... Παφν., costituisce HM 14, 1.

1. ци градъ прѣбываетъ. ѿнѣ же съ тѣща-
2. нинемъ иде къ нѣмоу, и обрѣтъ нѣго сви-
3. рещѧ. и поемъ и осѡбъ, въпрашаше дѣ-
4. ла нѣго слышати. ѿнѣ же грѣшна себе на-
5. рицадѧше. еже паче и въскортъ пришѣшѧ
6. ми ѿ разбоиничьства глѧше. старць
7. же въпрашаше и, еже аще когда бл̑го
8. сѣтвориль боудеши. ѿн же глѧше. ни
9. ѣдино бл̑го не въспоминаю бывшѣе
10. мною. тѣчию егда въ разбоиничствѣ
11. бѣ, двѣцоу бѣию изъ роуць разбоиничь
12. изнехъ, хѡтѣемъ осквернити ю.
13. и до вѣси ѡведе, оставихъ .
14. Иногда пакы. жену красную ѡбрѣтѣ
15. по поустыни заблудившую. въпра-
16. шѧ виноу заблужденіѧ и плача еѣ. ѿ-
17. на же глѧше ми. не въпрашѧи мѣ го-
18. споди, ниже истезѧи окаянную. нѣ
19. ꙗко рабѣю свою, идеже хѡщеши ѡвед(и.)
20. моюжоу бѣ моемоу за (ѣ лѣта) множ(и-)
21. цю биемоу бывшоу о дльзѣ зл(ати-)
22. цѣ ꙗ. и въ тѣмници затворѣ(нѣ соу-)
23. щоу. и трѣмъ възлюбленно(мъ чедомъ)

20. Pe ꙗ̑ ѡѣ, HB ꙗ̑ ѡѣ; emendiamo sulla base di quest'ultimo e del testo greco.

1. πόλει διάγοντι· ὁ δὲ μετὰ σπου-  
δῆς. ὥρμησε πρὸς αὐτόν· καὶ εὐρών αὐτὸν αὐ-  
λοῦντα· λαβόμενος κατ' ἰδίαν, ἐπύθετο τὰς αὐτοῦ πρά-  
ξεις ἀκοῦσαι. ὁ δὲ ἀμαρτωλὸν ἑαυτὸν ἐκά-  
λει· καὶ οὐ πρὸ πολλοῦ ἐκ τῆς ληστρικῆς  
εἰς τὴν αὐλητικὴν ἐπανήλθεν· ὁ δὲ γέρων  
ἠκριβώσατο εἴ τι ἀγαθὸν αὐτῷ ποτε  
πέπρακται. ὁ δὲ ἔλεγεν μη-  
δὲν ἀγαθὸν μεμνήσθαι ἑαυτῷ·
10. εἰ μὴ ὅτι ποτὲ ἐν τῷ λησταρχείῳ  
ὑπάρχων παρθένον θεοῦ μέλλουσιν ὑπὸ ληστῶν διαφθαρήναι  
ἐρυσάμην·  
καὶ μέχρι τῆς κώμης προέπεμψα·  
ἄλλοτε δὲ πάλιν γυναῖκα εὐμορφον εὐρών παρὰ τὴν
15. ἔρημον πλανωμένην· φεύγουσαν ἀπὸ τοῦ ἄρχοντος. ἐπιθό-  
μην τὴν αἰτίαν τῆς πλάνης καὶ τοῦ ὀδυρμοῦ· ἡ  
δὲ ἔλεγε πρὸς με· μηδὲν ἐρώτα με δέ-  
σποτα· μηδὲ ἐξέταζε τὴν ἀθλίαν· ἀλλ'  
ὥς δούλην σὴν, ὅπου βούλη ἀπάγαγε·
20. τοῦ γὰρ ἀνδρός μου πολλάκις μαστιχθέντος  
ἐπὶ διετῇ χρόνον ὑπὲρ χρέους δημοσίου νομισμά-  
των τριακοσίων καὶ ἐν φυλακῇ καθειργμένου·  
καὶ τῶν τριῶν μου φιλτάτων παίδων

6. Pa ἐπανελθόντα

13. Pa διέπεμψα

21. Il gr. δημοσίου attr. di χρέους non è stato recepito  
nella traduzione slava.

1. мѡнѡмъ проданоу бѣвшѡмъ. азъ же
2. оутѣжавши, прѣтѣкаю се ѡ мѣста до
3. мѣста скытаюши. множицею же ѡ-
4. брѣтѣше мѣ и немѡлѣивно бѣвше, въ пѣ-
5. стынѡ снѡ бѣжахъ. и се оуже ꙗ днѣ
6. имѣю не вѣсоушивши хлѣба. азъ же по-
7. миловавъ ю, ѡвѣдѡ въ пещерѡу своѡ
8. и дѡ иѣи ꙗ златиць. и до града вѣдѡ
9. ю не прикоснѡу се иѣи. она же шѣши
10. даде златѡ, и свободи мѡужа своего
11. и отрочета своѡ къ немѡуже Пѡфн(ѡ-)
12. тѣе рѣ. азъ оубѡ. ничтоже сицевѡе вѣ-
13. де себе сътворѣша. въ пощени же вѣдѣ
14. слышала иѣи моѡ ѡглашение. и мнѣ
15. бѣ о тебѣ ѡкрыль иѣ. ꙗко ничтоже хѡ-
16. дѣише мене въ исправленїихъ има-
17. ши и дѣе бѣ о тебѣ печалѡветъ бра-
18. те, не прѣзри дѣе свое спсѣние. ѡ-
19. нѣ же поврыгъ иѣи въ роукоу цѣвни-
20. (ц)ѣ, сеѡу въ поустынѡ послѣдова.
21. (за) ꙗ же лѣта крѣпко постив се, и мѣ-
22. (лит)вами и пѣнми врѣме житїа
23. (своего) скончахъ. къ нѣсемъ шѣствие

1. διαπραθέντων. ἐγὼ  
φυγὰς οἴχομαι· τόπον ἐκ τόπου μετερχομένη·  
πολλάκις δὲ εὗρε·  
θεῖσα καὶ ἀνελεῶς μαστιχθεῖσα, ἐπὶ τὴν ἔρη-
5. μον ταύτην ἔφυγον· καὶ ἰδοὺ τρίτην ἡμέραν  
ἔχω, ἄσιτος διατελοῦσα· ἐγὼ δὲ ἐλε-  
ήσας αὐτήν. ἀπήγαγον εἰς τὸ σπήλαιον·  
καὶ δοὺς αὐτῇ τριακοσίους χρυσίνους. ἄχρι τῆς πόλεως ὠδή-  
γησα. μὴ ἀψάμενος αὐτῆς· ἡ δὲ ἀπελθοῦσα
10. καὶ δοῦσα τὸ χρυσίον, ἠλευθέρωσεν σὺν τῷ ἀνδρὶ  
καὶ τὰ τέκνα· πρὸς ὃν ὁ Παφνού-  
τιος εἶπεν· ἐγὼ μέν, οὐδὲν ἐμαυτῷ σύνοι-  
δα τοιοῦτον κατορθώσαντα· ἐν δὲ τῇ ἀσκήσει, πάντως  
ἤκουσας εἶναί με περιβόητον· καὶ ἐμοὶ
15. ὁ θεὸς ἀπεκάλυψεν ὅτι οὐδὲν ἔλατ-  
τον ἐμοῦ ἔχεις ἐν τοῖς κατορθώμασιν·  
εἰ οὖν τῷ θεῷ μέλει περὶ σοῦ ἀδελ-  
φέ. μὴ τῆς «σαυτοῦ ψυχῆς ὡς ἔτυχεν ἀμελήσης· ὁ  
δὲ ρίψας εὐθύς οὓς εἶχεν ἐν χερσὶν αὐλοῦς
20. τῷ ἀνδρὶ εἰς τὴν ἔρημον ἠκολούθησεν·  
ἐν τρισὶν δὲ ἔτεσιν κατὰ κράτος ἀσκήσας· καὶ ἐν ὕμνοις  
καὶ προσευχαῖς τὸν ἑαυτοῦ χρόνον τῆς ζωῆς  
διατελέσας, πρὸς τὸν οὐρανὸν ἐστέλ-

18. M αὐτοῦ Pa HM σαυτοῦ

1. творѣаше. и съ аг҃лы и правѣныими
2. причтѣнь бывъ, ѿ г҃и почи
3. ꙗкоже ѿного добръ подвиг҃ша се къ г҃оу
4. ѿпоустѣ, приложи себѣ лоучше же-
5. стоко житиѣ, пакы боу моляше се ꙗ-
6. вити немому коемому ѿ стѣихъ пѣбьнь ѿ.
7. и гл҃а пакы бж҃тв'нь бы к немому гл҃ѣ. пѣ-
8. вьнь ꙗси прѣвомуу граж҃аниновъ ближ'-
9. нѣдаго гр҃а. ѿн' же въскорѣ к' немому иде.
10. и тлѣкнѣвшоу немому въ врата. прїиде
11. ѿнь по ѿбычаю, стран'наго приѣти.
12. ѿмыв' же нозѣ ꙗго и прѣложивъ тра-
13. пезоу, велѣаше немому причестити се
14. (хл)ѣбоу. он' же рѣ немому. не выѣшоу
15. (прѣ)жѣ хлѣба ѿ чл҃вчѣ. прѣжѣ своѣа и-
16. (справ)лениѣа не повѣдаѣши ми. мно-
17. (г҃ы ) оубо ѿнокы житиѣа прѣвѣзы-
18. (шьль ꙗси ) ꙗкоже бѣ ѿкрыл' ми ѿ.
19. (н' же грѣшна) себе гл҃аше. и недостои-
20. (на иночьскомому и)мени быти. ꙗко-
21. (же прилежаще выпра)шаѣ, ѿвѣща чл҃къ
22. (гл҃ѣ. азъ оубо поужо)у не имахъ дѣла
23. (своѣа исповѣдати. п)онеже бо ѿ бѣ ꙗ-

1. λετο· καὶ σὺν χοροῖς ἀγγέλων καὶ δικαίων  
ἀριθμηθεῖς, ἀνέπασατο.  
ὥς γοῦν ἐκεῖνον καλῶς ἀσκήσαντα πρὸς θεὸν  
προαπέστειλεν. ἐπιθεὶς ἑαυτῷ μείζονα
5. πολιτείαν τῆς πρόσθεν· ἐδέετο τοῦ θεοῦ πάλιν δη-  
λωθῆναι αὐτῷ τίτι τῶν ἀγίων ὅμοιος εἶη·  
καὶ πάλιν φωνὴ γέγονε πρὸς αὐτὸν θεία λέγουσα· ἔοι-  
κας τῷ πρωτοκόμητι τῆς πλη-  
σίον κώμης· ὁ δὲ τάχιστα πρὸς αὐτὸν ἦκεν·
10. καὶ δὴ κρούσαντος αὐτοῦ τὸν πυλῶνα, προῆλθεν  
ἐκεῖνος κατὰ τὸ ἔθος τὸν ξένον ἀποδεξόμενος·  
νύψας δὲ αὐτοῦ τοὺς πόδας καὶ παραθεὶς τρά-  
πεζαν. προετρέπετο μεταλαβεῖν  
ἄρτου· ὁ δὲ εἶπεν αὐτῷ· οὐ πρότερον γεύσομαι
15. ἄρτου ὧ ἄνθρωπε, πρὶν τὰ σαυτοῦ κα-  
τορθώματα εἶπης μοι· πολ-  
λῶν γὰρ μοναχῶν ὥς μοι ὁ θεὸς ἐδήλωσεν  
ὑπερβέβηκας βίους· ὁ δὲ  
ἀμαρτωλὸν ἑαυτὸν ἔλεγεν, καὶ ἀνά-  
20. ξιον τοῦ ὀνόματος τῶν μοναχῶν· ὥς δὲ  
ἐπέμενεν ἐρωτῶν, ἀπεκρίνατο ὁ ἄνθρωπος  
λέγων· ἐγὼ μὲν οὐκ εἶχον ἀνάγκην τὰ ἑμαυτοῦ δράματα  
ἐξαγορεύειν· ἐπειδὴ δὲ λέγεις παρὰ θεοῦ

7. Pa ha un ordine delle parole leggerm. diverso: καὶ πάλιν φωνὴ  
θεία γέγονε πρὸς αὐτὸν λέγουσα·

9. Pa τῆς πλησίον πόλεως

1. коже глѣши прииша ѿ еси, соуща ѿ
2. мнѣ повѣмъ ти. мнѣ юже, тридесето-
3. не аѣто ѿѣ. ѿмелѣже жены своеѣ ѿреко-
4. хъ се. ꙗко аѣ. ꙗкою съвѣсоупивъ се с нею
5. и .г. сны ѿ неѣ сътвори хъ, иже и потрѣ-
6. бы мое твореть. не прѣзрѣхъ же стра-
7. нѣлюбѣне до днѣ. не хвалитъ се кто ѿ
8. съграждѣнъ моихъ, прѣже мене стра-
9. нѣныхъ приемъ. не изыде нищѣ или
10. оубогъ изъ моего двора празнеми рѣ-
11. камѣ прѣже възети немощу потрѣбно-
12. не. не прѣзрѣхъ члѣка за оубожа вѣша на-
13. ко не дати немощу доволное оутѣшѣне.
14. не приехъ лице чедѣ своего на соудѣ.
15. не выидоше въ домъ мои, плоди т(оу-)
16. ждѣи. не бы крамола юже оувѣ(дѣвѣ)
17. не оумири хъ. не оукори ни(о ѿ непра-)
18. вѣдѣ моихъ чедѣ. не прикос(нѣше се тоу-)
19. ждѣи. плодомъ чредѣ (моѣ. нивѣ мо-)
20. ихъ. нищѣи хъ прѣ(длагѣ. и ѿставѣ-)
21. шеѣ. азъ поствѣ(ю. соудѣ лоукавѣ ни-)
22. колиже комощу (не принесохъ.)
23. сии мною бѣхъ по(магѣющѣхъ вѣ сътво-)



1. ἐληλυθέναι, τὰ προσόντα  
μοι ἀπαγγελῶ σοι· ἐμοὶ ἤδη τριακοστόν  
ἐστί τοῦτο ἔτος, ἐξ οὗ ἐμαυτὸν τῆς γαμετῆς μου ἐχώ-  
ρισα· τρία ἔτη καὶ μόνον αὐτῇ προσομιλήσας.
5. καὶ τρεῖς ἐξ αὐτῆς υἱοὺς ποιήσας. οἱ καὶ ταῖς χρεΐ-  
αις ὑπηρετοῦσί μοι· οὐκ ἐπαυσάμην τῆς φιλο-  
ξενίας, ἄχρι τῆς σήμερον· οὐ καυχᾶται τις τῶν  
κομητῶν πρὸ ἐμοῦ τὸν ξέ-  
νον ὑποδεξάμενος· οὐκ ἐξῆλθε πένης ἢ
10. πτωχὸς κεναῖς χερσὶ τῆς ἐμῆς  
αὐλῆς. μὴ πρότερον ἐφοδιασθεῖς κατὰ λόγον·  
οὐ παρῆιδον πένητα δυστυχήσαντα.  
μὴ ἱκανὴν παραμυθίαν αὐτῷ παρασχόμενος·  
οὐκ ἔλαβον τέκνου μου πρόσωπον ἐν κρίσει·
15. οὐκ εἰσῆλθον εἰς τὸν οἶκόν μου καρποὶ ἀλλό-  
τριοι· οὐκ ἐγένετο μάχη ἢ οὐκ ἠρήνευσα  
γνούς· οὐκ ἐμέμψατό τις ἐπὶ ἀτο-  
πίᾳ τοὺς ἐμούς παῖδας, οὐκ ἤψαντο τῶν ἄλλο-  
τρίων καρπῶν αἱ ἀγέλαι μου· τὰς ἀρούρας μου
20. τοῖς πτωχοῖς προτίθημι· καὶ τὰς καταλειφ-  
θεῖσας σπείρω ἐγώ· κρίσιν ποιηρὰν  
κατ' οὐδενός ποτε ἐξενήνοχα·  
ταῦτά μοι θεοῦ συνεργοῦντος, σύννοδα πεπραγ-

17. Pa ἐψεύσατο (che non dà senso).

19. L'uso di  $\eta\eta\beta\lambda$  in senso traslato ("de agri frugibus") è documentato, cf. SIS, II: 423.

20. Il part. pres. dello sl. in luogo della 1ª p. sg. pres. del gr. potrebbe risultare da uno scambio di nasali ( $\sim \lambda\alpha\gamma\delta\mu\eta > \sim \lambda\alpha\gamma\delta\mu\alpha$ ) in un ipotetico antigrafo (o anello precedente nella catena) di redaz. bulgara.

1. рена. Слышавъ же абба Пафну́тїе ѿжда
2. оного добродѣтели. главоу его приѣмь
3. цѣливааше глаголю. бѣлитъ те бѣ ѿ сѣмна. и
4. оузриши блага іерлѣма. добръ оубоу сихъ
5. исправилъ еси, лишен же еси единого е-
6. же іе глава добродѣтелемъ. прѣмощри
7. о бѣ разумъ. негоже не можеша бес трѣ-
8. да стѣжати. аще мира не ѿрѣши се. и крѣть
9. възъмь. хощу послѣдоуеши. ѿнъ же си слы-
10. шавъ. ни своимъ повѣдавъ се. въ горѣ по
11. бѣженнымъ идѣше. и пришѣшимъ имъ
12. до рѣкы. и кораблю не ѿвѣшавъ се. повелѣ-
13. вавше емоу Пафну́тїе ногами прѣбити
14. (р)ѣкы. еюже никто николиже прѣиде
15. (г)лавы ради. вышѣша же она до пояса
16. (рѣ)къ прѣидоше невредимо. постави же
17. (его въ) нѣкимъ мѣстѣ наѣчивъ и, како
18. (жити) побѣдетъ. Тъ же ѿдѣливъ себе,
19. (моляше) се боу болии сицевыхъ гави-
20. (ти се. по м)ногымъ же врѣмени. видѣ и се-
21. (го дшѣ аггали) възносимъ. поючимъ бѣ
22. (и глаголющѣ бѣ)жень негоже избра и приѣ
23. (вселятъ и въ двори сво)е. и оувѣдѣ стѣни

1. μένα. ἀκούσας δὲ ὁ ἀββᾶς Παφνούτιος τὰς ἀρετὰς  
τοῦ ἀνδρός. τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ κατεφί-  
λει λέγων· εὐλογῆσαι σε κύριος ἐκ Σιών, καὶ  
ἴδοις τὰ ἀγαθὰ Ἱερουσαλήμ· καλῶς γὰρ ταῦτα
5. κατώρθωσας. λείπεται δέ σοι ἓν  
τῶν ἀρετῶν τὸ κεφάλαιον, ἡ πάνσοφος  
παρὰ θεοῦ γνῶσις· ἣν οὐ δυνήσῃ ἀπό-  
νως κτήσασθαι εἰ μὴ τὸν κόσμον ἀρνησάμενος, τὸν σταυρὸν  
ἄρης, καὶ τῷ Χριστῷ ἀκολουθήσῃς· ὁ δὲ ὡς ἤκουσε ταῦ-
10. τα, μὴδὲ τοῖς ἑαυτοῦ συνταξάμενος, εἶπετο  
τῷ ἀνδρὶ ἐπὶ τὸ ὄρος· καὶ δὴ ἐλθόντες  
περὶ τὸν τόπον. μηδαμοῦ σκάφους παραφανέντος, προσέτατ-  
τεν αὐτῷ ὁ Παφνούτιος. πεζεύειν τὸν  
ποταμόν· ὃν οὐδεὶς ποτε ἐπέζευσε
15. διὰ τὸ βάθος· πεζεύσαντες δέ. καὶ μέχρι ζώνης  
γενομένου τοῦ ὕδατος, παρήλθον ἀβλαβεῖς· κατέστησε δὲ  
αὐτὸν ἓν τιμι τόπῳ, διδάξας πῶς  
ὀφείλει διάγειν· αὐτὸς δὲ ἀποχωρίσας ἑαυτόν,  
ἐδέετο τοῦ θεοῦ κρεῖττον φανῆναι
20. καὶ τῶν τοιούτων· μετ' οὐ πολὺν δὲ χρόνον. εἶδε καὶ τὴν αὐ-  
τοῦ ψυχὴν ὑπὸ τῶν ἀγγέλων ἀναλαμβανομένην· ὑμνούντων τὸν θεὸν  
καὶ λεγόντων· μακάριος ὃν ἐξελέξω καὶ προσελάβου,  
κατασκηνώσει ἐν ταῖς αὐλαῖς σου· καὶ ἔγνω ὁ ἅγιος·

3. Il testo originale di Ps. 127,5 ha due ottativi, tuttavia Festugière registra in appa-  
rato (HM: 107) la variante εὐλογῆσει; il testo slavo non solo la presuppone, ma  
tratta anche il secondo verbo come futuro.

7. Pa περὶ θεοῦ



1. ὅτι τετελείωται ὁ ἀνὴρ· καὶ ἀπελθὼν  
καὶ ἐντίμως κηδεύσας ἔθαψεν·  
πάλιν οὖν τὴν νηστείαν παρατεί-  
νων, ἡξίου δηλωθῆναι αὐτῷ τίτι ἐστὶν
5. ὅμοιος· ἔφη δὲ πάλιν ἡ θεία φωνὴ πρὸς αὐτόν·  
ἔοικας ἐμπόρῳ ζητοῦντι καλοὺς μαργαρίτας·  
ἀλλὰ ἀνάσθητι λοιπὸν καὶ μὴ μέλλε· προσυπαντήσῃ  
γάρ σοι ὁ ἀνὴρ ὃν ἀπηκάσθης.  
κατελθὼν δὲ ἐκεῖνος, εἶδεν ἄνδρα τινὰ
10. ἔμπορον ἀλεξανδρινόν. εὐλαβῇ καὶ  
φιλόχριστον· δισμυρίων χρυσίνων πραγμα-  
τευόμενον μετὰ τριῶν πλοίων· πᾶσαν τὴν ἐμπο-  
ρίαν αὐτοῦ τοῖς πτωχοῖς διανέμοντα· ὃς μετὰ τῶν ἑαυτοῦ  
παίδων δέκα σάκκους ὀσπρίων ἀνέφερε πρὸς αὐτόν·
15. ὁ δὲ μέγας Παφνούτιος λέγει αὐτῷ· τί  
ταῦτα ὦ φίλε; ὁ δὲ εἶπεν·  
οἱ καρποὶ τῶν ἐμῶν πόνων εἰσὶ πάτερ·  
εἰς ἀνάπαυσιν δικαίων προσφερόμενοι· καὶ φησὶ ὁ Πα-  
φνούτιος· εἰ ἡμεῖς δίκαιοι. διὰ τί μὴ καὶ σὺ
20. ἀπολά(υ)εις τοῦ ὀνόματος τοῦ ἡμετέρου; ὁ δὲ ἔφη τοῦτο  
ἐπιθυμεῖν καὶ πρὸς αὐτὸ σπεύδειν· καὶ λέγει αὐτῷ  
ὁ μέγας Παφνούτιος· καὶ μέχρι τίνος τὰ  
γῆϊνα πραγματεύῃ ἀφείς

7. Grafic: M μὴ μέλλη Pa μὴ μέλλε. Festugière ha μὴ μέλλε “non esitare” nel testo e registra la variante μὴ μέλε: “non ti curare”, ovvero “non curarti oltre del tuo interrogativo” (μέλω personale è documentato sia in età classica sia dopo, cf. PGL, II: 842).

È evidentemente su questa seconda lezione che si fonda il testo slavo.

18. Pa εἰς ἀνάπαυσιν δικαίων τῷ θεῷ προσφερόμενοι·

20. M Pa ἀπολάβεις, che il testo slavo sembra presupporre. Emendiamo sec. HM 14,20, p. 109 (la confusione è foneticamente molto facile in gr. tardo, quando il grafema β è pronunciato come fricativa bilabiale sonora, vale a dire all'incirca come il grafema υ nel presente contesto postvocalico).

20-21. Pa τούτου ἐπιθυμεῖν

1. нѣмѣ. нѣ си дрѣгоу, остави. ты же по
2. мнѣ иди. мало послѣды. кѣ хощу отидеши.
3. ѡнъ же ничто прѣслоушавъ, отрокомъ сво-
4. имъ повелѣвъ, богатство в'се нищимъ ра-
5. здати. тѣ же въ гороу шѣ, въ томъ мѣстѣ
6. себе затвори. идеже прѣже него и ѡна два
7. скончаста се. трѣпе боу молише се. по
8. многѣ же врѣмени и тѣ тѣло оставивъ,
9. нѣмѣи гражданинъ бы.

10. Глѣхъ о авва Паисии братѣ авва Пимина.
11. како обрѣте малъ съсоудъ съ златицами.
12. глѣ же братоу своему старѣишему авва
13. Аноувоу. вѣси како слово авва Пимина. же-
14. стоко ѣе зѣло. нѣ прииди и съзижемъ се-
15. бѣ монастырь нѣгдѣ. и съдимъ тамо бе-
16. с печали. глѣ немому авва Аноувъ. ѡжѣдоу
17. можемъ създати. ѡнъ же повѣда емоу
18. обрѣтенное. много же оскрѣби се авва
19. Аноувъ. помыслиде, како погоублени(е)
20. дѣи него ѣе. и рѣ немому. добро. идѣмъ (и съ-)
21. зижемъ келие прѣмо рѣкы. възе ж(с съ-)
22. соудъ имѣи златици авва Аноувъ (и за-)
23. ви въ кожѣхъ свои. и такоже прѣидоше)

1. τὰ οὐράνια; ἀλλὰ ταῦτα μὲν ἑτέροις ἀφῆς· σὺ τῶν καιριωτάτων ἐχόμενος ἀκολουθεῖ μοι· ὀλίγον ὕστερον πρὸς Χριστὸν ἀφικόμενος· ὁ δὲ μηδὲν ὑπερθέμενος. τοῖς ἑαυτοῦ παισὶ πάντα τὸν πλοῦτον τοῖς πτωχοῖς διανεῖμαι
5. ἐκέλευσεν· αὐτὸς δὲ ἀνελθὼν εἰς τὸ ὄρος. ἐν αὐτῷ τόπῳ ἑαυτὸν καθεύξας ἔνθα καὶ οἱ πρὸ αὐτοῦ δύο ἐτελειώθησαν. προσεκαρτέρει τῷ θεῷ προσευχόμενος· μετ' οὐ πολὺ δὲ καὶ αὐτὸς καταλιπὼν τὸ σῶμα οὐρανοπολίτης ἐγένετο. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Παισίου
10. Ἔλεγον οἱ γέροντες ὅτι Παῖσιος ὁ ἀδελφὸς τοῦ ἀββᾶ Ποιμένος, εὔρε μικρὸν σκεῦος ὀλοκοτίνων· λέγει οὖν τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ τῷ μεγαλωτέρῳ τῷ ἀββᾶ Ἀνούβ· οἶδας ὅτι ὁ λόγος τοῦ ἀββᾶ Ποιμένος σκληρὸς ἐστὶ πάνν· ἀλλὰ δεῦρο κτίζωμεν ἑαυ-
15. τοῖς μοναστήριον πώποτε· καὶ καθήμεθα ἐκεῖ ἀμερίμνως· λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Ἀνούβ· καὶ πόθεν ἔχομεν κτίσαι; ὁ δὲ ἔδειξεν αὐτῷ τὰ ὀλοκότινα· πάνν δὲ ἐλυπήθη ὁ ἀββᾶς Ἀνούβ λογιζόμενος ὅτι ἀπώλεια
20. τῆς ψυχῆς αὐτοῦ ἐστίν· καὶ λέγει αὐτῷ· καλῶς· ἄγωμεν καὶ κτίζωμεν κελλίον πέραν τοῦ ποταμοῦ· ἔλαβεν οὖν τὸ σκεῦος ὁ ἀββᾶς Ἀνούβ καὶ ἔβαλεν εἰς τὸ κουκούλιον αὐτοῦ· ὥς οὖν περῶσι

1. Πα ομ. τῶν

2. M ha la grafia ἀφηκόμενος (confus. itacistica e influenza di ἥκω).

1. прѣйти рѣкъ. и постигъше до срѣды. сѣтво-  
 2. ри себе авва Аноуѣ. тако заповѣ се, и испа-  
 3. де съсоудъ съ златицами въ рѣкоу. наче же  
 4. васнь скръбѣти авва Аноуѣ. и глѣ немю  
 5. Паисие. не скръби авва. егда погѣби-  
 6. хомъ златици, идѣмъ пакы къ братоу  
 7. нашему. и възвративша се, прѣбѣше  
 8. съ миромъ . Глѣше авва Питиримъ

392

9. нь. оученикъ авва Антониа. тако хомъ  
 10. теи ѿгнати бѣсы, прѣже стрѣти да по-  
 11. корить. каковыилюбѣ стрѣти аще одолѣ-  
 12. етъ кто, сеи и бѣса ѿгнаетъ. послѣдѣ-  
 13. етъ рѣ бѣсъ гнѣвою. аще гнѣвъ дѣржиш(и)  
 14. погнѣдетъ сего бѣсъ. такоже и вѣсакон  
 15. стрѣти . О авва Павлѣ.

16. Павлѣ и Тимофеи, хытрыца нѣкаа бѣста  
 17. въ скитѣ. и съмоушдѣми бывахѣ ѿ бра-  
 18. тие. и рѣ Тимофеи авва Павлоу. чем(оу)  
 19. ѿ намъ хытрость сиа, не оставлѣемъ  
 20. (се)бе оумлысноути въсь днь. и ѿвѣщавъ  
 21. (ав)ва Павлѣ рѣ немю. доволно ѿ намъ нош-  
 22. (нои б)ѣзмальвие, аще трѣзвитъ се срѣце наше .  
 23. (съи авва) Павлѣ. и Тимофеи братъ его.

393

394



1. τὸν ποταμὸν καὶ ἔφθασαν κατὰ τὸ μέσον, ἐποίη-  
σεν ὁ ἀββᾶς Ἀνούβ ἑαυτὸν ὥσπερ στρεφόμενον, καὶ ἐξέπε-  
σεν τὸ σκεῦος μετὰ τῶν νομισμάτων εἰς τὸν ποταμόν· ἤρξατο  
οὖν ὡς λυπεῖσθαι ὁ ἀββᾶς Ἀνούβ. καὶ λέγει αὐτῷ
5. ὁ ἀββᾶς Παΐσιος· μὴ λυπηθῆς ἀββᾶ, ἐφ' ὅσον ἀπηλ-  
θον τὰ ὀλοκότινα. ἄγωμεν πάλιν πρὸς τὸν ἀδελφὸν  
ἡμῶν· καὶ ἀνακάμψαντες ἔμειναν  
μετ' εἰρήνης. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Πιτυρίονος Ἔλεγεν ὁ ἀββᾶς Πι-  
τυρίων ὁ μαθητὴς τοῦ ἀββᾶ Ἀντωνίου· ὅτι ὁ βουλό-  
10. μενος ἀπελαύνειν δαίμονας, πρότερον τὰ πάθη δου-  
λώσεται· οἷου γὰρ ἂν πάθους περιγένη-  
ταί τις, τούτου καὶ τὸν δαίμονα ἀπελαύνει· ἔπε-  
ταί φησι δαίμων τῇ ὀργῇ· ἐὰν τῆς ὀργῆς κρατήσης,  
ἀπελήλαται ταύτης ὁ δαίμων· ὁμοίως καὶ περὶ ἐκάστου
15. πάθους.  
Παῦλος καὶ Τιμόθεος, κοσμήται ἦσαν  
ἐν τῇ σκήτει· καὶ ὠχλοῦντο ὑπὸ τῶν ἀδελ-  
φῶν. καὶ λέγει ὁ Τιμόθεος τῷ ἀββᾶ Παύλῳ· τί  
θέλομεν τὴν τέχνην ταύτην; οὐκ ἀφιόμεθα
20. ἡσυχάσαι ὅλην τὴν ἡμέραν· καὶ ἀποκριθεὶς  
ὁ ἀββᾶς Παῦλος εἶπεν αὐτῷ· ἀρκεῖ ἡμῖν ἡ ἡσυχία τῆς νυκ-  
τός, ἐὰν νήφη ἡμῶν ἡ διάνοια.  
Ὁ ἀββᾶς Παῦλος ὁ κοσμήτης καὶ Τιμόθεος ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ,

6. M ha una grafia ὀλοκότεινα non menzionata da PGL, II: 949 (ὀλοκότινος, τίνον, τίνι(ο)ν).

16. Per tradurre κοσμητής/κοσμήτης/κοσμίτης (PGL, I: 769 “sweeper, cleaner; in a monastery κοσμίτης) si ricorre a χυτρωμι (τεχνίτης ἐπιστήμων secondo LPGL: 1103; cf. anche SDrJ, III, 2: col. 1431).

1. съдѣхѹ въ скитѣ. и множицею бѣ межоу ни-
2. ми прѣкословие. гл҃а авва Павль. доколѣ
3. прѣбываемъ сѣце. гл҃а ѿмоу авва Тимоѳеи.
4. сътвори любовь. и ѿгда прихожоу на те, прѣ-
5. трѣпи ме. и ѿгда приидеши и ты на ме, трѣ-
6. пѣю и азъ тебе. и сътвориша тако, почише про-
7. чене дни · Рѣ авва Павль. въ тыни вижоу **395**
8. себе потапаема до выне. и плачу прѣ ѿсо-
9. мь, помилоуи ме гл҃е · Гл҃ахѹ о авва Павль. **396**
10. ѿко сътвори мѣ тницоу вѣсоу, малою леще-
11. ю и крѣчагомъ воды. и ѿдиноу кошничкоу
12. плетоуще и расплитающе, до Пасхы затворе-
13. нь сѣде · Рѣ авва Петрь. не побѣдетъ прѣ- **397**
14. възнашати се ѿгда гѣ сътворитъ нами что.
15. нь паче бл҃годарити, ѿко спѣбихом се при-
16. звани быти тѣмъ. си ѹбѣ побѣдетъ и о вса-
17. кои добродѣтели съмышляти гл҃аше ·
18. Петрь дисѹскы презвитерь. аще когда мо- **398**
19. лѣше се с кымъ. понеже сщ҃енѣства ради (по~)
20. нѹждемъ бываше на прѣ стати, смѣрено~)
21. моуринемъ себе съзиди поставляше (испо~)
22. вѣде се ѿкоже въ житии ст҃го Антѡ(ниѣ пи~)
23. шеть. си творѣше, никогоже о(сѣрѣбити ·)

- 1 ἐκαθέζοντο ἐν τῇ σκῆτει· καὶ πολλαχῶς ἐγίνετο  
μεταξὺ αὐτῶν ἀντιλογία· καὶ λέγει ὁ ἀββᾶς Παῦλος· ἕως πότε  
μένομεν οὕτως; λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Τιμόθεος·  
ποιήσον ἀγάπην· ὅταν ἔρχωμαι ἐπάνω σου βά-  
5 σταξόν με·  
ποιήσαντες οὕτως, ἀνεπάησαν τὰς ἐπι-  
λοίπους αὐτῶν ἡμέρας. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Παῦλος· εἰς βόρβορον ὁρῶ  
ἐμαυτὸν καταποντιζόμενον ἕως τραχήλου· καὶ κλαίω ἔμπροσθεν τοῦ  
Ἰησοῦ λέγων ἐλέησόν με. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Παύλου·  
10 ὅτι ἐποίησε τὴν τεσσαρακοστὴν εἰς μαήτην φακῆς  
καὶ λαγύμιον ὕδατος, καὶ εἰς ἓν μαλάκιον  
πλέκων αὐτὸ καὶ ἀναλύων. ἕως τῆς ἐορτῆς ἐγκεκλεισμέ-  
νος. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Πέτρος· ὅτι οὐ δεῖ ἐπαί-  
ρεσθαι ὅταν ὁ κύριος ποιήσῃ τι δι' ἡμᾶς.  
15 ἀλλὰ μᾶλλον εὐχαριστεῖν ὅτι κατηξιώθημεν προσκλη-  
θῆναι ὑπ' αὐτοῦ· τοῦτο δὲ καὶ ἐπὶ πά-  
σης ἀρετῆς ἔλεγε συμφέρειν λογίζεσθαι.  
Πέτρος ὁ τῶν Δίου πρεσβύτερος, εἴ ποτε ἡῦ-  
χετο μετὰ τινος ἐπειδὴ διὰ τὴν ἱερωσύνην  
20 ἔμπροσθεν ἴστασθαι ἠναγκάζετο. τῇ ταπεινο-  
φροσύνῃ ἑαυτὸν ὀπίσω ἴστα· ἐξομο-  
λογούμενος ὡς εἰς τὸν βίον τοῦ ἀγίου Ἀντωνίου γρά-  
φει. τοῦτο ἐποίει μηδένα λυπῶν.

5. Il testo greco mancante è in Pa G· καὶ ὅταν ἔρχῃ καὶ σὺ ἐπάνω μου, βα-  
στάζω σε καγώ· καὶ ποιήσαντες κτλ.

22. G γέγραπται

1. Блаженыи Писрь. дѣлави на жетвь. въспомѣ-
2. наше господарю села, мѣздохъ емоу дати.
3. ономѣ же не давшоу, възвѣати се въ келию
4. прѣдѣмъ. пакы же до вѣремене жевш(оу) ѿ того.
5. и оуспѣно дѣлави. ничтоже емоу не дави, въ-
6. зврати се въ келию свою. въ третине же лѣ-
7. то пакы по обычаю дѣлави старѣць. оти-
8. де ничтоже възевъ. гоу же искусившѣ
9. домъ егѡ, носе мѣзоу обыхоуше келию
10. ишѣщи стѣго. и негда обрѣтъ егѡ. припа-
11. де къ ногамъ егѡ. и дае мѣзоу егѡ глѣше
12. яко ѡдаде мнѣ гѣ. ѡнѣ же рече емоу да-
13. ти не въ црковѣ прѣзвитероу .
14. Брѣдъ въпроси двѣ Палладиа глѣе. ѡче, рѣци ми
15. что сътворишъ. яко вѣ лѣтъ имамъ посте
16. се по два дѣни, и не могу избавити се ѡ
17. бѣса блѡснаго . и рѣ старѣць. чедѡ, Исидѣ-
18. да прѣрѣкъ рѣ. аше прѣгрѣчиши яко ѡбрѣчѣ
19. (в)ью свою. и вѣртише и пепель пѣстелеш(и.)
20. (ни) тако нарѣтѣ се по принѣтъмъ. ты же че-
21. (до) посте се, како твориши. глѣ емоу.
22. (азѣ ѡ ) оутра наквашаю прѣтине. и дѣлаю
23. (пою Пам)ы. и негда скончаю конничесѣ

399 138V

400

Marg. sup.: О двѣ Писурѣ

Lin. 4: Ре жевш; НВ жѣвшѣ

- 1     Περὶ τοῦ ἀββᾶ Πίωρ. Ὁ μακάριος Πίωρ ἐργασάμενος εἰς τὸ  
          θέρος, ὑπεμίμνησκε τὸν μισθὸν λαβεῖν·  
          τοῦ δὲ ὑπερτιθεμένου, εἰς τὴν μονὴν ἐπανῆλθε·  
          πάλιν τοῦ καιροῦ θερίσας παρ' αὐτῷ
- 5     καὶ προθύμως ἐργασάμενος. οὐδὲν (ἐκείνου) παρασχόντος, ἐπα-  
          νῆλθεν εἰς τὸ κελλίον ἑαυτοῦ. τοῦ δὲ τρίτου συμ-  
          πληρωθέντος ἔτους, τὴν συνήθη ἐργασίαν τελέσας ὁ γέρων, ἀνε-  
          χώρησε μηδὲν λαβών. καὶ τοῦ κυρίου ἐτάσαντος  
          τὸν αὐτοῦ οἶκον, ἐπιφερόμενος τὸν μισθὸν περιῆγε τὰ μονα-  
10    στήρια ζητῶν τὸν ἅγιον, καὶ μόλις αὐτὸν εὐρών, προσέπε-  
          σεν τοῖς ποσὶν αὐτοῦ, καὶ ἀποδιδούς τὸν μισθὸν ἔφασκεν,  
          ὅτι ἐμοὶ ὁ κύριος ἀπέδωκεν· ὁ δὲ ἐπέτρεψεν παρα-  
          σχεῖν αὐτὸν εἰς τὴν ἐκκλησίαν τῷ πρεσβυτέρῳ. Περὶ τοῦ  
          ἀββᾶ Παλλαδίου Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶ Παλλάδιον λέγων·
- 15    πάτερ εἰπέ μοι τί ποιήσω ὅτι δύο ἔτη νηστεύω  
          · ζευγάρια, καὶ οὐ δύναμαι ἀπαλλαγῆναι ἐκ τοῦ  
          δαίμονος τῆς πορνείας. καὶ εἶπεν ὁ γέρων· τέκνον· Ἡσαΐ-  
          ας ὁ προφήτης εἶπεν· οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρίκον  
          τὸν τράχηλόν σου, καὶ σάκκον καὶ σποδὸν ὑποστρώσης,
- 20    οὐδ' οὕτως κληθήσεται νηστεία δεκτὴ· σὺ δὲ τέκ-  
          νον νηστεύων πῶς διάγεις; καὶ λέγει αὐτῷ·  
          ἐγὼ ἀπὸ πρωῒ βρέχω θαλλία καὶ ἐργάζομαι  
          μελετῶν ψαλμούς· καὶ ὅταν τελέσω μαλάκιν,

5. M ἐκεῖνος Pa G ἐκείνου

Il testo di 399 offerto da G presenta differenze di media portata, almeno in parte di natura redazionale.

1. творе молю се. и въ полоу дне, мало сплю.
2. и въставъ исхождоу ис келие. и пакы двѣ-
3. лаю дондеже сътворюу ꙗкошничкы. и ве-
4. чероу постигшоу, молю се. и сътворивъ
5. ꙗко метаніи, сплю. и на правило пакы въ-
6. стаю. и вторыи днь въ чѣѣ, творюу варе-
7. ние, и ѿмъ до сытости. глѣ юмоу старѣцъ.
8. снѣ чедо, нѣ ꙗко. аще оубо постиши се ѿ бра-
9. шнь и злословиши когѡ. или осѣдиши.
10. или злупомниши. или лоукавы помыслы
11. приемлещи. много добро ти ѿ петиши
12. ѿсти, и ѿ сѣ съблюдати се опасно. или е-
13. же брашна не въкоусити, онѣми же насы-
14. щати се. или не вѣси. ꙗко всакъ въжелѣ-
15. ние свое испльняе помышлениемъ, и крѣ-
16. мѣ въвышній брашнь насыщаетъ се и ѡпи-
17. ваетъ се. нь аще хоцещи възрѣжати се и по-
18. стити се. даже пощение твое боу прие-
19. тно боудеть, съхрани же паче в'сего прѣ-
20. же реченнаа. и въ днь иже постиши се (до-)
21. вли се хлѣбомъ и водою. и зелениемъ (блго-)
22. дарѣ бѣ. съмотри же потребы нас(тиа сво-)
23. его. еже хотѣше извѣсти въ тѣ днь. и да-

1. εὐχομαι· καὶ τὸ μεσημέριν ὀλίγον καθεύδω·  
καὶ ἀναστὰς ἐξέρχομαι τοῦ κελλίου, καὶ πάλιν ἐρ-  
γάζομαι ἕως οὗ ποιήσω τρία μαλάκια· καὶ ἐ-  
σπέρας καταλαβούσης εὐχομαι, καί, ποιήσας
5. ἑκατὸν μετανοίας κοιμῶμαι· καὶ εἰς τὸν κανόνα ἐγεί-  
ρομαι· καὶ τῇ δευτέρᾳ ἡμέρᾳ ὥραν· ἐνάτην ποιῶ ἐψη-  
τὸν καὶ ἐσθίω κόρου· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων·  
τοῦτο τέκνον οὐκ ἔστιν νηστεία· ἐὰν γὰρ νηστεύης ἀπὸ βρω-  
μάτων καὶ κακολογήσης τινὰ ἢ κατακρίνης
10. ἢ μνησικακῆς ἢ πονηροῦς λογισμοῦς  
δέχεσαι· πολλὰ συμφέρει σοι τὴν ἡμέραν πέντε  
ἐσθίειν, καὶ τούτων φείσασθαι· ἢ μὴ  
γευσάμενον, ἐκείνων ἐμφορῇ  
θῆναι· οὐκ οἶδας ὅτι πᾶς ὁ τὴν ἐπιθυ-  
μίαν αὐτοῦ πληρῶν κατ' ἔννοιαν, καὶ ἐκ-  
τὸς τῶν ἔξωθεν βρωμάτων, ἤδη κεκόρεσται καὶ με-  
θύει; ἀλλ' εἰ θέλεις (ἐν)ἐγκρατεύσασθαι καὶ νη-  
στεῦσαι ἵνα ἡ νηστεία σου δεκτὴ ᾖ τῷ  
θεῷ, φύλαξον πρὸ παντὸς ἄλλου, πάντων
20. τῶν προειρημένων· καὶ ἐν ἡμέρᾳ ᾗ νηστεύεις, ἀρκέ-  
σθητι ἄρτῳ καὶ ὕδατι καὶ λαχάνοις εὐ-  
χαριστῶν τῷ θεῷ· συμψήφισον δὲ τὴν δαπάνην τοῦ ἀρί-  
στου οὗ ἔμελλες ἐσθίειν κατ' ἐκείνην τὴν ἡμέραν· καὶ

6. Correzione secondo Pa ὥραν· ἐνάτην

10. Pa μνησικακῆσης

12. Sl. или può tradurre un ἢ comparativo già nel Suprasliensis, cf. SJS, I: 763.

1. ꙗко ѿбогѣ и тѣжкоу, и вдовици и сирѣ, да помо-
2. летъ се о тебѣ къ гоу, съкроуши тѣло свое трѣ-
3. доу, многымы, и поклоу множествомъ.
4. и бдѣниемъ, и таиннымъ проучениемъ.
5. иево юность аще не многымы троудомъ
6. ѿмекъчитъ се, немощно ꙗко немощу ѿ блѣднѣ-
7. го бѣса оубѣгнѣти, сего ради ѡцѣ наши,
8. не прѣдаше юнымъ въ келиахъ и въ мль-
9. чалствѣ сѣдѣти, нѣ въ кинѡви паче трѣпѣ-
10. ти, и не мекъсы ризы, нѣ остры и ветхы
11. носити, и въсю силою ѿ прѣстоущаго
12. съдръжаномъ бывати, пражностъ бо ѿбо
13. и сѣнь, и еже ꙗсти вторицею днѣмъ, не
14. тѣчию блѣднаго бѣса намъ приносить
15. нѣ и всакыи иныи стрѣтми сѣмоушаѣ на .
16. Прииде къ двѣ Паладиню кнезь видѣти еѣ.
17. слышана оубо быше ꙗже о немъ, и по-
18. немъ скорописца, пороччи немощу глѣма-
19. ꙗ старцемъ называменовати, вѣсачьскыи
20. (съ)мотрениемъ, и вышѣ глѣ старцю.
21. (пом)оли се о мнѣ двѣ, ꙗко много грѣхъ
22. (имамъ,) глѣ старецъ, единый безгрѣшъ-
23. (нѣ ꙗко) есть, рече кнезь, еда о вѣсакѣ

139V

401



- 1 δὸς πτωχῷ καὶ ξένῳ καὶ χήρᾳ καὶ ὀρφανῷ, ἵνα εὕξωνται ὑπὲρ σοῦ πρὸς κύριον· δάμασόν σου τὸ σῶμα ἐν κόπῳ πολλῷ καὶ πλήθει μετανοιῶν καὶ ἀγρυπνιῶν καὶ κρυπτῇ μελέτῃ·
- 5 ἡ γὰρ νεότης, ἐὰν μὴ δαμασθῇ πολλῷ κόπῳ καὶ μόχθῳ, οὐ δύναται ἐκ τοῦ τῆς πορνείας ἀποδρᾶσαι δαίμονος· διὰ τοῦτο καὶ οἱ πατέρες ἡμῶν τοὺς νέους οὐκ ἐθέσπισαν ἐν κελλίοις καὶ ἡσυχαστηρίοις καθεζεσθαι· ἀλλ' ἐν κοινοβίῳ μᾶλλον προσκαρτερεῖν· καὶ οὐ μαλακὰ ἀλλὰ τραχεῖα καὶ ῥακώδη φοροῦντας· καὶ ἐν πάσῃ ἀσφαλείᾳ κρατεῖσθαι ὑπὸ τῶν προεστώτων· ἡ γὰρ ἀργία καὶ ὁ ὕπνος καὶ τὸ ἐσθίειν δις τῆς ἡμέρας οὐ μόνον τὸν τῆς πορνείας δαίμονα, ἀλλὰ καὶ πᾶν πάθος ἡμῖν ἐπιφέρειν εἰώθασι.
- 15 Ἦλθε πρὸς τὸν ἀββᾶν Παλλάδιον ὁ ἄρχων θέλων αὐτὸν θεάσασθαι· ἐνηχήθη γὰρ τὰ περὶ αὐτοῦ· λαβὼν ταχυγράφον, παρήγγειλε τὰ ὑπὸ τοῦ ἀγίου λεγόμενα σημειώσασθαι, ἐν πάσῃ ἀσφαλείᾳ· καὶ εἰσελθὼν λέγει τῷ γέροντι· εὕξαι ὑπὲρ ἐμοῦ ἀββᾶ ὅτι ἔχω πολλὰς ἀμαρτίας· λέγει ὁ γέρον· μόνος ἀναμάρτητος Ἰησοῦς ὁ Χριστός· λέγει ὁ ἄρχων· ἄρα ἀββᾶ περὶ ἐκάστης

17. Pa καὶ λαβὼν

23. Pa om. ἀββᾶ

1. грѣсъ авва приѣти хощемъ сѣдѣ. гл҃а стар҃ць.
2. нишет҃ се. тако ты въздаси комѹждо по дѣлѹ
3. его. гл҃а кнѣзь. скажи ми слово се. рече емѹ
4. стар҃ць. сѣлю сказанно ѣ. нѣ ѡбаче слыши
5. по дробномъ. оскръбиль еси ближняго, на-
6. дѣи се равно възприѣти. похытиль еси тѣ-
7. жѣа. поврѣдиль еси нищаго. приѣль еси
8. лице на соудѣ. облыгаль еси. оклеветаль
9. еси. тоужемомъ бракомъ навѣтоваль еси.
10. клетвомъ прѣстоупиль еси. прѣдѣлы ѡицѣ
11. прѣложиль еси. стезаниа сирѣчь напаль еси.
12. вдовице обидиль еси. сладсти мира сегѹ,
13. паче обѣтованныѣ и бл҃гы възхѡтѣль еси.
14. надѣи се о сихъ възданиѣ. іаковаа съветъ
15. чл҃къ, таковаа жнѣть. такоже и еже бл҃го
16. сътвориль еси. надѣи се и онѣмъ многа
17. възданиа бл҃га. гл҃а емоу кнѣзь. что оубѡ
18. пѣбаеть творити авва. гл҃а емоу стар҃ць
19. възпомяни вѣчнаа и бесконѣчнаа бл҃гаа
20. въ них҃же нѣ пища ни пиво. нѣ недом҃г(а.)
21. нѣ болѣзни. нѣсѡуть сѣдища. ни ко(упле~)
22. нѣа. ни имѣнѣа. нѣсѡуть начеа҃ст(ва злѣи.)
23. нѣсѡу҃т брани. корень вражи. нѣ (мѣсто жи-)

1. ἀμαρτίας ἔχομεν δοῦναι δίκην; λέγει ὁ γέρων·  
γέγραπται ὅτι σὺ ἀποδώσεις ἐκάστῳ κατὰ τὰ ἔργα  
αὐτοῦ· λέγει ὁ ἄρχων· ἐρμήνευσόν μοι τὸν λόγον· λέγει ὁ γέ-  
ρων· αὐτερμήνευτός ἐστιν· ἀλλ' ὅμως ἄκουσον
5. λεπτομερῶς· ἔθλιψας τὸν πλησίον, ἐκ-  
δέχου τὸ ἴσον· ἥρπασάς τι τῶν ὑπο-  
δεεστέρων, κατεκονδύλισας πένητας, ἔλαβες  
πρόσωπον ἐν κρίσει; ἐσυκοφάντησας, κατεψεύ-  
σω, ἀλλοτρίοις ἐπεβούλευσας γάμοις;
10. ἐπιώρκησας; ὅρια πατέρων  
μετέθηκας; κτήμασιν ὀρφανῶν ἐπήλθες;  
χήρας ἐξέθλιψας; τὴν παρούσαν ἡδονὴν  
τῶν ἐν ἐπαγγελίαις ἀγαθῶν προετίμησας;  
ἐκδέχου τούτων τὴν ἀντιμέτρησιν· οἶα γὰρ σπείρει
15. ὁ ἄνθρωπος, τοιαῦτα καὶ θερίσει· ὁμοίως καὶ εἴ τι τῶν ἀγα-  
θῶν πέπρακταί σοι, ἐκδέχου κάκεινων πολλαπλα-  
σίονας τὰς ἀντιδόσεις· καὶ λέγει ὁ ἄρχων· τί οὖν  
δεῖ ποιεῖν ἀββᾶ; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων·  
λογίζου τὰ αἰώνια καὶ ἀτελεύτητα ἀγαθὰ,
20. ἐν οἷς οὐκ ἔστι βρώσις, οὐ πόσις· οὐκ ἔνι νόσος·  
οὐκ ἔνι ἀλγήματα· οὐ δικαστήρια· οὐκ ἐμπο-  
ρίαι· οὐ χρήματα, τῶν κακῶν ἡ ἀρχή· τῶν πολέμων  
ἡ ὑπαρξίς· ἡ ρίζα τῆς ἔχθρας· ἀλλὰ ζώντων χῶ-

6-7. Si noti la differenza testuale: sl. “hai razziato i beni altrui”, gr. “hai razziato qualcosa che era dei più deboli” [o forse “qualcosa (anche) di minor valore”].

8 ss. Contrariamente al solito, introduciamo l'interrogativo dopo κρίσει etc. (in luogo del punto in alto) in quanto Pa lo riporta in una parte dei casi.

11. Pa μετέστησας

23. Pa χώρα ζώντων



- 1    ρα, οὐκ ἀποθνησκόντων διὰ τῆς ἁμαρτίας, ἀλλὰ ζών-  
των τὴν ἀληθινὴν ζωὴν τὴν ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ· καὶ στε-  
νάξας ὁ ἄρχων ἔφη· ἀληθῶς ἀββᾶ οὕτως  
ἐστὶν ὡς εἶρηκας· καὶ ὠφεληθεὶς πάνυ, ἀπῆλθεν εἰς τὰ ἱ-  
5    δια εὐχαριστῶν τῷ θεῷ. Στοιχεῖον ρ Περὶ τοῦ ἀββᾶ Ῥούφου  
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ῥούφον· τί ἐστὶν ἡσυχία.  
καὶ τίς ἡ ὠφέλεια αὐτῆς; ὁ δὲ γέρων λέγει αὐτῷ·  
ἡσυχία ἐστίν, τὸ καθεσθῆναι ἐν τῷ κελλίῳ μετὰ γνώ-  
σεως καὶ φόβου θεοῦ· ἀπεχόμενον  
10    μνησικακίας καὶ ὑψηλοφροσύνης. ἡ τοιαύ-  
τη ἡσυχία, γεννήτρια οὔσα πασῶν τῶν ἀρετῶν,  
φυλάσσει τὸν μοναχὸν ἀπὸ τῶν πεπυρωμένων βε-  
λῶν τοῦ ἐχθροῦ, μὴ ἐῷσα τιτρώσκεσθαι ὑπ’  
αὐτοῦ· ναὶ ἀδελφεὲ ταύτην κτῆσαι,  
15    μνημονεύων τῆς ἐξόδου τοῦ θανάτου σου ὅτι  
οὐκ οἶδας ποίαν ὥραν ὁ κλέπτης ἔρχεται.  
Περὶ τοῦ ἀββᾶ Ῥωμανοῦ Μέλλοντος τοῦ ἀββᾶ Ῥωμανοῦ  
τελειοῦσθαι, συνήχθησαν πρὸς αὐτὸν οἱ μα-  
θηταὶ αὐτοῦ λέγοντες αὐτῷ· πῶς ὀφείλομεν  
20    διοικηθῆναι; ὁ δὲ γέρων εἶπεν· οὐδέποτε  
οἶδα εἰπῶν τι· ὑμῶν ποιῆσαί τί  
ποτε εἰ μὴ πρότερον ἔπεισα τὸν λογισμὸν μὴ  
ὀργισθῆναι, ἐὰν μὴ ποιήσῃ,

22. G ἐποίησα, che il testo slavo presuppone. Le due lezioni greche sono inter-  
cambiabili in situazione di itacismo. Ritengo che quella originaria possa essere ἔπεισα  
di M Pa; l'altra potrebbe essere dovuta ad erronea anticipazione del verbo di r. 23.

1. еже рѣхѣ, сътворити се. и тако в'се врѣме жи-
2. вота нашего, прѣбыхомъ миромъ .
3. Знаменіе слово, О авва Сисои .
4. Повѣда намъ авва Аполл. Зченикъ авва Сисои- **404**
5. ѡ іако въ начелѣ егда приидѣ къ авва Сисои-
6. ю. сътвори ѿ лѣта бѣримъ стѣтми, и не
7. исповѣдає старцоу. множає паче бѣримъ
8. бѣхъ лжею и клеветаніемъ и тщеслави-
9. емъ. стар'ицъ же не прѣстаѣше оучещи ме.
10. бѣше же ми многа брань о попов'ствѣ и іа-
11. влахоу ми бѣсове, іако васнъ херотонисо-
12. вах се еп'сѣ въ снѣ. авва же Сисои, не
13. прѣстаѣше оуче ме и запыщася ми. іако-
14. же ѡ многаго оучениа и сѣмочениа ста-
15. рчева, бѣжати ми ѡ него и отити въ Алеѡда-
16. ндрію. къ пльтныимъ моимъ сѣрѣнко-
17. мъ. іако да херотонисамъ се презвитерь въ
18. храмъ прсѣне бѣе. идущоу же ми поутѣ
19. видѣхъ мочжа высока растомъ. и на(га)
20. до кон'ца. чрьна видѣніемъ. гнѣсн(а ѡ-)
21. бразомъ. мала главою. тьисног(а. не-)
22. сложна. бесколѣнна. грѣбѣсѣс(тавлѣ-)
23. нна. желѣзноктенна. чрым(ножа. в'се-)

1. ὁ εἶπον γενέσθαι· καὶ οὕτως ὅλον τὸν χρόνον ἡ-  
μῶν, ὠκῆσαμεν μετ' εἰρήνης.  
Στοιχεῖον σ Περὶ τοῦ ἀββᾶ Σισόη  
Διηγῆσατο ἡμῖν ὁ ἀββᾶς Ἀπολῶς ὁ μαθητὴς τοῦ ἀββᾶ Σισό-
5. η· ὅτι ἐν ἀρχῇ ὅτε εἰσῆλθον πρὸς τὸν ἀββᾶν Σισό-  
ην, ἐποίησα τρία ἔτη πολεμούμενος ὑπὸ τῶν παθῶν καὶ μὴ  
ἐξαγγέλλων τῷ γέροντι· ἐξαιρέτως δὲ ὀχλούμενος  
ὑπὸ τοῦ ψεύδους καὶ τῆς καταλαλιᾶς καὶ τῆς κενοδο-  
ξίας· ὁ δὲ γέρων οὐκ ἐπαύετο νουθετῶν με.
10. ἦν δὲ ὁ πολὺς μου πόλεμος, περὶ ἱεροσύνης. καὶ ἐ-  
δείκνυν μοι ὄνειρα ὥς ὅτι ἐχειροτονοῦ-  
μην ἐπίσκοπος· ὁ δὲ ἀββᾶς Σισόης, οὐκ  
ἐπαύετο νουθετῶν με καὶ ἐπιπλήττων με, ὥς-  
τε με ἐκ τῆς πολλῆς ἐνοχλήσεως καὶ νουθεσίας τοῦ γέρον-
15. τος, ἀποδρᾶσαι ἀπ' αὐτοῦ καὶ ἀπιέναι εἰς Ἀλεξάν-  
δρειαν, πρὸς τοὺς κατὰ σάρκα σύγγε-  
νεῖς μου ὅπως χειροτονηθῶ καὶ γένωμαι πρεσβύτερος ἐν  
τῷ ναῷ τῆς ἀγίας θεοτόκου. καὶ ἐν τῷ ἀπιέναι με ἐν τῇ ὁδῷ,  
θεωρῶ ἄνδρα μακρὸν μὲν τῇ ἡλικίᾳ. γυμ-
20. νὸς δὲ ἦν, ὅλος μέλας τῇ εἰδέᾳ· σαπρὸς τῇ θεω-  
ρίᾳ, ἰσχυροκέφαλος, λεπτόπους, ἀ-  
σύνθετος, ἀγόνατος, κακοστοίβα-  
στος, ὅλος

In M l'inizio di 404 (ultime 7 righe del f. 165v) è praticamente illeggibile. Manca poi un foglio e il testo riprende (f. 166r, l di M: τοῦσι τοὺς τῶν πατέρων βίους, cf. 142v, 13 Pe) alla fine di 408. Pertanto dall'inizio di 404 al punto sopra indicato di 408 il testo greco si basa su Pa. Poiché quest'ultimo omette il corrispondente di 406, per esso il testo è dato secondo G.

1. зѣтринню ѿбвиѣ имѣе. бѣше же, женомѣ-
2. жь. лицемъ чрьнь. дѣбелооустнать. съ-
3. сѣ имѣе жен'скы. велемоуѣ. тѣло имѣ-
4. ѣ тако ѡслиѣ. бѣше же ѡбращае се къ мнѣ
5. и потресае свой срамоть. и показде ми
6. заднѣа тако тѣло жен'ско. азъ же видѣвъ ѣ-
7. го и зѣло оубоѣв' се, знаменоваѣ себе. ѡ-
8. н' же пристоупивъ къ мнѣ, обьѣмъ цѣ-
9. ливааше ме често глѣ. что знаменова-
10. еши се и бѣжиши ѿ мене, вѣдѣ мои ѣси;
11. и възлюблен ми ѣси. понеже твориши хо-
12. тѣниѣа моѣ. сего ради и азъ приидѣ ити
13. с тобою, дондеже скончаю всѣ желаниѣа
14. твоѣ. сего ради и женомоужь ѣсмь. и
15. прѣѣѣа оубѣ, даваю льжѣмъ и клетво-
16. прѣстоупникомъ. заднѣа же, тыцѣсла-
17. внымъ и грѣѣливымъ. азъ же смрада
18. его не възмогъ трѣпѣти, очи на небо
19. (в)зѣдѣвъ, велми възѡупи глѣ. бѣ, моли-
20. (тв)ѣми старца моего Сисѣѣа, помози
21. (ми, и) изми ме ѿ бѣды сѣѣ. и ѡсѣлѣ оуцѣ-
22. (ломоуѣр)оу се. и к томоу не идоу въ мирѣ.
23. (и дѣѣ бѣ ) тако жена зѣло красна и блѣгозра-



1. συναγρώδης· ὑπῆρχε δὲ ἀνδρόθηλος·  
ἀσβολόχρυος· παχύχειλος·  
μεγάλορχις, σῶμα ἔ-  
χων ὥσπερ ὄνου· ἦν δὲ
5. ἐπισείων μοι τῶν αὐτοῦ αἰδοίων· καὶ δεικνύων  
μοι τὰ ὀπίσθια ὡς σῶμα γυναικός· ἐγὼ δὲ θεασάμενος αὐ-  
τὸν καὶ σφόδρα φοβηθείς, κατεσφράγισα ἑμαυτόν· αὐ-  
τὸς δὲ προσεγγίσας μοι περιπλακείῃ κατε-  
φίλει με πυκνῶς λέγων· τί κατασφρα-
10. γίζῃ καὶ ἀποφεύγεις με; πάντως ἐμὸς εἶ·  
καὶ φίλος μου ὑπάρχεις ποιῶν τὰ θε-  
λήματά μου· διὰ τοῦτο καὶ γὰρ ἦλθον συνοιδοπορή-  
σαί σοι, ἕως οὔ πληρώσω καὶ ποιήσω τὰ θελήματά  
σου· διὰ τοῦτο καὶ ἀνδρόθηλός εἰμι· τὰ
15. μὲν ἔμπροσθέν μου, κιχρῶ τοῖς ψεύ-  
σταις καὶ ἐπιόρκοις καὶ καταλάλοις· τὰ δὲ ὀπίσθε, τοῖς κε-  
νοδόξοις καὶ ὑπερηφάνοις· ἐγὼ δὲ μὴ ὑποφέρων τὴν αὐτοῦ  
δυσωδίαν, ἄρας τὸ ὄμμα μου εἰς τοὺς οὐρανοὺς,  
ἔκραξα λέγων· ὁ θεὸς διὰ τῶν εὐ-
20. χῶν τοῦ ἀββᾶ μου Σισόη,  
λύτρωσαί με ἀπὸ τῆς ἀνάγκης ταύτης· καὶ ἀπὸ τοῦ νῦν, σω-  
φρονῶ καὶ οὐκέτι ὑπάγω εἰς τὸν κόσμον·  
καὶ εὐθέως γέγονεν ὥσπερ γυνὴ πάνυ ὡραία καὶ εὖει-

1. чма. и обнаживши себѣ гла мѣ. прими
2. желаниѣ свое и насыти се, понеже многу
3. покая ме еси. азъ же оуже плетьцѣ есмь.
4. елико ты даши изгребѣ, толико и азъ плетѣ
5. оу. нь понеже мѣтвы Сисѣа лакомаго
6. сѣдинавца ѿганаютъ ме ѿ тебе, избивае-
7. ши ми се оуже. нь азъ имѣх те херотониса-
8. ти, и попа и епѣпа. и си рекъ, невидимъ бѣ.
9. азъ же страхомъ великомъ ѿбѣтъ бывъ. възра-
10. тих се къ старѣцѣ. и припадъ къ ногамъ е-
11. го, повѣдѣхъ немѣ и брати, вса сълѣчивша-
12. ѣ ми се. и сѣтворивъ ми старѣцѣ мѣтвы,
13. сѣдѣхъ прочее с нимъ. к томоу не смѣю-
14. щѣ ми скрыти ѿ него помыслъ. или безъ
15. хотѣнѣа его сѣтворити что .
16. Пришѣшоу иногда авва Сисѣю въ затворъ, при-
17. иде къ немѣ мирѣанинъ хѣте видѣти его.
18. и много глѣвшихъ имъ, не ѿвѣща имъ
19. слово. послѣдъ же единъ ѿ нихъ рече. что стѣ(оу-)
20. жаете старѣцѣ. не гасѣ, сего ради ни глѣти)
21. можеть. и ѿвѣща старѣцѣ. мнѣ е(ѣа по-)
22. трѣба е(ѣ гасѣ. гамъ. и егда потрѣба ( е(ѣ глѣю .)
23. Сѣдѣше иногда авва Сисѣи въ кѣлїи своѣи.)

142R

405

406

1. δῆς, καὶ γυμνώσασα ἑαυτήν, λέγει μοι· ἀπόλαυσον  
τῶν ἐπιθυμιῶν σου ἐπειδὴ πολλά  
με ἀνέπαυσας· καὶ ἐγὼ σχοινοπλόκος εἰμί·  
ὅσον σὺ παρέχεις τὰ λώματα, τοσοῦτον ἐγὼ πλέ-
5. κω. ἀλλ' ἐπειδὴ αἱ εὐχαὶ τοῦ φαγο-  
πολίου Σισόη ἀπελαύνουσί με ἀπὸ σοῦ, ἐξήλα-  
σάς με λοιπόν· ἐπεὶ ἐγὼ σε εἶχον χειροτονή-  
σαι καὶ ἐπίσκοπον καὶ πρεσβύτερον· καὶ ταῦτα εἰπούσα, γέγονε  
ἄφαντος. ἐγὼ δὲ φόβῳ μεγάλῳ συσχεθεῖς, δρομαῖος ἀνέ-
10. καμψα πρὸς τὸν γέροντα· καὶ προσπεσὼν τοῖς ποσὶν αὐ-  
τοῦ, διηγησάμην αὐτῷ τε καὶ τοῖς ἀδελφοῖς πάντα τὰ συμβάν-  
τα μοι· καὶ ποιήσας μοι εὐχὴν ὁ γέρων,  
ἐκαθέσθην τὸ λοιπὸν μετ' αὐτοῦ· μηκέτι τολμή-  
σας λογισμὸν μου ἀποκρίψαι ἀπ' αὐτοῦ, ἢ χω-
15. ρὶς τῆς βουλῆς αὐτοῦ τι ποιῆσαι.  
Ἐλθόντος ποτὲ τοῦ ἄββᾶ Σισόη εἰς τὸ κλῦσμα, παρέβα-  
λον αὐτῷ κοσμικοὶ ἰδεῖν αὐτόν.  
καὶ πολλὰ λαλησάντων αὐτῶν, οὐκ ἀπεκρίθη αὐτοῖς  
λόγον. ὕστερον δὲ εἰς ἑξ αὐτῶν εἶπε, τί θλί-
20. βετε τὸν γέροντα; οὐκ ἐσθίει· διὰ τοῦτο οὐδὲ λαλεῖν  
δύναται· καὶ ἀπεκρίθη ὁ γέρων· ἐγὼ ὅταν γένηταί μοι χρει-  
α, ἐσθίω. καὶ ὅταν ἐστὶ χρεία, λαλῶ.  
Ἐκάθητό ποτε ὁ ἄββᾶς Σισόης ἐν τῷ κελλίῳ αὐτοῦ·

17. Il sg. dello slavo ("un laico...") si contrappone al plur. del greco.

1. и тѣкнѹвшѹ оученикоу его, възѣпи  
2. стар'ць гл҃іе. бѣжи Аврааме не выниди ни-  
3. нѣ, понеже нѣ ми лѣѣ. Авва Сисѡи мно- 407  
4. го молень бывъ братомъ рещи ѿмоу сло-  
5. во. и рѣ. сѣди въ келии своѣи съ трѣзвѣніѣ  
6. и прѣложи себе боу съ многими слъзѣми.  
7. и ср҃цемъ съкроушенѣмъ. и починѣши ·  
8. Рѣ пакы. сс҃ѹ нѣщїи лѣностию дн҃ии своѣи 408  
9. проваждающе. и словомъ оубѡ ищѹ  
10. сп҃сти се, дѣломъ же не начинаютъ, нѣ  
11. житиѣ оубѡ ѡч҃ьската прочитають.  
12. смѣренїю же ихъ и нищетѣ и прочиимъ  
13. дѣломъ, не побѣт' се. нѣ лъжна творет'  
14. ѡч҃ьската житиѣ своѣю грѣдынію гл҃ю-  
15. ще невъзможно ѿ комоу сицеваа трѣ-  
16. пѣти. не съмышляюще. ꙗко идеже  
17. бѣ вселит' се бл҃г҃тию ст҃го кр҃щенїѣ.  
18. и дѣланиемъ бж҃твѣнѣи заповѣдей, па-  
19. че іѣства вещи и дарове бывають ·  
20. (Братъ) выпроси авва Сисѡи ѡ житїи иночѣ- 409  
21. (скѡ)мъ. и гл҃а емоу. рѣ пр҃ркъ Даниїиль.  
22. (ꙗко х)лѣбъ въжделѣнїи, не ꙗдохъ ·  
23. (Братъ выпрос)и авва Сисѡи гл҃іе. аще ходѣиѣ 410

142V

1. καὶ κρούσαντος τοῦ μαθητοῦ αὐτοῦ, ἔκραξεν  
ὁ γέρων, λέγων· Φύγε, Ἀβραάμ, μὴ εἰσέλθῃς, ἄρ-  
τι οὐ σχολάζει τὰ ὧδε. Ὁ ἀββᾶς Σισόης πολ-  
λὰ παρακληθεὶς ὑπὸ ἀδελφοῦ λαλή-  
σαι, εἶπε· κάθου εἰς τὸ κελλίον σου μετὰ νήψεως.  
καὶ παράθου ἑαυτὸν τῷ θεῷ μετὰ πολλῶν δακρύων  
καὶ καρδίας συντετριμμένης, καὶ ἀναπαύῃ.  
Εἶπε πάλιν· εἰσὶ τινες ἐν ἀμελείᾳ τὰς ἑαυτῶν ἡμέρας  
δαπανῶντες. καὶ λόγῳ μὲν ζητοῦντες  
10. σωθῆναι· ἔργῳ δέ, οὐκ ἐπιτηδεύουσι· ἀλλὰ  
τοὺς μὲν βίους τῶν πατέρων ἀναγινώσκουσι·  
τὴν δὲ ταπείνωσιν αὐτῶν καὶ ἀκτημοσύνην καὶ τὰ λοιπὰ  
αὐτῶν ἔργα, οὐ μιμοῦνται· ἀλλὰ ψευδοποιοῦσι  
τοὺς τῶν πατέρων βίους τῇ ἑαυτῶν οἰήσει·  
15. ἀδύνατοι γεγονότες τὰ τοιαῦτα ὑπομεί-  
ναι· μὴ λογιζόμενοι, ὅτι ὅπου  
ὁ θεὸς κατοικεῖ διὰ τῆς τοῦ θείου βαπτίσματος  
χάριτος καὶ τῆς τῶν ἐντολῶν ἐργασίας, ὑπὲρ  
φύσιν τὰ πράγματα καὶ τὰ χαρίσματα γίνεται.  
20. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σισόην περὶ πολιτείας·  
καὶ εἶπεν αὐτῷ· εἶπε Δανιήλ,  
ὅτι ἄρτον ἐπιθυμιῶν οὐκ ἔφαγον.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σισόην λέγων· ἐὰν περιπατῶμεν

2. G riporta in nota la variante Φεῦγε.

14-16. Allo sl. γλίωψε ... τρυπῆτι corrisponde il testo offerto da Pa: (dopo οἰήσει·)  
ἀδύνατον λέγοντές τινα τοιαῦτα ὑπομεῖναι·

1. на́мь ꙗ́къмь и ꙗ́блѣдѣ ꙗ́ставленіи
2. на́, ꙗ́блетъ ли рещи ѿмоу. ꙗ́а ѿмоу ста-
3. рѣць. ни. ꙗ́а ѿмоу брѣ. нь что. оставим ли
4. ѿго ꙗ́блоудити на́. ꙗ́а старць. что оуже.
5. възети ли хощеши палицоу и бити ѿго;
6. азъ видѣхъ братію ꙗ́ко ꙗ́блоудише въ по-
7. ци, бѣхоу же вѣ. и вѣси вѣдѣхоу ꙗ́ко ꙗ́блѣ-
8. дише. и ꙗ́моуди се къжо ихъ не рещи.
9. дню́ же бывъшоу. видѣвъ ꙗ́ставленіе ѿ,
10. {ꙗ́ко ꙗ́ставленіе ихъ} ꙗ́ко ꙗ́блѣдише ѿ
11. ꙗ́ти. ꙗ́а имь. ꙗ́стите ме ꙗ́ко ꙗ́блѣ-
12. дихомъ. и рѣше ѿмоу. и мы вѣдѣхомъ,
13. нь оумьлькохомъ. ѿнъ же слышавъ оуди-
14. ви се ꙗ́іе. до смьрти дръжетъ се братіа
15. не ꙗ́ати. и велми ꙗ́зевав се, ꙗ́сла-
16. ви ба. дльжина же ꙗ́ти ѿже ꙗ́блоуди-
17. ше, бѣхоу ꙗ́пришь дванадесеть .
18. ꙗ́ахоу ѿ двѣа Сисѿи. ꙗ́ко живыше въ Кала-
19. мѿнѣ Арсѿоитовѣ дроу́гы же старѣць
20. болыше въ дроу́гои лаврѣ. и ꙗ́коже сл(ыша)
21. оскрѣби се. ꙗ́неже ꙗ́стѣше се ꙗ́(ва дѣи.)
22. и бѣше дѣнь вънъ же не ꙗ́дѣше. егда (ѿслыша.)
23. и ꙗ́а ꙗ́мыслѣмъ. что сътвори(ш. аще идоу;)

143R

411

1. ἐν τῇ ὁδῷ, καὶ πλανηθῇ ὁ ὁδηγῶν  
 ἡμᾶς, χρὴ εἰπεῖν αὐτῷ; λέγει αὐτῷ ὁ γέ-  
 ρων· οὐχί· λέγει ὁ ἀδελφός· ἀλλὰ ἀφῶμεν  
 πλανῆσαι ἡμᾶς; λέγει ὁ γέρων· τί οὖν;
5. λαβεῖν ἔχεις ῥάβδον δεῖραι αὐτόν;  
 ἐγὼ οἶδα ἀδελφοὺς ὅτι ἐπλανήθησαν τὴν νύκ-  
 τα. ἦσαν δὲ δώδεκα, καὶ πάντες ἤδεισαν ὅτι ἐπλανώ-  
 το. καὶ ἠγωνίσαντο ἕκαστος τοῦ μὴ εἰπεῖν·  
 ἡμέρας δὲ γενομένης, ἰδὼν ὁ ὁδηγῶν αὐτοὺς
10. ὅτι ἐπλανήθησαν τὴν  
 ὁδόν, λέγει αὐτοῖς· συγχωρήσατέ μοι ὅτι ἐπλα-  
 νήθημεν· καὶ εἶπαν αὐτῷ· καὶ ἡμεῖς ἤδαμεν,  
 ἀλλ' ἐσιωπήσαμεν· ὁ δὲ ἀκούσας ἐθαύμα-  
 σε λέγων· ὅτι ἕως θανάτου ἐγκρατεῦνται οἱ ἀδελφοὶ
15. τοῦ μὴ λαλεῖν· καὶ ὠφελῆθεις μεγάλως, ἐδόξα-  
 σε τὸν θεόν· τὸ δὲ μῆκος τῆς ὁδοῦ ἧς ἐπλανήθη-  
 σαν. ἦν μίλια δώδεκα.  
 Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Σισόη ὅτι ἔμενεν εἰς τὸν Καλα-  
 μῶνα τοῦ Ἀρσενοΐτου· καὶ ἄλλος γέρων
20. ἡσθένει εἰς τὴν ἄλλην λαύραν· καὶ ὥς ἤκουσεν  
 ἐθλίβη· ἐπειδὴ δύο δύο ἐνήστευε  
 καὶ ἦν ἡ ἡμέρα ἐν ἣ οὐκ ἡσθιεν ὅτε ἤκουσεν·  
 καὶ λέγει τῷ λογισμῷ τί ποιήσω; ἐὰν ἀπέλθω,

12. G ἡδαιμεν, id. Pa (grafia εἶδημεν).

23. Al pl. slavo “ai pensieri” risponde il sg. greco “al pensiero”.

1. еда како поноудити ме имоу<sup>ѿ</sup> братиа ѣсти.
2. аще ли прѣбоудоу до оутрѣи, еда како оумрѣ<sup>ѿ</sup>.
3. нь идоу и не ѣмь. и тако иде гладьнь. и за-
4. повѣдь бѣию съвршивь, и по<sup>ѿ</sup> съхранивь ·
5. Повѣда нѣкто ѿ ѿць, о авва Сисми калам<sup>ѿ</sup>-
6. н'скимь. ѣко хощоу иногда побѣди-
7. ти сынъ, повѣси себе низ' стрѣмниноу ка-
8. ментъ. и пришь аггль ѿвеза его. и порѣ-
9. чи немоу, к томоу не сътворити се. ниже
10. друзѣмь прѣдати прѣдание се ·
11. Гл҃ахоу о авва Сисми ѿивейскимь. ѣко
12. не ѣдѣше хлѣбъ. на прѣзѣник же сѣиѣ Па-
13. схы. сътворише немоу братиа метаніе
14. ѣсти с ними. и ѿвѣщаь рѣ<sup>ѿ</sup>. ѣдино има-
15. мь сътворити. или хлѣбоу причестити
16. се имамь, или ѿ брашьнь ихже сътвори-
17. сте. они же рѣше. хлѣбъ тѣчию ѣждь ·
18. Выпроси иногда нѣкто авва Сисмиа гл҃іе.
19. аще съдѣ въ поустыни, и приидѣ варварь
20. (оу)бити ме хѡте. аще възмогоу, оубию
21. (ли ѣ)го. и рѣ<sup>ѿ</sup> стар'ць. ни. нь прѣдажѣ себе
22. (боу) каковолюбо искоушение приидет'
23. (чл҃вкоу да ) гл҃еть. ѣко грѣхъ ради мой слѣ-

143V

412

413

414



1. μήπως ἀναγκάσωσί με οἱ ἀδελφοὶ φαγεῖν·  
καὶ ἐὰν παραμείνω εἰς τὴν αὔριον, μήποτε τελευτήσῃ·  
ἀλλ' ὑπάγω καὶ οὐκ ἐσθίω· καὶ οὕτως ἀπῆλθεν νῆστις· καὶ  
τὴν ἐντολὴν τοῦ θεοῦ πληρώσας, καὶ τὴν νηστείαν φυλάξας.
5. Διηγήσατό τις τῶν πατέρων περὶ τοῦ ἀββᾶ Σισόη τοῦ Καλαμῶ-  
νος· ὅτι θέλων ποτὲ νικῆσαι τὸν  
ὑπνον ἐκρέμασεν ἑαυτὸν ἀπὸ τοῦ κρημιοῦ τῆς πέ-  
τρας· καὶ ἐλθὼν ἄγγελος ἔλυσεν αὐτόν· καὶ παρήγγει-  
λεν αὐτῷ μηκέτι τοῦτο ποιῆσαι, μήτε
10. ἄλλοις παραδοῦναι τὴν τοιαύτην παράδοσιν.  
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Σισόη τοῦ Θηβαίου, ὅτι  
οὐκ ἤσθιεν ἄρτον· καὶ εἰς τὴν ἐορτὴν τοῦ Πά-  
σχα, ἔβαλον αὐτῷ οἱ ἀδελφοὶ μετάνοιαν  
ἵνα φάγῃ μετ' αὐτῶν· καὶ ἀποκριθεὶς εἶπεν· ἐν ἔχῳ
15. ποιῆσαι· ἢ ἄρτου ἔχω μεταλα-  
βεῖν, ἢ ἐκ τῶν βρωμάτων ὧν ἐποίησα-  
τε· οἱ δὲ εἶπον· ἄρτον μόνον φάγε·  
ὁ δὲ ἐποίησεν οὕτως. Ἠρώτησέ ποτέ τις τὸν ἀββᾶν Σισόην  
λέγων· ἐὰν κάθημαι ἐν τῇ ἐρήμῳ καὶ ἔλθῃ βάρβαρος
20. φονεῦσαί με θέλων, καὶ δυνηθῶ, φονεύσω  
αὐτόν; καὶ εἶπεν ὁ γέρων· οὐχί· ἀλλὰ παράδος <σ>αυτὸν  
τῷ θεῷ· οἷος γὰρ πειρασμὸς ἔλθῃ  
ἀνθρώπῳ, λεγέτω· ὅτι διὰ τὰς ἁμαρτίας μου τοῦτο συ-

17. Il testo greco (M Pa G) si conclude così: φάγε· ὁ δὲ ἐποίησεν οὕτως.

21. Nessuno dei testimoni ha la forma più corretta col pn. rifl. di 2ª p. sg.

1. чи ми се се. аще ли же бл̄го, по оустроению
2. бж̄иоу ѿ̄ · Выпросише нѣции авва Сисома
3. гл̄ше. аще паднеть бр̄а, не побдет ли пока-
4. тати се лѣто едно: ѿнѣ же р̄е. жестоко ѿ̄ сло-
5. во. они же р̄ше. нѣ ѿ̄ м̄цѣ. и пакы рече.
6. много ѿ̄. они же р̄ше. до м̄ д̄н̄и. и пакы
7. р̄е. много ѿ̄. р̄ше немощ. что оуже. аще па-
8. деть бр̄а и ѿбрещет се любовь творима,
9. вьнидетѣ ли и тѣ на любовь. гл̄а имѣ старѣцѣ.
10. ни. нѣ длѣжьнѣ ѿ̄ поклати се мало д̄н̄и.
11. вѣроу оубѣ бѣ. тако аще вѣсено д̄шею пока-
12. етѣ се чл̄кѣ вѣ г̄ д̄ни, приемлеть его бѣ ·
13. Выпроси авва Іосифъ авва Сисома гл̄е. за к̄-
14. лико вѣрѣе может чл̄кѣ ѿсѣщи ст̄р̄ти.
15. гл̄а немощ старѣцѣ. лѣта ли хощеши оувѣдѣ-
16. ти; гл̄а авва Іосифъ. еи. гл̄а немощ ста-
17. рѣцѣ. вьнже ч̄а приидеть ст̄р̄ть, ѿсѣщи ю ·
18. Бр̄а рече авва Сисома. что сътворишю авва, та-
19. ко падохъ. гл̄а немощ старѣцѣ, вьстани. гл̄а
20. немощ братъ. вьст̄а, и пакы падохъ. г(л̄а)
21. немощ старѣцѣ. вьстани пакы. и пак(ы. р̄е)
22. немощ бр̄а, доколѣ гл̄а немощ старѣцѣ. (донѣде-)
23. же коньцѣ постигнетѣ те. или вѣ (бл̄гымѣ)

144R

415

416

417

1. νέβη· ἐὰν δὲ ἀγαθόν, οἰκονομία  
θεοῦ. Ἠρώτησάν τινες τὸν ἀββᾶν Σισόην  
λέγοντες· ἐὰν πέση ἀδελφός, οὐ χρεῖαν ἔχει μετα-  
νοῆσαι ἐν αὐτόν; ὁ δὲ εἶπεν· σκληρόν ἐστι τὸ ῥή-  
μα· οἱ δὲ φασιν, ἀλλ' ἔξ μηνῶν; καὶ πάλιν εἶπεν·  
πολύ ἐστίν· οἱ δὲ φασιν, καὶ ἕως τεσσαράκοντα ἡμέρας; πάλιν  
ἔφη, πολύ ἐστίν· λέγουσιν αὐτῷ· τί οὖν ἐὰν πέ-  
ση ἀδελφός καὶ εὗρεθῇ εὐθέως ἀγάπη γινομένη;  
εἰσέλθῃ καὶ αὐτὸς εἰς τὴν ἀγάπην; λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων·  
οὐχί· ἀλλὰ χρεῖαν ἔχει μετανοῆσαι ἡμέρας ὀλίγας·  
πιστεύω γὰρ τῷ θεῷ ὅτι ἐὰν ὀλοψύχως μετανο-  
ήσῃ ἄνθρωπος, καὶ εἰς τρεῖς ἡμέρας δέχεται αὐτὸν ὁ θεός.  
Ἠρώτησεν ὁ ἀββᾶς Ἰωσήφ τὸν ἀββᾶν Σισόην λέγων· διὰ πό-  
σων χρόνων ὀφείλει ἄνθρωπος ἐκκόπτειν τὰ πάθη;  
15. λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· τοὺς χρόνους θέλεις μαθεῖν;  
λέγει ὁ ἀββᾶς Ἰωσήφ· ναί· λέγει αὐτῷ ὁ γέ-  
ρων· οἷαν ὥραν ἔλθῃ τὸ πάθος κόψον αὐτό.  
Ἀδελφός εἶπε τῷ ἀββᾶ Σισόῃ· τί ποιήσω ἀββᾶ ὅ-  
τι πέπτωκα; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· καὶ ἀνάστα· λέγει  
20. αὐτῷ ὁ ἀδελφός· ἀνέστην καὶ πάλιν πέπτωκα· λέγει  
αὐτῷ ὁ γέρων· ἀνάστα πάλιν καὶ πάλιν· λέγει  
αὐτῷ ὁ ἀδελφός· ἕως πότε; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ἕως ἂν  
καταληφθῇς εἴτε ἐν τῷ ἀγαθῷ

7. Pa εἶπε

9. Pa εἰσέλθοι

- |     |                                               |     |      |
|-----|-----------------------------------------------|-----|------|
| 1.  | или въ лоукавымъ. Изыде иногда авва           | 418 | 144V |
| 2.  | Сисми из горы стго Антониа, въ гороу въ-      |     |      |
| 3.  | нѣшнюю Фиваид'скоую, и всели се тамо.         |     |      |
| 4.  | прѣбывахоу же тамо мелетiane въ Каламо-       |     |      |
| 5.  | нѣ Арсенонитовъ. нѣции же слышавше тако       |     |      |
| 6.  | изышьль іѣ, жєладоху видѣти єго. глдоху       |     |      |
| 7.  | жє. что сѣтворимъ, понеже соу въ горѣ ме-     |     |      |
| 8.  | летианє. вѣмы бѣ тако старць не врѣди-        |     |      |
| 9.  | т се ѿ нихъ. мы же хѣташе видѣти ста-         |     |      |
| 10. | рца, выпадемъ въ напастъ. и понеже да         |     |      |
| 11. | не срецоутъ єрети҃га, не идоше видѣти є(҃гъ ) |     |      |
| 12. | Рѣ авва Сисми оученикоу своемуу. р'ци         | 419 |      |
| 13. | ми что видиши на мнѣ, и азъ рекоу ти чѣ       |     |      |
| 14. | виѣхоу на тебѣ. глѣ ємоу оученикѣ єго         |     |      |
| 15. | ты добръ єси оумомъ, жестокъ же мало          |     |      |
| 16. | глѣ ємоу стар'ць. ты добръ єси, нѣ слабъ      |     |      |
| 17. | ѣмомъ . Глѣше нѣкто ѿ стар'ць. тако           | 420 |      |
| 18. | молихъ авва Сисмиа рещи ми слово. и ѿ-        |     |      |
| 19. | вѣщавъ рѣ ми. тако елика можетъ члѣкъ         |     |      |
| 20. | (б)ѣжати и не сѣблюдаєть, сѣгрѣшѣ, по-        |     |      |
| 21. | (тр)ѣбы творить . Брѣѣ выпроси авва Сисми-    | 421 |      |
| 22. | (на глѣ)є. что сѣтворишъ. како сѣсоу се. како |     |      |
| 23. | (оу҃го)ѣхоу бѣ. и рѣ ємоу старць. аше хѣ-     |     |      |

1. εἴτε ἐν τῷ πτώματι. Ἐξῆλθέ ποτε ὁ ἀββᾶς  
Σισόης ἐκ τοῦ ὄρους τοῦ ἀββᾶ Ἀντωνίου εἰς τὸ ὄρος τὸ ἐ-  
ξώτερον τῆς Θηβαίδος καὶ ὤκησεν ἐκεῖ·  
ἦσαν δὲ ἐκεῖ μελετιανοὶ οἰκοῦντες ἐν τῷ Καλαμῶ-  
5. νι τοῦ Ἀρσενοΐτου· τινὲς δὲ ἀκούσαντες ὅτι  
ἐξῆλθεν, ἐπεθύμησαν αὐτὸν θεάσασθαι· ἔλεγον  
δέ· τί ποιήσομεν ὅτι εἰσὶν εἰς τὸ ὄρος με-  
λετιανοί; οἶδαμεν δὲ ὅτι ὁ γέρων οὐ βλάπτε-  
ται ἐξ αὐτῶν· ἡμεῖς δὲ μήποτε θέλοντες συντυχεῖν τῷ γέ-  
10. ροντι ἐμπέσωμεν εἰς πειρασμόν· καὶ ἔνεκεν τοῦ  
μὴ συναντῆσαι τοῖς αἰρετικοῖς, οὐκ ἀπῆλθον ἰδεῖν τὸν γέροντα.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Σισόης τῷ μαθητῇ αὐτοῦ· εἰπέ  
μοι τί βλέπεις εἰς ἐμέ, καὶ γὰρ σοι λέγω τί  
βλέπω εἰς σέ· λέγει αὐτῷ ὁ μαθητῆς αὐτοῦ·  
15. σὺ καλὸς τῷ νῷ, καὶ σκληρὸς μικρόν·  
λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· σὺ καλὸς εἶ, ἀλλὰ χαῖνος  
τῷ νῷ. Ἐλεγέ τις τῶν γερόντων· ὅτι  
ἠρώτησα τὸν ἀββᾶν Σισόην εἰπεῖν μοι λόγον, καὶ ἀπο-  
κριθεὶς εἶπέν μοι, ὅτι ὅσα ἂν δύναται ἄνθρωπος  
20. φεύγειν καὶ μὴ φυλάσσει, ἀμαρτάνων τὴν χρει-  
αν ποιεῖ. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σισό-  
ην λέγων· τί ποιήσω; πῶς σωθῶ; πῶς  
εὐαρεστήσω τῷ θεῷ; καὶ εἶπεν αὐτῷ ὁ γέρων· εἰ βού-

1. шеши ѿгодити бѣу, изстѣпи мира. ѿстѣ-
2. пи ѿ земли. остави тварь, и къ творцѣ прѣ-
3. иди и мѣтвоею и плачемъ, съвѣхъпи себе
4. бѣу. и обрещеши въ семь вѣцѣхъ и въ бѣдѣхъ-
5. цѣимъ покои · Гл҃ахъ о дв҃а Сис҃ви. ꙗко 422
6. аще ѿбрътааше се въ събѣрѣ братїи. ꙗ-
7. коже ѿпоушдаше цр҃квь, бѣжаше въ кели-
8. ю свою. и гл҃аху ꙗко бѣсѣ имать. ѿнѣ же
9. дѣло бж҃иѣ творѣше · Триѣ старци идо- 423
10. ше къ дв҃а Сис҃ви слышаше ѿ немѣ. и гл҃а
11. немѣ прѣвыи. ѿчѣ, како могоу сп҃сти се
12. ѿ рѣкъ ѿгнѣныи. ѿнѣ же не ѿвѣща емоу.
13. гл҃а немѣ вторыи. ѿчѣ, како могоу сп҃сти
14. се ѿ скрежета зѡбѣнаго, и чр҃виѣа не оусы-
15. пающаго. гл҃а емоу третии. ѿчѣ, что
16. сътворю ꙗко въспоминанїе кромѣшны-
17. е тмы, погоубѣдет ме. ѿвѣщав же ста-
18. рѣцѣ рѣ имѣ. азъ ни ꙗдино ѿ сѣ въспоми-
19. наю. чл҃колюбивѣ сынѣ бж҃е, оуп҃ваю ꙗко
20. сътворити имать съ мною мѣтъ. ( слы-
21. шавше же слово се старци, отидош(е скръ-)
22. бешѣ. не хѡте же старѣцѣ остави(ти ѿ)
23. скръбию отити, възвративѣ и(хъ рѣ имѣ.)

1. λη εὐαρεστήσαι τῷ θεῷ, ἔκστηθι κόσμου· ἀπό-  
στηθι τῆς γῆς· ἄφες τὴν κτίσιν, καὶ πρὸς τὸν κτίστην μετά-  
βηθι· καὶ διὰ προσευχῆς καὶ πένθους σύναψον σεαυτὸν  
τῷ θεῷ· καὶ εὐρήσεις καὶ ἐν τῷ νῦν αἰῶνι καὶ ἐν τῷ μέλ-  
5. λοντι ἀνάπαυσιν. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Σισόη· ὅτι  
εἰ εὐρεθῇ εἰς σύναξιν ἀδελφῶν, ὥς  
ἀπέλυεν ἡ ἐκκλησία, ἔφευγεν εἰς τὸ κελλι-  
ον αὐτοῦ· καὶ ἔλεγον δαίμονα ἔχει· αὐτὸς δὲ  
τὸ ἔργον τοῦ θεοῦ ἐποίει. Τρεῖς γέροντες παρέ-  
10. βαλον τῷ ἀββᾶ Σισόη ἀκούοντες τὰ περὶ αὐτοῦ· καὶ λέγει  
αὐτῷ ὁ πρῶτος· πάτερ· πῶς δύναμαι σωθῆναι  
ἀπὸ τοῦ πυρίνου ποταμοῦ· ὁ δὲ οὐκ ἀπεκρίθη αὐ-  
τῷ· λέγει αὐτῷ ὁ δεύτερος· πάτερ, πῶς δύναμαι σωθῆναι  
ἀπὸ τοῦ βρυγμοῦ τῶν ὀδόντων καὶ ἐκ τοῦ σκώληκος τοῦ ἀκοι-  
15. μήτου; λέγει αὐτῷ ὁ τρίτος· πάτερ, τί  
ποιήσω ὅτι ἡ μνήμη τοῦ ἐξωτέρου  
σκοτόους φονεύει με; ἀποκριθεὶς δὲ ὁ γέ-  
ρων εἶπεν αὐτοῖς· ἐγὼ οὐδενὸς τούτων μέμνη-  
μαι· φιλεύσπλαγχνος γὰρ ὢν ὁ θεὸς ἐλπίζω ὅτι  
20. ποιεῖ μετ' ἐμοῦ ἔλεος· ἀκού-  
σαντες δὲ τὸν λόγον τοῦτον οἱ γέροντες, ἀπῆλθον λυ-  
πούμενοι· μὴ θέλων δὲ ὁ γέρων ἐᾶσαι αὐτοὺς  
λυπουμενούς ἀπελθεῖν, ἐπιστρέψας αὐτοὺς εἶπεν·

1. бл̑жени есте братие. позадвидѣхъ ѱбѡ вѧ̑
2. аще таковаѧ възпоминаниѧ обладаѣ̑
3. оумъ вашъ, невъзможно ꙗ̑ вамъ сьгрѣши-
4. ти. что же сътвориоу азъ жестоко срьдѣцъ(?)
5. не оставляемъ понѣ оувѣдѣти ꙗко ꙗ̑ м(ѱ-)
6. ка чл̑комъ. и сего ради, на всакъ чѧ̑ сьгрѣ-
7. шаю. и показавше се къ нѣмоу рѣше.
8. ꙗкоже слышахомъ, тако и видѣхомъ ·
9. Брѧ̑ въпроси авва Сисѡѧ ѳивейскаго **424**
10. гл̑е. р'ци ми слово. и рѣ. что ти имамъ
11. реши. ꙗко новѡе писаниѣ чтоу, а на ве-
12. тхо ѡбращаю се · Тѣ̑ же въпроси авва **425**
13. Сисѡѧ камен'скаго то̑ же слово. и рече
14. нѣмоу. азъ въ грѣсѣ̑ сплю, и въ грѣсѣ̑ въ-
15. стаю · Брѧ̑ въпроси авва Сисѡѧ гл̑е. **426**
16. что сътвориоу. и рѣ нѣмоу. вещь юже ище-
17. ши, еже мльчати зѣлоу. и смѣрениѣ ·
18. Рѣ̑ авва Сисѡи. ищи бѧ̑, а не ищи гдѣ прѣ- **427**
19. бываетъ · Брѧ̑ въпроси авва Сисѡѧ гл̑е. **428**
20. (к)оторыи ꙗ̑ поутъ приводещи на смѣре-
21. (ном)оудръство. и рѣ̑ нѣмоу старць. еже
22. (подви)зати се быти пѧ̑ всакыимъ чл̑ко-
23. (мь, при)носить цѣломоудръство ·

14. НВ грѣсѣ̑



1. μακάριοί ἐστε ἀδελφοὶ ἐζήλωσα γὰρ ὑμᾶς·  
εἰ γὰρ τοιαύτης μνήμης κυριεύει  
ὁ νοῦς ὑμῶν, ἀδύνατον ὑμᾶς ἁμαρτή-  
σαι· τί δὲ ποιήσω ἐγὼ ὁ σκληροκάρδιος,
5. μὴ συγχωρούμενος εἰδέναι ὅτι καὶ ἔστι κόλα-  
σις τοῖς ἀνθρώποις; καὶ ἐκ τούτου ἐν πάσῃ ὥρᾳ ἁμαρ-  
τάνω· καὶ μετανοήσαντες αὐτῷ, εἶπον·  
καθάπερ ἠκούσαμεν, οὕτως καὶ εἶδομεν.  
Ἄδελφός ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σισόην τὸν θηβαῖον
10. λέγων· εἰπέ μοι ῥῆμα· καὶ λέγει· τί σοι ἔχω  
εἰπεῖν ὅτι εἰς τὴν καινὴν γραφὴν ἀναγινώσκω καὶ εἰς τὴν  
παλαιὰν ἀναστρέφω; Ὁ αὐτὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν  
Σισόην τὸν τῆς πέτρας τὸν αὐτὸν λόγον καὶ εἶπεν  
αὐτῷ· ἐγὼ εἰς τὴν ἁμαρτίαν κοιμῶμαι, καὶ εἰς τὴν ἁμαρτίαν ἐ-  
γείρομαι. Ἄδελφός ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σισόην λέγων·
15. τί ποιήσω; λέγει αὐτῷ· τὸ πρᾶγμα ὃ ζη-  
τεῖς τὸ σφόδρα σιωπᾶν καὶ ἡ ταπείνωσίς ἐστιν.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Σισόης· ζήτηι τὸν θεὸν καὶ μὴ ζήτηι ποῦ κα-  
τοικεῖ. Ἄδελφός ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σισόην λέγων·
20. ποία ἐστὶν ἡ ὁδὸς ἡ ἀπάγουσα εἰς τὴν ταπεί-  
νωσιν; καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· τὸ  
ἀγωνίζεσθαι εἶναι ὑποκάτω παντὸς ἀνθρώ-  
που, φέρει τὴν ταπείνωσιν.

16. Integrazione secondo Pa G.

19. Pa G τὸν ἀββᾶν

1. Приидоше иногда срацини. и съвлѣкоше
2. авва Сисѡна и брата его. они же изыдо-
3. ше въ поустыню ѡбрѣсти что снѣдно.
4. и обрѣть стар'ца лдино камилно, прѣло-
5. ми и. и обрѣте зръна нечмѣна. изѣдаше
6. же едно зръно, и дроуго въ роукоу вълага-
7. ше пришьд' же братъ него, ѡбрѣте его на-
8. доуща. и рѣ ему. си ли ѣ любовь твоа,
9. тако ѡбрѣте снѣдно и не призва ме ; глѣ
10. ему старца. не обидѣл те есмь брате.
11. се честь твою въ роуцѣ свои сѣхранихъ .
12. Глѣхоу о авва Пиминѣ. тако аше съдѣхѣ
13. нѣщии старци когда прѣ нимъ и глѣхоу
14. о старцехъ. аше въспоминахоу о авва
15. Сисѡни. глѣше. оставите о авва Сисѡни.
16. не приходитъ бо въ мѣры повѣданиа на-
17. же ѡ немъ . Прииде иногда авва Амо-
18. нь ѡ Раифѣ къ авва Сисѡю. и зре его
19. скръбеща се. зане остави пѣстыню и
20. прииде въ Клизмоу. глѣ ему. что с(крѣ~)
21. биши авва. что оубѡ можаше ѡ(сѣлѣ)
22. сѣтворити въ поустыни тако съ(старѣ~)
23. в се. стар'ца же възрѣвъ на нь ( жестото~)

**429 146R**

**430**

**431**

1. Ἦλθόν ποτε σαρακηνοί· καὶ ἐξέδυσαν  
τὸν ἀββᾶν Σισόην καὶ τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ· καὶ ἐξελ-  
θόντες αὐτοὶ εἰς τὴν ἔρημον ἵνα εὔρωσί τι βρώσιμον·  
[καὶ] εὔρεν ὁ γέρων βόλβιτον καμήλου· καὶ κλά-  
σας, εὔρε κοκκία κριθῆς. ἔτρωγε  
δὲ ἓν κοκκίον, καὶ τὸ ἓν εἰς τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐκρά-  
τει· ἐλθὼν δὲ ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ, εὔρεν αὐτὸν ἐσθίον-  
τα καὶ λέγει αὐτῷ· αὕτη ἐστὶν ἡ ἀγάπη  
ὅτι εὔρες βρώσιμον καὶ μόνος ἐσθίεις καὶ οὐκ ἐφώνησάς με; λέ-  
γει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Σισόης· οὐκ ἠδίκησά σε ἀδελφέ·  
ἰδοὺ τὸ μέρος σου ἐν τῇ χειρὶ μου ἐτήρησα.  
Ἐλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ποιμένος, ὅτι ἐκάθηντό  
τινες γέροντες ἔμπροσθεν αὐτοῦ καὶ ἐλάλουν  
περὶ γερόντων· εἰ ὠνόμαζον τὸν ἀββᾶν Σισόην  
15. ἔλεγεν· ἄφετε περὶ τοῦ ἀββᾶ Σισόη.  
οὐ γὰρ ἔρχεται εἰς μέτρον διηγήματος τὰ  
περὶ αὐτοῦ. Ἦλθεν ποτε ὁ ἀββᾶς Ἀμοῦν  
ἀπὸ Ῥαῖθοῦ, παραβαλεῖν τῷ ἀββᾶ Σισόη· καὶ βλέπων αὐτὸν  
θλιβόμενον ὅτι ἀφῆκε τὴν ἔρημον καὶ  
20. ἦλθεν εἰς τὸ κλύσμα λέγει αὐτῷ· τί θλί-  
βη ἀββᾶ; τί γὰρ ἠδύνω ἀπάρτι  
ποιῆσαι εἰς τὴν ἔρημον οὕτω γηρά-  
σας; ὁ δὲ γέρων προσέσχεν αὐτῷ μετὰ στυφότη-

1. ю гл̄а. что ми гл̄ѣши Амо{у}не. довлѣт'
2. оубѡ свобожѣнїе єдино помысла въ пѣ-
3. стыни · Гл̄ахоу о авба Сисми. тако съ- **432**
4. дешоу ємоу. възпи велиємъ гласѡ̄.
5. ѡле окараниє. гл̄а ємоу оученикъ єго.
6. что имаши ѡчє. гл̄а ємоу старць. єди-
7. ного ишоу бесѣдовати съ нимъ, и не обрѣ-
8. таю. Рѣ̄ авба Силѡанъ. азъ рабъ єсмь. и **433**
9. господиъ мои рѣ̄ ми. дѣлаи роуководѣнїе
10. мое, и азъ питаю те. ѡкоудоу же, не ищи.
11. азъ же аще дѣлаю, ѡ мѣзды своеєє гл̄амъ.
12. аще ли же не дѣлаю, любовь гл̄амъ ·
13. Гл̄ахоу о авба Силоуанъ. тако съде въ кели- **434**
14. и скръвеннѣ, имѣе мало слапоуѣка. и
15. сътвори р̄ решеть. и се чл̄къ прииде
16. ѡ Єгипта, имѣе ѡсла отоварена хлѣ-
17. бомъ. и тл̄кноувъ прѣ̄ келию єго, по-
18. ложи хлѣбы. възъм' же стар'ць решета
19. натоваривъ ѡсла, ѡпоусти єгѡ ·
20. Брѣ̄ выпроси авба Силоуана гл̄ѣ. что сътв(о-) **435**
21. (роу) авба. како стежоу оумилєнїе. зѣ-
22. (ло б)оримъ єсмь оуныниємъ и сном(ь.)
23. (и въ ютр)о егда встаню, поужоу се мно(г̄)

**146V**

1. τος λέγων· τί μοι λέγεις Ἀμοῦν; ἀρκεῖ  
γὰρ ἡ ἐλευθερία μόνη τοῦ λογισμοῦ ἐν τῇ ἐρή-  
μῳ. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Σισόη. ὅτι κα-  
θημένου αὐτοῦ, ἔκραξε μεγάλη τῇ φωνῇ·
5. ὦ τάλαιπωρία· λέγει αὐτῷ ὁ μα-  
θητὴς αὐτοῦ· τί ἔχεις πάτερ; λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ἓνα  
ἄνθρωπον ζητῶ λαλῆσαι καὶ οὐχ εὐρίσκω. Περὶ τοῦ ἀββᾶ  
Σιλουανοῦ Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Σιλουανός· ἐγὼ δοῦλός εἰμι. καὶ  
ὁ κύριός μου εἶπέν μοι· ἐργάζου τὸ ἐργόχειρόν  
10. μου, καὶ γὰρ τρέφω σε· πόθεν δὲ μὴ ζήτηι·  
ἐγὼ οὖν ἐὰν ἐργάζωμαι, ἐκ τοῦ μισθοῦ μου ἐσθίω·  
ἐὰν δὲ μὴ ἐργάζωμαι ἀγάπην ἐσθίω.  
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Σιλουανοῦ. ὅτι ἐκάθισεν εἰς κελλί-  
ον κρυφῇ, ἔχων μικρὰ ἐρεβίνθια· καὶ  
15. ἐποίησεν εἰς αὐτὰ ἔργον, ἑκατὸν κόσκινα· καὶ ἰδοὺ ἄνθρωπος ἦλθεν  
ἀπὸ Αἰγύπτου ἔχων ὄνον μεστὸν ἄρ-  
των· καὶ κρούσας εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ ἔθη-  
κε· λαβὼν οὖν ὁ γέρων τὰ κόσκινα,  
ἐγέμισε τὸν ὄνον καὶ ἀπέλυσε αὐτόν.
20. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σιλουανὸν λέγων· τί ποι-  
ήσω ἀββᾶ, πῶς κτήσομαι τὴν κατάνυξιν· πά-  
νυ γὰρ πολεμοῦμαι ὑπὸ τῆς ἀκηδίας καὶ τοῦ ὕπνου·  
καὶ ὅτε ἀνίσταμαι τὸ πρῶν πολλὰ πυκτεῖω

14. Il traduttore sembra aver letto εἰς κελλίον κρυπτόν.



1. καὶ χωρὶς τοῦ ἤχου ψαλμὸν οὐ λέγω· καὶ τοῦ ὕπνου περι-  
γενέσθαι οὐ δύναμαι· καὶ ἀπεκρίθη ὁ γέρων· τέκνον,  
τὸ λέγειν τοὺς ψαλμοὺς μετὰ ἤχου, πρώτη ὑπε-  
ρηφανί' ἐστὶ καὶ ἔπαρσις· τοῦτ' ἐστὶν ἐγὼ ψάλλω·
5. ὁ ἀδελφὸς οὐ ψάλλει· τὸ γὰρ ᾄσμα,  
σκληρύνει τὴν καρδίαν καὶ πωρώνει.  
καὶ οὐκ ἔα τὴν ψυχὴν κατανυγῆναι·  
εἰ οὖν θέλεις εἰς κατάνυξιν ἐλθεῖν,  
ἄφες τὸ ᾄσμα· καὶ ὅτε
10. ἴστασαι τὰς εὐχὰς σου ποιῶν, ὁ νοῦς σου  
τὴν δύναμιν τοῦ στίχου ᾧς ἐρευνᾷ· καὶ λογίζου ὅ-  
τι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ παρίστασαι τοῦ ἐτάζοντος καρ-  
δίας καὶ νεφρούς· καὶ ὅταν ἀναστῇς ἐκ τοῦ ὕπνου,  
πρὸ πάντων. δοξάσει τὸν θεὸν τὸ στόμα σου·
15. καὶ ἄρξῃ τοῦ κανόνος εὐθὺς ἀνετῶς ἀνετῶς·  
στενάζων καὶ ἐνθυμούμενος τὰς ἀμαρτίας σου καὶ τὴν κό-  
λασιν ἐν ᾗ μέλλεις βασανίζεσθαι· καὶ λέγει ὁ ἀδελφός·  
ἐγὼ ἀββᾶ ἀφ' οὗ ἐμόνασα, τὴν ἀκολου-  
θίαν τοῦ κανόνος καὶ τὰς ὥρας κατὰ τῆς ὀκταήχου ψάλλω·
20. καὶ λέγει ὁ γέρων· διὰ τοῦτο καὶ ἡ κατάνυξις καὶ τὸ πένθος  
φεύγει ἀπὸ σοῦ· ἐννόησον τοὺς μεγάλους πατέρας, πῶς  
ιδιώται ὑπάρχοντες, καὶ μὴ ἐπιστάμενοι εἰ  
μὴ ὀλίγους ψαλμοὺς, καὶ οὔτε ἤχον οὔτε τρο-

1. La forma slava ψαλμὸς potrebbe interpretarsi come acc. sg. (cf. gr.) ma anche come gen. pl. retto dal verbo negato.

3. Pa τὸ λέγειν σε ... μετὰ τοῦ ἤχου

11. Se non erro, in SJS, I, s.v. ΔΔ non compare l'equivalenza con ᾧς (che, ricordiamo, è una Allegro-Form tarda per ᾄφες (documentazione, invero per epoca alquanto posteriore, in LMG, III: 244-45; sul valore modale di ᾄφες cf. WNT: col. 253).

14. Non interveniamo sulla grafia greca (M Pa) δοξάσει, essendo il futuro perfettamente ammissibile. Lo slavo però sembra presupporre un cong. aor. 2ª p. sg. δοξάση (anche per influenza del verbo che segue?). Cambia così anche la funzionalità sintattica del nome (οἱ σὺν strum. rispetto a στόμα nom.).

1. ре вѣдѣхѹ. и тако свѣтила въ мирѣ про-
2. снѣаше. и свѣдѣтел'ствоует ми словѹ
3. авва Павль простыи. и авва Антоніе.
4. и авва Памвѹ. и авва Аполѹ. и про-
5. чии. иже и мрътвыи въ ѡзвигоше. и на
6. бѣсы власть принеше. не пѣсньми и
7. тропарми и гласы, нѣ мѣлтвами и по-
8. щениемъ. не оубѹ оукрашение пѣ-
9. снемъ ꙗко спсѣающе члѣка, нѣ стрѣхъ бжїи
10. и съблюденіе заповѣдїи хвѣхъ. гла-
11. сное же пѣніе, многіе въ прѣиспод'-
12. нѣга земли сведе. не тѣчию мир'скы-
13. ѣ, нѣ и сщеници въ блочѹдъ и въ стрѣти
14. себе потопише. ꙗже бѹ паче пѣни,
15. мир'скы соутъ. сїхъ бѹ ради и събираю-
16. т' се въ црквѣ. разоумѣи чедо колика
17. дѣла соутъ на нѣсехъ. и не пишет' се
18. о нї ꙗко съ ѡстоихомъ поють. нѣ
19. чинъ єдинъ непрѣстанно поѣ, ал'лилуѹ.
20. (др)огыи чинъ, стѣ гѣ савваѹ'. дроу-
21. (гы)и чинъ, бл҃вена слава гнѣа, ѡ мѣста
22. (и дом)а єго. ты же чедо, възлюби смѣ-
23. (рение ) хво. и внимай себѣ съблюда-



1. πάρια ἐγίνωσκον· καὶ δίκην φωστήρων ἐν κόσμῳ ἔ-  
λαμψαν· καὶ μαρτυρεῖ μοι τῷ λόγῳ  
ὁ ἀββᾶς Παῦλος ὁ ἀπλοῦς καὶ ὁ ἀββᾶς Ἀντώνιος·  
καὶ ὁ ἀββᾶς Παμβώ· καὶ ὁ ἀββᾶς Ἀπολλῶ καὶ οἱ καθε-
5. ξῆς· οἵτινες καὶ νεκροὺς ἤγειραν· καὶ κα-  
τὰ δαιμόνων τὴν ἐξουσίαν ἐδέξαντο· οὐκ ἐν ἄσμασι καὶ  
τροπαρίοις καὶ ᾠχοῖς, ἀλλ' ἐν προσευχῇ καὶ νη-  
στείᾳ· οὐ γὰρ ἡ καλλιέπεια τοῦ ἄσμα-  
τος ὑπάρχει ἢ σώζουσα τὸν ἄνθρωπον, ἀλλ' ὁ φόβος τοῦ θεοῦ
10. καὶ ἡ τήρησις τῶν ἐντολῶν τοῦ Χριστοῦ· τὸ δὲ ἄσμα,  
πολλοὺς εἰς τὰ κατώτα-  
τα τῆς γῆς κατήγαγεν· οὐ μόνον κοσμι-  
κοὺς ἀλλὰ καὶ ἱερεῖς εἰς πορνείαν καὶ εἰς πάθη  
πολλὰ ἑαυτοὺς ἐβόθρωσαν· καὶ γὰρ τὸ ἄσμα
15. τῶν κοσμικῶν ἐστι· διὰ τοῦτο γὰρ καὶ συναθροίζε-  
ται ὁ λαὸς ἐν ταῖς ἐκκλησίαις· ἐννόησον τέκνον πόσα  
τάγματα εἰσιν ἐν τῷ οὐρανῷ· καὶ οὐ γέγραπται  
περὶ αὐτῶν ὅτι μετὰ τῆς ὀκταήχου ψάλλουσιν· ἀλλὰ  
τάγμα ἓν, ἀκαταπαύστως ᾄδει τὸ ἀλληλούϊα·
20. ἕτερον τάγμα, τὸ ἅγιος κύριος σαβαώθ· ἕ-  
τερον τάγμα, εὐλογημένη ἡ δόξα κυρίου ἐκ τοῦ τόπου  
καὶ ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ· σὺ οὖν τέκνον ἀγάπησον τὴν τα-  
πείνωσιν τοῦ Χριστοῦ· καὶ πρόσεχε σεαυτῷ φυλάτ-

1. ти Ѹмь свои въ врѣмѣ мѣтвы. и идеже д-
2. ще идеши, не показай себе тако ѡстроѸмна
3. и оучителѣ. нѣ боуди смѣреномощь, и
4. бѣ дасть ти оумиление ·
5. Глѣше нѣкто ѡ стар'цѣ. тако бесѣдова<sup>Ѹ</sup> **436**
6. авва Силоуану. и видѣ<sup>Ѹ</sup> лице его и тѣ-
7. ло, тако агглю просиавше се, и падох'
8. на лице. глѣше же и инѣ нѣкъ<sup>Ѹ</sup>, тако имѣ-
9. хоу даръ съ · Глѣхоу о авва Памвѣ. тако- **437**
10. же рѣ<sup>Ѹ</sup> принеть Мохиси ѡбразъ славы Ада-
11. мае негда прослави се лице его, тако
12. и авва Памва, тако мѣлннѣ съвтѣше се лице его.
13. и бѣше тако црѣ сѣде на прѣстоле своѣ<sup>Ѹ</sup>.
14. тогоже дѣла бѣше и авва Силоуанъ. и д-
15. вва Сисми · О авва Сарматанѣ ·
16. Брѣ<sup>Ѹ</sup> въпроси авва Сарматана глѣ. помы- **438**
17. шлениа глѣют' ми. иди надворь и вижѣ
18. братию. и глѣ стар'цѣ. о семь, не по-
19. слоушай ихъ. нѣ р'ци. се прѣвое послоу-
20. шах' те. ннѣ же, не могу послоуша(ти)
21. те · Брѣ<sup>Ѹ</sup> въпроси авва Сарматана ( глѣ.) **439**
22. помышлениа глѣют' ми. не дѣла(и, нѣ да-)
23. жѣ. пи. и спи. глѣ емоу стар'цѣ(ѣ. не<sup>Ѹ</sup>д)

1. τειν σου τὸν νοῦν ἐν τῇ ὥρᾳ τῆς προσευχῆς· καὶ ὅπου  
δ' ἂν παραβάλλῃς μὴ δείκνυε σεαυτὸν ὡς ἀγχί-  
νουν καὶ καθηγητὴν, ἀλλ' ἔσο ταπεινόφρων, καὶ  
ὁ θεὸς παρέχει σοι τὴν κατάνυξιν.
5. Εἶπέ τις τῶν πατέρων ὅτι συνέτυχον  
τῷ ἀββᾷ Σιλουανῷ καὶ ἐώρακα αὐτοῦ τὸ πρόσωπον καὶ τὸ σῶ-  
μα ὡς ἀγγέλου λάμψαν, καὶ ἔπεσον  
ἐπὶ πρόσωπον· ἔλεγεν δὲ καὶ ἄλλους ἐσχηκέ-  
ναι τὸ χάρισμα. Ἐλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Παμβῶ, ὅτι
10. ὡς ἔλαβε Μωϋσῆς τὴν εἰκόνα τῆς δόξης τοῦ Ἀδὰμ  
ὅτε ἐδοξάσθη τὸ πρόσωπον αὐτοῦ· οὕτως  
καὶ τοῦ ἀββᾶ Παμβῶ ὡς ἀστραπὴ ἔλαμπε τὸ πρόσωπον αὐτοῦ·  
καὶ ἦν ὡς βασιλεὺς καθηήμενος ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ·  
τῆς αὐτῆς ἐργασίας ἦν καὶ ὁ ἀββᾶς Σιλουανός, καὶ ὁ ἀβ-  
βᾶς Σισόης. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Σαρματᾶ
15. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σαρματᾶν λέγων· οἱ λογι-  
σμοί μου λέγουσί μοι· ὕπαγε ἔξω καὶ παράβαλε  
τοῖς ἀδελφοῖς· καὶ λέγει ὁ γέρων· τοῦτο μὴ ἀκού-  
σῃς αὐτῶν, ἀλλ' εἰπέ· ἰδοὺ ἤκουσά σου τὸ πρῶ-  
τον· τοῦτο δέ, οὐ δύναμαί σου ἀκούειν.
20. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Σαρματᾶν λέγων·  
οἱ λογισμοί μου λέγουσί μοι μὴ ἐργάζου, ἀλλὰ φά-  
γε πίε κοιμῶ· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ὅταν

1. вѣдалкадѣши се, ѿжѣ. ѿгда вѣждѣши се,
2. пи. ѿгда вѣрѣмѣши, спи. дроугы же
3. стар'ць по прилоучени прїиде къ братоу.
4. и повѣда емоу братъ, ѿже рѣ емоу авва Сарма-
5. тань. глѣ же емоу стар'ць. си ѿ еже рекл'
6. ти ѿ авва Сарматань. ѿко ѿгда вѣдал'ка-
7. еши оумомъ и вѣждѣши, дондеже к то-
8. моу не могоушоу ти трѣпети, ѿжѣ то-
9. гда и пи. и ѿгда бдиши зѣло много и
10. вѣрѣмѣши, спи. си ѿ еже глѣт' ти стѣц' .
11. Рѣ авва Сарматань. хмшоу члѣка съгрѣши- **440**
12. вша и аще оувѣсть ѿко съгрѣшилъ ѿ и по-
13. кадет' се. паче же члѣка не съгрѣшивша,
14. и имоуща себе ѿко правды творещѣ .
15. О авва Серинѣ. Глѣхоу о авва Серинѣ, ѿко **441**
16. много дѣлаше, и в пѣимѣда ѿдѣше
17. всегда. и пришѣ къ емоу авва Іовъ,
18. съоученикъ ѿго и тѣ великъ постник'
19. рѣ емоу. ѿко азъ въ кѣли свои, съблюда-
20. (ю ) чинъ свои. аще ли же изыдоу, послѣдоу-
21. (ю п)о воли братии. и рѣ емоу авва Сери-
22. (нь. н)ѣ се велика добродѣтель, ѿгда въ ке-
23. (ліи сво)еи дрѣжиши чинъ свои. нь ѿгда

1. πεινᾷς φάγε· ὅταν διψᾷς  
πίε· ὅταν νυστάξης κοιμῶ· ἄλλος δὲ  
γέρων ἦλθε κατ' εὐκαιρίαν πρὸς τὸν ἀδελφόν·  
καὶ εἶπεν αὐτῷ ὁ ἀδελφὸς ἃ εἶπεν αὐτῷ ὁ ἀβ-  
5. βᾶς Σαρματᾶς· λέγει οὖν αὐτῷ ὁ γέρων· τοῦτό ἐστιν ὃ εἶπέν σοι  
ὁ ἀββᾶς Σαρματᾶς· ὅταν πεινά-  
σης τόνω, καὶ διψήσης ἕως μηκέ-  
τι δυνηθῆναι, φάγε τό-  
τε καὶ πίε· καὶ ὅταν ἀγρυπνήσης πάνυ πολύ, καὶ  
10. νυστάξης, κοιμῶ· τοῦτό ἐστιν ὃ ἔλεγε σοι ὁ γέρων.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Σαρματᾶς· θέλω ἄνθρωπον ἀμαρτή-  
σαντα εἰ οἶδεν ὅτι ἥμαρτεν καὶ μετα-  
νοεῖ, ὑπὲρ ἄνθρωπον μὴ ἀμαρτήσαντα,  
καὶ ἔχοντα ἑαυτὸν ὡς δικαιοσύνην ποιοῦντα.  
15. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Σερίνου Ἐλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Σερίνου  
ὅτι πολλὰ εἰργάζετο, καὶ δύο παξαμᾶς ἦσθι  
διαπαντός· καὶ ἐλθὼν πρὸς αὐτὸν ὁ ἀββᾶς Ἰώβ,  
ὁ συμφωνητὴς αὐτοῦ καὶ αὐτὸς δὲ μέγας ἀσκητὴς,  
εἶπεν αὐτῷ· ἐγὼ εἰς τὸ κελλίον φυλάττω  
20. τὴν τάξιν μου· ἐὰν δὲ ἐξέλθω, συγκαταβαί-  
νω τοῖς ἀδελφοῖς· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Σερί-  
νος· οὐκ ἔστιν τοῦτο μεγάλη ἀρετὴ ὅταν ἐν τῷ κελ-  
λίῳ σου φυλάττης τὴν τάξιν σου, ἀλλ' ὅταν

19. Pa G ὅτι ἐγὼ εἰς τὸ κελλίον μου

1. ис келине свое паче изыдеши ·
2. Рѣ авва Серинь. како сътвори върѣме жетвы **442**
3. ж'нюще. шиюще. плетуще. и въ всѣ сѣ.
4. аще роука гнѣ не насытити ме имѣше, не
5. възмогѣ насытити се · О авва Сопатрѣ ·
6. Моли се нѣкто авва Сопатроу гл҃не. дажь ми **443**
7. заповѣдь авва, и съхраню и. ѿн же рѣ немѣ.
8. да не вънидетъ жена въ келию твою. и не
9. прочитай покръвеннаа. и не възыщи о
10. ѡбразѣ. си оубѡ, нѣ иересь. нѣ грѣбост'
11. и прѣкословие ѡбѣма странама. невѣ-
12. зможно оубѡ нѣ вещь сн҃а постигнута
13. быти ѿ всеи твари · Гл҃ахоу о авва Сопатроу. **444**
14. и о авва Саниѡ. како живѣста заедно.
15. имѣше же много послушание авва Саниѡ.
16. жесток' же бѣше сѣло. и гл҃аше немѡу ста-
17. р'ць искоушае него. иди кради. и хѡдѣ-
18. ше и крадѣше братиѡ послушаниа ради.
19. бл҃годаре бѣ о всемъ. стар'ць же възима-
20. ше и пакы давааше братїи скровнѣ. ин(о-)
21. гда же ходещимъ имъ, изнеможе. ( и ѡ-)
22. стави него стар'ць, съкроушена ле(жати.)
23. и прише рече брати, идѣте донеси(те Саниа,)

1. ἐκ τοῦ κελλίου σου μάλλον ἐξέλθης.  
Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Σερίνος· ὅτι ἐποίησα τὸν χρόνον τοῦ θερισμοῦ  
θερίζων, καταρῥάπτων, πλέκων· καὶ ἐν τούτοις πᾶσιν  
εἰ μὴ ἡ χεὶρ τοῦ θεοῦ ἐχόρτασέ με, οὐκ
5. ἠδυνήθην χορτασθῆναι.  
Ἡρώτησέ τις τὸν ἄββᾶν Σώπατρον λέγων· δός μοι  
ἐντολὴν ἄββᾶ καὶ φυλάξω αὐτήν· ὁ δὲ εἶπεν αὐτῷ·  
μὴ εἰσέλθῃ γυνὴ εἰς τὸ κελλίον σου· καὶ μὴ  
ἀναγνώσης ἀπόκριφα· καὶ μὴ ζητήσης περὶ
10. τῆς εἰκόνης· τοῦτο γὰρ οὐκ ἔστιν αἵρεσις ἀλλ' ἰδιωτεία  
καὶ φιλονικία ἀμφοτέρων τῶν μερῶν· ἀδύ-  
νατον γὰρ καταληφθῆναι τὸ πρᾶγμα τοῦτο  
ὑπὸ πάσης κτίσεως. Ἐλεγον περὶ τοῦ ἄββᾶ Σωπά-  
τρου καὶ τοῦ ἄββᾶ Σαῖῳ, ὅτι ἔμειναν μετ' ἀλλήλων·
15. εἶχε δὲ πολλὴν ὑπακοὴν ὁ ἄββᾶς Σαῖῳ,  
σκληρὸς δὲ ἦν πάνυ· καὶ ἔλεγεν αὐτῷ ὁ γέ-  
ρων πειράζων· ὕπαγε σύλησον· καὶ ὑπήγε, καὶ  
ἐσύλα τοὺς ἀδελφοὺς διὰ τὴν ὑπακοὴν  
εὐχαριστῶν τῷ θεῷ ἐπὶ πᾶσιν· ὁ δὲ γέρων ἦρεν
20. αὐτὰ καὶ πάλιν παρείχε τοῖς ἀδελφοῖς κρυφῶς· ποτὲ  
οὖν ὁδεύοντων αὐτῶν ἠτόνησεν, καὶ ἀ-  
φήκεν αὐτὸν ὁ γέρων συντετριμμένον κεῖσθαι·  
καὶ ἐλθὼν εἶπε τοῖς ἀδελφοῖς· ὑπάγετε φέρετε τὸν Σαῖῳ,

1. понеже раслабленъ лежить. шѣше донѣ-
2. соше ѹго · О двѣ Серапиѡнѣ ·
3. Старѣцъ нѣкто именемъ Серапиѡнѣ, по-
4. рекломъ (син)донинѣ. кромѣ единое плащани-
5. це, николиже въ ино что ѡблѣче се. сѣи
6. много пощениѣ и нестѣжаніѣ имѣше.
7. елико ни въ келіи прѣбыти когда искѣ-
8. шени ради. нѣ по мироу ходѣше и по пѣ-
9. стынѣ, добродѣтель исправи. бесловес(ь-)
10. нѣ же сѣи, всако писаниѣ изоучавааше ·
11. Повѣдахѣ же о немъ. ꙗко иногда видѣвъ
12. нѣкыѣ ѹзычники. нарицаемыѣ мими
13. ходѣшимъ въ градѣ, продаде себѣ имъ на
14. ѧ златиць. и възъмъ цѣноу, свежа въ пла-
15. щаницоу и скры. толико же прѣбѣи и рабо-
16. та мимомъ, донѣдеже хрѣтианы ихъ сътво-
17. ри, и ѡ позорища ѡстави. зрѣше бо ѹго
18. кромѣ хлѣба и воды, ино не въскоушающа
19. и оуста ѹго не прѣстающа ѡ писменнаг(о)
20. поучениа. многымъ врѣменемъ ѹми-
21. (ли)ше се. прѣже мочѣ коупивыи ѹго
22. (таже ) и жена ѹго. потомъ и весь домъ ѹго
23. (всѣ же ) крѣтивше се, ѡстоупише ѡ позори-

149V

445

446



1. ὅτι ἐκκελυμένος κείται· καὶ ἀπελθόντες ἤγαγον αὐτόν. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Σαραπίωνος Γέγονέ τις Σεραπίων ὀνόματι. τὸ ἐπὶ κλησιν σινδόνιος· παρεκτὸς γὰρ σινδονίου, οὐδέποτε οὐδὲν περιεβάλλετο· ὅς πολλὴν ἄσκησιν καὶ ἀκτημοσύνην τοσοῦτον ἥσκησεν, ὥς μὴ οἰκῆσαι εἰς κελλίον ποτὲ διὰ τὸν περισπασμόν· ἀλλ' ἐν τῷ κόσμῳ γυρεύειν καὶ ἐν ταῖς ἐρήμοις. τὴν ἀρετὴν κατώρθωσεν· ἀγράμματος δὲ ὢν πᾶσαν τὴν γραφὴν ἀπεστήθιζεν. Διηγοῦντο δὲ περὶ αὐτοῦ, ὅτι ποτὲ ἰδὼν τινὰς μίμους ἐν τῇ πόλει, πέπρακεν ἑαυτὸν αὐτοῖς εἰς τρίακοντα νομίσματα. καὶ λαβὼν τὸ λογάριον ἔδωκεν αὐτοῖς καὶ ἔκρυψε. τοσοῦτον δὲ παρέμεινε καὶ ἐδόουλεν τοῖς μίμοις, μέχρις οὗ χριστιανούς αὐτοὺς ἐποίησε καὶ τοῦ θεάτρου ἀπέστησεν. ἰδόντες γὰρ αὐτὸν παρεκτὸς ἄρτου καὶ ὕδατος μὴ γευόμενον· καὶ τὸ στόμα αὐτοῦ μὴ παυόμενον ἐκ τῆς τῶν γραφῶν μελέτης· τῷ μακρῷ χρόνῳ. πρῶτος κατενόγη ὁ ἀνὴρ, ἔπειτα ἡ γυνή· εἶτα ὅλος ὁ οἶκος αὐτοῦ. ἀμφότεροι δὲ βαπτισθέντες, ἀπέστησαν τοῦ θεατρίου.

3. L'acc. di relazione ἐπὶ κλησιν (assente in Pa) è trattato in M non come proveniente da un tema in τ- ma come se fosse da un neutro τὸ ἐπὶ κλησι(ο)ν.

8. Pa γυρεύων

1. цѣ. и на бл̑гочѣстивое и бл̑говѣрное обра-
2. тише се житиѣ. ѿтоли же, зѣло послуша-
3. хоу и почитахъ его. рѣше же ѿмоу. при-
4. иди брате, и свободимъ те. понеже ты на̑
5. ѿ мръскыѣ рабѣхъ свободи. ѿн же рѣ
6. имъ понеже сътвори бѣ мои и сп̑сены
7. быше дш̑е ваше, повѣмъ вамъ таинъ дѣла
8. моего. азъ свободъ ѣсмь, и житиѣмъ
9. инокъ. оущедрихъ же дш̑ъ вашѣ, продахъ
10. себе да сп̑соу вѣ. и понеже изволи бѣ вѣро-
11. вати вамъ и сп̑сенѣмъ быти, възмете
12. злато ваше. азъ же идоу помощи и дрѣвѣ.
13. они же много молише его быти с нимъ
14. и имѣти ѿго въ ѿца. и не възмогоше еѣ
15. ѡдрѣжати. тогда рѣше ѿмоу. дажѣ по-
16. нѣ злато нищимъ. оброчениѣ оубѣ се
17. бѣ нашего сп̑сения. тогда рѣ имъ. сами
18. свое дадите. азъ ѡбъ тѣмъ, не дарѣю
19. нищимъ · съ оубѣ честнымъ прѣхо-
20. жениѣмъ, прииде въ еладѣу. и прѣбы(въ)
21. въ аѳинѣ ꙗ̑ днѣ, не възможе приѣт(и ѿ)
22. кого хлѣбъ. ни мѣдницѣу же ник(олиже)
23. постыше. ни в'лагалище. ни ми(лотарь.)

1. ζειν καὶ ἐπὶ τὸν σεμνὸν καὶ θεοσεβῆ ἤλα-  
σαν βίον· ἐκ τότε οὖν σφόδρα ἐσέβον-  
το καὶ ἐτίμων τὸν ἄνδρα· καὶ λέγουσιν αὐτῷ· δεῦ-  
ρο ἀδελφε ἐλευθερώσωμέν σε· ἐπειδὴ τῆς αἰσχρᾶς δουλείας
5. αὐτὸς ἡμᾶς ἠλευθέρωσας· ὁ δὲ λέγει  
αὐτοῖς· ἐπειδὴ ἐνείργησεν ὁ θεὸς μου, καὶ ἐσώθη  
ὕμῳν ἡ ψυχὴ εἶπω ὑμῖν τὸ μυστήριον τοῦ δράματός  
μου· ἐγὼ ἐλεύθερος ὢν καὶ μοναχὸς  
τῷ βίῳ κατοικτειρήσας ὑμῶν τὰς ψυχὰς πέπρακα
10. ἑμαυτὸν ἵνα σώσω ὑμᾶς· ἐπεὶ δὲ εὐδόκησεν ὁ θεὸς πιστεῦ-  
σαι ὑμᾶς καὶ σωθῆναι, λάβετε  
ὕμῳν τὸ χρυσίον. ἵνα ἐγὼ ἀπέλθω βοηθῆσαι καὶ ἄλλοις·  
οἱ δὲ πολλὰ παρακαλέσαντες εἶναι μετ' αὐτῶν  
καὶ ἔχειν αὐτὸν ὡς πατέρα οὐκ ἴσχυσαν αὐτὸν
15. πείσαι· τότε λέγουσιν αὐτῷ· δὸς κἂν  
τὸ χρυσίον πτωχοῖς. ἀρραβὼν γὰρ  
γέγονεν τῆς ἡμῶν σωτηρίας· τότε λέγει αὐτοῖς· ὑμεῖς  
τὸ ὑμέτερον δότε· ἐγὼ γὰρ τὰ ἀλλότρια, οὐ χαρίζομαι  
πένησιν. Οὗτος ταῖς συνεχέσιν ἀποδη-
20. μίαις, κατήντησεν εἰς Ἑλλάδα. καὶ διατρίψας  
ἐν Ἀθήναις τρεῖς ἡμέρας, οὐκ ἤξιώθη παρά τινος λαβεῖν  
ἄρτον· οὐδὲ γὰρ κέρμα ἐβάσταζέν ποτε·  
οὐ πήραν· οὐ μελωτήν·

1. ничтоже ино сицевое. четвертому же
2. дни пришедшу, зѣла възлака се. и ставь
3. на высоцѣ мѣстѣ въ градѣ, наче плакати
4. поужѣю и выпити. моужи дефинисци
5. помогаите. притекше же философи и
6. пръвѣи града, выпрашахѣ его. ѿкоудѣ
7. си, и что ѿ еже стражѣши. он же рече имь.
8. родомъ оубо, егѣптѣнинъ есмь. ѿнели-
9. же изъ ѿчѣствия своего изыдохъ, въ три дль-
10. жники выпадохъ. и два ѣбо, остависта ме
11. приемша дльгъ. едины же, не оставля-
12. ет ме. они же пакы выпрашахѣ его. кто
13. соудѣ дльжници, и кто ѿ стѣжаеи тебѣ ска-
14. жи намъ его, да поможем ти. тогда рече
15. имь. смѣти ме изъ юности сребролюбѣи
16. и блѣдѣ. и чрѣвное неистовство. и двой
17. оубо избавих се, и к томѣ не смочають
18. ме. чрѣвное же неистовство, не можетъ
19. оставить ме. четверты оубо имью
20. (д)нѣ не радше, и не прѣстаетъ чрѣво смѣ-
21. (ще) ме и просе обычное. тогда нѣщѣи
22. (ѿ ф)илосѡфѣ мнѣше яко льстию глѣетъ
23. (даше)моу златицю. и последоваше

1. οὐδὲν τῶν τοιούτων· τετάρτης δὲ  
ἐπιλαβομένης ἡμέρας, σφόδρα ἐπείνασεν· καὶ στὰς  
ἐπὶ γεωλόφου τῆς πόλεως, ἤρξατο ἀποδύρεσθαι  
βία καὶ κράζειν· ἄνδρες ἀθηναῖς
5. βοηθεῖτε· προσδραμόντες δὲ οἱ φιλόσοφοι καὶ  
πρῶτοι τῆς πόλεως ἠρώτουν αὐτὸν λέγοντες· πόθεν  
εἶ; καὶ τί πάσχεις; ὁ δὲ εἶπεν αὐτοῖς·  
τῷ μὲν γένει αἰγύπτιος εἰμι· ἀφ' οὗ  
δὲ τῆς πατρίδος μου ἐξῆλθον, τρισὶ περιέπε-
10. σα δανεισταῖς· καὶ οἱ μὲν δύο ἀπηλλάγησάν μο(υ)  
πληρωθέντες τὸ χρέος· ὁ δὲ εἷς οὐκ ἀπαλλάττε-  
ταί μου· οἱ δὲ ἠρώτουν πάλιν; τίνας  
οἱ δανεισταὶ καὶ τίς ὁ ἐνοχλῶν σοι; δεῖ-  
ξον ἡμῖν αὐτόν, ἵνα σοι βοηθήσωμεν· τότε λέγει
15. αὐτοῖς· ὥχλησέ μοι ἐκ νεότητος φιλαργυρία,  
καὶ πορνεία, καὶ γαστριμαργία· τῶν οὖν δύο  
ἀπηλλάγην καὶ οὐκέτι μοι ἐνοχλοῦσιν·  
ἡ δὲ γαστριμαργία, ἀφῆσαί με  
οὐ δύναται· τετάρτην γὰρ ἡμέραν ἔχω
20. μὴ φαγών, καὶ οὐ παύεται ὀχλοῦσά μοι ἡ γαστήρ·  
καὶ ζητοῦσα τὸ σύνηθες· τότε τινὲς  
τῶν φιλοσόφων νομίσαντες σκηνὴν εἶναι τὸ πρᾶγμα,  
δίδωσιν αὐτῷ νόμισμα καὶ παρηκολούθησαν

2. Pa ἐπιβαλλομένης (HL con M).

10. Correzione secondo Pa HL.

23. La forma di M Pa (HL ha il "classico" διδόασι) è frutto di: a) tematizzazione del verbo originariamente atematico; b) tendenza alla confusione tra indic. e cong., con frequente uso alla 3ª pl. indic. di forme in -ωσι.

1. ИЗДАЛЕЧЕ ВИДѢТИ ЕГО ЧТО СЪТВОРИТИ ИМѦ.
2. ѿН<sup>ѣ</sup> же ВЪЗЪМЬ, Тече и ПОСТАВИ Ю НА ХЛѢБО-
3. ПРОДАВНИЦѸ. и ВЪЗЪМЬ ХЛѢБЪ ІЕДИНЬ, ОТИ-
4. де к ТОМОУ не ІАВИВ СЕ ВЪ ГРАДѢ ѿНѢ. ТОГДА
5. ПОЗНАШЕ ФИЛОСОФИ, ІАКО ВЪ ИСТИНѸ ДОБРО-
6. ДѢТЕЛЬНЬ ІЕ. и ДАВШЕ ХЛѢБѸ ЦѢНОУ, ВЪЗЕШЕ
7. СВОЮ ЗЛАТИЦѸ. ПРИШѢ же ВЪ СТРАНЫ ЛАКЕ-
8. ДЕМОН<sup>ѣ</sup>СКИЕ. СЛЫША О НѢКИИМЪ ПРѢВЫМ<sup>ѣ</sup>
9. ГРАЖДАНИНѢ, МАНИХЕИСКѸ ВѢРОУ ИМОУЩѸ.
10. ДОБРОДѢТЕЛЬНА же ЖИТИЕМЪ СОУЩА. СЕМѸ
11. ПАКЫ ШѢ ПРОДАДЕ СЕБЕ. и ВЪ ДВОЮ ЛѢТѸ,
12. БЛАГІИЮ ХВОЮ ѿСТАВИ ЕГО ѿ ІЕРЕСИ. и СЪ
13. ЖЕНОЮ ЕГО и ВСѢМЪ ДОМОМЪ ЕГО, ПРИВЕ-
14. де ЦРКВИ. ТОГДА ВЪЗЛЮБ[И]ШЕ ЕГО. к ТОМѸ
15. не ІАКО РАБА, нѢ ІАКО ПРИСНА ѿЦА ИМѢХОУ.
16. и СЛАВЛѦХОУ БА · Иногда ПАКЫ ВЪНИДЕ ВЪ
17. КОРАБЬ. ІАКО ПРѢИТИ ХОТЕ ВЪ РИМЬ. КОРА-
18. БНИЦИ же МЕНѢ ІАКО ВЪНЕСЛЪ ІЕ ПОТРЕБЫ
19. или ЗЛАТО ИМАТЬ, БЕЗЪ ИСТЕЗАНІА ПРИНЕ(ШЕ)
20. ЕГО. ОУСТРѢМИВШИМ<sup>ѣ</sup> же СЕ ИМЪ и ѿП(ЛОУ~)
21. ВШИМЪ ѿ АЛЕΞАНДРИЕ ІАКО ПѢСѢ ПЪП(РИЦЬ.)
22. ВИДѢ(В)ШЕ ЕГО ІАКО не ІАСТЬ ВЪ ПРѢВ(Ы ДНЬ.)
23. ИМѢХѸ ІАКО МОРСКОГО РАДИ СЪМѸ(ШЕНИТА)

14. НВ ВЪЗЛЮБИШЕ

22. НВ ВИДѢВШЕ

1. αὐτὸν ἰδεῖν τί ποιήσει·  
ὁ δὲ δεξάμενος δραμὼν ἔθηκεν αὐτὸ εἰς ἄρτο-  
πωλεῖον· καὶ λαβὼν ἄρτον, ἀνεχώ-  
ρησεν μηκέτι φανείς ἐν τῇ πόλει ἐκείνῃ· τότε
5. ἔγνωσαν οἱ φιλόσοφοι ὅτι αληθῶς ἐνάρε-  
τος ἦν· καὶ δόντες τοῦ ἄρτου τὴν τιμὴν ἔλαβον  
τὸ νόμισμα. ἔλθων δὲ εἰς τοὺς περὶ Λακε-  
δαιμονίαν τόπους, ἤκουσέν τινα τῶν πρώτων  
τῆς πόλεως μανιχαῖον εἶναι τῇ πίστει·
10. ἐνάρετον δὲ τῷ βίῳ· τούτῳ πάλιν  
ἀπελθὼν, πέπρακεν ἑαυτόν· καὶ ἐντὸς δύο ἐτῶν  
χάριτι Χριστοῦ, ἀπέστησεν αὐτὸν τῆς αἵρέσεως· καὶ μετὰ  
τῆς αὐτοῦ γαμετῆς καὶ παντὸς τοῦ οἴκου προσήγα-  
γε τῇ ἐκκλησίᾳ· τότε αὐτὸν ἀγαπήσαντες, οὐκέτι
15. ὥς οἰκέτην, ἀλλ' ὥς γνήσιον πατέρα εἶχον  
καὶ ἐδόξαζον τὸν θεόν. Ἐβαλέν ποτε ἑαυτὸν εἰς  
πλοῖον, ὥς ὀφείλων πλεῦσαι εἰς Ῥώμην· οἱ οὖν ναυτι-  
κοὶ ὑπονοήσαντες ὅτι δαπάνην εἰσήνεγκεν  
ἢ ἐν χρυσῷ κέκτηται, ἀπεριέργως αὐτὸν ἐδέξαντο.
20. ἐν τῷ οὖν ἀποπλεῦσαι αὐτοῦς, καὶ γενέσθαι  
ὥς ἀπὸ σταδίων πεντακοσίων Ἀλεξανδρείας,  
ιδόντες αὐτὸν ὅτι οὐκ ἐσθίει τὴν πρώτην ἡμέραν,  
προσεδόκησαν ἀηδίαν ἐσχηκέναι·

17. Pa ναῦται

1. не гасть. такоже и в̄. и г̄. и д̄. пѣтии же д̄нь
2. зрѣхъ него сѣдѣща мльчѣ, радѹщимъ всѣмъ.
3. и гл̄аше немѹ, почто не гаси чл̄вчѣ. гл̄а имъ.
4. не имамъ. они же начешѣ досаждати немѹ
5. како вышьль еси безъ потрѣбы; и ѿждѹ
6. имаша дати намъ прѣвозъ. или ѿждѹ
7. питати се имаша; ѿнѣ же рече имъ. азъ ве-
8. щи не имамъ. аще ли хощете, ѿнесѣте
9. и изметнѣте мѣ, идеже обрѣтосте мѣ.
10. они же ни р̄ златиць приѣли быше се съ-
11. творити да възвратетъ се. нь идѣхъ пла-
12. вающе и питающе него въ корабли. при-
13. шѣ же въ Римъ, искаше кто ѣ великъ по-
14. стникъ тамо, или постѣница. въ нихъ же о-
15. брѣте и Дѡмнина нѣкоего. негоже ѡдръ по-
16. сьмрѣти, недоужныи исцѣли. бесѣдова-
17. въ оубѣ немѹ и полсѣвав се ѿ него. мѹ-
18. жь оубѣ бѣше изредьнь оумомъ и нѣравы
19. оубѣдѣвѣ же ѿ него ѡ безмльвѣствоющеи
20. нѣкоеи дѣци, тако никомѹ же бесѣдѹ-
21. (юш)и. искав же и обрѣть домъ еѣ, иде.
22. (и гл̄а ) слоужещои еи бдѣѣ. повѣѣ дѣци
23. (такѹ по)жѹ имамъ бесѣдовати еи. гл̄а



1. ὁμοίως καὶ τὴν δευτέραν καὶ τὴν τρίτην καὶ τετάρτην· τῇ δὲ πέμ-  
πτη ἡμέρᾳ βλέπουσιν αὐτὸν καθεζόμενον ἡσυχῇ ἐν τῷ πάντας  
ἐσθίειν· καὶ λέγουσιν αὐτῷ· διὰ τί οὐκ ἐσθίεις ἄνθρωπε; λέγει αὐ-  
τοῖς· οὐκ ἔχω· οἱ δὲ ἤρξαντο διαμάχεσθαι αὐτῷ·
5. ὅτι πῶς εἰσῆλθες ἄνευ ἀναλωμάτων. καὶ πόθεν  
ἡμῖν ἔχεις δοῦναι τὸ ναῦλον, ἢ πόθεν  
ἔχεις τραφῆναι; ὁ δὲ λέγει αὐτοῖς· ἐγὼ πράγ-  
μα οὐκ ἔχω· εἰ δὲ οὐ θέλετε, ἀπενέγκατέ  
με καὶ ρίψατε ὅπου με ἡύρατε·
10. ἐκεῖνοι δὲ οὐδὲ ἑκατὸν χρυσίων ἡδέως ἂν εἶχον  
εἰς τοῦπίσω ὑποστρέψαι· ἀλλ' ἤνυον τὸν σκοπὸν φέρον-  
τες καὶ τρέφοντες αὐτὸν ἐν τῷ πλοίῳ· ἐλ-  
θὼν οὖν ἐν Ῥώμῃ περιειργάσατο τίς εἴη μέγας ἀσκη-  
τῆς ἐκεῖσε ἢ ἀσκητρία· ἐν οἷς πε-
15. ριέτυχε καὶ Δομνίνῳ τιμὴ οὗ ἡ κλίνη μετὰ  
θάνατον ἀσθινοῦντας ἰάσατο· συντυχῶν  
οὖν αὐτῷ καὶ ὠφεληθεὶς παρ' αὐτοῦ· ἁ-  
νὴρ γὰρ ἦν τετορνευμένος τοῖς ἡθεσι καὶ τῇ γνώσει·  
ἔμαθε παρ' αὐτοῦ περὶ ἡσυχαστικῆς
20. τινὸς παρθένου. ὥς μηδεὶς συντυχά-  
νειν· ἐρευνήσας οὖν καὶ εὐρὼν αὐτῆς τὸν οἶκον ἀπηλθεν·  
καὶ λέγει τῇ ὑπηρετούσῃ αὐτῇ γραίδι· εἶπε τῇ παρθένῳ  
ὅτι ἀναγκαίως ἔχω τοῦ συντυχεῖν σοι· λέγει

11. Pa εἰς τὰ ὅπ.

13. La forma περιειργάσατο è in Pa (HL ha un testo un po' diverso).

14. HL ha l'accentazione ἀσκήτρια, M Pa -τρία.

1. ѿмѹ баба. ѿ многѣ лѣ, никомѹже бесѣдѹ-
2. етъ. и пакы рече ѿи. рци ѿи. тако бѣ послал ме
3. ѿ глѣти ти. прѣбыв же г днѣ, ѿдѣа ѿтво-
4. ри. и въсхотѣ бесѣдѣвати. и глѣ ѿи. почто
5. сѣдиши. она же рече ѿмоу. азъ не сѣжоу, нѣ
6. шѣствоую. глѣ ѿи. камо идѣши. глѣ ѿ-
7. моу. къ бѣоу моемоу. глѣ ѿи. живѣши ли,
8. или оумрѣла еси. она же рече ѿмѹ. вѣроую бѣоу ѿ-
9. моу, тако оумрѣла есмь. живѣи же плѣ-
10. тию, никто къ бѣоу идѣтъ. слышавъ же
11. си блжѣныи Серапиѡнъ рече ѿи. проче
12. же аще хоѣши извѣстити ми тако ѹмрѣ-
13. ла еси и к томоу не живѣши члѣкомъ ѹга-
14. жающи, сѣтвори еже сѣтворюу азъ. и оу-
15. вѣмъ тако оумрѣла еси. рече ѿмоу ѿна.
16. тѣчию възможнаа ми заповѣждѣ, и тво-
17. роу. глѣ ѿи. спиди и изыди. глѣ ѿмоу.
18. господи. много лѣ имамъ не изышѣши
19. и како днѣ изыдоу. глѣ ѿнѣ. оуа оуа.
20. не рече ли тако азъ мироу оумрѣхъ; аш(е въ)
21. истиноу хоѣши извѣстити ми, сѣ(тво-)
22. ри неже азъ сѣтворюу, и изыди. ѿн(а же)
23. сѣшѣши. и изышѣши до цркви нѣ(кыѣ.)

1. αὐτῷ ἢ γραῦς· ἐκ πολλῶν ἐτῶν οὐδενὶ συνέτυ-  
χε· καὶ πάλιν λέγει αὐτῇ· εἶπὲ αὐτῇ ὅτι ὁ θεός με ἀπέστει-  
λε συντυχεῖν σοι· παραμείνας οὖν τρεῖς ἡμέρας μόλις ἀνοί-  
ξασα ἤξιωσε συντυχεῖν· καὶ λέγει αὐτῇ διὰ τί
5. καθέζη; ἡ δὲ λέγει αὐτῷ· ἐγὼ οὐ καθέζομαι ἀλλὰ  
όδεύω· λέγει αὐτῇ· ποῦ ὁδεύεις; καὶ λέγει αὐ-  
τῷ· πρὸς τὸν θεόν μου· λέγει αὐτῇ· ζῆς  
ἢ ἀπέθανες; ἡ δὲ λέγει αὐτῷ· πιστεύω τῷ θεῷ μου  
ὅτι ἀπέθανον· ζῶν γὰρ τῇ σαρ-
10. κί, οὐδεὶς ἀπέρχεται πρὸς τὸν θεόν· ἀκούσας δὲ  
ταῦτα ὁ μακάριος Σεραπίων λέγει αὐτῇ· οὐκοῦν  
εἰ θέλεις με πληροφορῆσαι ὅτι ἀπέθα-  
νες καὶ οὐκέτι ζῆς ἀνθρώποις ἀρέσκου-  
σα, ποιήσον ὃ ποιῶ, καὶ οἶδα
15. ὅτι ἀπέθανες· λέγει αὐτῷ ἐκείνη·  
μόνον δυνατά μοι ἐπίταξον καὶ ποιῶ·  
καὶ λέγει αὐτῇ· κάτελθε καὶ πρόελθε· λέγει αὐτῷ ἐκείνη·  
κύριε πολλὰ ἔτη ἔχω μὴ προελθοῦσα.  
καὶ πῶς σήμερον προέλθω; λέγει αὐτῇ· οὐᾶ οὐᾶ·
20. οὐκ εἶπες ὅτι ἐγὼ τῷ κόσμῳ ἀπέθανον; εἰ ὄν-  
τως θέλεις πληροφορῆσαί με, ποιή-  
σον ὃ ποιῶ καὶ πρόελθε· ἡ δὲ  
κατελθοῦσα καὶ προελθοῦσα μέχρις ἐκκλησίας τινός,

1. гл̃а ѿмоу. се оуже изыдѣ иже толико лѣ
2. имѣю не изышѣши. проче же, что хоцешѣ
3. сътвори. рече ѿи. съвлькши се ꙗко и азъ и
4. ризы на рамена възложши, посрѣдѣ града
5. проиди. и мнѣ такимъ же ѡбразомъ на-
6. прѣидоушѣ. гл̃а емоу ѡна. съблзнити
7. имамъ всѣхъ, бестѣдною сено вещию. и
8. реши имаютъ. ꙗко изѣмила се еѣ и бѣсноу-
9. етъ се. ѡнъ же рече ѿи. что оубѣ печалѣ ти еѣ
10. аще рекоу ꙗко изѣмила се еѣ. не тѣмъ ли
11. оумрѣла еси; тогда рече ѿмоу. еже хоце-
12. ши ино, сътвори. до сие бѣ мѣры, еще
13. не постигѣ. молю же се постигнѣти.
14. тогда рече ѿи. вѣнми оуже, и к томѣ вели-
15. ко не моури. и имаше себе ꙗко паче всѣхъ
16. бл҃гоговѣннѣишоу и оумршоу мироу.
17. се оубѣ азъ дѣломъ ти показую ꙗко оумрѣ-
18. ль есмь мироу, бестѣтно и бестоудно се
19. сътвори. оставивъ же ю въ смѣренномѣ-
20. (др)ѣствѣ. прѣломивъ высокооумне еѣ
21. (ѡ)иде. се бѣ и хотѣше прѣбныи, прѣло-
22. (ми)ти моуристь еѣ. многа же ина съ-
23. (твори) чюдеса пѣбна къ бестѣтию. бе-

1. λέγει αὐτῷ· ἰδοὺ προήλθον διὰ  
τοσούτων ἐτῶν. λοιπὸν τί θέλεις  
ποιήσω; λέγει αὐτῇ· ἐκδυσασμένη ὡς ἀγῶ καὶ  
τὰ ἱμάτια ἐπὶ τῶν ὤμων θείσα, πάρελθε μέσσην τὴν πόλιν,
5. ἐμοῦ προλαμβάνοντος τῷ σχήματι τούτῳ·  
λέγει αὐτῷ ἐκείνη· σκανδαλίζω  
πάντας ἐπὶ τῷ ἀσχήμῳ τούτῳ πράγματι, καὶ  
ἔχουσι λέγειν ὅτι ἐξέστη καὶ δαιμονιώσά  
ἐστιν· ὁ δὲ λέγει αὐτῇ· τί γὰρ μέλλει σοι
10. εἰάν εἴπωσιν ὅτι ἐξέστη; οὐχὶ αὐτοῖς  
ἀπέθανες; τότε λέγει αὐτῷ· εἴ τι ἄλλο θέλεις  
ποιῶ. εἰς τοῦτο γὰρ τὸ μέτρον, οὕτω  
ἔφθασα. εὐχομαι δὲ ἐλθεῖν·  
τότε λέγει αὐτῇ· ἴδε οὖν μηκέτι μέγα
15. φρονῆς. καὶ ἔχῃς σεαυτὴν ὡς πάντων  
εὐλαβεστέραν καὶ ἀποθανοῦσαν τῷ κόσμῳ·  
ἐγὼ γὰρ ἰδοὺ ἔργῳ σοι δεικνύω ὅτι ἀπέθα-  
νον τῷ κόσμῳ ἀπαθῶς καὶ ἀνεπαισχύντως τοῦτο  
ποιῶν· καταλείψας δὲ αὐτὴν ἐν ταπεινοφρο-
20. σύνη καὶ κλάσας αὐτῆς τὸν τύφον,  
ἀνεχώρησεν· τοῦτο γὰρ ἐβούλετο ὁ πανόσιος, κλά-  
σαι αὐτῆς τὸ φρόνημα· πολλὰ δὲ πεποιηκὼς καὶ ἄλλα  
θαυμάσια συντείνοντα εἰς ἀπάθειαν,

22. Pa πολλὰ δὲ καὶ ἄλλα πεποιηκὼς

1. сѣрѣтию въ истинѣ дѣлатель великий Серапи-
2. онъ. и прѣстави се въ томъ Римѣ многы-
3. е просвѣтивъ и къ истинѣ наставивъ ·
4. Идоше иногда скитиѡтѣне къ аммѣ Саррѣ. **449**
5. она же прѣстави имъ брашна. они же ѡ-
6. ставивше добраго, гадоше хоудата. и рѣ имъ.
7. въ истинѣ скитиѡтѣне есте ·
8. Рѣ амма Сарра. тако добро ѿ и члкъ ради тво- **450**
9. рити мѣтѣню. аще бѡ и за члкооугодие
10. бываетъ, нѣ приходитъ пакы и бѡу ѡгоди-
11. ти. Рѣ пакы братїи. азъ оубѡ моужь не- **451**
12. смь, вы же жены есте. не лицемъ оубѡ
13. соудитъ се моужество, нѣ сѣцемъ ·
14. Рѣ амма Сигклитикиа. такоже невьзмѣ- **452**
15. жно корабль безъ гвѡздѣнь съставити, тако невь-
16. зможно сѣсти се безъ смѣренѡмѡуриа.
17. оупѡби се мытарюу, да не съ фарисеѡмъ ѡ-
18. соужень боудеши. и Моисеѡвоу крото-
19. сть въсприими, даже сѣце свое жесток(о-)
20. е въ источники воды ѡбратиши ·
21. Знаменїе твердѣ. О авва Тиѡѡ(и ·)
22. Рѣ авва Тиѡѡи оученикоу своемъ. (испоу-) **453**
23. сти водоу въ финники чѣдо. ѡнъ (же рѣ.)

Marg. sup. О аммѣ Саррѣ.

1. ὁ τῆς ἀπαθείας ὄντως ἐργάτης καὶ μέγας Σεραπίων,  
τελευτᾷ ἐν αὐτῇ τῇ Ῥώμῃ, πολλοὺς  
φωτίσας καὶ ὁδηγήσας εἰς τὴν ἀλήθειαν. Περὶ τῆς ἀμμᾶ  
Σάρρας Παρέβαλόν ποτε σκητιῶται τῇ ἀμμᾷ Σάρρα·
5. ἡ δὲ παρέθηκεν αὐτοῖς κανίσκιν· οἱ δὲ ἀφέν-  
τες τὰ καλὰ, ἔφαγον τὰ σαπρά· καὶ εἶπεν αὐτοῖς·  
ὄντως σκητιῶταί ἐστε.  
Εἶπεν ἡ ἀμμᾶς Σάρρα· ὅτι καλὸν ἐστὶν καὶ δι' ἀνθρώπους ποι-  
ῆσαι ἔλεος· εἰ γὰρ καὶ διὰ τὸ ἀρέσαι ἀνθρώπους
10. γίνεται, ἀλλ' ἔρχεται πάλιν εἰς τὸ καὶ θεῶ ἀρέ-  
σαι. Εἶπε πάλιν τοῖς ἀδελφοῖς· ἐγὼ μὲν εἰμὶ ἀ-  
νὴρ· ὑμεῖς δὲ γυναῖκες· οὐ γὰρ προσώπῳ  
κρίνεται ἡ ἀνδρεία, ἀλλὰ καρδίᾳ. Περὶ τῆς ἀμμᾶς Συγκλη-  
τικῆς Εἶπεν ἡ ἀγία Συγκλητική· ὥσπερ πλοῖον ἀδύνα-
15. τον χωρὶς ἡλῶν κατασκευασθῆναι, οὕτως ἀμή-  
χανον σωθῆναι χωρὶς ταπεινοφροσύνης·  
μίμησαι τὸν τελώνην, ἵνα μὴ τῷ φαρισαίῳ συγ-  
κατακριθῇς· καὶ Μωσέως τὸ πρᾶ-  
ον ἐπίλεξαι. ἵνα τὴν καρδίαν σου ἀκρότο-
20. μον οὔσαν, εἰς πηγὰς ὑδάτων μεταβάλῃς.  
Περὶ τοῦ ἀββᾶ Τιθόη  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Τιθόης τῷ μαθητῇ αὐτοῦ· ἀπόλυ-  
σον τὸ ὕδωρ εἰς τοὺς φοίνικας τέκνον· ὁ δὲ λέγει·

5. Gr. κανίσκι(ο)ν “cestino (di cibi)”; sl. “cibi, cibarie”.

17. Pa συγκαταδικασθῆς

1. въ Клизмѣ есмы ѡчѣ. гл̃а стар'ць. въ Кли-
2. змѣ что творюу. възми ме пакы въ гороу ·
3. Съдещѹ иногда абба Тиѡѡю, бѣше братъ
4. при немь. и не вѣде его, въздѣхноу. бѣше
5. бѡ въ истощеніи. и видѣвъ брата, сътво-
6. ри метаніе гл̃іе. прости ме брате. еше
7. нѣсмь инокъ тако прѣ тобою въздѣхноу ·
8. Брѣ възпроси абба Тиѡѡа гл̃іе. р'ци ми сло-
9. во. и рѣ немочу. имаши ли вѣроу къ мнѣ.
10. и рѣ. имамь. рѣ же немочу. иди и еже видѣ-
11. л ме еси твореща, твори и ты. и рѣ немѹ.
12. что зроу на тебѣ ѡчѣ. рѣ немочу стар'ць.
13. тако мысль моя, долнѣша паче всеіе
14. твари іѣ. Въпроси абба Тимѡѡеи а-
15. вва Тиѡѡа гл̃іе. іѣ жена нѣкага въ Еги-
16. птѣ блочдѣши, и мѣздѹ свою даѣтъ ми-
17. лостыню. и рѣ стар'ць. не прѣбыти имѣ
18. въ блочдѣ. видит' бѡ се въ неи плѣ вѣры.
19. бѣ же приити мѣри Тимоѡеа презви-
20. тера къ немочу. и възпроси ю гл̃іе. ѡна же-
21. (на ) выноу ли прѣбываетъ блочдѣши.
22. (ѡна ) же рѣ. еи. паче же и приложи. оба-
23. (че же и ) мѣтыни приложи. пакы приѣ-

153V

454

455

456



1. εἰς τὸ κλύσμα ἑσμέν πάτερ· λέγει ὁ γέρων· εἰς τὸ κλύ-  
σμα τί ποιῶ; ἄρὸν με πάλιν εἰς τὸ ὄρος.  
Καθεζομένου ποτὲ τοῦ ἀββᾶ Τιθόη ἦν ἀδελφὸς  
ἐγγὺς αὐτοῦ· καὶ μὴ εἰδὼς ἑστέναξε, ἦν
5. γὰρ ἐν ἐκστάσει· καὶ ἰδὼν τὸν ἀδελφὸν ἔβαλε  
μετάνοιαν λέγων· συγχώρησόν μοι ἀδελφέ. οὐπω  
γέγονα μοναχὸς ὅτι ἔμπροσθέν σου ἑστέναξα.  
Ἀδελφὸς ἠρώτησεν τὸν ἀββᾶν Τιθόην λέγων· εἰπέ μοι λό-  
γον· καὶ εἶπεν αὐτῷ· ἔχεις πίστιν εἰς ἑμέ;
10. καὶ εἶπεν· ναί· εἶπεν οὖν αὐτῷ· ὕπαγε καὶ ὁ ἐώρα-  
κὰς με ποιοῦντα, ποιήσον καὶ σύ· καὶ εἶπεν αὐτῷ·  
τί ὁρῶ πάτερ εἰς σέ; ἔφη αὐτῷ ὁ γέρων·  
ὅτι ὁ λογισμὸς μου κατώτερός ἐστι πάντων  
τῶν κτισμάτων. Ἠρώτησεν ὁ ἀββᾶς Τιμόθεος
15. τὸν ἀββᾶν Τιθόην λέγων· ἔστι γυνή τις ἐν Αἰγύπ-  
τῳ ἣτις πορνεύει καὶ τὸν μισθὸν αὐτῆς δίδωσιν ἐλε-  
ημοσύνην· καὶ εἶπεν ὁ γέρων· οὐ μένει  
ἐν τῇ πορνείᾳ· φαίνεται γὰρ ἐν αὐτῇ καρπὸς πίστεως.  
ἐγένετο δὲ ἐλθεῖν τὴν μητέρα τοῦ πρεσβυ-
20. τέρου Τιμοθέου πρὸς αὐτόν. καὶ ἠρώτησεν αὐτὴν λέγων· ἐκείνη ἡ  
γυνὴ ἔμεινε πορνεύουσα;  
ἡ δὲ λέγει αὐτῷ· ναί· καὶ προσέθηκε τοὺς ἐραστάς. πλὴν  
καὶ τὴν ἐλεημοσύνην. πάλιν ἐλθοῦ-

22. Pa om. αὐτῷ

1. ши мѣти двѣ Тимофеѣ, рѣ ѿмоу. вѣси ли  
2. ꙗко блочница она хѡтѣше съ мною прѣи-  
3. ти да помолите се о неѣ. ѡнъ же шѣ възвѣ-  
4. сти старцоу по глѡу ѿе. и рѣ ѿмоу старѣць.  
5. паче ты иди глѣти неѣ. ѡнъ же иде по сло-  
6. воу старца. и она видѣвши неѣ и слыша-  
7. вши слово бж҃іе ѡ неѣ, плака. и рѣ ѿмоу.  
8. азъ ѡ днѣ прилѣпѣю се боу. и не приложѣ  
9. к томоу блочдѣти. и бж҃іе вѣшѣши въ  
10. монастырь, бл҃гоугодно бѣу рабѡта .  
11. Знаменіе ѱ, О двѣ Иперехіи .  
12. Рѣ двѣ Иперехіе. инокъ бѣтѣль, ношѣ [и] **457**  
13. днѣ творѣть мѣтѣ прилежѣши. по-  
14. стрѣцае же сѣце свое, изливаетъ слѣзы.  
15. и съ нѣсе призываетъ мѣтѣ . Рѣ пакы. **458**  
16. ꙗкоже лѣвъ страшнѣ ѿ ѡнагромѣ, тако  
17. и искоушенѣ инокъ, помыслѡмѣ вѣжде-  
18. лѣнѣ . Рѣ пакы. пѣ, ѡзда ѿ инокъ на грѣ. **459**  
19. ѡвращѣти же се ѡ неѣ, конѣ ѿ блѣдонѣстѣ(влѣнѣ .)  
20. Рѣ пакы. не съдрѣжѣи незыка въ вѣрѣмѣ гнѣ(ѣ-) **460**  
21. ва, ни стрѣтѣ оудрѣжѣти имѣтѣ сицѣ(ѣви .)  
22. Рѣ пакы. добро ѿ ѣсти мѣса и вино ( пити,) **461**  
23. и не ѣсти клеветѣми плѣти брѣ(ѣа .)

1. σα ἡ μήτηρ τοῦ ἀββᾶ Τιμοθέου λέγει αὐτῷ· οἶδας  
ὅτι ἡ πόρνη ἐκείνη ἐζήτει ἐλθεῖν μετ' ἐμοῦ  
ἵνα εὕξησθε ὑπὲρ αὐτῆς; ὁ δὲ ἀπελθὼν ἀνήγγει-  
λε τῷ γέροντι κατὰ τὴν φωνὴν αὐτῆς· καὶ λέγει αὐτῷ ἐκεῖνος·
5. μᾶλλον σὺ ἄπελθε καὶ σύντυχον αὐτῇ· ὁ δὲ ἀπήλθεν κατὰ τὸν  
λόγον τοῦ γέροντος· καὶ αὐτὴ ἰδοῦσα αὐτὸν καὶ ἀκούσα-  
σα παρ' αὐτοῦ τὸν λόγον τοῦ θεοῦ. κατενύγη καὶ ἔκλαυσε καὶ εἶπεν  
αὐτῷ· ἐγὼ ἀπὸ τῆς σήμερον κολλῶμαι τῷ θεῷ. καὶ οὐ προσθήσω  
ἔτι τοῦ πορνεῦειν· καὶ εὐθέως εἰσελθοῦσα εἰς
10. μοναστήριον εὐηρέστησε (τῷ θεῷ).  
Περὶ τοῦ ἀββᾶ Ὑπερεχίου.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ὑπερέχιος. ἡμέραν τὴν νύκτα  
ἀπεργάζεται μοναχὸς ἄγρυπνος, εὐχῇ προσεδρεύων· νύσ-  
σων δὲ καρδίαν αὐτοῦ. προχέει δάκρυον·
15. καὶ οὐρανόθεν προσκαλεῖται ἔλεον. Εἶπε πάλιν·  
ὥσπερ ὁ λέων φοβερός ἐστι τοῖς ὀνόμοις, οὕτως  
ὁ δόκιμος μοναχὸς λογισμοῖς ἐπιθυ-  
μίας. Εἶπε πάλιν· ἡ νηστεία χαλινός ἐστι τῷ μοναχῷ κατὰ τῆς  
ἀμαρτίας· ὁ ρίπτων αὐτὴν ἵππος θελυμανής ἐστίν.
20. Εἶπε πάλιν· ὁ μὴ κρατῶν γλώσσης αὐτοῦ ἐν καιρῷ ὀρ-  
γῆς, οὐδὲ πάθους κρατήσῃ ὁ τοιοῦτος.  
Εἶπε πάλιν· καλὸν φαγεῖν κρέα καὶ πιεῖν οἶνον.  
καὶ μὴ φαγεῖν ἐν καταλαλίαις σάρκας ἀδελφῶν.

10. Pa τῷ θεῷ M τὸν θεόν (ma ω è scritto entrambe le volte sopra la riga in corrispondenza di ον).

23. Pa ἀδελφοῦ

|     |                                            |     |      |
|-----|--------------------------------------------|-----|------|
| 1.  | Рѣ пакы. сѣхо ѿ поста тѣло инока, дѣшю     | 462 | 154V |
| 2.  | изъ глыбины възводитъ · Рѣ пакы. цѣломѣ-   | 463 |      |
| 3.  | дрь инокъ, на земли почтенъ бѣдѣ. и на     |     |      |
| 4.  | нѣсѣхъ прѣ вышнимъ вѣнчанъ бѣдетъ ·        |     |      |
| 5.  | Рѣ пакы. глѣ лоукавъ да не износеть оуста  | 464 |      |
| 6.  | твоя. ложа оубѣ, трѣние не плодитъ ·       |     |      |
| 7.  | Рѣ пакы. мысль твоя да ѣ присно въ црѣви   | 465 |      |
| 8.  | нѣнымъ, и скоро наслѣдиши ѣ ·              |     |      |
| 9.  | Рѣ двѣ Иперехиѣ. скровище ѣ инокъ по-      | 466 |      |
| 10. | слѣшаниѣ. истежави се, ѿ бѣ слыша-         |     |      |
| 11. | нъ бѣдетъ. и съ дрѣзновлениѣмъ распѣ-      |     |      |
| 12. | нѣшомъ се прѣстанеть. и бѣ распѣнѣши       |     |      |
| 13. | се гѣ, послушави бѣ до смрѣти ·            |     |      |
| 14. | Знаменіе фрѣ. О двѣ Филорѣмѣ ·             | 467 |      |
| 15. | Филорѣмѣ нѣкто именѣмъ, бѣ инокъ и-        |     |      |
| 16. | скоушенъ зѣлѣ. изыде же ѿ мира въ лѣ-      |     |      |
| 17. | та Иѣлиана злоименитаго царя. и съ дрѣ-    |     |      |
| 18. | зновлениѣмъ прѣпираше се съ нимъ. до-      |     |      |
| 19. | сѣждѣ немъ и обличѣ неистовѣство его.      |     |      |
| 20. | (ѣ)гоже ѿстрижи повелѣ, и отрочиши крѣ-    |     |      |
| 21. | (пко) зѣшанъ бывати. сѣи же повелѣнно-     |     |      |
| 22. | (ѣ трѣп)ѣше и бѣгдодарениѣ немѣмъ въздаше  |     |      |
| 23. | (се)мѣмъ крѣпкомѣмъ нападе блѣнѣна и лако- |     |      |

1. Εἶπε πάλιν· ξηρὸν ὑπὸ νηστείας σῶμα μοναχοῦ, ψυχὴν  
ἐκ βυθοῦ ἀνιμᾶται· Εἶπε πάλιν· σώφρων  
μοναχὸς ἐπὶ τῆς γῆς τιμηθήσεται. καὶ ἐν  
οὐρανοῖς ἐναντίον ὑψίστου στεφανωθήσεται.
5. Εἶπε πάλιν· ῥῆμα ποιηρὸν μὴ πρόφερε τῷ στόματί  
σου, ἄμπελος γὰρ ἀκάνθας οὐ φέρει.  
Εἶπε πάλιν· ἡ ἐνθύμησίς σου ἔστω διαπαντός ἐν τῇ βασιλείᾳ  
τῶν οὐρανῶν· καὶ ἐν τάχει κληρονομήσεις αὐτήν.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ὑπερέχιος. κειμήλιόν ἐστι μοναχοῦ ἡ ὑ-
10. πακοή· ὁ κεκτημένος αὐτήν, εἰσακοκλυσθήσεται  
ὑπὸ τοῦ θεοῦ. καὶ μετὰ παρρησίας τῷ σταυρωθέν-  
τι παραστήσεται· ὁ γὰρ σταυρωθεὶς  
κύριος ὑπήκοος γέγονε μέχρι θανάτου.  
Στοιχεῖον φ Περί τοῦ ἀββᾶ Φιλωώμου
15. Φιλωώμος τις ὀνόματι γέγονε μοναχὸς δο-  
κιμώτατος· ἀπετάξατο δὲ ἐν ταῖς ἡμέ-  
ραις Ἰουλιανοῦ τοῦ δυσωνύμου βασιλέως, καὶ μετὰ παρ-  
ρησίας διελέγετο αὐτῷ· ὑβρί-  
ζων αὐτὸν καὶ ἐλέγχων τὴν μαρίαν αὐτοῦ·
20. ὃν ξυρισθῆναι ἐκέλευσεν καὶ ὑπὸ παιδαρίων εὐτό-  
ως κατακοσισθῆναι· ὅστις ἐγκαρτερῶν τῷ προστάγμα-  
τι, καὶ χάριτας αὐτῷ ὡμολόγει·  
τούτῳ τῷ γειναίῳ ἐπέθεντο ὁ τῆς πορνείας καὶ γαστρι-

1-2. Il testo di Pa finisce con ἀνιμᾶται, quello di M invece prosegue così:  
καὶ ξεραίνει ὀχετοὺς ἡδονῶν, νηστεία μοναχοῦ.

1. ма҃а бранѣ. толико же бори се. ꙗко желѣ-
2. за възложи на се и затвори се брашна не въ-
3. кѣшае. ѿ теже лѣ̃, пости се възрѣжани-
4. юмъ симъ жестокымъ, и побѣди соупо-
5. ста҃аго. гл҃аше же бл҃женѣи съ. ꙗко за
6. л̃ лѣ̃, ни единомуу ѿвошию косноухъ се.
7. страхѣ же борившоу ме, ꙗко и въ д҃ми бо-
8. яти ми се. и въ гробѣ себе затвори лѣ̃ с̃.
9. и семоу одолѣ̃ посемъ же осезаниа бранѣ
10. бори ме, и сию побѣдѣ̃ бл҃г҃тию х҃вою .
11. Гл҃аше же и се бл҃женѣи Филорѣмъ. ꙗко ѿ-
12. нелиже оувѣдѣ̃ и пороженъ бѣ водою и дх҃о-
13. мъ, до днѣ̃ тѣ̃ не хлѣбъ тоужѣ не изѣдѣ̃.
14. нь ѿ свой троудѣ̃, с̃ златицѣ ѿ рѣко-
15. дѣлиа своего дадѣ̃ прокаженымъ.
16. бѣше бѣ̃ доброписецъ сѣлѣ̃ искоушѣ̃.
17. съ не прѣста пише, до ꙗ̃ тимъ лѣтѣ̃
18. нѣгдѣ соущѣ̃ възрастомъ. и николиже
19. оумомъ бѣ̃ ѿстоупи . О авва Фоцѣ̃ .
20. Повѣдаше авва Фока. ꙗко прѣж̃(е)
21. доити въ скитъ авва Іакѡвоу, бо(римъ)
22. бѣ̃ крѣпко ѿ бѣса блѣуднаго. и б(лизѣ соупо-)
23. шѣ̃ пострадати блѣдомъ, прии(де къ мнѣ̃)

468

469

1. μαργίας πόλεμος· ὅστις νικήσας, σιδηρο-  
φορῶν τε καὶ ἐν κλεισμῷ· καὶ ἀποχῇ βρωμάτων·  
ἐπὶ δεκαοκτὼ ἔτη ἀσκήσας τὴν σκληρὰν  
ταύτην ἐγκράτειαν. ἐνίκησε τὸν διάβο-
5. λον. ἔλεγε δε οὕτως ὁ μακάριος· ὅτι ἐπὶ  
τριάκοντα ἔτη, οὐδεμιᾶς ὁπώρας ἠψάμην.  
δειλίας δέ με πολεμησάσης ποτὲ εἰς ἄκρον ὡς καὶ αὐτὴν  
τὴν ἡμέραν ἐκφοβεῖν με, μνήματι ἑαυτὸν ἐγκαθεῖρξα. ἐπὶ ἕξ ἔτη  
καὶ ταύτης περιεγενόμην, τὸν ἕξ ἐπαφῆς πόλεμον
10. πολεμήσας μετὰ τοῦ πνεύματος τοῦ τὴν δειλίαν μοι ἐπάγοντος.  
Ἦλεγε δὲ καὶ τοῦτο ὁ ἀοίδιμος· ὅτι ἀφ' οὗ  
ἐμυσταγωγῆθην, καὶ ἀνεγεννήθην δι' ὕδατος καὶ πνεύμα-  
τος μέχρι τῆς σήμερον, ἄρτον ἀλλότριον δωρεὰν οὐκ ἔφαγον·  
ἀλλ' ἐκ τῶν ἰδίων πόνων, διακόσια νομίσματα ἐκ τοῦ ἔργο-
15. χείρου μου δέδωκα λελωβημένοις·  
ἦν γὰρ καλλιγράφος πάνυ εὐφυής·  
ὅς τοῦ γράφειν οὐκ ἔπαυσεν, ὀγδοηκοστόν που ἄγων ἔτος  
τῆς ἡλικίας· καὶ μηδέποτε ἀποστὰς  
κατὰ νοῦν τοῦ θεοῦ. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Φωκᾶ
20. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Φωκᾶς· ὅτι μετὰ  
τὸ ἐλθεῖν εἰς σκῆτιν τὸν ἀββᾶν Ἰάκωβον, ἐπολεμήθη  
κραταιῶς ὑπὸ τοῦ δαίμονος τῆς πορνείας· καὶ ἐγγὺς ὦν  
τοῦ κινδυνεῦσαι, ἦλθε πρὸς με·

1. Lo slavo presuppone νεικήσας, che sembra anche logicamente preferibile alla lezione νικήσας di M Pa.

4. Pa ἐγκράτειαν ταύτην

1. и повѣда ми ꙗже о немь. и рече<sup>ѣ</sup> ми. ето где
2. въ котороу пещерѣ ѿхождоу ѿ пнелника.
3. молю же те гдѣ ради, никомѣже повѣжѣ. ни
4. ѿдоу ми. нѣ прѣчти мѣ днѣи, и негда ско-
5. нчаютъ се, сътвори любовь и прииди къ мнѣ
6. и принеси стое причещение. и аще обре-
7. щеши ме оумьрша, погребѣ ме. аще ли
8. еше жива, да причешоу се стмоу приче-
9. щению. си оубо азъ ѿ него слышавъ. исплѣ-
10. нѣшим се мѣ тимъ днѣмъ. възьмѣ стое
11. причещение. и хлѣбъ. и вино мало, идохъ
12. къ немюу. и ꙗкоже тѣчию пристѣпѣ<sup>ѣ</sup> къ
13. пещерѣ, смрадъ много обонѣхъ, еже бѣ-
14. ше ѿ оустъ его. и рѣхъ въ себѣ, ꙗко почи-
15. ль ѣ<sup>ѣ</sup> блженъи. вѣшѣ же къ немюу, обре-
16. тѣ<sup>ѣ</sup> его елѣ жива. и ꙗкоже видѣ ме, по-
17. манѣ десною роукою елико възможно
18. емоу бѣ. знаменѣ о стомъ причещени
19. азъ же рѣхъ немюу, имамъ. ѿверзохъ же оу-
20. (с)та его мало. и влидохъ чѣстное тѣло и
21. (кръ)вѣ по drobноу сътрѣвѣ. и прие силоу
22. (ѿ при)чещениа стѣхъ тайнѣ. и потомъ на-
23. (квасихъ) мало трохъ виномъ, и принесѣ<sup>ѣ</sup>



1. καὶ ἀνέθετο τὰ καθ' ἑαυτόν, καὶ λέγει μοι· εἰς τόδε  
τὸ σπήλαιον ἀπέρχομαι ἀπὸ τῆς δευτέρας·  
παρακαλῶ δέ σε διὰ τὸν κύριον μηδεὶ εἰπεῖν μηδὲ  
τῷ πατρί μου· ἀλλὰ μέτρησον τεσσαράκοντα ἡμέρας· καὶ ὅταν πλη-  
ρωθῶσιν, ποιήσον ἀγάπην καὶ δεῦρο πρὸς με·  
βάσταξον τὴν ἁγίαν κοινωνίαν, καὶ εἰ μὲν εὖ-  
ρης με θανόντα, θάψον με· εἰ δὲ  
ἔτι ζῶντα, ἵνα μεταλάβω τῆς ἁγίας κοινω-  
νίας· ταῦτα οὖν ἀκούσας ἐγὼ παρ' αὐτοῦ, πληρω-
10. θείσης τῆς τεσσαρακοστῆς ἡμέρας λαβὼν τὴν ἁγίαν  
κοινωνίαν καὶ ἄρτον κοινὸν καθαρὸν μετὰ ὀλίγου οἴνου, ἀπῆλθον  
πρὸς αὐτόν· καὶ ὥς μόνον ἐπλησίασα  
τῷ σπηλαίῳ, δυσωδίας πολλῆς ὠσφράνθην, ἥτις ἐγέ-  
νετο ἐκ τοῦ στόματος αὐτοῦ· καὶ εἶπον ἐν ἑαυτῷ, ὅτι ἀνε-
15. πάῃ ὁ μακάριος· εἰσελθὼν δὲ πρὸς αὐτόν, εὖ-  
ρον αὐτὸν ἡμιθανή, καὶ ὥς εἶδέ με κινή-  
σας τὴν δεξιὰν χεῖρα αὐτοῦ ὀλίγον ὅσον ἠδύνατο,  
ἐσήμανε περὶ τῆς ἁγίας κοινωνίας·  
ἐγὼ δὲ εἶπον· ἔχω· ἠθέλησα δὲ ἀνοῖξαι τὸ στό-
20. μα αὐτοῦ μικρόν, καὶ ἐνέχεα τοῦ τιμίου σώματος καὶ  
αἵματος ὅσον ἐνδέχεται καταλεπτύνας αὐτό· καὶ ἔλαβε δύναμιν  
ἐκ τῆς μεταλήψεως τῆς ἁγίας κοινωνίας· καὶ μετὰ πολὺ  
βρέξας ὀλίγα ψιχία ἐκ τοῦ κοινοῦ ἄρτου, προσήνεγκα

1. Qui, contrariamente al solito, lo slavo è più restrittivo del greco nell'uso del riflessivo.

5. Pa καὶ ἔλθε πρὸς με·

23. Pa ψιχίδια

1. немѣ. и мало потомъ пакы по мною. и
2. тако бл҃гѣтию х҃вою по единомъ дни, съ
3. мною ходѣше прииде въ келию свою. бѣу
4. помог'шѣ, избави се ѿ лютыне стрѣти бл҃жныѣ .
5. Гл҃аше же и се бл҃женны Фѡкѣ о авва Іакѡвѣ.
6. тако сѣщѣ ми въ скитѣ, събѣше въ келиахѣ,
7. имѣе по пальти ѿца своего, и дх҃овна ѿца.
8. имѣше же келииѣ мно, двѣ цркви. еди-
9. нѣ православыи идеже причещахѣ се. и
10. дровѣхѣ нѣкыи ересники нарицаемыи апо-
11. схисте. и понеже авва Іакѡвѣ имѣше да-
12. рь смѣренномѣриа, любимъ бѣше в'сѣм(и).
13. и црковники, и апосхитѣны. гл҃ахѣ же не-
14. моеу православыи. авва Іакѡве, да не прѣ-
15. льстет' те апосхитѣне. такоже и апосхи-
16. стѣне гл҃ахѣ емѣ. да вѣси авва Іакѡве, іа-
17. ко съ двоестѣвники причащае се, погоу-
18. блѣши дш҃оу свою. авва Іакѡвѣ же цѣль сы
19. и стѣжив си ѿ гл҃емѣ немоеу ѿ обоихѣ ст(ра-)
20. нь, съмотри въ себѣ помолити бѣ о сем(ь.)
21. и изышѣ съкры себе въ келии ѣстране(нѣ)
22. облакъ себе въ погрибалнаго своа (такѡ хо-)
23. тешоу оумирати. имають оуб(о обыча-)

8. НВ келие

12. НВ в'сѣми Ре в'сѣм'

1. αὐτῷ· καὶ μετὰ ὀλίγον, πάλιν, ἀλλὰ πλείονα. καὶ οὕτως διὰ τῆς χάριτος τοῦ Χριστοῦ μετὰ μίαν ἡμέραν, σὺν ἐμοὶ ἦλθεν ὁδεύων ἐπὶ τὸ ἴδιον κελλίον· ἀπαλλαγείς σὺν θεῷ τοῦ ὀλεθρίου πάθους τῆς πορνείας.
5. Ἔλεγεν δὲ καὶ τοῦτο ὁ μακάριος Φωκᾶς περὶ τοῦ αὐτοῦ ἀββᾶ Ἰακώβου· ὅτι ὄντος μου εἰς τὴν σκῆτιν ἐκαθέζετο ἐν τοῖς κελλίοις ἔχων τὸν σαρκικὸν αὐτοῦ πατέρα· καὶ πνευματικὸν πατέρα· εἶχον δὲ τὰ κελλία δύο ἐκκλησίας· μίαν τῶν ὀρθοδόξων, ἔνθα καὶ ἐκοινωνεῖ· καὶ
10. μίαν τῶν ἀποσχιστῶν· ἐπεὶ οὖν ὁ ἀββᾶς Ἰάκωβος εἶχεν τὸ χάρισμα τῆς ταπεινοφροσύνης, ἡγαπᾶτο παρὰ πάντων, καὶ τῶν ἐκκλησιαστικῶν καὶ τῶν ἀποσχιστῶν· ἔλεγον οὖν αὐτῷ οἱ ὀρθόδοξοι· ἀββᾶ Ἰάκωβε· μὴ ἀπα-
15. τήσωσί σε οἱ ἀποσχίσται· ὁμοίως δὲ καὶ οἱ ἀποσχίσται ἔλεγον αὐτῷ· ἵνα οἶδας ἀββᾶ Ἰάκωβε· ὅτι μετὰ τῶν διφυσιτῶν κοινωνῶν, ἀπόλλεις τὴν ψυχὴν σου· ὁ δὲ ἀββᾶς Ἰάκωβος ἀκέραιος ὢν, καὶ στενωθεὶς ἐκ τῶν λεγομένων αὐτῷ ἐξ ἀμφοτέρων τῶν
20. μερῶν, ἐσκέψατο ἐν ἑαυτῷ παρακαλέσαι τὸν θεόν· καὶ δὴ ἀπέκρινεν ἑαυτὸν ἐν κελλίῳ ἔξω τῆς λαύρας ἡσυχάζοντα· ἐνδυσάμενος τὰ ἐντάφια αὐτοῦ ὡς μέλ-  
λων ἀποθνήσκειν· ἔχουσι γὰρ ἔθος

10. Il termine ἀποσχίστης nonostante il suo valore generale di “scismatici” è usato spesso per alcune specifiche categorie di eretici (si veda la nota in G, ad loc.); qui si tratta evidentemente (cf. r. 17) di monofisiti.

1. и егѣп'т'сѣи ѿѿи, левитѡвъ и кѡкѡль
2. им'же испрѣва приѣмлютъ ѡбразъ, хра-
3. нити до смърти и въ тѣѣ погрибати се. на
4. в'сакѡ нѣлю тѣчию облачеше, и с тѣми при-
5. чешающе се, и пакы абие скривають. шѣ-
6. шоу же въ келию ѡноу, молиаше се бѡу. и и-
7. знемогшоу постѡ, паде на земли. многа
8. же глѣше ꙗко пострада, паче же ѡ бѣсѡв'
9. оумомъ. м̄ тим' же днѣмъ мимошѣи
10. оузрѣ отроче вышѣше к' нѣмоу радостно
11. и глѣюще нѣмоу. авва ꙗковѣ, что твори-
12. ши ѡе. ѡн' же абие просвѣщъ се и приѣм'
13. силоу ѡ видѣниа, рѣ нѣмоу. вѣко, ты вѣ-
14. си что имамъ. они глѣют' ми да не оста-
15. виши цркви. дрѣзи же глѣют' ми. ꙗко
16. прѣльщают' те двоестѣвници. аз же
17. ѡдивив се и не имѣе что сътворити, при-
18. идѡ на дѣло се. глѣ емоу гѣ. идеже еси,
19. добръ еси. и абие съ словомъ, обрѣте се
20. (п)рѣ двѣрми стѣне цркви православны(е .)
21. (О авва Фор)тѣ. Рѣ авва Форта. аще хоцет' ме **471**
22. (бѣ да ) живоу, вѣсть како ѡстроить ѡ
23. (мнѣ .) аще ли не хоцетъ, чемѡ ми ѣе и жи-

1. οἱ αἰγύπτιοι πατέρες, τὸν λεβιτῶνα  
εἰς ὃν λαμβάνουσι τὸ ἅγιον σχῆμα καὶ τὸ κουκούλιον φυ-  
λάττειν ἕως θανάτου, καὶ ἐν αὐτοῖς ἐνταφιάζεσθαι, κα-  
τὰ κυριακὴν μόνον, φοροῦντες αὐτὰ εἰς τὴν ἀγίαν
5. κοινωνίαν, καὶ εὐθέως συστέλλοντες· ἀπελ-  
θὼν οὖν ἐν τῷ κελλίῳ ἐκείνῳ παρεκάλει τὸν θεόν· καὶ ἐ-  
ξατονήσας τῇ νηστείᾳ, ἔπεσε χαμαί· πολλὰ  
δὲ ἔλεγε πεποινθέναι ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις, καὶ μάλιστα ὑπὸ  
τῶν δαιμόνων κατὰ διάνοιαν· τεσσαράκοντα δὲ ἡμερῶν διελθουσῶν,
10. ὁρᾷ παιδίον εἰσελθὼν πρὸς αὐτὸν περιχαρὲς·  
καὶ λέγει αὐτῷ· ἄββᾶ Ἰάκωβε, τί ποιεῖς  
ᾧδε; ὁ δὲ παραχρῆμα φωτισθεὶς καὶ λαβὼν  
δύναμιν ἐκ τῆς ὀπτασίας, εἶπεν αὐτῷ· δέσποτα σὺ γινώ-  
σκεῖς τί ἔχω· ἐκεῖνοι λέγουσί μοι· μὴ ἀφήσ
15. τὴν ἐκκλησίαν· καὶ ἄλλοι λέγουσί μοι·  
πλανῶσί σε οἱ διφυσῖται· κἀγὼ  
ἀπορούμενος καὶ μὴ εἰδὼς τί δράσω, ἦλ-  
θον εἰς τὸ πρᾶγμα τοῦτο· λέγει αὐτῷ ὁ κύριος· ὅπου εἶ,  
καλῶς εἶ· καὶ εὐθέως σὺν τῷ λόγῳ εὐρέθη
20. πρὸ τῶν θυρῶν τῆς ἀγίας ἐκκλησίας τῶν ὀρθοδόξων.  
Περὶ τοῦ ἄββᾶ Φορτᾶ Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Φορτᾶς· ὅτι εἰ θέλει με  
ὁ θεὸς ζῆν, οἶδε πῶς οἰκονομήσει με·  
εἰ δὲ οὐ θέλει, ἵνα τί μοι τὸ ζῆν;

1. ти. ниже ѿ кого принимаше что. еже паче
2. ѿ одра недвижимъ бѣше. гл҃аше бѡ. аще
3. кто принесет' ми что, и нѣ бѣ ради. ни азъ и-
4. мамъ что дати немощ, ниже ѿ бѣ приемлѣ
5. мьздѣ. и лишдет' се принесшій ·
6. Знаменіе хера. О авва Хѡмъ ·
7. Гл҃ахѣ о авва Хѡмъ. ꙗко хѡтещѣ прѣста- **472**
8. вѣти се, рече сномъ своимъ. не прѣбѣдѣте
9. съ еретики. ниже имѣйте разѣмъ съ кне-
10. зы. ниже да бѣдоуѣ роуки ваше простръты
11. на възетіе. нѣ паче простръты на даваніе ·
12. Гл҃ахѣ о авва Херимѡнъ въ скитѣ ꙗко ѡстѣ- **473**
13. наше пещера его ѿ цр҃кве, мѣ пыприць. ѿ
14. воды же ѡстояше, вѣ пыприць. и тако
15. приношаше и прѣти роукодѣла своего
16. ѡтѣдоу. тамо бѡ и то при водѣ бѣше. и двѣ
17. стамнѣ съ водою, единѣ по единой носе въ
18. пещероу свою. и тако сѣдѣше мальче ·
19. Знаменіе ѱи. О авва Ѳенѡдисіи ·
20. Рече авва Ѳенѡдисіе. и Соуръ. и Ѳѡіе. ꙗк(о) **474**
21. слышаше слово ѡца нашего Пахѡм(ита, ве-)
22. лми ползевахом' се, на ревность бл҃(гымъ)
23. дѣломъ подвижающе се. зреше ж(е него и мль-)

1. οὔτε γὰρ παρὰ παντὸς ἐδέχετό τι· καίτοι  
κλινήρης ὢν· ἔλεγε γάρ· ἐὰν  
προσφέρῃ μοι τίς τί ποτε καὶ οὐχὶ διὰ τὸν θεόν. οὔτε ἐγὼ  
ἔχω τί δοῦναι αὐτῷ, οὔτε παρὰ τῷ θεῷ λαμβάνει
5. μισθόν· καὶ ἀδικεῖται ὁ προσεινέγκας.

Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Χομαί, ὅτι μέλλων τελευ-  
τᾶν εἶπε τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ· μὴ οἰκήσητε  
μετὰ αἵρετικ(οῦ), μήτε σχῆτε γνῶσιν μετὰ ἀρ-

10. χόντων· μηδὲ ἔστωσαν αἱ χεῖρες ὑμῶν ἠπλωμέναι  
εἰς τὸ λαβεῖν, ἀλλὰ μᾶλλον ἠπλωμέναι εἰς τὸ διδόναι.  
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Χαιρήμονος εἰς σκῆτιν· ὅτι ἀπεί-  
χε τὸ σπήλαιον αὐτοῦ ἀπὸ τῆς ἐκκλησίας μίλια τεσσα-  
ράκοντα· ἀπὸ δὲ τοῦ ἔλους καὶ τοῦ ὕδατος, μίλια δώδεκα· καὶ οὕτως
15. εἰσέφερε τὸ ἐργόχειρον αὐτοῦ εἰς τὸ  
σπήλαιον αὐτοῦ· καὶ δύο  
λαγύνια ἔν παρ' ἑν βαστάζων,  
καὶ ἐκάθητο ἡσυχάζων.  
Στοιχεῖον ψ
20. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ψειθαΐσιος καὶ Σούρος καὶ Ψώϊος· ὅτι  
ἀκούοντες τῶν λόγων τοῦ πατρὸς ἡμῶν Παχωμίου, με-  
γάλως ὠφελούμεθα εἰς ζῆλον ἀγαθῶν  
ἔργων διεγειρόμενοι· ὁρῶντες δὲ αὐτ(οῦ) καὶ σιω-

9. Emendiamo secondo Pa αἵρετικοῦ (che peraltro presenta il problema di  
un cambio di numero) la lezione di M μετὰ αἵρετικούς. G μετὰ αἵρετικῶν.
23. G αὐτοῦ M Pa αὐτὸν.

1. чѣша дѣло слово соущѣ, дивлѣхомъ се дрѣгъ дрѣ-
2. гѣ глѣюще. ꙗко мнѣхомъ. вси стѣи, тако съ-
3. творени соѣ ѿ бѣ. ис чрѣва мѣрнѣ стѣи и непо-
4. колѣбими. и грѣшныѣ, не могѣше жити бла-
5. гочѣстно. зане тако сътворенѣмъ и тѣмъ.
6. нѣна же зримъ блѣтъ бж҃ию ꙗвѣ на ѡцѣ наши-
7. мъ Пахоміи. ꙗко ѿ родитель еллинъ сы
8. толико бл҃гочѣстивъ бѣ. и всѣми заповѣ-
9. дми бж҃іими ѡдѣанъ іе. прочее же и мы и
10. вси, можемъ послѣдовати ѣмоу. понеже
11. по стѣхъ идеть. еда ѣбѡ писанное се іе. е-
12. же глѣтъ. прїидѣте вси трѣжающеи се и о-
13. брѣмененїи, и азъ покою вѣ. оумрѣмъ ѣ-
14. же и оживѣмъ съ чл҃комъ симъ. понеже
15. право наставляетъ нѣ къ бѡу ·
16. Знамение ѡна великаѣ. О авва Ѡрѣ ·
17. Гл҃ахѣ о авва Ѡрѣ. и авва Ѳеѡдорѣ. ꙗко
18. бѣхѣ полагающа калъ на келию. и рѣше
19. дрѣгъ къ другоу. нѣна аще посѣтитъ
20. (на)сѣ бѣ, что сътворимъ. и плакавше мнѣ-
21. (го ) оставише калъ, и отиде къжо ве ке-
22. (лию ) свою. Гл҃ахѣ о авва Ѡрѣ. и авва
23. (Ѳеѡ)рѣ. ꙗко бѣхѣ полагающе в'сегд(а)

157V

475

476



1. πῶντος τὴν πράξιν λόγον οὖσαν, ἐθαυμάζομεν  
πρὸς ἀλλήλους λέγοντες· ὅτι ἐνομίζομεν πάντας τοὺς ἁγίους οὕ-  
τω πεποιῆσθαι ὑπὸ θεοῦ ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῶν, ἁγίους καὶ ἀ-  
τρέπτους· καὶ τοὺς ἁμαρτωλοὺς μὴ δυναμένους ζῆν εὖ·
5. σεβῶς· διὰ τὸ οὕτως κτισθῆναι αὐτούς·  
ἄρτι δὲ βλέπομεν τὴν ἀγαθότητα τοῦ θεοῦ φανερώς ἐπὶ τοῦ  
πατρὸς ἡμῶν Παχωμίου· ὅτι ἐξ ἐλλήνων γονέων ὢν,  
τοσοῦτον θεοσεβῆς γέγονεν. καὶ πάσας τὰς ἐντο-  
λὰς τοῦ θεοῦ ἐνδεδυμένος ἐστίν· οὐκοῦν καὶ ἡμεῖς δυνάμεθα καὶ
10. πάντες ἀκολουθῆσαι αὐτῷ, ἀνθ' ὧν  
ἀκολουθεῖ τοῖς ἁγίοις· ἄρα τὸ γεγραμμένον τοῦτό ἐστιν,  
δεῦτε πάντες οἱ κοπιῶντες καὶ πε-  
φορτισμένοι, κἀγὼ ἀναπαύσω ὑμᾶς· συναποθάνωμεν οὖν  
καὶ συζήσωμεν τῷ ἀνθρώπῳ τούτῳ, ὅτι
15. ὀρθῶς ὁδηγεῖ ἡμᾶς πρὸς τὸν θεόν.  
Στοιχεῖον ὡς Περὶ τοῦ ἀββᾶ Ὡρ  
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ὡρ καὶ τοῦ ἀββᾶ Θεοδώρου· ὅτι  
ἦσαν βάλλοντες πηλὸν εἰς κελλίον· καὶ εἶπον  
πρὸς ἀλλήλους· ἄρτι ἐὰν ἐπισκέψηται
20. ἡμᾶς ὁ θεὸς τί ποιούμεν· καὶ κλαύσαντες ἰκα-  
νῶς, ἀφῆκαν τὸν πηλὸν καὶ ἀνεχώρησαν ἕκαστος εἰς τὸ κελ-  
λίον ἑαυτοῦ. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ὡρ καὶ τοῦ ἀββᾶ  
Θεοδώρου ὅτι ἦσαν βάλλοντες

1. начела бл҃га, и бл҃годареше бл҃ присно ·
2. Бѣше нѣкто мирѣанинъ въ странѣ авва Ѡ- 477
3. ра. и много мѣтынѣ творѣше. и пришѣ
4. къ нѣкоему ѿ ѿць, молиаше и да ѿведѣ
5. его къ авва Ѡроу. шѣ же къ авва Ѡрѣ ино-
6. къ съ, хвалиаше мирѣанина ꙗко добръ ѿ и
7. многы мѣтины творить. и разѣмѣвъ же
8. старѣць г҃ла. еи, добръ ѿ. начет же инокъ
9. молити его г҃ле. прости его авва, да при-
10. идеть и видитъ те. и ѿвѣщавъ старѣць рѣ.
11. въ истинѣ не прѣходитъ дѣбрь сы видѣти ме ·
12. Рѣ авва Ѡръ оученикоу своему. чедо, бѣ- 478
13. г҃и ѿ вещи, приближаетъ се безвеществѣ-
14. номоу. събираеи же вещи, ѿлоучает се
15. безвеществѣнаго · Рѣ иногда авва Ѡрѣ 479
16. оученикъ его. авва, вѣси ꙗко Пасха ѿ.
17. и пѣбаетъ и намъ прѣзновати. г҃ла емѣ
18. старѣць. еи чедо. азъ оубѣ забыль не смѣ.
19. и изышѣ надворь, сътвори г҃ дѣни стое-
20. ше, прострѣты имѣ роуки на нбо. п(о)
21. третием же дѣни, г҃ла немоу. се оуж(е про-)
22. тивоу силѣ, прѣзновахъ Пасхѣ. г҃ла немоу)
23. оученикъ его. авва, что сице ( сътвори.)

1. ἀρχὰς ἀγαθὰς, καὶ εὐχαριστοῦντες τῷ θεῷ διαπαντός.  
Ἦν τις κοσμικὸς ἐν τοῖς μέρεσι τοῦ ἀββᾶ Ὡρ,  
Λογγίνος καλούμενος· καὶ πολλὰς ἐλεημοσύνας ἐποίει· καὶ παρα-  
λαβὼν τινα τῶν πατέρων, παρεκάλει ἵνα ἄρῃ
5. αὐτὸν πρὸς τὸν ἀββᾶν Ὡρ. ἀπελθὼν οὖν πρὸς τὸν  
γέροντα ὁ μοναχὸς, ἐνεῖγκωμιάζε τὸν κώμητα ὅτι καλὸς ἐστίν  
(ἦρξατο) καὶ πολλὰς ἐλεημοσύνας ποιεῖ· καὶ νοήσας  
ὁ γέρων λέγει· ναὶ καλὸς ἐστίν· ἦρξατο οὖν ὁ μοναχὸς  
παρακαλεῖν αὐτὸν λέγων· συγχώρησον αὐτῷ ἀββᾶ, ἵνα ἔλ-  
10. θῇ καὶ ἴδῃ σε· καὶ ἀποκριθεὶς ὁ γέρων εἶπεν·  
φύσει οὐ περὶ τὴν φάραγγα ταύτην καὶ βλέπει με.  
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ὡρ τῷ μαθητῇ αὐτοῦ· τέκνον· ὁ φεύ-  
γων τὴν ὕλην, ἐγγίζει τῷ ἀνύ-  
λω. ὁ δὲ ἐπισπώμενος ταύτης, χωρίζεται
15. τῷ ἀνύλῳ. Εἶπέ ποτε τῷ ἀββᾶ Ὡρ  
ὁ μαθητὴς αὐτοῦ· ἀββᾶ· οἶδας ὅτι τὸ πάσχα ἐστίν  
καὶ ὀφείλομεν καὶ ἡμεῖς ἐορτάσαι; λέγει αὐτῷ  
ὁ γέρων· ναὶ τέκνον, ἀλλ' ἐπελαθόμην·  
καὶ ἐξελθὼν ἔξω, ἐποίησε τρεῖς ἡμέρας· ἰστά-  
20. μενος ἐκτεταμένος ἔχων τὰς χεῖρας· μετὰ  
δὲ <τὴν> τρίτην ἡμέραν λέγει αὐτῷ· ἰδοὺ κατὰ τὴν δυνάμιν  
μου ἐώρτασα τὸ πάσχα· καὶ λέγει αὐτῷ  
ὁ μαθητὴς αὐτοῦ· ἀββᾶ, τί ἐποίησας οὕτως;

3. La notizia sul nome del laico non è passata nel testo slavo.

3-4. Un testo vicino allo slavo si otterrebbe solo emendando il testo sintatticamente  
zoppicante di G καὶ παραβαλόντι τινὶ τῶν Πατέρων, παρεκάλεσεν αὐτὸν ἵνα κτλ.  
in καὶ παραβαλὼν τινι κτλ.

21. Pa μετὰ δὲ τὴν τρίτην ἡμέραν

22. Pa om. μου.

1. и рѣ ѿмѣ старѣць. си ѿ чедо прѣзникъ и Пѣ-
2. сѣхѣ инѣхѣ. даже оумѣ него мимѣидѣть
3. вещи и мѣльвы мѣра сѣго, ѿ сѣ бѣмѣ съберѣ-
4. тѣ сѣ. и бѣмѣ и онѣ мѣре прѣидѣше. и тогда Пѣ-
5. сѣхѣмѣ ѣдѣше · Конѣць прѣиѣше имѣ-
6. на и словеса ѿмѣсѣмѣ еже по азѣбѣж(ы ·)

**158V**

1. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· τοῦτό ἐστιν τέκνον ἑορτὴ καὶ πά-  
σχα τοῦ μοναχοῦ, ἵνα ὁ νοῦς αὐτοῦ διαβῇ  
τὴν ὕλην καὶ τὸν θόρυβον τοῦ βίου τούτου, καὶ μετὰ τοῦ  
θεοῦ γένηται· καὶ γὰρ ἐκεῖνοι τὴν θάλασσαν ἐπέρασαν, καὶ τότε
5. ἔφαγον τὸ πάσχα.

2. Pa τῷ μοναχῷ



## INDICE

### INTRODUZIONE

|                                                      |    |
|------------------------------------------------------|----|
| 1. I pateriki e le loro fonti greche                 | 1  |
| 2. Manoscritti utilizzati                            | 4  |
| 3. Criteri seguiti per l'edizione del testo          | 12 |
| 4. Sul rapporto strutturale tra AP e le fonti greche | 19 |
| 5. Considerazioni conclusive                         | 23 |
| Appendice: scelta di varianti del ms. HB             | 24 |
| Sigle e segni ecdotici                               | 52 |
| Bibliografia                                         | 55 |

### TABELLE

|                      |     |
|----------------------|-----|
| Premessa esplicativa | 59  |
| 1.                   | 62  |
| 2.                   | 65  |
| 3.                   | 72  |
| 4.                   | 105 |
| 5.                   | 106 |
| 6.                   | 109 |
| 7.                   | 113 |
| 8.                   | 114 |

EDIZIONE DEL TESTO SLAVO E DELL'ORIGINALE GRECO 116





Copia della presente pubblicazione è stata depositata presso le autorità competenti  
in conformità a quanto disposto dal D.L. 31/8/1945, n. 600, nel mese di luglio  
1996

Stampato in proprio  
presso l'Università degli Studi di Salerno

